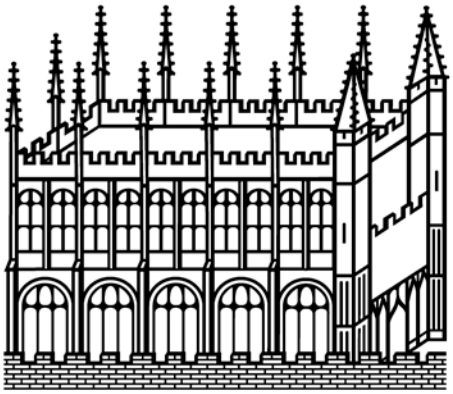


Bodleian Libraries

UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks



This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

13.E.24. Hindi Valm I

Indian Institute, Oxford.
The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.

Rāmavilāsa Rāmāyaṇa.

Ramaen Ram Billas Nagree

रामबिलास रामायण ॥

अर्थात्

वाल्मीकि कृत रामायण का भाषा उल्था ॥

जिसमें

रामावतार के सम्पूर्ण चरित्र जन्मसे वैकुण्ठवास पर्यन्त
और रामाश्वमेधादिकीकथा विस्तारपूर्वकवर्णितहैं ॥

जिसको

महा महोपाध्याय विद्वद्वृन्द शिरोमणि त्रिपाठि वन्शो-
द्भव अवधमण्डलान्तर्गत पीरनगरनिवासि ईश्वरी
प्रसाद शर्म्माने दोहा चौपाई आदि सुललित
छन्दोंमें वर्णन किया है ॥

वही

विद्यारसामृतस्पर्शियों और हरिभक्तोंके मनोरञ्जनार्थ

दूसरीबार

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोरकेछापाख़ानेमेंछापीगई ॥

अक्टूबर सन् १८८२ ई० ॥

इश्तिहार॥

प्रकटहो कि इस मतबेमें प्रत्येक प्रकार की संस्कृत और भाषाकी पुस्तकें मौजूद हैं उसकी फ़ेहरिस्त नीचे लिखी है और क़ीमतभी इससाल में बहुत सस्ती नियत हुई है जिस किसीको आवश्यकता हो मतबेके नाम पत्र भेजकर मंगालेवे॥

नामकिताब	नामकिताब	नाम किताब
ज्योतिषपुराणवैद्यकादिकी संस्कृत पुस्तकें	जिसको मुहूर्त्तचक्रदीपिका भी कहतेहैं	द्वितीय अमृतसागर
श्रीमद्भागवत	कथा सत्यनारायण भाषा	निघंटु भाषा
दशमस्कन्ध	टीका सहित	रामविनोद
देवीभागवत	पाराशरी सटीक	अमरविनोद
मनुस्मृति	संध्योपासनादिपंचमहायज्ञ	औषधिसंग्रह कल्पबल्ली
मार्कण्डेयपुराण	श्रीगोपालसहस्रनाम	वैद्यजीवन
संग्रहशिरोमणि	महिम्नस्तोत्र	वैद्यमनोत्सव
अमरकोष तीनोंकाण्ड भाषा	अपराधभंजनस्तोत्र	**इतिहासपिंगलवेदा**
टीका सहित	**भाषाज्योतिषकी पुस्तकें**	**तथौर छन्दादिकी पुस्तकें**
अमरकोष प्रथम कांड	तुलसीशब्दार्थप्रकाश	तुलसीकृत रामायणकोष
शार्ङ्गधर भाषा टीका सहित	भाषाजातकालङ्कार	सहितटेपकी तथाजिल्दबं
सिद्धान्तचन्द्रिका	सामुद्रिक	धीतथा सटीक मानसदीपि
मुहूर्त्तगणपति	दैवज्ञाभरण	काकोषआदि संयुक्त पत्थर
याज्ञवल्क्य भा० टी० सहित	रमलसार	कीतथा जिल्दबंधी
दुर्गापाठ सटीक	ज्ञानस्वरोदय	मोटे अक्षरोंकी रामायण
दुर्गापाठ मूल	**वैद्यककी पुस्तकें**	गीतावलीरामायण
शीघ्रबोध	अमृतसागर बड़ी	कवितावलीरामायण
लघुसिद्धान्तकौमुदी	अबकीबिरइसमें अनेकप्रकार	सतशयीरामायण
भगवद्गीता विष्णुसहस्र-नाम सहित	केगुणकारीअमृतसदृशरस	दोहावली रामायण
लघुजातक भा० टी० सहित	पाक अवलेह गोलीआदि	सुखसागर
मुहूर्त्तचिन्तामणि सारिणी-	संयुक्त कियेगये हैं	सूरसागर
		भक्तमाल

श्रीगणेशायनमः ॥

रामबिलास रामायण ॥

बालकाण्ड ॥



छंद ॥ लहतसकलरिधिसिधिसुखसंपदहुविद्याबुधिसुमिरिग णेशगौरीनन्दनै । सिंधुरबदनशुंठिसोहततिलकलाल चंद्रबाल भालनैनदेतहैआनंदनै । एकदन्तभुजगबिभूषण परशुपाणिचारि भुजअभयकरतदासवृन्दनै । सुन्दरबिशालतनईश्वरीसभारुमन दयाघनहरणबिघनदुखद्वंदनै १ अरुणकमलदलद्युतिपदतलकल पदजनखहुजनु नखतसुभावते । बिमलतुषारसम सोहतशरीर शुंठिआननअनूपनैनखंजते सुभावते । धवलमराल पैसवारश्वेत पटसजि अंगअंगभूषण अमितछबिछावते । करनपुस्तकबीण ईश्वरीप्रवीणकवि बाणीरूपध्यानधरि हरियशगावते २ सोहत किशोरअंग कुन्दइन्दुकंबुरंग गौरी अर्द्धगगंगजटाजूट पैहसै । भूषणबिभूतिव्याल सितिकंठमुंडमाल ओढ़ेगजछालभाल बाल चन्द्रमालसै । दासनकेदोषदुख दारिदकरतदूरि महादानिदया खानिवेदगावतेयसै । ईश्वरीत्रिनैनबरबदनप्रसन्नभजु धन्यसोई नरहरिजाकेहिरदयबसै ३ ॥ पंचक ॥ कैटभमधुमददारनिकारनि महिषसदलकीक्षयकारी । धूम्राक्षैजार्योकोपानलतेचंडमुंडखंडन वारी । रक्तबीजरक्तौघपानकै शुम्भनिशुम्भभूपमारी । जयईश्वरी द्विजदेवसुखदहेरम्बअंबकीबलिहारी ४॥ फोलना ॥ जैतिहिमिबालिकाअसुरकुलघालिका कालिकापालिकासुरसहेतू । कुमुखहेरंबकी अंबजगदंबिके प्राणप्रियबल्लभावृषभकेतू । सिद्धिऔऋद्धिसुख

खानिधनधान्यकी दानिशुभगांगनासुतनिकेतू । भुक्तिमुक्तिप्रदे-
वाणिमहाराणितवप्रणतईश्वरीपाहिशरणदेतू५ ॥ दोहा ॥ सुमिरि
गजाननशिवशिवा वाणीरमारमेश । रामायणभाषाकरौं कियेच-
रितअवधेश ६ भाषारामायणकरन उरउपजतअह्लाद । हरि
प्रेरितसोबरणिहौं शिवाशंभुसंबाद ७ सनकशापलहिजयबिजय
दैत्यभयेबलबीर । रसारसातललैगयो हिरण्याक्षरणधीर ८
ताहिमारिमहिथापिपुनि ह्वैबराहभगवान । अपरकनककश्यप
भयो देवदुखदबलवान ९ ॥ दुतबिलंबिता ॥ तनयतासुभयोप्रह्-
लादजो । हरिकथारसमोअह्लादजो ॥ गुरुदुलारतनीतिपढ़ावते।
निदरिताहिरमापतिगावते १०॥ तोमर ॥ इकदिवसलैपितुगोद ।
पदुपुत्रदेमोहिंमोद ॥ तिनरामकोयशगाय । सुनिक्रोधभूरिबढ़ा-
य ११ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैराजसंडामरैदेखिकोप्यो । अरेदुष्टमेरे
कुलौरीतिलोप्यो ॥ सदाशंभुसेवापियारीहमारे । पढ़ायोसुतैशत्रु
नामैकहारे ॥ अहोजूकहौनेकमानैनमेरो । पढ़ैआपुहीयोंहठीपुत्र
तेरो ॥ सुतैसोरिसान्योतबैतेनमान्यो । तबैभूपआपनमहाशत्रु
जान्यो १२ ॥ दोहा ॥ मारैभूपअनेकबिधि मरैनसुतप्रह्लाद । राम
नामकीटेकदृढ़ हृदयननेकबिषाद १३ ॥ कबित्तचंद्रकला ॥ गिरिन
गिरायसांदि समुदबोरायफिरि पावकजरायपीर नेकहूनपाईतहा ।
गजनगँजाथसांपबीछिनडसाय त्रासकोटिनदेवायपै मरोनमारतै
रहा । ईश्वरीकहतप्रहलादकोप्रचारिआपु दैत्यराजखड्गखैंचि
कहुतेरोरामकहा । जनकेजवाबहूते जलदीजनमधारि खम्भफारि
ताहिमारि ह्वैकैनरसिंहमहा १४ ॥ चौपाई ॥ यहिबिधिदैत्यराज
प्रभुमारा । जनप्रह्लादसुयशबिस्तारा ॥ रामभरोसहोइदृढ़जाही।
सपनेहोइकलेशकिताही ॥ हिरण्याक्षभ्रातायुतसोई । रावण
कुम्भकरणभेदोई । तेपापिनतिहुंलोकसतायो । महाभारपृथिवी
जबपायो ॥ रोवतगईकमलभवतीरा । करिप्रणामसुनावनिज

पारा ॥ तबबिधिसुरनसहितकरिआसा । तुरतैगयेक्षीरनिधिपासा ॥ अस्तुतिकरतवेदबरबानी । गद्गदगिराप्रेमरससानी ॥ सुनिप्रकटेहरिदीनदयाला । जलजारुणबरनैनबिशाला ॥ शोभाधामश्यामतनसोहै । इन्दीबरतमालमनमोहै ॥ पीतीबरनिषंग कटिराजै । करशरसहशारंगबिराजै ॥ चक्रगदादरनिसितकृपाना । प्रबलचारिभुजसोहैअजाना ॥ करकंकणपहुंचीमुंदरीबर । अंगदचारिलसैशोभाधर ॥ कुण्डलश्रवणकिरीटसुभाला । स्वर्ण जनेउसोहमणिमाला १५ ॥ दोहा । गरुड़ोपरिसंमुखलख्यो सियासहितसुखधाम । बिनयकरतसुरसिद्धबिधि पूरेमनअभिराम १६ ॥ चोपेया ॥ जयजयतिकृपालादीनदयाला हौंशरणागतआयो। जयजयतिमुकुन्दाआनँदकंदा सुरनबहुतदुखपायो॥ जयमुनिमनहंसावेदप्रशंसा तुमनिजजनसुखकारी । यहबिनयसुधारीसुनुअसुरारी भंजौबिपतिहमारी १७ ॥ मालिनी ॥ सुनिबिनयसुभाये हर्षिबोलेकृपाला। बिधिनिजहितभाषौ सोकरौंमैंउताला ॥ प्रभु भटदशशीशासर्बपृथ्वीसतायो। सकलसुरमुनीन्द्रैधर्मसंकेतपायो॥ तेहिबधुसुरसाईं रक्षमांदीनबंधो । महिसुरसुरगाई पालियेधर्म सिंधो ॥ प्रभुबिधिहिसुनायो मारिहौंमैंसुरारी । मनुजतनधरौंगो सर्बदुःखौघहारी १८ ॥ दोहा ॥ पूरुबकश्यपअदितिअति कीन्हो तपममहेत । तिनकेगृहओतरेंगे अंशनशक्तिसमेत १९ सोईदशरथकौशला ह्वैहैंअवधभुआल । ममसहायहितसुरसबै होउ जाइकपिभाल २० असआयसुदैतुरतही प्रभुभेअन्तर्द्धान । देव भयेकपिभालुसब महाकायबलवान २१ ॥ चौपाई ॥ अबबिशेष यहकथाअनूपा । अवधभयेदशरथजबभूपा ॥ सबप्रकारसुखसंपतिसाजा । राजतमनहुअपरसुरराजा ॥ तेजप्रतापबुद्धिबलवाना । सूरसुजानसुधर्मनिधाना ॥ तहिसमानभूपतिजगमाहीं । सुतबिहीनयहदुखमनमाहीं ॥ एकबारगुरुपदधरिशीशा । अपनमनोरथ

कहामहीशा ॥ जेहिसुतलहौंसोकरियउपाई । सुनिमुनिबोलेगिरा सोहाई ॥ सुनुनृपतवह्वेहैंसुतचारी । लोकपालइवयथामुरारी ॥ शृंगीऋषिहिबोलिकरियागा । अनलप्रकटिहबिदीन्हबिभागा ॥ कौशल्याकेकयीसुमित्रा । खाईहबिजेहिहोइसुपुत्रा ॥ गर्भसहित बीतेदशमासा । रामजन्मकरसमयप्रकासा २२ ॥ प्रज्झटिया ॥ चैत्रे शुक्लेतिथिनौमिगाइ । कुजअदितनखतमध्याह्नआइ ॥ लग्नेकर्के गुरुसहितचन्द । चौथेजूकेउच्चेसुमन्द ॥ सतयेंमकरेमंगलबिराज । नौमेमीनेसितकेतुराज ॥ दशयेंमेषेपूषनिसोहाइ । लाभेवृषबुध कन्यागुभाइ ॥ यहिभांतिपंचग्रहउच्चजाहि । त्रिभुवनपतितेहि कहियेसराहि ॥ इकछत्रअकंटककरैराज । भूमंडलजनुसुरपतिबिराज २३ ॥ हरिगीत ॥ जोब्रह्मअजअद्वैतअकल अनीहआदिअनामयं । जेहिवेदनेतिनिरूपनित्य अनूपश्रीकरुणामयं ॥ जेहि ध्यानशिवसनकादिऋषियन अगमअतिहिजनावहीं । सो आइ दशरथभवनप्रकटे कविसुकीरतिगावहीं २४ ॥ कवित्त ॥ सोहत किशोरतन श्यामल कोमलघन अरुणचरण तनकुलिशादिरेख है । प्रबलप्रचण्ड भुजदण्डनागशुण्डसम आयुधसमेतबाहु भूषणबिशेषहै । शरदेंदुमुखसुखसीव ग्रीवहारमणि कुण्डलकिरीट छबिबरणै कि शेषहै । कमलनयन मृदुबयनपियूष निधि पीतपट चित्तचोरैशोभासो अलेखहै २५ ॥ चोपया ॥ इन्दीवरश्यामा अति अभिरामा कौशल्याजबदेखा । भुजचारिप्रबलबर शंखचक्रधर माथेमुकुटबिशेषा । कुंचितशिरअलकैंकुण्डलझलकैं कोटिनसूर्य प्रकासा । श्रुतिअधरनासिका रूपराशिका मधुरमनोहर हासा २६ ॥ मालिनी ॥ तनमनबरबानी प्रीतिसोंहर्षिरानी । त्रिभुवन पतिजानीभक्तिसानीबखानी । तुमजगपितुमाता विश्वविख्यात गाथा । सुरमहिसुरत्राता सर्बनाथाधिनाथा २७ ॥ नराच ॥ नमोस्तुदेवपादपद्मबारबारशीशते । अजादिशंकरादिबन्दनीयतौन

ईशते। अनाथनाथमोहिंपै प्रसन्नह्वै कृपाकरौ । समस्तभक्त मोदहेतु बालरूपकोधरौ २८॥ दोहा ॥सुनिकौशल्याकेबचन श्रीपतिश्रीभगवान। ह्वैशिशुसुन्दरश्यामवपु द्वैभुजपरमसुजान २९ तोमर॥ शिशुरूपसुन्दरनैन। सुनिरोदनैमनचैन ॥ दशरत्थसोसुनि कान। सुखब्रह्मकेअनुमान ॥ गुरुसंगगेनिजगेह । लखिपुत्रभा अतिनेह ॥ बरकेकयीसुतजाय। उरमोदभोअधिकाय३०॥ दोहा ॥ भयेसुमित्राकेतबै द्वैसुतसुन्दरगौर । शरदकमलनिन्दकनयन त्रिभुवनकेशिरमौर ३१ ॥ भुजंगप्रयात छन्द ॥ करैंसबगन्धर्बरागावली है। नचैंकिन्नरीऔनरीजे भलीहैं ॥ लखैंवृन्दवृन्दारकाव्योम छाये। करैंवृष्टिपुष्पावलीप्रीतिलाये ३२ ॥ दोहा ॥ नांदीमुख नृपश्राद्धकरि जातकर्मसबकीन्ह । छट्ठीबरहाआदितेद्विजनदान बहुदीन्ह ३३ ॥ नराच ॥ महाअनंदह्वैनरेंद्रबोलिबिप्रवृन्दनै । हजारग्रामहेमरत्न गोसमूहकोगनै । पटम्बरादिभोजनै समस्त स्वादसोसनै। दियेप्रपूजि प्रीति सो अशीशलै जनै जनै ३४ ॥ हरिगीतका ॥ त्रैलोकरमण बिचारिमन चरअचरजलथलमैंमहा । तोहिंरामनामपुरारिप्रिय अतिहृदयगुणिगणिगुरुकहा ॥ जग भरणपोषणशक्तिजेहितेहि भरतअसभाषतभये । लखिसकल लक्षणधामरामसप्रेमतेलक्ष्मणलये ॥ जेहिसुमिरि शत्रुननाश तेहिमुनिशत्रुहननामैंकहा । रामलक्ष्मणभरतरिपुहन पाय सांस सुसँगगहा ॥ सुन्दरमनोहर युगुलजोरी श्यामगौर बिराजई। कलधौत मर्कत लखत लाजत नृपतिमंदिरभ्राजई ३५ ॥ त्रिभंगी ॥ खेलतअँगनैया चारिउभैया निरखतमैया हरषाई। झगुलीतनपीली परमरँगीली केहु केहुनीली पहिराई। सुन्दरपगपैंजन नयनसुखंजनरंजितअंजनसुखदाई । मानोचहुंचंदाशिरमसिबिंदा बिहरैंअनंदामहिआई ३६ तोतरिमृदुबोलाललितकपोला कुण्डललोलाक्षबिभारी । करकड़ाबिराजैअंगदराजैपहुंचीभ्राजैअ-

तिप्यारी ॥ कठुलागजमोतीहरिनखसोती मणिगणज्योती मन भावै । किंकिणिकटिकलधुनि पगनूपुरसुनि थकिकबिगुणगुनि किमिगावै ३७ ॥ प्रज्झटिका ॥ भोजनहितनृपतिबोलावसाथ । नहिंआवत शिशुतजि बालगाथ ॥ जननीधावत चहैंगोदलैन । भाजतप्रभुकहि तोतरेबैन ॥ फुसिलाइलाइ बैठारिसंग । मुखमेलि कौरकछु लपटिअंग ॥ चितचपलचटकिपुनिचलैपराइ । कौतुक लखिदम्पतिमनसिहाइ ३८ ॥ चौपाई ॥ एकसमयबशिष्ठमुनिआये । जटामुकुटतपपुंजसोहाये ॥ कौशल्यासुनिपुत्रसमेता । बंदिचरण लैगईनिकेता ॥ सुतसनमुनिपूजाकरवाई । दीन्हअशीषशीशकर लाई ॥ सिंहासनबैठेमुनिराई । रामहिंगोदलियेहर्षाई ॥ सुनत सुमित्रासुतनसमेता । गुरुपदपरीकीन्हअतिहेता ॥ मंगलआशिष देनिजपासा । बैठारेदोउतनयहुलासा ॥ सुनिकेकयीचलीहर्षाई । सुतकरगहिसबसाजबनाई ॥ दासीबिपुलचमरशिरढारैं । ब्यजन करैंकोउबसनसुधारैं ॥ मंदमंदचलिमुनिपदलागी । पुत्रहिचरण मेलिबड़भागी ॥ कुशलरहैंतवतनयअनूपा । धरमसहितसेयो निजभूपा ३९ ॥ सोरठा ॥ तुम्हरीकृपाकृपाल कौशल्याकरजोरि कह । रबिकुलसकलभुवाल आमंगलकबहुंनलहा ४० ॥ चौपाई ॥ सपनएकदेखामहिस्वामी । रामचतुर्भुजअहिअरिगामी ॥ चक्रादिकआयुधकरलीन्हे । पीताम्बरकिरीटशिरदीन्हे ॥ कहासुमित्रा सुनहुमुनीशा । लषणहिंमैंलखिसाहसशीशा ॥ रिपुसूदनशतसूर्य समाना । सपनसुदर्शनकेअनुमाना ॥ कहाकेकयीशंखस्वरूपा।भरतहिमैंदेखामुनिभूपा॥ अपरराजरानिनअसदेखा । रामरमापति सुंदरबेषा ॥ सुनिरानिनकेवचनसुहाये । मुनिधरिध्यानदीखसचुपाये ॥ येभूभारउतारनकारण । रावणादिनिशिचरसंहारण ॥ आविर्भूतभयेनृपगेहा । बिहँसिकहाऋषिसहितसनेहा ॥ सुनहु रानियेरामसुजाना । हरिसमगुणगणतेजनिधाना ४१ ॥ दोहा ॥

बिष्णुपार्षदसरिससब सुतयेपरमबिशेष । तेहितेदेखासपनअस यथातत्थ्यबरबेष४२ ॥ चौपाई ॥ पुनिरानिनमुनिसनबरमांगा । रक्षियबालककरिअनुरागा ॥ खेलतअजिरदृष्टिकरदोषा । भूतप्रेत डाकिनीकुरोषा ॥ मारिकादिराक्षसउतपाता । सबसनरक्षाकरु मुनिज्ञाता ॥ कहमुनिबालनरक्षाहेतू । दिनप्रतिआउबराजनिकेतू ॥ असकहिगुरुनिजभवनसिधाये । धन्यमातुपितुजिनसुत जाये ॥ धन्यअयोध्यापुरनरनारी । जिनदेखादशरथसुतचारी ॥ धन्यधन्यमैंप्रोहितरूपा । परब्रह्मदेखानरभूपा ॥ रक्षाहेतुआव मुनिदिनदिन । रामदरशलालसाक्षणहिंक्षन ॥ अपरकथाअब कहौंसोहाई । मातुगोदक्रीड़तरघुराई ॥ धात्रीतहांसुधन्यानामा । आईअतिसुन्दरीललामा ॥ भूषणसकलअंगअँगसाजै । छबिबिलोकितेहिरतिमनलाजै ४३ ॥ दोहा ॥ रामचन्द्रतेहिगोदमें आये करतबिनोद । देखततुरतउछंगलै धन्याअतिमनमोद ४४ ॥ चौपाई ॥ धन्याकहारानिसुनिलीजै । यहिऔसरमोहिंआयसुदीजै॥ भरतमातुयहराजतराजा । लावोंअबहिंदेखाइसमाजा ॥ कौशल्यातबकहमुसकाई । लाउदेखाइजोतुवमनआई ॥ भूषणबसन रामअँगसाजे । गैलवाइजहँराजबिराजे ॥ केकयिभवनमनोहर ताई । द्रव्यसमाजकहैकोगाई ॥ बाजमृदंगआदिबरबीणा । नृत्य करैंअप्सराप्रबीणा ॥ दंतीदन्तपलँगनृपराजै । निकटरानिकेकयी बिराजै ॥ लालतसुतहिगोदकरलीन्हे । हासबिलासकरतमनदीन्हे ॥ इन्दीबरकोमलतनरामा । धात्रीगोदलियेअभिरामा ॥ नृप रानिहिंप्रणामकरवायो । देखततुरतराजउरलायो ॥ तातताततकहिकरतदुलारा । पुनिरानीलैकीन्हपियारा ॥ राजनराममोहिंजसभावैं । तसनभरतममनअसआवैं ४५ ॥ दोहा ॥ तबैलषण रिपुसूदनहिंलाईधाईधाइ । देखिमगनसुखसिंधुनृप मनौअपरसुरराइ ४६ ॥ चौपाई ॥ रानीसबआईहर्षाई । सुतखेलतलखिसुखअ-

धिकाई ॥ नृपकेकयीकहासमुझाई । पूजौसबसौतिनगृहआई ॥ चंदनकमलमालअरुबीरा । सींचासबगुलाबकेनीरा ॥ मधुरबचन कहिकहिपरितोषी । रानीसकलखुशीअतिचोषी ॥ कहाराजमैंद्विज पदसेवा । पायेसुवनचारिजनुदेवा ॥ ममकुलकीर्तिबढ़ावनवारे । प्राणहुंतेमोहिं अधिकपियारे ॥ यहसुनिरानिनकहनृपपाहीं । तुम समपुण्यसिंधुजगनाहीं ॥ हमसबपुण्यधामबरबामा । भाइनसहि तपावसुतरामा ॥ अबहमरेमनपरमउछाहू । कबदेखब रघुबीर बिवाहू ॥ कबहोइहितबकृपासमाजा । रामचन्द्रहवैहैंयुवराजा ४७॥ दोहा ॥ सुनतमंथरादुखितहवै केकयिसमअरगाइ । कहीकथा सबब्याहकी चाढ़प्रसादपरजाइ ४८ ॥ चोपाई ॥ एकसमयनारद बिज्ञानी । आयेदशरथकीरजधानी ॥ पूजानृपबरआसनदीन्हा । कहांतेगमननाथतुमकीन्हा ॥ ब्रह्मभवनतेनृपमैंआयों । बसुन्धराघ रघरनमझायों ॥ ककयभूपसुतासमरूपा । त्रिभुवननहिं असिनारि अनूपा ॥ तेहिकरमैंदेखाबररेखा । अवधभूपरानीमनलेखा ॥ तासुतनयहोइहिगुणसागर । बिष्णुभक्तहिलोकउजागर ॥ करुसो यतनब्याहिघरआनू । भूपहोइतवबड़कल्यानू ॥ अससिखाइनारद बिधिगेहा । गयेनृपतिमनभैसंदेहा ॥ तेहिऔसरयोगिनियकआ-ई नृपतिपूंछिमनकादुचिताई ॥ साढ़सातसैतबबरनारी । रतिते अधिकरूपउजियारी ॥ ४९ ॥ दोहा ॥ तवप्रतापबलसुनतहीदेवन बिस्मयहोइ । किमिशोचतनृपदीनवत् मोहिंसुनाइयसोइ ५० ॥ मोसनमुनिनारदकहाकेकयिरूपबखानि । मोहिं मिलैसोकरुयतन निजबुधिबिद्याठानि ५१ ॥ चौपाई ॥ कहयोगिनिसुनुनृपतिप्रबीना । यहजगसबमेरेआधीना ॥ जोछलकरिमैंलावोंताही । नरकहोइ कोउभलनसराही ॥ सोकरिहोंअबहींमैंजैहों । ककयसुतैब्याहि तोहिं लैहों ॥ गैयोगिनितुवपुरीसोहाई । सरलखितहांसमाधिल गाई ॥ पुरजनलखिसबकरैंबड़ाई । बड़िसिद्धिनितापसियकआई ॥

तुमसुनिमोहिंसँगलेतहँजाई। योगिनिमिलिमनहर्षबढ़ाई॥ देखत ककयिरूपअपारा। योगिनिनिजमनकीन्हबिचारा॥ सुतामांगु मेसनबरचाही। पैहौतसनिजभागसराही॥ तबतुमकहगुणज्ञान विधाना। रूपशीलनिधिसबजगजाना ५२॥ दोहा॥ बिद्याबिपुलप्रतापनिधि त्रिभुवनजाहिसिहाइ। असअवनीशकोभूमितल कहुम्वहिंमातुबुझाइ ५३॥ चौपाई॥कहयोगिनिमैंत्रिभुवनदेखा।स्वर्ग पतालमहीशबिशेषा॥ तुमसमरूपवतीजगमाहीं। देखामैंकतहूं कोउनाहीं॥ सर्वभौमपतितवभर्तारा। रेखातवकरपरीउदारा॥ मन्दहासकरितुमनिजगेहा। लाइताहिबहुकीन्हसनेहा॥ तुवजननीलखिदीन्हसुवासा। निजमन्दिरसबभांतिसुपासा॥ योगिनि सेवातुममनदीन्हा। तोहिंस्ववससबभांतिनचीन्हा॥ तबदशरथ कीकीन्हिबड़ाई। बलप्रतापतनसुन्दरताई॥ बिद्याशीलसकलगुणआगर। बिष्णुभक्तत्रयलोकउजागर॥ अवधनरेशसुरेशसमाना। अपरभूपपृथिवीनहिंआना॥ जोबियाहदशरथसनह्वैहै। नतरु बादितवजन्मगँवैहै॥ सुनिकेकयीकहासुनुमाता। नारदहूभाषी असिबाता॥ जेहिबिधिपावोंअवधनरेशा। मातुमोहिंसोकरुउपदेशा॥ उदासीनरहुसुताबनाई। मौनीभूखपियासबिहाई॥ सोइ कीन्हाकेकयीप्रबीना। मलिनबसनतनमनअतिदीना॥ श्वासऊर्द्ध करिनैननआसू। कोउकछुकहैनबोलैतासू ५४॥ दोहा॥ देखिदशाअसिसखिनतब मातेखबरिजनाइ। बिकृतसुतातबभईअति जबतेयोगिनिआइ ५५॥ चौपाई॥ मातैंआइसुतासनभाषा। पुत्रीतवमनकाअभिलाषा॥ कवनिब्याधिउपजीअँगतोरे। किमिनिशिदिनमनराखतढोरे॥ कछुअभिलाषनमोमनमाई। ब्याधिनएकौममतनआई॥ तबरानीयोगिनिढिगआई। हाथजोरिपूंछामनलाई॥ योगिनिकहानमैंकछुजानौं। लोकबार्तामनहिंनआनौं॥ पूंछा सुतैमोहिंयकबारा। कवनश्रेष्ठजगबीचभुवारा॥ मैंदशरथकर

कीन्हबखाना । अवधनाथसुरपतिजनुआना ॥ तबरानीनिजमंदिर आई । शयनहेतबरसेजबिछाई ॥ कन्यागतिभूपतिसनगाई । अवधनाथकीकरीबड़ाई ॥ बेगिबिवाहकरोनरनायक । जोकदापि दशरथबड़लायक ५६ ॥ दोहा ॥ सोकरिहौंजोकहातुम कन्यामन रुचिजानि । प्रातन्हाइभूपालमणि बैठसभानिजआनि ५७ ॥ चौपाई ॥ आयेसबमंत्रीअरुप्रोधा । बिपुलभूपनानाबरयोधा ॥मंत्रिनबोलिराजअसभाषा । सुताब्याहमैंअसिअभिलाषा ॥ अवधराज कीकहीकहानी । भलेनाथमंत्रिनकहिबानी ॥ एकनकहावृद्धनरनाहू । कतकन्याकरकरबबिवाहू ॥ एकनकहाबहुतजेहिरानी । तहँबिवाहकीकामतिठानी ॥ तहांगर्गमुनिजगबिख्याता । मैंशिव शंकरमुखसुनिबाता ॥ धनपतियज्ञमांझसबआये । देवपितरगंधर्ब सोहाये ॥ रावणडरसबकरैंघनेरा । तबशिवशंकरअसकहिटेरा ॥ दशरथअवधनाथभूभारी । ताकेमहिषीतीनिपियारी ॥ कौशल्या केकयीसुमित्रा । तिनतेह्वैहैंचारिसुपुत्रा ॥ जेठरामपितुआयसु पाई । जैहैंबनसुरमुनिसुखदाई ॥ सोरावणहिंकुटुम्बसमेता । मरिहैंनरसबहोउसचेता ५८ ॥ मधुभार ॥ सुनिसत्यबात। नृपहर्षि गात ॥ कहगुरुहिजाउ । राजहिसुनाउ ॥ ममसुतातनैं । सोराज भुनै ॥ यहकरकरार । तौतिलकसार ॥ नतुघूमिद्वार । आयोसबार ॥ सुनिनृपतिबैन । गुरुगयेचैन ५९ ॥ दोहा ॥ यहवृत्तान्त सुनिकेकयी योगिनितेकहजाउ ॥मोरिदशाअवधेशसों माताप्रथम सुनाउ ६० ॥ चौपाई ॥ योगिनिआइकथासबगायो । नृपदशरथ सुनिमोदबढ़ायो ॥ प्रातकालआयोमुनिगर्गा । जगबिख्यातद्वार जहँसर्गा ॥ सरयून्हाइकीन्हतहँबासा । सुनिनृपद्विजनसहितगयो पासा ॥ चरणबन्दिबहुबिनयसुनाई । पूजिभवनलायोमुनिराई ॥ देखिसियानृपकीमुनिराई । बिस्मयकारकसबप्रभुताई ॥ भोजन हितनृपकहमुनिनाहैं । करियद्विजनसहजोचितचाहैं ॥ नृपहिप्र-

शंसिकहामुनिज्ञानी । पठयोमोहिंकेकयगुरुजानी ॥ तौनिआउ पूजौममआजू । हेरघुकुलमणिराजनराजू ॥ सुनिमुनिगिराकहा महिपाला । कहौतौनकरिहौंयहिकाला ॥ काशमीरभूपतिअस चाहा । निजकन्यैतबकरनबिवाहा ६१ ॥ दोहा ॥ पैसोकन्यापुत्र जो होइतौनयहराजु ॥ समयपाइपावैस्वई देउबचनयेआजु६२॥ चौपाई ॥ तबदशरथगुरुसम्मतलीन्हा । करबसोइमुनिसनकहि दीन्हा ॥ भोजनकीन्हगर्गमुनिज्ञानी । पुनिबिवाहकीबिधिसब ठानी ॥ मंत्रिहिराजसौंपितेहिकाला । काशमीरगेअवधभुआला ॥ केकयभूपकीन्हसनमाना । कन्याब्याहिदीन्हजगजाना ॥ दाइज लैपुनिअवधहिआये । सुखसमेतबहुदिवसबिताये ॥ सोसुधिरानि कहांधरिराखा । सौतिनरामतिलकअभिलाषा ॥ सोईबातैंतुम्हैं सोहाई । भरतराजभूपतिहुभुलाई ॥ सुनिमँथराबचनजबरानी । चेरिनीचकहिबहुतरिसानी ॥ तोहिंरामअप्रियकिमिआहीं । अति प्रियमोहिंभरततचाहीं ॥ काटैनाककानशिरतोरा । पापिनिकिमि कहुबचनकठोरा ६३ ॥ मधुभार ॥ भैघरिकबार । भूपतिबिचार ॥ रिपुदवनजाउ । केकयिहिलाउ ॥ गेतुरतधाइ । करगहिउठाइ ॥ सुनुबातमाइ । तोहिंबोलराइ ॥ धरिबसनकोर । मंथराजोर ॥ सुनुबातऔर । तबतजौठौर ॥ रिपुहनरिसाइ । हनिगेंदधाइ ॥ गिरिभूमिआइ । कहिहाइहाइ॥ गहिमातुपानि। बहुहँसतजानि ॥ तबनृपहिआनि । पुनिमिलीरानि ६४ ॥ दोहा ॥ उरताड़तनिज मंथरा नृपढिगगिरीहहाइ ॥ मोरिसुमित्रासुवनलघु तोरीरीससो-हाइ ६५ ॥ चौपाई ॥ नईरहौं मैंअस्तनभारा । असिगतिकीन्ही तनैतुम्हारा ॥ बहुरिसुमित्रैंकहारिसाई । तवसुतमोहिंमाराबरि-आई ॥ सोसबयहमतिअहैतुम्हारी । कहासुमित्राकहुंनबिचारी॥ शिशुनखीझरोवैकीमारै । औरनकछुबलहृदयबिचारै ॥ तहांसु धन्याधाईआई । कहेबचनरानीरुषपाई ॥ अहोमंथराबालकदोषा ।

हृदयअनुजनिकरसिनरोषा ॥ बालककंदुकफूलसमाना । बज्र-
घातसमस्वसतनिदाना ॥ पापिनितैंममकरुपरिहासा । नृपहि
रिझाउमोरिहगनासा ॥ जासुघातटूटीममदेहा । ताहिकहतहठि
बालकयेहा ॥ तबचेरिहिनृपकहाबुझाई । बहुबेदनतौकरियउपा-
ई ॥ कहौहरिद्राबांटिथोपावौं । नतरुबैद्यकोउगुणीबोलावों ॥
अहोराजबंचतकतमोहीं । याकरफलदेहौंमैंतोहीं ॥ सुनिमंथरा
बचनकैकेयी । दुरिआयोबहुगारीदेई ६६ ॥ दोहा ॥ बिहरतकेकय
भबननृप आयसुलैलैबाल । गवनीनिजनिजमंदिरन महामोद
तेहिकाल ६७ चारिउभाइनप्रीतिलखि सुरमुनिसकलसिहाइ ।
जोनरामपदरतिचहै वादिजन्मतेहिजाइ ६८ ॥ चौपाई ॥ अवध
आइलोमसंयकबारा । पुरबासिनभाहर्षअपारा ॥ चरणबन्दिकी-
न्हाबहुसेवा । नाथकहौंकुबरीकरभेवा ॥ तुमतृकालदरशीजगजा-
ना । अपरनअसगुणज्ञाननिधाना ॥ जीवचराचरजेजगमाहीं ।
प्राणहुअधिकरामप्रियताहीं ॥ केहिकारणयहिबैरबढ़ावा । हर्षि
मुनीश्वरसकलसुनावा ॥ पूरुबदेवासुरसंग्रामा । सुतप्रह्लादबि-
रोचननामा ॥ ब्राह्मणभक्तकर्ममनबानी । अतिउदारअसभयोन
दानी ॥ तेसुरपुरहठिसकलछड़ायो । देवनराजहीनदुखपायो ।
देवराजगुरुसनकहजाई । जेहिदुखमिटैसोकरियउपाई ॥ कह
गुरुसुनौमंत्रदृढ़येहा । द्विजहवैयांचुजाइतेहिगेहा ॥ मांगेउआय
सोदैततकाला । आनउपाउनहोउनिहाला ६९ ॥ दोहा ॥ कहा
कीन्हसुरराजतब मांगीभिक्षाजाइ । दैत्यराजनिजप्राणतजि क-
पटद्विजहिहितलाइ ७० ॥ चौपाई ॥ देवराजनिजपदपुनिपायो ॥
भूपनिधनसुनिअसुरडेरायो ॥ भूपसुतामंथराकराला । दैत्यनधीर
दीन्हत्यहिकाला ॥ पुनिसुरारिदवतनप्रचारा । लरिभागेमंथरै
पुकारा ॥ जाइमंथरासुरनबिडारा । पाहिपाहितिनहरिहिपुकारा॥
गदाचक्रधरगरुड़सवारा । आयेहरिसुरकाजसवारा ॥ प्रभुसुरप-

तिहिकहारणमाहीं। नारिबधेकछुपातकनाहीं॥ गेसुरपतिमंथरै प्रचारा। बज्रपातकरिअवनिपछारा॥ पुनिहरिचरणगहेसुरराई। देवसकलतबपदशिरनाई॥ कहहरिसुरकुलरक्षाकारण। धरत रहौंमेंबहुअवतारण॥ वहांमंथरैशिवकाघाली। गृहलैगयोअपर जहँ आली ७१॥ दोहा॥ कहामंथरात्रियनसों तुम्हरेपतिहित काज। बज्रघातरणमहँसह्यों परिहरिनिजकुललाज ७२॥ चौपाई॥ त्रियनकहाजलपतकतआई। देखनगयउदेवसुघराई॥ अपरकहैनिजउरुजउतंगा। देखैसुरब्रतकूटअभंगा॥ अपरकहै अबरणमहँजाई। आवोजीतिदेवधरिआई॥ अपरबैठिढिगबचन सोकहई। स्त्रीप्रबलनीकनहिंअहई॥ खीझमंथरासुनित्रियबानी। बड़पापीसुरपतिहिबखानी॥ जेहिस्त्रीहतिलाजनआई। यहिते अधिकनजगअधमाई॥ पुनिकहसुरपतिहूनहिंमोषा। विष्णुकहा रणहतेनदोषा॥ कीन्हहाइममतनहिंअनैसा। करतसदाहरिऐ-सहिऐसा॥ भृगुपतनीकहसुनापुराना। हतातादुकैसबजगजा-ना॥ दयासिन्धुपूतनैनशायो। वृन्दैरतितेहिपतिहिमरायो ७३॥ दोहा॥ हरिकरकरिणजानिकह सुनियेसकलसुरारि। जीहौंदेहौं फलतिनहिं मरेअपरतनुनारि ७४॥ चौपाई॥ सुनिपुरजनपुनि बचनप्रकाशा। भयोताहिकिमिअवधनिवाशा॥ कवनिपुण्यसो कहुमुनिराई। अतिपापिनिसोहरिगृहआई॥ कहमुनिकल्पवृक्ष भगवाना। बैरमरतहरिसनमतिठाना॥ जोमनसाकरितजैसदेहा॥ सोफलपावैबिनसंदेहा॥ मरीमंथराहरिमनलाई। कुटिलमनोरथ बैरबढ़ाई॥ जन्मीकाशमीरपुरजाई। दासीह्वैकेकयिसँगआई॥ पूरुबभावमिटैनहिंअबहूं। बैरकरततेहितेशठअबहूं॥ अवधप्रभाव राममुखदेषा। यहौपाइहैमुक्तिबिशेषा॥ सुनिलोमसकेबचनसो हाये। पुरजनमुनिपदशीशनवाये॥ रामदरशहितलोमसज्ञानी। गयेतहांभूपतिसहरानी ७५॥ कवित्त॥ बिदितशशांकयशउदित

प्रतापरवि सुकृतसमूहकीसुहातराजधनिया। सुरपतिसरससिहा-
तजासुभूरिभाग बरणिकिसकतसहसद्वै रसनिया ॥ जाकेराम
लक्षमणभरतशत्रुहन सुवनसकलगुणनिधिसुखदनिया। ईश्वरी
त्रिलोकतिहुंकालनभयोकबहुं दशरथसोंनरेश कौशिलासीरनि
या ७६ नीलजलजातगातमदमंदमुसुकात आननलखातसुरदेंदु
सुखदनिया। ललितसोहैंकपोलकाननकुंडलडोल नैनकंजखंज
लोलतोतरीबचनिया ॥ नासिकाअधरबरशिरकेशमनहर भृकुटि
असनसरछोटीसीदशनिया । अंगअंगईश्वरीभूषितपटभूषणन
मोदभरीगोदलियेदशरथरनिया ७७ रतनसिंहासनबिराजैराज
राजमणि देशदेशकेमहीशशीशपदनावते । दशौंदिगपाललोक
पालउपहारलैलै भेटहितदिनप्रतिअवधहिआवते ॥ मोदभरेगोद
मेंबिराजैंशिशुरूपराम शिवचतुराननबिलोकिसुखपावते। उदित
प्रतापयशबिभवत्रिकालजगदशरथसमकविकबहुंनगावते ७८ ॥
छप्पै ॥ कुलिशबिन्दुधनुध्वजाअर्द्धरेखारुचिराजै । अंकुशअमृतकु-
गडवस्त्रजंबूफलछाजै ॥ मानुषमीनमहेंद्रचापचक्रादिविशेषा। अष्ट
कोणषट्कोणत्रिकोणादिकबरबेषा॥ स्वस्तिकशंखहिमांशुतनघट
जवजलजसुबज्रवर। चौबीसचिन्हश्रीरामपदसुमिरतसायुनमुक्ति
कर ७९ ॥ दोहा ॥ देखतमुनिपदपंकरुह पूजिनरेशबिशेष ॥ आ-
सनअसनअनूपदै गुरुवशिष्ठसमलेष ८० दशरथप्रभुतारामशिशु
लीलाबिबिधप्रकार। देखनहितमुनिलोमस आवतबारम्बार८१
प्रज्झटिका ॥ पुनिअपरकथाकहिसूतगाइ । जोबालमीकव्यासहि
सुनाइ ॥ ब्रह्मादिदेवचढ़िनिजबिमान । आवैंअवधसरयूनहान ॥
सुरपतिस्यंदनबहुबस्तुधारि । खगमृगमणिमयकृत्रिनसँवारि ॥
रचिबिबिधिउपायनरामहेत । गन्धर्वपितरदिगपतिसमेत ॥ शिव
नंदीचढ़िगिरिजाअधंग। गवनैंअवधहिलेगणनसंग॥ सरयूनहा-
नबनिबिप्रबेष। श्रीरामदरशलालचबिशेष ८२॥ कवित्तअनंगशेखरछेद

लसैअनूपगौरगातकुन्दइंदुहूलजात पादपद्मबारिजाततेसुलाल रंगहै। भुजंगकंकनादिहारकंठनृकपारधारचन्द्रमाललाटओजटा कलापगंगहै॥ विभूतिलाइअंगमेंसुभंगकेतरंगमें चढ़ेवृषेशपैगमेंउ मैलियेअधंगहै। हरौपिबिष्णुवासरेनहानसारयूबरे सुरामदर्शआश रेगनौघसिद्धसंगहै ८३ ॥ नराच ॥ स्वयंभुवोअरूढ़हंसश्वेतरूपवा मसा।नहानसारयूजलैंस्वरामदर्शलालसा॥ ऋषीशनारदादिसंग ब्रह्मरागरागते। महाअनंदमग्नह्वैसुअवधग्रामआगते ८४॥ प्रमाणिका ॥ बिनाकौमातनै। समस्तबिघ्नकोहनै॥ त्रिनैनचन्द्रभाल है। करालव्यालमालहै॥ महाबिशालगातहै।सजानमूषजातहै॥ समूहसिद्धसंगलै। नहानसारयूजलै ८५ ॥ मालिनी ॥ सुरमुनिगण सर्बासाथलीन्हेस्वबामा। चढ़िगजरथघोरेआवतेअवधधामा॥ मग हरियशगावैंवृन्दबाजैंमृदंगा। नटिसुखउपजावैंअप्सरीभूरिसंगा ८६ ॥ चौपाई ॥ यहिप्रकारतपसत्यनिवासी। जनओमहर्लोकके बासी॥ ऋषिध्रुवलोकस्वर्गसुरसगरे। पृथिवीबिचसुमेरुपरबगरे॥ स्वरनपुहुपसमभूमिबिलासी। ऊंचोसहसचारिओआसी॥ चन्द्र-लोकरबिलोकमझावत। सुरगंगाजलशीशचढ़ावत॥ रबिकरताप नकाहुसतायो। बायुबेगसबअवधहिधायो॥ भरतखण्डलखिशीश नवायो। देखिशचीबिस्मयअतिपायो॥ पूछापतिहिकहौप्रभुभेवा। नमतकवनदेवहिसबदेवा॥ तबसुरेशनिजप्रियहिबुझायो। भरत-खण्डप्रभावसबगायो॥ पुण्यक्षेत्रशुभकर्मनशाधै। बसैसुरालय सोनिरवाधै॥ मैशतयज्ञकीन्हयहिधरणी। भयोसुराधिपसोबर करणी॥ तुमयहिधरणिपुण्यकरिभारी।भइउआइत्रिदशेश्वरना-रीं८७॥ दोहा ॥ जगन्नाथयेथपेबिधि जगउद्धारनहार। यहकाशी विश्वेश्वरहि प्रणयोबारम्बार ८८॥ चौपाई ॥ गंगागयाप्रयागहि आवै। कोटिजन्मकरपापनशावै॥ चित्रकूटबिकटेश्वरनाथा। वै-द्यनाथेश्वरनावहुमाथा॥ द्वारावतिमथुरावृन्दाबन। कृष्णजहांक्री-

ड़तधरिनरतन ॥ देखुअयोध्यापुरीसोहाई । नमस्कारकरुप्रेमबढ़ाई ॥ जनमेजहांरमापतिरामा । सुनतशचीउठिकीन्हप्रणामा ॥ अपरअप्सरागंधबनारी । शिरनवायजयजयतिपुकारी ॥ शचीअयोध्यहिमाथनवायो । सावित्रीलखिबिधिहिसुनायो ॥ कवनदेश तीरथसुरयेहा । नमतजाहिसुरबधूसनेहा ॥ कहबिधिअवधपुरी हरिधामा । यहैताहिउठिकरोंप्रणामा ॥ बिन्ध्याहिमगिरिमध्य सोहाई । पुण्यक्षेत्रपृथिवीश्रुतिगाई ॥ ब्रह्मद्रवसरयूगंगासरि । न्हाइजाइपितरनसमेततरि ८६ ॥ दोहा ॥ महिमासरयूअवधकी पुनिबिधिबहुबिधिगाइ । सावित्रीबहुबारतब करिप्रणामहर्षाइ ॥ ६० ॥ चौपाई ॥ अवधपुरीनरनारिबिशेषा । सुरसुरबधूनतिनसम लेषा ॥ भागरूपसबभांतिबड़ाई । रम्भादिकसुनिरहींलजाई ॥ तबबिधितटस्वयंभुमनुभूपा । जानलायकरिप्रश्नअनूपा ॥ तुमप्रभु कहाअवधनरनारी । देवनइनसमानतनधारी ॥ जन्ममृत्युअरुजरा सतावै । सोकिमिसुरनबराबरिपावै ॥ मलअरुमूत्रदेहदुरगन्धी । शोकदुःखव्याधिनसम्बन्धी ॥ सुनिनृपबचनदेवऋषिकहेऊ । सो सुनिसकलसुरनसुखलहेऊ ॥ राजनकह्योसत्यसबसोई । तदपि सुनौयहकारणहोई ॥ स्वर्गबिचुतसोमहितलजनमै । जरामृत्यु बहुव्याधिनभरमै ॥ महिसुकृतीवरिबिष्णुस्वरूपा । लहैपरम्पद परमअनूपा ६१ ॥ दोहा ॥ ऊर्द्धगमनसन्तानसुख लहिबैकुंठअनूप। अवधपुरीनरनारिसबबिष्णुलक्षमीरूप६२ तातेस्वर्गतेअधिकसुख कोशलपुरीप्रभाव । जोबैकुंठैजायकै बहुरिनमहितलआव ६३ ॥ चौपाई ॥ यहिबिधिबरणतहरियशनाना । तबलगिअवधनगरनियराना ॥ देखामणिकलधौतनिकेता । सुन्दरकूबिमयगगनउपेता ॥ बसैधनिकलक्ष्मीजहँपूरी । बनउपबनशोभाअतिरूरी ॥ प्रफुलित हरितनमितफलभारे । जेसुरतरुणलजावनवारे ॥ नदीपुलिनमणि मयसोपाना । उतरेसुरगणसकलबिमाना ॥ बिधिवतकरिसरयू

अन्हाना । पुलिनआइपहिरेपटनाना ॥ नित्यक्रियाकरिद्विजनबो
लाई । दियेदानमणिगणसमुदाई ॥ तेहिअवसरनृपशासनपाई । ग
हेवशिष्टपितापदजाई ॥ भुजभरिबिधिउठायउरलायो । स्वागतपू-
छिनिकटबैठायो ॥ हैंदशरथनृपसुतनसमेता । कुशलकहौमनआनँ
दहेता ९४ ॥ दोहा ॥ कुशलभूपनिजसुतनसहतवपददर्शनहेत ॥ आ
वतहैंअनँदभरेसुनियेकृपानिकेत ९५ ॥ रूपमालिनी ॥ तबकहाबिधिध
मज्ञनृपजेहिहरिभयोसुतआय । तुमजायकहियेसुरनसहमैंउहैंमि
लिहौंआय ॥ ममइष्टरामकृपालुदर्शनकरबसबसुखपाय । जिनना
भिकमलोत्पन्नयहतनसोभयोनरआय ॥ पितुगिरासुनिमुनिआय
बरगयोभूपतेअतिहेत । तवसुतबिलोकनआवतेबिधिशंभुसुरनसमे-
त ॥ तेहिसमयदेवसमस्तभूपहिजयतिबचसुनाय । हमआयतु-
म्हरेभवनआयसुदीजियेसुखपाय ९६ ॥ चौपाई ॥ ममपुरराज्य
भुवनयहतोरा । निजगृहआवतकाहिनिहोरा ॥ उठेबरासनते
लियरामहिं । बिधिकेनिकटगयोनिजधामहिं ॥ सुतसमेतपदशिर
धरिभूपा । सिंहासनबैठारिअनूपा ॥ तथाइन्द्रगणेशगौरीशा । बै-
ठारेपदबंदिमहीशा ॥ बिधिवतपूजिसबहिसबरीती । बिनयकीन्ह
भूपतिअतिप्रीती ॥ अबकृतकृत्यभयोंकहराजा । आयोकसगृहदेव
समाजा ॥ धन्यधन्यममभागअपारा । सुनिनृपबचनकहाकरतारा ॥
सत्यभागभूपतितवभारी । जाकेरामसरिससुतचारी ॥ युगयुगकी
रतिरहीतुम्हारी । असनहिंकोउत्रिकालतनधारी ॥ औरकहांलौं
करौंबड़ाई । तवसुतहरिसमानचहुंभाई ९७ ॥ हरिगीतिका ॥ तेहि
समयदशरथअंकराजतरामछबिअतिदेखिकै । तनपुलकगदगदगि
रानारद बिनयकरतबिशेषिकै ॥ प्रणमामिरामरमेशबिभुयोगीश
जनसुखदायकं । सुरश्रेष्ठज्ञानानन्दज्ञान स्वरूपअजसुरनायकं ॥
तपस्फलदातारतपमयतपोधनतापसबरं । बरदम्बरेगयंब्रह्मज्यो-
तिस्वरूपिणंत्रिगुणंपरं ॥ कंदर्पकोटिनशुभगतनरुचिश्या ॥ कर

मणिप्रभं । श्रीबासुदेवखरारिरामदशावतारधरंशुभं ९८॥ दोहा ॥ मच्छकच्छबाराहनर हरिबामनवपुधारि ॥ परशुरामश्रीरामहवै कृष्णबौद्धम्लेच्छारि ९९ ॥ चौपाई ॥ यहिप्रकारमुनिहरिगुणगावा । वेदहुजाकरपारनपावा ॥ सकुचिमुनिहिनृपबचनसुनाये । ममसुतब्याजविष्णुगुणगाये ॥ जसमुनिबरतुमकहाबखानी । तैसहिसदाकहैंसबप्रानी । अबमुनिमंत्रनरक्षाकीजै । शिशुतनसब बाधाहरिलीजै ॥ तबनारदमुनिकरिचतुराई । शिरतेअंगछुयेहरषाई । शिशुपदपरशिभागनिजजानी । गयेतुरतमुनिवरबिज्ञानी॥ ब्रह्मादिकलखिमुनिचतुराई । बिहँसिमनहिंमनरहेसिहाई ॥ यह इतिहास पढ़ैमनलाई । बालकरामकृपातरिजाई ॥ जन्मकोटि अघताहिनशाई । बसिवैकुंठपरमपदपाई ॥ लक्ष्मीसदाबसैंतेहि गेहा । लहैसर्बसुखहरिपदनेहा १०० ॥ दोहा ॥ गयेजबैंदेवर्षि तब नृपबिधितेकरजोरि ॥ हरिबासरसुरफलअसन करैमनोरथ मोरि १ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबब्रह्माकहसुनुनृपसुजान । हरिबासरयहभोजनबिधान ॥ दिनहरिकीरतिनिशिजागिगाय । हम तृपितसबैतवदर्शपाय ॥ पुनिभूपकहासुनुस्वामिबात । करुरक्षा जेहिचिरजीवितात ॥ सुनिनृपतिगिराबिधिकहिसहेतु । तवबचन सत्यरघुबंशकेतु २ ॥ चौपाई ॥ तबमनकीन्हबिचारबिधाता । ये प्रभुहैंत्रिभुवनकेत्राता ॥ तेमानुषलीलाबपुधारी । करिहैंसफल अशीषहमारी ॥ यहबिचारिबोलेगणनाथै । तुमफेरौरघुबरशिर हाथै ॥ तुमशिवशिवासुकृतकीढेरी । कौनकरैसुरसरवरितेरी ॥ सबविधिसबलायककेताता । बिष्णुभक्तिहुंपुरबिख्याता ॥ बिधिआयसुतेगणपशुजाना । कीन्होंरामनामकरगाना ॥ शुण्डा दण्डफेरिजबभाला । देखतप्रभुरोयेततकाला ॥ तबगणनाथफेरि करलीन्हा । बिधिहरिनिकट गमनतबकीन्हा ॥ आठौनयनदीख [illegible]नन । प्रियलागतजसतसनिजप्राणन ॥ रक्षाहितकरधरिह

रिभाला। अधिककुटिलमुखकीन्हकृपाला ३॥ दोहा॥ निजआस
नकिरिआइबिधि तबशंकरसुखपाय। इन्दीवरद्युतिश्यामतन
रामहिनिरखिबनाय ४॥ चौपाई॥ पन्द्रहनयनशंभुअवलोकैं। प्र-
कटनसकतप्रीतिमनरोकैं॥ हेबालकनिजजनप्रतिपालौ। ममउ
रबसौजहनडरकालौ॥ तदपिनरामनेकमुसकाने। बैठेशिवतबनि
जअस्थाने॥ पुनिषटमुखमनप्रेमअपारा। द्वादशनयननजाहिनि
हारा॥ बालकतुमगजमुखहिडेरान्यो। षटमुखम्वहिं लखिमतिभ
यमान्यो॥ शिवसमीपसुनिबचनभवानी। बोलीगिराप्रेममनआ
नी॥ येदशबदनहुंनाहिं डेराहीं। षट्मुखकौनेलेखेमाहां॥ देवस
भासबहँसेठठाई। हँसेरामतबनृपसुखपाई॥ देवपितरगंधर्वअरु
यक्षा। कीन्हासबहिनहरिकीरक्षा॥यहकौतुकलखिसभाअनन्दा।
नृपमुनिअरुवृन्दारकवृन्दा ५॥ दोहा॥ बालरामछबिराखिउर
ब्रह्मादिकसुरसर्ब। निजनिजधामहिजातभे यक्षपितरगंधर्ब ६॥
चौपाई॥ तबदशरथकौशल्यागेहा। गयेरामलैअंकसनेहा॥ कौश-
ल्यारामहिं लैगोदा। अस्तनपानकरावतमोदा॥ नृपब्रह्मादिआ-
गमनकहेऊ। गणपशुगडजिमिशिशुभयलहेऊ॥ रानीसुनिबि-
स्मयमनलाई। गुरुबशिष्ठकहँतुरतबोलाई॥ मंत्रनशिशुरक्षाकर
वायो। सहसगऊसुतहाथदिवायो॥ स्वर्णसहस्त्रकेकयीलीन्हा।
रामहाथधरि बिप्रनदीन्हा॥ यहिप्रकाररघुवीरबिनोदा।
लखिनृपरानिनउपजतमोदा॥ जानुपाणिधरिचारिउभाई। बि-
चरतमणिमयनृपअँगनाई॥ कबहुकनिजप्रतिबिम्बनिहारत।
दूसरबालकमनहिं विचारत॥ कबहुउताहिलकबहुंकधीरा। नृप
मंदिरखेलतरघुबीरा॥ पगनूपुरकटिकिंकिणिबाजत। झीनपीत
झंगुलितनभ्राजत ७॥ दोहा॥ चलनसिखावतपाणिगहिकबहुं
मातुहर्षाय। अरबरायगिरिपरतकहुंजननिलेतउरलाय८ चौपाई॥
भालतिलकमसिबिन्दीराजैं। शिरनटोपजरकसीविराजैं॥ कर

कंकणकुडलश्रुतिलोला । अतिसुन्दरनासिकाकपोला ॥ अधरअ-
रुणरतनारेनयना । सुनतहरतमनतोतरबैना ॥ सुखनिधानछबि
मयनृपढोटा । मरकतकनकबरणबरजोटा ॥ अरुणचरणकुलिशा-
दिकरखा । नखशिखतेछबिराशिबिशेखा ॥ निजआश्रमतेदर्शन
आसा । भक्तभुशुण्डआवपरिहासा ॥ खेलतखातशष्कुलीलीन्हे ।
देखिकागप्रभुकहँनरचीन्हे ॥ येकिमिब्रह्मजाहिश्रुतिगायो । भयो
मोहमनतर्कबढ़ायो ॥ प्रभुभुशुण्डिमनगतिसबजाना । खेदातेहि
स्वरूपसोआना ॥ जहँजहँगयोभुशुण्डउड़ाई । पाछेताकेररघु-
राई ॥ सप्तभुवनलौकागउड़ाना । निकटदेखिप्रभुभुजभयमाना
६॥ नराच ॥ गयोपतालशेषअंक रामबालक्रीड़ते । फिरोबहोरिअ-
ग्रहू सोईस्वरूपपीड़ते ॥ बिलोकिअग्रपृष्टमें भयाकुलोभयोमहा ।
बलातइन्द्रकेगयो शिशुंसुसेवतेतहां १० बहोरिबहुनिअन्तकोपिनै
ऋतेपियामहीं । गयोबिलोकिसेवते दिगीशसर्बरामहीं ॥ भया-
तुरोपिजाइसोजलेशवायुकेघरै । तहांसिंहासनैअसीनकैबिनयसि-
याबरै११ ॥ चौपाई ॥तबसोभागिगयोशशितीरा । भोजनकरततहां
रघुबीरा ॥ फेरिभागिकैलासहिआयो । प्रणतशंभुशिशुसोदरशा-
यो ॥ उरधपलाइगयोसुरधामहिं । तहौंदेखिसुन्दरशिशुरामहिं ॥
सत्यलोकचतुरास्यसमीपा । जायदीखतहँरबिकुलदीपा ॥ बंदत
ऋषिगणबिधिहुसमेता ॥ आयोमहिनिजडरपिनिकेता । आपन
रूपदेखितहँआई । पाछेडरपावतरघुराई ॥ तबकीन्होंबिचारमन
माहीं । रामहिंमोहिंकछुकभयनाहीं ॥ भयोपरबताकारभुशुण्डा
अतिकरालभयदायकतुण्डा ॥ जंघातालवृक्षउपमाई । गजअंकुश
समनखकठिनाई ॥ उभैपक्षजनुपरबतछावा । यहिप्रकारनिज
देहदेखावा १२ ॥ दोहा ॥ तबप्रभुगरुड़ैसुमिरिमन आयोसोतत-
काल । घोरयुद्धकरिबाघसै उरचढ़िकियोबेहाल १३ ॥ नराच ॥
खगेश्वरैअरूढ़रामबायसैकहातबै । बताउतोहिंकाकरौंकियोसोई

लहौंअबै ॥ भुशुण्डहूभयातुरोप्रणामकैबिनयठयो । नमामिबाल रूपराममोहिंमोहसोहयो १४नमोनमःकृपासमुद्ररामबालरूपहे। नमोनमःअजादिशंकरादिकेपितामहे ॥ त्वमेवबिश्वआतमात्वमेवबिश्वरूपहौ । त्वमेवजागरत्सुषुप्तसुस्वप्नहूअनूपहौ १५ त्वमेव ज्ञानयोगभक्तियोगज्ञानदायकं । अरूपज्योतिरूपव्यापिकोपिदेव नायकं।त्वमेवलोकपालब्रह्मशंकरादिशेषत्वं।दशावतारहूकृतंअजं बिभुंरमेशत्वं १६ ॥ दोहा ॥ यहिबिधिबायसबिनयकरि रामचरण अनुरागि ॥ सुनिदयार्द्रह्वैगरुड़तब दीन्हतुरतहीत्यागि १७ ॥ चौपाई ॥ तबभुशुंडहरिपदधरिमाथा। भयोआजुसबभांतिसनाथा॥ तवपदपरशिमोहममगयऊ । कृपासिंधुअबअतिसुखभयऊ ॥ अतिहिप्रचंडदेवतवमाया । छूटैताहिकरोजेहिदाया ॥ मायामोहिं नसतावैसोई । तुम्हरेभक्तनकरसँगहोई ॥ निजपदभक्तिनिश्चला दीजै । कृपासिंधुममहितयहकीजै ॥ सुनिबोलेहरिकृपासमोई । कह्योकागजसतससबहोई ॥ सोमायाकबहूंनसताई । ममयहरूप हृदयतवआई ॥ अबिरलभक्तिहोइअबतोहीं । भजौनिरन्तरनिशि दिनमोहीं ॥ असकहिप्रभुभेअन्तरर्द्धाना । निजआश्रमहिगयो हरियाना ॥ हरषिभुशुंडगयोनिजगेहा । करतरामपदपद्ममसनेहा १८ ॥ दोहा ॥ बरषैपंचभुशुण्डशिव बसेअवधद्विजदेह ॥ निरखिरामशिशुचरितबर तबगवनेनिजगेह १९ ॥ चौपाई ॥ यहिबिधिबालमीकलोमसप्रति । बरण्योबालचरित्रमहामति ॥ अपर कथाअबसुनुमुनिराई । जेहिप्रकारक्रीड़तरघुराई ॥ कबहुंपानि गहिचलनसिखावत । कबहुंउङ्गलायपयप्यावत ॥ रूपराशि सुतबदननिहारी । परमानंदमगनमहतारी ॥ कौशल्यारामहिं मनलायो । खानपानशय्याबिसरायो ॥ एकसमयकौशल्यागेहा । लालतरामहिंनृपतिसनेहा ॥ तेहिअवसरकेकयीसुमित्रा । सुतन सहितआईंसोतत्रा ॥ अपरराजरानीतहँआईं । बालचरितदेखत

हरषाईं ॥ लालतनृपतिसुतनअतिमोद॥बारबारयकयकलैगोदा॥
२० ॥ प्रज्झटिया ॥ तहँबिश्वावसुगन्धर्बआव । सहबधुननृपहि
जयजयसुनाव ॥ तेहिदशरथनृपबोलेरिसाय । बिनबोलेकिमि
रनिवासआय ॥ गन्धर्बकहासुनुभूपबात । मैंआयोंनिजगुणगौर
वातअसभाषिमृदङ्गादिकमुचंग । बीनादिबिबिधिबाजातरंग ॥
नटनृत्यगानकरिबिबिधिरंग।नाचतअपरगतितालसंग॥सुनिमोहे
नृपरनिवासवृन्द । पशुपक्षीजड़चैतन्यमंद ॥ सहभाइनभोरघु-
बरहिमोद । उठिगयोतुरतगंधर्बगोद ॥ तबबिश्वावसुकियोबंद
गान । लालतरामहिंनिजभागमान २१ ॥ चौपाई ॥ सोलखिभू-
पतिहरषबढ़ायो । रागमहातमजातनगायो ॥ जोसुनिबालकबशभे
आई । युवावृद्धकीकाचलिभाई ॥ बारबारकौशिलाबोलावैं । आउ
लालपयतुम्हैंपिआवैं ॥ नहिंआवततजिगंधबकनियां । बिसमित
होतसकललखिरनियां २२ ॥ प्रज्झटिया ॥ लखिप्रीतिकौशिला
कहातासु । जनिभवनजाउइतकरौबासु ॥ मैंदेवराजआज्ञाबिहा-
य । किमिरहौंमातुतवभवनआय ॥ पुनिकहाकौशिलातातजाउ ।
सुरपतिआयसुलैतुरतआउ ॥ सुनिबचनकेकयीकहरिसाइ। किमि
बिश्वावसुसुरलोकजाइ ॥ हेधूर्तबालकन्हमोहिगाइ । अबचहत
देवलोकहिपराइ ॥ जोदेवराजबरजैबिशेष । छीनौंसुरपुरअबहीं
अशेष ॥ यहकहिशरधनुदैनृपहिजाइ । इषुबांधिपत्रइंद्रहिपठाइ॥
ज्योंरहैबिश्वबसुअवधधाम । सोकरियदेवजेहिमोदराम ॥ केकयी
बचननृपकरिप्रमाण । लिखिपत्रबांधिपठयोस्ववाण ॥ सुरसभै
सभयकरिगिराबान । दशरथप्रेरितसबभरमजान ॥ पढ़िधीरज
धरिसुरपतिसुजान । केकयीकोपकारणबखान ॥ गन्धर्बनिषेधन
कबहुंकीन्ह । मोहिंदोषअजानतरानिदीन्ह २३ ॥ दोहा ॥ मोहिं
दशरथसनप्रीतिअति रानीतौननजान॥ परुषबचनलिखिपठैबिन
अपराधैअज्ञान २४ सोफलपाईकेकयी प्रेरितबानीबात ॥ कहि

लेहैजगअयशबड़ करिहैंराजबिघात २५ ॥ मालिनी ॥ इमिसुर-
पतिरोषीबातदेवनसुनाई । चरचतुरबोलायेकोशलैजाउधाई ॥
तिननरपतिआगेदेवराजाकहानी । बिधिवतसबभाषीप्रीतिसोन
घबानी ॥ हमसुरगणसर्बाअप्सराऔरदारा । सबतवपुरबसिये
देवआज्ञाभुवारा ॥ नतुजसितवप्रीतीतौनदीजैनिदेशा । ममतुम
अतिमैत्रीजानतेसर्बदेशा २६ ॥ तोटक ॥ सुनिदूतमुखैबरबातसबै।
हँसिराजकहाउतजाउअबै ॥ नतिमोरिकहौसुरनायकसो।इतआइ
रहैबिसुवावसुसो॥ ममबालनपैकरुणाकरिये। सबपोषणतोषणकै
भरिये ॥ तुवशत्रुस्वशत्रुहमारसदा । अरुमित्रस्वमित्रअपारमुदा॥
ममतोहिनभेदकछूकबहूं । जसिप्रीतिअखण्डसदाअबहूं ॥ स्वइ
चारनइंद्रहिजाइकहा । अवधेशनरेशकप्रेममहा २७ ॥ दोहा ॥
सुनिसुरेशबिश्वाबसुहि रामहिं अपेणकीन्ह । गाइरिझायसुरेश्व-
रहि जन्मलाभतेहिलीन्ह २८ ॥ चौपाई ॥ अपरकथापुनिसूतब-
खाना । शौनकादिसुनिमनसुखमाना ॥ कौशल्यारामहिं लैगोदा।
चढ़ीमहलपरउरभरिमोदा ॥ गईबिपुलसँगधाईधाई । बिबिधि
भांतिसुखसाजबनाई ॥ रामहिं दुलरावतपयप्यावत । कौशल्या
सुखकहिकेहिआवत ॥ तेहिअवसरभूपतिसुखमानी । गयोसुमि-
त्राकीरजधानी ॥ लखिरानीआरतीउतारा । रुचिपर्य्यंकभूप
बैठारा ॥ भूपजानुबैठेदोउभाई । लषणशत्रुहनसुखअधिकाई ॥
तेहिअवसरकौशल्याधाई । सुंदरिनामकाजककुआई ॥ दुलरावत
सुतनृपअरुरानी । हँसतपरस्परलखिसकुचानी ॥ निजकारज
करिसोवहधाई । बहुरिकौशिलातहँचलिआई २९ ॥ दोहा ॥ इत
कौशिलाखेलावती रामलषणरिपुहंत ॥ बहुरिजाइदेखासोई
लालतसुतमहिकंत ३० ॥ चौपाई ॥ बहुरिकौशलाढिगसुतसोई ।
जाइभूपपहँलखासोवोई ॥ पुनिपुनिइतउतआवतजाई । दुहुंदिशि
सुतलखिबिस्मयपाइ ॥ आईगईबारबहुधाई । तबभूपतितेहि

निकटबोलाई ॥ केहिहितपुनिपुनिआवतजाई । सुन्दरिकातवमन दुचिताई ॥ सुन्दरिकहाअमैमोहिंकीजै । तबसम्यकवृतान्तसुनि लीजै ॥ कहनृपडरसिनकहुमनभावा । तबचरित्रसुंदरीसुनावा ॥ लषणशत्रुहनजेवतकनिया । लालततिनहिंकौशिलारनिया ॥ इहांउहांदुहुंदिशिसुतदेखा । तबभोमोहिंसंदेहबिशेखा ॥ तेहिसँग भूपहुदीखगवाछे । रामसाथखेलतसुतआछे ॥ इतउतपुनिपुनि नृपहुनिहारा । कौशल्यामागधीअगारा ३१ ॥ दोहा ॥ दुहुंदिशि लक्ष्मणशत्रुहन खेलतलखिमहिपाल । बिस्मयसहितवशिष्ठको बोलिलियोतेहिकाल ३२ ॥ चौपाई ॥कहालषणरिपुदमनचरित्रा। जिमिलालतकौशिलासुमित्रा ॥ सुनिमुनिनिजमनकीन्हबिचारा। येअवतरेहरणमहिभारा ॥ बिष्णुपारषदइच्छाचारी। काआचरजउभैतनुधारी ॥ शिशुनप्रतापमुनीशकृपावा । गंधबमायानृपहिसुनावा ॥ सुवनसुमित्राकेनिजगेहा । खेलतरहेनकछुसंदेहा ॥ यहकौतुकबिश्वावसुकेरा । सुनिनरेशगन्धर्बहिटेरा ॥ देखानृपबिश्वावसुआये । लषणशत्रुहनकन्धचढ़ाये ॥ तहांसुमित्रासुवननिहारा । मुनिनृपतेहिकौतुकीबिचारा ॥ नृपप्रबोधिगुरुनिजगृहआये । भूपसुमित्रानिकटसिधाये ॥ गन्धबमायाबरणिसुनाई। जेहिप्रकारभूपहिदरशाई ३३ ॥ रूपमालिनी ॥ तबतसुमित्रासुवननिज प्रातहिजगाइपठाय । तुमजायसेवहुराम भरतहिपदपदुममनलाय ॥ उतलषणरिपुहनको कौशल्याकेकयीदुलराय । पालतयथानिजपुत्रनैं सोप्रीतिकेहिकहिजाय ३४ ॥ चौपाई ॥ अपरचरित्ररामकरगाई । सूतकहाशौनकहिबुझाई ॥ रामहिगोदलियेयकबारा । परमानन्दठाढ़नृपद्वारा ॥ सुन्दरश्याममनोहर अंगा । छबिलखिलाजतकोटिअनंगा ॥ करकंकणअंगदबरसोहै । काननकुण्डलमुनिमनमोहै ॥ मसिबिन्दीसोहैशुठिभाला । मुक्काछबिनासिकाबिशाला ॥ अलकैंललितकपोलमराजैं।नयननमीन

खंजलखिलाजैं ॥ कटिकिंकिणिपगनूपुरबाजै । पीतझीनझंगुलि तनभ्राजै ॥ हरिनखयुतसिंधुरमणिमाला । सोहतउरपरबाहुबिशाला ॥ ढोरतचमरव्यजनबहुदासा । अपरभीरसोहतचहुंपासा ॥ दशरथअनुजबीरसिंहनामा । रत्नकलात्यहिनारिललामा ॥ राम रूपदेखातेहिकाला । महलझरोखनतेंसोइबाला ॥ प्रीतिअपार पुत्रअभिलाषी । गिरीअवनितनसुधिनहिं राखी ३५ ॥ दोहा ॥ दासिन्हव्यजननबायुकर उठीचेतिसोलजाय ॥ तदपिपरीपर्यंक सो खानपानबिसराय ३६ ॥ चौपर ॥ मनरामरूपहिलाग । सुख बस्त्रभूषणत्याग ॥ कबरामलै मैंगोद । मोहिंहोइगोमनमोद ॥ सुनिबीरसिंहकराय । सुदवाबैद्यबोलाय ॥ सुनिदुःखसोभूपाल । निजभवनगेतेहिकाल ॥ अनुजायहालसुनाय । तबकौशिलौबिलखाय ॥ चढ़ियानरामसमेत । गवनीसोतासुनिकेत ॥ करिबीरसिंह प्रणाम । लखिकैउठीस्वइश्राम ॥ पर्यंकआसनदीन्ह । बहुतैबिनयस्वइकीन्ह ३७ ॥ दोहा ॥ दम्पतिपूजाकौशिलै पानसुगन्ध लगाय । रत्नकलानिजगोदलै रामहिं प्रेमबढ़ाय ३८ ॥ कबित्त ॥ अति शिशुमनतनश्यामलकोमलकल अंगअंगभूषणबिबिधिछबिपावही । बीरसिंहबामअभिरामरामउरलाय मुखचूंबिशिरसूंघिगोद लेखेलावही । अनमोलरतनअनूपशिशुहाथधरि पूरेमनकामतौन कौनकबिगावही । मनअभिलाषअससुतमिलैमोहिंअब कोटिकल्पवृक्षसमहरिहिमनावही ३९ ॥ दोहा ॥ कौशल्याबहुबिनय लखि बहुबिधिप्रीतिबढ़ाय ॥ सुतसमेतनिजमन्दिरहि आईअति सुखपाय ४० ॥ चामर ॥ रत्नकेलिबीरसिंह जायताहिभाष्यऊ । रामपुत्रहेतजौन चित्तचाहिराखेऊ ॥ सम्मतोबनायकै बशिष्ठपायँ पैपरे । पूछिदम्पतीगुरू कहामनोरथैपरे ४१ ॥ दोहा ॥ पूछतसो कहिसकौंनहिं तुमसर्बज्ञसुजान ॥ रतनकलाकीमनोगति जाना मुनिधरिध्यान ४२ ॥ मालनी ॥ मुनितियमतजाना प्रेरणाराम

चंदै । हरिसमसुतयांचै बाललीलाआनंदै ॥ करुतपकठिनाई दम्पतीतैएकन्तै । अभिमतफलपैहौ सत्यकैद्वायरान्तै ॥ सुनिगुरुबरबाणी बीरसिंहःसबामा । पुनिमुनिपदबन्दे घूमिआयेस्वधामा ॥ द्विजबिपुलबोलाये सम्पदासबैदीन्हा । तबनृपपहँजाईबन्दनापादकीन्हा ४३ ॥ प्रज्वलिया ॥ तपहेतचहौं मंत्रजहिजान । आयसुदीजैमोहिं नृपसुजान ॥ सुनिसभासहितदशरथबखान । रघुबंशरीतितुमसबैजान ॥ जबजराआयतबबनहिजाय । तपकै हरिपदपावैसुभाय ॥ जोतीर्थजातबरजैअयान । परैपितरसहित नरकैनिदान ४४ ॥ दोहा ॥ भजौजाइभगवन्तपद मनबचकपट बिहाय । मनबांछितफलपाइहौ सुनिदम्पतिहर्षाय ४५ ॥ चौपाई ॥ सत्यबचनतबहोइभुवाला । चरणबन्दिगवनेततकाला ॥ बिदाकीन्हकङ्कुमगपहुंचाई । घूमेनृपमनकरतबड़ाई ॥ गयेबदरिकाश्रमहर्षाई । दम्पतिपरमतपहिमनलाई ॥ जपतपध्यानतीर्थअस्नाना । रामजन्मनौमीतेनाना ॥ कायक्लेशदम्पतिअतिकीन्हा । बर्षानिर्जलअशनबिहीना ॥ हिमिजलशयनग्रीष्मतपआगी । करैकठिनतपहरिहितलागी ॥ एकादशबरषैयहिभांती । हरिहिततपकीन्हादिनराती ॥ प्रकटेरामप्रसन्नकृपाला । नीलजलजतनश्यामतमाला ॥ बरंब्रूहिप्रसन्नमैंताता । सुनिदम्पतिउरसुखनसमाता ॥ मानौतृषितअमृतसरपाई । तिमिदम्पतिसुनिगिरासोहाई ४६ ॥ दोहा ॥ जोप्रसन्नप्रभुमोपर तौमनरुचिबरदेहु । सुतहवैएकादशबरष ममगृहरहुकरिनेहु ४७ ॥ चामर ॥ एवमस्तुभाषिबीरसिंहबामयुक्तते । देहत्यागिजाउबासमोरधामउक्तते ॥ द्वापरांतगोकुलायशोदनन्दहोउगे । कृष्णरूपतोरहोबबैनमानिदोउगे ४८ ॥ दोहा ॥ तेपिस्वर्गबसिलक्ष्मणा द्रोणाधरभेआय । बिधिआयसुतेमहततप कीन्होतिनपुरजाय ४९ ब्रह्मातिनकोबरदियो सुतपैहौहरिरूप ॥ तेपिजायगोकुलभये यशुदानंद

अनूप ५० ॥ भुजंगप्रयात् ॥ भयोगोकुलौतेइनंदौयशोदा ॥ पिता छांड़िकृष्णौकियौगोदमोदा ॥ कहाशौनकैसूतलीलाबखानी। सुनैरामकीभक्तिपावैस्वप्रानी ५१ ॥ प्रज्वलिया ॥ पूछासूतैपुनि मुनिनवृन्द। मायुर्य्यचरितअतिरामचन्द ॥ सुनिअमृतसरिसमन नहिंअघाय। शिशुलीलाअबकछुकहौंगाय ॥ इकबाररामभाइन समेत। अरुअपरसखालैनिजनिकेत ॥ खेलैंकूदैंहँसिरूठिगाय। लखिजननीसुखपावैअघाय ॥ यकवृषभकन्धप्रियसखानाम। तेहिकंधचढ़ेहर्षायराम ॥ अरुअपरसखनकेकंधजाय। चढ़ेभरत लषणशत्रुहनधाय ॥ कोउब्यजनचमरकोउछत्रसाज। करैंकौतुक कहिराजाधिराज ॥ अलकैंलटकैंशोभितकपोल। झलकैंश्रुतिकुण्डललललितलोल ॥ अँगअंगबिभूषणसबसजाय। पहिरायबसनशिशुगन्धलाय ॥ कहँतातजननिमोहिंदेबताय। कहसखन गयेसरयूनहाय ॥ कहिरामचलौजहँपितुहमार। चढ़िसखन कंधगमनेदुवार ॥ नरनारिनिरखिपावतअनंद। चलेसखाअनुजलैरामचंद ॥ चढ़ेकंधपानिशिरउरसुलात। मारैंचलिबेगिनकहैं बात ॥ प्रथमैचारनभूपहिसुनाय। आवतरघुबरसरयूनहाय ॥ सुनिहँसेराजनिरख्योसमाज। भाइनसमेतरघुबरबिराज ॥ सब निकटजायउतरेसुभूमि। नृपरामगोदलैमुखहिचूमि ॥ कहनृपति करौसरयुहिप्रणाम। साष्टांगदंडवतकीन्हराम ॥ पुनिभरत लषणशत्रुहनऔर सबकरतप्रणामहिठौरठौर ५२ ॥ मालिनी ॥ सुतकरगहिराजाजायसरयूप्रवेशे ॥ सबसखनबोलायो न्हाय आवोनिदेशे ॥ तबनृपबरबाणीजोरिकैयुग्मपानी। बहुबिनयबखानीदेबितैंमुक्तिदानी ॥ तोहिंऋषिगणसबैब्रह्मरुद्रादिदेवा। यश बिमलबखानेलावतेनित्यसेवा ॥ जोइहरिनयनोत्पन्नदेवीतुम्हारै। दरशपरशमज्जैमातुगर्भैंनपारै ॥ यइसुतसबतेरेआयऊदर्शहेतू। लखिकरुणकटाक्षै रक्षियेसर्बयेतू ॥ तबहरषिभुवालालक्ष्मणौं

मँगाई । सुतकरपरराखी ब्राह्मणेभ्योदेवाई ५३ ॥ दोहा ॥ सुनि दशरथकीबिनयबर रामदरशहितजानि । धरेमनोहरवपतब प्रकटीसरयूआनि ॥ ५४ ॥ चौपाई ॥ सुतनसहितप्रणामकरिभूपा । आशिषसरयूदीन्हअनूपा ॥ रामहिंगोदलीन्हहर्षाई । मुक्तामालगरेपहिराई ॥ शिरसूंघाअतिकीन्हपियारा । भूपतितेतबबचन उचारा ॥ यहबालकममगोदनिवासी । इष्टदेवसबउरपुरबासी ॥ तवकृतबिनयजोननरगैहै । स्नानसबतीरथफलपैहै ॥ रामहिं लखिसरयूकीगोदा । बिस्मयसहितनृपतिमनमोदा ॥ करिप्रणाम कहरघुकुलकेतू । मुनिइतलायस्वयंभुवहेतू ॥ निजउतपत्तिकहौ महरानी । कहसरयूबरनृपपहिंचानी । विष्णुनाभिकमलोद्भव भयऊं । हरिआयसुतेतपमनदयऊं ॥ कीन्हमहातपबिधिबहुकाला । प्रकटेहरितबदीनदयाला ॥ बिधिदण्डवत्कीन्हलखिजबहीं । हर्षआंसुहरिकंगिरेतबहीं ॥ लैब्रह्मास्वकमण्डलरापा । चारिउमुखननबिनयबहुभाषा ॥ सुनिबिधिबिनयदीन्हबरदाना । भयेतुरतहरि अन्तर्द्धाना ॥ राखिकमंडलजलबहुकाला । भयेअवधइक्ष्वाकुभुवाला ॥ तबबशिष्टसरयूहितलागी ॥ तपकैब्रह्मासोंबरमांगी ॥ लाये अवधमोहिंमुनिज्ञानी । बाशिष्ठीममनामबखानी ॥ ५५ ॥ दोहा ॥ हरिनयननतभयउंमैं अबहरिकोलियोंगोद ॥ जोगावैपावैस्वई भुक्तिमुक्तिअतिमोद ॥ ५६ ॥ तबतपसातेप्रकटभेपरब्रह्म भगवान । असकहिसरयूभूपसोंभईस्वअन्तर्द्धान ॥ ५७ ॥ मधुभार ॥ सरयूसँयोग । सुनिअवधलोग ॥ नृपसुकृतखानि । सबकहैं बखानि ॥ लैसुतनसाथ । तबअवधनाथ ॥ निजभवनआइ । उर सुखबढ़ाइ ॥ यहचरितगाव । पापनकुड़ाव ॥ हरिपदहिपाय । बैकुण्ठजाय ५८ ॥ दोहा ॥ अपरकथामुनिगणसुनौकहासूतहर्षाय ॥ रामबाललीलाकहतममनतृप्तिनपाय ५९ ॥ छप्पै ॥ भरत लषणशत्रुहनप्रतापीअपरबीरहन । प्रतापाग्निजयबिजयजुधीर

दीर्घकीर्तिभन ॥ सुशिरसुकंठसुशीलसुकर्मासुष्टरूपकहि । शत्रु नाशश्रीशीलबिक्रमीचारुचदलहि ॥ भानुसबलरिपुबारनौअभिजत गजगामीरहे । अश्वहरिन्द्रमनोहरौरामचन्द्रकेसखाये ॥ ६० ॥ मालिनी ॥ दिनप्रतिसुखमानीआवतेराजगेहा । षटरसमधुमेवाकौ शिलाकैसनेहा ॥ सबसखनजेंवावेरामसेसब्बजानी । सबसबलस पीनेबुद्धिमानसर्बज्ञानी ॥ सबसुघरसुमार्गीभूषणाढ्यःप्रकाशी । सबसुमतिसुशीलेबाललीलाबिलाशी ॥ तिनसँगसबभाईरामलैद्वार जाई । ललितपनहिंसोहैस्वर्णसूत्रेसिंयाई ॥ पगनघुंगुरुबाजैंकिंकिणीजालराजै । शिरमणिनमुक्तामंजरीसर्बभ्राजै ॥ करकमलन गेंदैंबालकासर्बखेलैं । यकयकतकिमारैंएकएकैढकेलैं ॥ यकउरध उछालैएकगोंचैंस्वपानी । इकबिपुलबहावैएकलावैस्वआनी ॥ यकयकनछिनावैएकबोलैभलीना । एकचुपिथकिबैंठेएकखेलैमलीना ॥ यहिबिधिसबबीथीरामक्रीड़ामचाई । लखिपुरनरनारीधाम कामैंबिहाई ॥ असिरघुबरलीलासंगखेलाजोदेखा । तेहिसुकृत बिशेषाशेषहूकाअलेखा ॥ ६१ ॥ दोहा ॥ यहिप्रकारबहुखेलिकै आवैंभूपतिपास ॥ हरषिगोदलैसंघिशिरपितुउरपरमहुलास ॥६२ ॥ तोमर ॥ जबभवनअपनेजाय । जननीउठेहर्षाय ॥ मुखचूमिदूध पियाय । बहुगयोलालभुखाय ॥ घरहूअनेकप्रकार । लीलाकरैं बिस्तार ॥ उठिचलनिबैंठनिबानि । बोलनिहँसनिमुसकानि ॥ चितवनिकटाक्षबिलाश । भ्रूकुटिदन्तप्रकाश ॥ केयूरकुंडलहार । भूषणअनेकप्रकार ॥ लसैंझीनझँगियापीत । जरकसीटोपसरीत ॥ पदत्रानमणिनजराय । मसिबिन्दुकेशबनाय ॥ नीलेंद्रमणिबर श्याम । अँगअंगअतिअभिराम ॥ करतलअधरअरुणाय ॥ पदतल नखहुमनभाय ॥ नासिकामुक्ताभ्राज । आननअपरद्विजराज ॥ शोभासकलमनभाय । पैकहतशेषलजाय ६३ ॥ दोहा ॥ निशि प्रतिमातुप्रयंकरुचि बिशदतुराइबिछाय ॥ पौढ़ारतसुतलालकरि

मणिनप्रकाशकराय ६४ निशिदिनप्रतिरानिनसहित फणिमणि इवसुतपाल । महाअनन्दसमुद्रमन मगनरहतभूपाल ६५ ॥ तोटक ॥ उठिप्रातसखासबआयनितै। रघुनन्दनबन्धुसमेततितै॥ मुखदेखिअनन्दलहैंसगरे। सुखशीलसुजानसुबुद्धिभरे ॥ रघुनन्दनबन्धुसमेतलिये। धनुहीलघुतीरप्रमोदहिये ॥ सरयूतटजाय बिनोदकरैं। मतिएकबनायसुलक्षिधरैं ॥ कहरामलखौहममारत हैं। अबतेमहिबेगिहिपारतहैं ॥ शरजोरिसिकोरिमुखैधनुहीं। कसिकैबलसोंकरषैगुनहीं ६६ ॥ दोहा ॥ भरतलषणरिपुहनअपर सखनसहितरघुबीर । करिबिवादसबपरसपर छांड़तनिजनिजतीर ६७ यहिबिधिखेलतबालसब भोजनसमयबिसारि । सुखीहोइँ नरनारिपुर रघुबरचरितनिहारि ६८ ॥ प्रज्झटिया ॥ मध्याह्नपाकशालाभुवाल । रानिनकहबेगिबोलाउबाल ॥ निजबैठिरहैंहरिभोगलाय। पुत्रनबिहायभूपतिनखाय ॥ शिविकाचढ़िमातुबोलाव जाय। नृपजेंवतनहिंसुततुमबिहाय ॥ धनुबाणसौंपिदासनबहोरि। आवैंमन्दिरआगेसोदौरि ॥ पदपाणिधोइपितुसंगखाय। भाइनसमेतरघुबंशराय ॥ सबसखनजेंवावतसहितभाव । रमहिं बोलेतहँहरषिराव ६९ ॥ चामर ॥ पूछिभूपरामलक्षबेधनीकजानऊं। जोहमैंसिखाउतातताैप्रमाणमानऊं ॥ अस्त्रशस्त्रसर्बरीति मैंतुम्हैंपढ़ाइहौं भरतलक्ष्मणौसुशत्रुसूदनैबताइहौं७० ॥ मधुभार ॥ सुनिभूपबैन। सुतभयेचैन ॥ उठिअचैजाय। तांबूलखाय ॥ यहिबिधिउदार । लीलाअपार ॥ करैंरामराय । पितुमोददाय ॥ नृपपौढ़चीन्ह। उपनयनकीन्ह ॥ गुरुगृहपठाय । बिद्यापढ़ाय ७१ ॥ चौपाई ॥ असकहिसूतऔरइतिहासा। शौनकादिमुनिबरनप्रकासा ॥ राजभवनराजैबहुधाई । कहापरस्परबचनसुहाई ॥ राजकुमारअखेटहिजाहीं । दिवससमस्तरहतबनमाहीं ॥ करि सम्मतधनबाणकृपाना । धराचोरायमातुनहिंजाना ॥ जबधनु

बाणकृपाननपैहैं। तबबनआपुहिनेकनजैहैं ॥ प्रातजागिकरशुच रघुराई। कौशल्याकछुमधुरखवाई ॥ तेहिअवसरपुरबालकवृन्दा। गेजहँरघुकुलकैरवचन्दा ॥ लियेसकलधनुबाणकृपाना । रघुनन्दनमनकरिअनुमाना ॥ लषणहमारतूणधनुबाणा । लावोबेगि समेतकृपाणा ॥ गेलक्ष्मणआयुधनहिं पायो। ढूंढ़िघूमिरघुपतिहि सुनायो ७२ ॥ दोहा ॥ रसिकशिरोमणिरमापति प्रमदनदेनबिनोद ॥ गयेआपुउठितिनहिं कहि भरेमहामनमोद ७३ ॥ चौपाई ॥ आयुधदेहुहमारबताई। सोहँसिकंठलीन्हलपटाई ॥ पुनिपराइ कहहमनहिंजाना। कहांतुम्हारधनुषअसिबाना ॥ औरहिकहा सोकह्योतुम्हारे। भृकुटिनयनधनुबाणहमारे ॥ एकनबहुरि कहा रघुराई। आयुधहमरदेवबताई ॥ ताहिकहाहमऔरनजानैं। उरजहमारलेउमनमानै ॥ अपरपकरिकहरामसुजाना। देउहमारे तुमधनुबाना ॥ तौनबचनबोलीमुसकाई। कटिपटबिचनहिं लीन्ह चोराई ॥ ताहिछांड़िअपरैकहजाई । तेअपनेसँगलीन्हलवाई ॥ पाइएकान्तलीन्हउरलाई। बरबसताहिछुड़ाइपराई ॥ पूछाबहुरिमंथरैआई। धनुशरअसिममदेवबताई ७४ ॥ दोहा ॥ चूल्हेजरै तुम्हारशर क्रोधसहिततेहिभाष ॥ सुनतमंथराकेबचन लक्ष्मण मनअतिमाष ७५ ॥ चौपाई ॥ ताहिरिसायदीन्हदुरिआई । गइ सोकेकयीभवनपराई ॥ तबहँसिसखिनदीन्हधनुबाणा । स्वर्ण मूठिअतिअसितकृपाना ॥ रामलषणलैसरयूतीरा । लक्षिनिपात सिखतसबबीरा ॥ तेहिअवसरयकधीवरआयो। करिप्रणामअस बचनसुनायो ॥ महिषइहांयकरहतजुझारा । मगआवतबहुतेन तेहिमारा ॥ सुनिधीवरकेबचनकराला। महिषसमीपगयेतेहिकाला ॥ सुनिरवबहुबिधिनटंकोरा। महिषाप्रबलआवतेहिओरा ॥ महिषनिशिरझिकिसम्मुखधावा। बालकगणजिततितहिपरावा॥ महाप्रबलरघुपतिपरधावा। मस्तकशरहतिअवनिगिरावा ॥ म-

हिषदेहतजिगन्धबरूपा। भयोतुरतसबभांतिअनूपा७६ ॥ दोहा ॥ बिल्वनामनिजकहातेहि परोरामपदआय॥ बहुबिधिभागसराहि पुनि अस्तुतिकरतसोहाय ७७ ॥ नराच ॥ नमोनमःकृपासमुद्र लक्ष्मणाग्रजेतदा । नमोधिराजराजइन्द्र पितृकारिणेमुदा ॥ नमोस्तुब्रह्मदेव रावणांतकायतेपदं । समस्तभक्तईप्सितं ममुक्ति दंश्रुतिं बदं ७८ ॥ चामर ॥ बिल्वकीबिनयसुनेप्रसन्नसर्बबालभे। पूछिताहिमाहिषं शरीरतेंकहालभे ॥ कारणंबदामिते श्रुतंसमस्त चित्तकै । रूपगानमानमोहिंसर्बजीतनित्तकै ७९ ॥ चोपाई ॥ सतयुगबैवस्वतमनुभूपा । यज्ञकीन्हकुरुक्षेत्रअनूपा ॥ तहांदेवऋषि मुनिगंधर्बा । आयेभूपतिबनिबनिसर्बा ॥ तेहिसमाजमहँमैंप्रभु जाई । गन्धर्बनजीत्योंबरिआई ॥ नारदमोहिंजीतनहितलागी । बीनबजाइदिब्यगतिरागी॥ सोमोरेमननेकनआवा।तबमुनिपरम क्रोधकहँपावा ॥ कहाहोसितेंमहिषकराला। मैंमुनिपदपरसाततकाला ॥ शापअनुग्रहकरौमुनीशा । कहत्रेतादशरथअवनीशा ॥ तासुतनयसरयूसरितीरा। खलननितऐहैंरघुबीरा ॥ तुवशिरबाण बेधिहजबहीं । निजगतितुरतपइहौतबहीं ॥ सोमुनिशापपरम हितजाना । तवदर्शनलहिकृपानिधाना ८० ॥ दोहा ॥ कहाराम गन्धर्बसन मांगुरुचिरबरदान । अतिअमोघममदर्शफल बहुरि न यांचैआन ८१ ॥ चोपाई ॥ कहाबिल्वममहृदयअनूपा । बसौसदा तुमबालकरूपा ॥ यहअस्थानशंभुथापनकर । जगबिख्यात नामबिल्वहरि ॥ एवमस्तुकहिरामकृपाला । समीचीनसुखलहौ बिशाला ॥ दुर्लभतुम्हैंनजोचितचाहिहौ । अक्षयमोक्षअन्तमहँ लहिहौ ॥ रामसखादेखतरहेसर्बा । चढ़िबिमानगमन्योगंधर्बा ॥ प्रभुआयसुस्वरूपउरलाई । निजपुरबिल्वगयोहर्षाई ॥ तेहिअस्थानबिल्वहरनामा । शंकरथापनकरिअभिरामा ॥ जोबैशाख मासतहँजाई । सोनरपापरहितहोइजाई ॥ पितरनसहितस्वर्ग

करिबासा । सुनतमुननलहिपरमहुलासा ॥ भाइनसहितराम घरआये। देखिमातुपितुअतिसुखपाये ८२॥ दोहा ॥ कहमुनीशअब अपरसुनु रामचरितमनलाय ॥ बहुरिसखाभाइनसहित काननगे रघुराय ८३ ॥ प्रमानिका ॥ शशाबराहमाहिषं । मृगाहतेचलेइषुं ॥ सखासमस्तसंगलै । गयेद्वितीयजंगलै ८४ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तहां एकबांबीलखीरामजाई । नराकारसबैगमानौबनाई ॥ महासर्प निर्मोकतामेंकईहैं । घनेरीकुसौकांसमानौबईहैं ॥ लखौमित्रबल्मी कअद्भुद्विशेखी । नराकारऐसीसुनीऔनदेखी ॥ तबैरामकीन्हों करस्पर्शसोई । भयोपुरुषसौंदर्य्यऐसोनकोई ८५ ॥ चौपाई ॥ सुंद रबदनचारुपीतांबर । कुण्डलक्रीटशीशशोभाधर ॥ किंकिणिरुचि केयूरबिराजै । हारगरपगनूपुरबाजै ॥ रामहिं लखिपरिपायँन धाई । पुलकगातउरसुखअधिकाई ॥ कहारामकारणनिजकह-ऊ । बाँबीतनधरिबनकिमिरहऊ ॥ सुनुसर्बज्ञप्रणतअभिरामा । मैंकिरातडिंडिरिअसनामा ॥ बसौंहिमालयकरधनुधारी । हिंसा-रतपरमांसअहारी ॥ एकदिवसअखेटबनजाई । म्वहिं बिलोकि मृगचलेपराई ॥ तेइसयोजनलौंसँगधायों । निशानिरखिनिराश ह्वैआयों ॥ गिरेउंअवनिअतिसयश्रमपायो । तेहिमगतहांसाधु बहुआयो ॥ मोहिं लखाइगयोयकग्रामा । तेहिनिशितिनसँगकरि बिश्रामा ८६ ॥ दोहा ॥ प्रातहोतसबसाधुजन बिधिवतकरिअ-स्नान । शालिग्रामार्चनकियो पुनिहरिरूपहिध्यान ८७॥ चौपाई ॥ मोहिंदरशचरणोदकदयऊ । ममममनशुद्धतुरतहीभयऊ ॥ मोहिं बिलोकिपरस्परभाषे । यमपुररहैअधमसँगराषे ॥ तबमैंबहुबिधि बिनतीकीन्हा । तिनसँगमैंतीरथमनदीन्हा ॥ पुनिइतआइपुलिन सरयूके । ध्यानलगाइबैठहरिजूके ॥ अपरदेहतजिशुभगतिपाई । मैंतपकरतरह्योंरघुराई ॥ आजुकृतारथभोपददेखा । तवप्रसाद लहिदेहबिशेषा ॥ तुमभूभारउतारणकारण । रावणादिनिशिचर

संहारण ॥ सुरमहिसुरसंतनहितहेतू । धरौबिबिधितनकृपानिकेतू ॥ जगउतपतिपालनलयकरहू । बिबिधिभांतिलीलाबिस्तरहू ॥ तुमब्रह्मादिजनकजगरूपा । परब्रह्मसबभांतिअनूपा ८८ ॥ भुजंग प्रयात ॥ नमःरामभद्रायपादारबिंदं । नमःसर्वभूतंतिवासीमुकुंदं ॥ हमैंकैकृपानाथआज्ञास्वदीजै । लहौंजोपदैसर्बदासोनछीजै ॥ कहारामजैयेसदातूसुहाये । सुरेशालयेसत्यलोकोबताये ॥ चहौं जाउबैकुंठआज्ञाहमारी । किरातोगयोंबिष्णुकोरूपधारी ८९ ॥ दोहा ॥ हरिपदपाइकिरातगो दीखबालजेसाथ ॥ पुनिपितुमातन दीन्हसुखआइभवनरघुनाथ ९० ॥ भुजङ्गप्रयात ॥ पुनःशौनकादीन कहासूतगाइ । सुनौरामकीऔरलीलास्वहाई ॥ उटेप्रातशैनात् शुचिःसर्बकैकै । कियोभोजनैपानखायोअचैकै ॥ बोलायेसखा खेटकैहेतुनाना । स्वआयेसबैसाजिकैबीरबाना ॥ लियेबाणचापै भुशुण्डीकृपाना । गजाश्वेचढ़ेद्वारठाढ़ेसुजाना ९१ ॥ कुण्ये ॥ प्रता पाग्निसबलाश्वबीरभद्रादिकआयो । नीलरत्नहरिदश्वश्रोणनखसहितगनायो ॥ चन्द्रचारुबलवानचंद्रभानहरिपुवारन । शत्रुंजय सेअपरमहाबलसाथहजारन ॥ भद्राश्वमहामतिजयबिजयअरुजयंतसेबहुसखा ॥ शस्त्रास्त्रसाजिगजबाजिचढ़िराजद्वारलाखनलखा ९२ ॥ चामर ॥ श्वानसेनपालबोलिव्यालधारिहूतबै । सिंहभालुपालऔकुलंगपालसेसबै ॥ जेसमस्तखेटकैबिधानरीतिजानते । तसमूहराजद्वारआइगेबिधानते ॥ रामसाजिखड्ग तूणचापबाणहाथलै । मातुतातसोनियोगमांगिबंधुसाथलै ॥ वेगबाणबाजिनैसवारभेचहूंभल । संगलैसखासमूहराजमार्गमेंचलें ९३ ॥ दोहा ॥ देखत पुरप्रमदाबिपुलछबिसमूहरघुबीर ॥ धरतनमनधीरजकोईउपजत मनसिजपीर ९४ ॥ चौपाई ॥ गुहनिषादपतिभूपबोलावा । रामसँगखेटकैपठावा ॥ पांचसहस्रदासतेहिसंगा । जेआयुधविद्यारणरंगा ॥ आइकीन्हरघुबरहिप्रणामा । अतिआनन्दलह्योलखिरामा ॥ क

हरघुपतिम्वहिं शिक्षादीजै। जेहितेममतनरक्षाकीजै॥ कहगुहतुम सबभांतिसुजाना। तुम्हैंकोसिखवैखंटबिधाना॥ श्यामबाजिभूप तिइकसाजा। रतनहारतेहिकंठबिराजा॥ तेहिचढ़िध्वजधारीछबि छावा। बेगवन्ततेहिअग्रचलावा॥ तेहिपाछेनिषादपतियूथा। तेहि पाछेदुन्दुभीबरूथा॥ अश्वबारतेहिपाछेधाये। तिनपाछेरथअ वलिगनाये॥ तेहिपाछेगजयूथस्वहाये। पदचरसेनचलीसुखपाये ९५॥ दोहा॥ जेहिप्रकारसरिताअगमधाराबहैकराल॥ तेहिसमान रघुबीरसँग सेनाचलीबिशाल ९६॥ चौपाई॥ लैनिषादआयसु मुदपाई। तमसातटबनघेराजाई॥ सुनिदुन्दुभिरवजीवपराने। मांडबिमुनिआश्रमहिलुकाने॥ मुनिदयाद्रगेजहँरघुराई। लखि बाजिनउतरेसबभाई॥ करिप्रणामभाइनसहरामा। मुनिवरआ-शिषदैअभिरामा॥ बनफलमधुरदीन्हनिजहाथा। लैरघुनाथल-गायोमाथा॥ पुनिमुनिकहसुनुकृपानिधाना। ममआश्रितइत जीवनिदाना॥ तिनहिंत्यागिगोमतिसरितीरा। बनबिशालसो-हतरघुबीरा॥ तहांअखेटकरौतुमजाई। सुनिमुनिबचनचलेशिर नाई॥ कौतुककरैबिटूपकनाना। बनगुणगणबहुकरैंबखाना॥ गोमतिसरिसमीपबनघेरा। गयेरामलैसनकरेरा ९७॥ दोहा॥ तहँक्रीड़तरघुबंशमणि भाइनसखनसमेत॥ सम्मुखआवबराहइक हतिशरकियोअचेत ९८॥ प्रज्झटिया॥ पुनिआगेचलेरघुबंशचंद। सोहैचतुरंगिनिसेनवृन्द॥ लखिमहिषएकसम्मुखकराल। धा-वतहीयोधनहतिउताल॥ सुनिशयनशोरगजबाजिचिंघ। धायो करालततकालसिंघ॥ कहरामताहिमारिबेहेत। कोसुभटजौन अबपानलेत ९९॥ दोहा॥ झपटिसोलीन्हनिषादपति बीरारघु पतिपानि। तुरतमारिहौंसिंहमें माराशरशिरतानि१००॥ तोमर॥ महिमेंपराकरिशोर। पुनिधावसम्मुखजोर॥ यकमित्रनामप्रतापि। तेहिहतासरवरचापि॥ तबआइकीन्हप्रणाम। हँसिउरलगायो

राम॥ गुहसखैअतिकरिप्रीति । बहुद्रव्यदैकहिनीति १ ॥ मालिनी॥ तहँपदचरआयो रामचन्द्रैसुनायो । बनहरिबरभारीदेखतैमैंप-रायो ॥ सुनिभरतकहीयों मोहिं आज्ञासुदीजै । ममकरिअरियुद्धैं आपुहूदेखिलीजै २ ॥ दोहा ॥ कहारामजानौंतुम्हैं शूरशिरोमणि भ्रात ॥ सुभटसंगलैजाइये केसरिकरौनिपात ३ ॥ मधुभार ॥ सुनि भरतजाय । गजचढ़ेधाय ॥ सिंहैपुकारि । माराप्रचारि ॥ धरि विष्णुरूप । अतिशयअनूप ॥ सुंदरसुबक्ष । चखकमलपत्र ॥ लसैं भुजाचारि । निजअस्त्रधारि ॥ भूषणबिराज । पटपीतसाज ॥ परि भरतपाय । बिनतीसुनाय ॥ कहिभरततोहि । तैंकौनआहि ४ ॥ चौपाई ॥ सोकहिपूर्वजन्मकरभेवा । मैंकलिंगबासीमहिदेवा ॥ करौंकुकर्मकुसंगतिपाई । औरनजानौंकछुरघुराई ॥ एकसमयमैं आइप्रयागा । भरद्वाजमुनिजहँकरैंयागा ॥ घृतशक्करपायसफल नाना । करैंहोमऋषिसहितबिधाना ॥ मैंमुनीशसनकरिपरिहा-सा । अनलहिदहिघृतकियोबिनासा ॥ मोहिंदेउमैंखाइमोटाऊं । सिंहसमानबलीह्वैजाऊं ॥ सुनिममबचनक्रोधकरिभारी । सिंह होसितैंखलबनचारी । तबमैंबिनयकीन्हकरजोरी । नाथमुक्ति किमिहोइहिमोरो ॥ त्रेताहरिह्वैहैंनररूपा । भरतअनुजतेहि होइअनूपा ॥ तोहिंमारिदैहैं बैकुंठा । ऋषिकेबचननभयेअकुंठा ॥ आयसुनिजदीजेपुनिभाषा । मोहिं रामदर्शनअभिलाषा५ ॥दोहा॥ असकहिपदपरिबिनयकरि बहुरिबचनयेभाष । निजआयसुदीजैहमैं रामदर्शअभिलाष ६ ॥ मधुभार ॥ तेहिभरतकहा । ममसंग तहा ॥ तुमचलौबिप्र । यहिसमयक्षिप्र ॥ प्रभुपासजाय । बंदे सुभाय ॥ तबसखनगाय । हरिबधबनाय ७ ॥ दोहा ॥ आज्ञा प्रभुकीपायसो नायरामपदभाल ॥ चढ़िबिमानअतिहर्षयुत स्वर्ग गयोतेहिकाल ८ ॥ प्रज्वलिया ॥ प्रभुकहनिषादसुनुबचनमोर । भै सेनश्रमितदिनरहाथोर ॥ खगमृगपशुनिजानिजभवनजाय ।

निशिबसौगोमतीतटसोहाय ॥ मेधावीऋषितेहिसमयआय । लखिबाजिनउतरेचहुंनभाय ॥ मुनिचरणबंदिपाईअशीश । आश्रमहिलायप्रभुकहऋषीश ॥ करिपूजादेफलफूलमूल । सबसेन टिकाईसरितकूल ॥ मुनिआयसुलैसंध्यासुबंद । तबसखनबोलि रघुबंशचन्द ॥ पकवानबिबिधभारनभराय । पाछेकौशल्यादियो पठाय ॥ सोजेंवतभेसबसखाचन्द्र । भाइनसमेतरघुबरआनंद ६॥ दोहा ॥ अपरसेनबाहनसकल भोजनसबनकराय ॥ ठौरठौरथपिपाहरूवृक्षनदीपधराय १० ॥ चौपाई ॥ असबनावकरिदृढ़श्रीरामा । सेनसमेतकीन्हबिश्रामा ॥ चौथेपहरशत्रुहनजागे । सजिधनुवाणबैठअनुरागे ॥ तेहिअवसरबनगजयकआवा । सैनकरिनबन्धानतुरावा ॥ भयोकुलाहलसेनमझारी । सुनिशत्रुघ्नहिभइरिसभारी॥ पूछाहस्तिपालइकभाषा । बनकरिमत्तयुद्धहितमाषा॥ सोसेनागजदेतबिडारे । उठेशत्रुहनचापसुधारे ॥ पूछाकहांमत्तगजआयो । हस्तिपाललैजाइदेखायो ॥ देखिभीरशत्रुहनसमीपी। सन्मुखधायोजंगलदीपी ॥ भागेसंगलोगचहुंपासा । कीन्हाशत्रुदमनबड़िहासा ॥ माराशरशत्रुहनरिसाई । सिरप्रवेशिगुदनिकसाजाई ११ ॥ दोहा ॥ छाड़िप्राणसोअपरतन पायोदिव्यस्वरूप॥ चारिभुजाभूषणबसन यथाविष्णुअनुरूप १२ ॥ मालिनी ॥ अचरजमनआयोदेखिकैशत्रुहंतै । गजतनकिमिपायोताहिपूछातुरंतै तेहिसबनिजकरनीपूबजन्मादिगावाम।हिषमतिपुरीमेंबिप्रकीदेह पावा ॥ मधुपियतसदाईमत्तघूमौंबिशेषी । करतरहतनिन्दाबिष्णुकोभक्तदेखी ॥इकसमयसुदर्शननामभूदेवआयो । हरिपदअतिसेवीतालमेंजाइन्हायो ॥ बहुबिधि प्रभुपूजाधूपदीपैसोकीन्हा । धुनिकरिदरघंटाअर्पिमिष्ठान्नदीन्हा ॥ सुनिगजवतबानीहास्यकैमंघनेरी । मुनिकहगजकीसोहोइगीदेहतेरी १३ ॥ दोहा ॥ जोहरि हरसरसाधद्विज निंदामनहूंलाव ॥ सोयमपुरजैहैंसहीदुखअपार

सोपाव १४ ॥ चौपाई ॥ तबमैंचरणगहेअकुलाई । शापअनुग्रह करुमुनिराई ॥ कहमुनित्रेतायुगअवतारा । हरिधरिहैंभंजनमहि भारा ॥ रामलषनअरुभरतशत्रुहन । चारिउभाइअखेटहेतुबन ॥ आइतोहिंमरिहैंरिपुहंता । गतिविशेषपाइहौतुरंता ॥ सोसबआजु भयोमुनिभाषा । पायोंगतियोगिनअभिलाषा ॥ जोतवचरणसु-मिरिमनलाई । सोसंकटनसदाबचिजाई ॥ चक्ररूपतवचरणन-मानी । गयोपरम्पदजहँहरिस्वामी ॥ सहितनिषादशत्रुहनआये । रामपदारबिंदशिरनाये ॥ गुहगजमोक्षकथासबगाई । अनुजहि उरलगायरघुराई ॥ तातनिशासोवतसबसैना । गजतेरक्षनकरि बलऐना १५ ॥ दोहा ॥ जाकेतुमसनअनुजहैं अपरसुसखानिषाद ॥ ताकोजगमहँघरबनोपरैनकबहुंबिषाद १६ ॥ चौपाई ॥ प्रातैउठि गोमतिअस्नाना । पातकहरणिसकलजगजाना ॥ संध्याकरिशिव सेइबहोरी । मुनिसनबिदामांगिकरजोरी॥ रतनजटितरथचढ़िरघु बीरा । सेनसमेतचलेमतिधीरा ॥ बहुअखेटकरिपुनिरघुराई । बन जीवनमारेसमुदाई ॥ रामहिंरथअरूढ़भृगुदेखा। कीन्हाकपटमृगा करभेषा ॥ कबहुंअकाशकबहुंमहिआवा । प्रगटतदुरतफिरतबन धावा ॥ तबरघुनाथसूततनताको । मृगपाछेममरथअतिहांको ॥ बायुबेगरथचलाउड़ाई । रथआगेमृगचलापराई ॥ स्यंदनबायुबेग अधिकारी । सोनदीखसबभूमिमझारी ॥ योबनअग्रदीखसोपाछे । कौतुककरतकृपानिधिआछे १७ ॥ दोहा ॥ निजपौरुषदरशाइतेहि रघुबरपरमसुजान ॥ बिप्रजानिनहिंछाड़िशर कृपासिंधुभगवान १८ ॥ चौपाई ॥ रविरथशरसबेगअतिभारी । धूरिपूरिदिबिलोक मझारी ॥ देखासारथिपरमप्रबीना । निजअंगदउतारितेहिदीना॥ जसजसमृगपलातअधिकाई । पाछेसैनसहितरघुराई ॥ राम प्रभावजानिमनमाहीं । हरिसनछलकीन्हेभलनाहीं ॥ धनिनिज तनमुनिबचनउचारे । महादोषयेमृगकेमारे ॥ देखितुम्हैंस्यंदन

आरूढ़ा । लीन्हपरिक्षामुनिमतिमूढ़ा ॥देखिबालखिल्यनरघुराई। रथतेउतरिचरणशिरनाई ॥ क्षमियचूकमैंकीन्हअयाना । मुनि बिशेषकहँमृगकरिजाना ॥ अनजानतनदोषरघुनाथा । तुम ईश्वरनाथनकेनाथा ॥ मर्य्यादापालकतुमरामा । सदाअधर्महि रहतबिरामा १६ ॥ दोहा ॥ अबहमारिआशिषसुनौ जनकराजके धाम ॥ चारिसुताचहुंबंधुतुम ब्याहिचह्योरथराम २० प्रभुआयसु लैगेतुरतभृगुमुनिनिजबिश्राम ॥ सैनसहितआगेचले बिहँसिहृदय तबराम २१ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैरामशृङ्गीऋषैकीकुटीरा । चले साथभाईसखासैनभीरा ॥ बजैदुन्दुभीबाजिदन्तीसुगाजैं । सुनैं शब्दसोजंगलीजीवभाजैं २२ ॥ नाराच ॥ बराहसिंहव्याघ्रआदि बानरादिलैसबै । शशाश्वृगालमाहिषौमृगापरातभेतबै ॥ महा प्रतापवानशृङ्गि देखिजीवनैकहा । करैमुनीशअग्निहोत्रयज्ञशांत यासहा २३ प्रपच्छशिष्यआपनेमहामतेकआयऊ । सोजासुत्रास पाइजीवजंगलीपरायऊ ॥ तुरंतजावबर्जियेमृगार्थिनैबिशेषकै । गयेमुनीशआयसुंकहासोरामदेखिकै २४ प्रणामकैमहामतिं समेतबंधुरामजू । प्रवर्ततेमुनीशशृंगिआपनेसुधामजू ॥ कहाकरै सुअग्निहोत्रशांतयासमेतसो । सुनायरामआगमैपुनस्तपैनिकेत सो २५ उतारिपंचचापतेसमूहबाहनौतजे । समेतबंधुरामचन्द्र औसखासमस्तजे ॥ गयेमुनीशआश्रमैबिलोकतैसहोदरै । पदार्थ दैमुखारबिंदपोछिरेनुआंचरै २६॥ दोहा॥ शृङ्गीऋषिआयेतहांमन प्रमोदअतिकीन्ह ।परसेपदप्रभुअनुजयुतमुनिवरआशिषदीन्ह २७ भुजंगप्रयात ॥ हृदयलायशृङ्गीऋषैपरिरामै । सखाबंधुसंयुक्तलायो स्वधामै ॥ गजाश्वादिबाहनससेनाटिकाई । हृदयप्रेरिसिद्धीसु भोजनकराई २८ पुनर्योगिनीप्रेरिसेनामझारी। करैंसर्बसेवायथा ब्याहिनारी ॥ गईसर्बरीसर्बकाहूअनंदैं । सबैन्हाइप्रातैऋषीशाय बन्दैं २९ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबएकबिंदूषकपानिजोरि । परिपायन

कहिऋाधसाजहार ॥ निशिसैनसंगसोईजेनारि । भगिनीमाता कोहैतुम्हारि ॥ सुनिहँसतरामभाइनसमेत । तबमुनिहुबिहँसि कहएवयेत ॥ तबरामकहामोहिं अवधजान । आयसुदीजैमुनिबर सुजान ॥ मुनिकहारामतुवतबैजाहु । मारौशरदारुणबसैग्राहु ॥ सुनिगयेरामसरिसर्युतीर । शरचापहाथसँगसखाभीर ॥ सुनि कोलाहलझषआवधाय । हतिबाणताहिसुरपुरपठाय ॥ रामहिं मुनीशउरलाइलीन्ह। बहुआशिषदैपुनिबिदाकीन्ह२६ ॥ दोहा ॥ गजबाजिनअसवारहवै संगनैनगम्भीर ॥ अनुजसहिमुनिपदपरशि चलेपुरहिरघुबीर ३० ॥ हरिगीतिका ॥ बाजैदुन्दुभीगजहुगाजै रथनवपूरीमही । हयहीसबिपुलमहीशठीस नसकैकबिकहि जसिरही ॥ यहिभांतिश्रीरघुबंशमणि सहसैन्यपुरढिगआयऊ । नरनारिबालकवृद्धयुवा समेतदेखनधायऊ ॥ नारीनिहारतचढ़ि अटारिन कुंवरबरअवधेशकै। तेहिसमयसुखकिमिकहिसकै रसनासहसद्वैशपकै ॥ पितुमातुश्रीरघुबीरदर्शन हेतउरजसिलालसा । सोअकथबानिहुअगममनमहँ जानशंकरवालसा ३१ ॥ सवैया ॥ अतशीशमनोपमश्यामसुआनन काननकुण्डललोललसै। अलकैंलटकैंसुकपोलनपै श्रमसीकरकीछबिचित्तबसै । पटपीत शरासनबाणलिये अतिआनँदसोगजपैबिलसै। सँगबन्धुमनोहर वृन्दसखा पुरलोगलखैमनमेंहुलसै ३१ ॥ दोहा ॥ यहिबिधि पचयेंबासरैं पुरलोगनसुखदेत ॥ अनुजसखासबसाथलै पहुंचे राजनिकेत ३३ आयेअकनिमहीपमणि सभासहितहर्षाय ॥ द्वारहिभेंटिलगाइ उरपरेचरणचहुंभाय ३४ ॥ तोटक ॥ रघुनाथ तबैगुहकीकरणी । बहुभांतिनतेनृपसोंबरणी ॥ तेहिभूपतिहूबड़ मानकियो । कलधौतकीमूठिकृपाणदियो ॥ पुनिमातनकेसबपायँ परे । चहुंबंधुमनोहररेणुभरे ॥ मुखपोंछतचूंबतलायहिये । करि आरतिबिप्रनदानदिये ३५ ॥ दोहा ॥ यहिप्रकारलीलाअमित

करतरहतरघुबीर ॥ पढ़ैसुनैमनलायजो ताहिमिटैभवभीर ३६
देवपितरसूर्यादिग्रह ताहिसदाअनुकूल ॥ भुक्तिमुक्तिसोपाइहै
सबदिनमंगलमूल ३७ ॥ प्रज्वलिया ॥ अबअपरकथासुनुचित्त
लाय। तपमूरतिविश्वामित्रआय ॥ मनसमुझिनिशाचरबधनहेत।
हरिप्रकटेदशरथनृपनिकेत ॥ सुनिद्विजनवृन्दलैनृपतिजाय। पद
पूजिभवनआयेलवाय ॥ करिबिनयकहापुनिजोरिहाथ। आयसु
दीजैसोकरौंनाथ ॥ कल्याणहोइतबनृपसुजान। दीजैमोहिं रामहिं
कछुनआन ॥ गुरुसम्मतकैएकांतजाय। मनआवैतौकीजैबनाय ॥
नृपशोचसहितगुरुसोंसुनाय। कल्याणमोरकिमिहोइआय ॥ गुरु
कहाशोचजनिकरियभूप। येरामविश्वआतमारूप ॥ महिभार
हरणविधिबैनमानि। भेप्रकटकौशिलाकोखिआनि ॥ तुमकश्यप
अदितिहौपूर्वदेह। बहुबर्षकीन्हतपहरिसनेह। बरमांगुकहाहरि
प्रकटआय। तुमयांचिपुत्रममहोहुआय ॥ सोसांचकीन्हप्रभुबचन
मानि। येलपणशेषअवतरेआनि ॥ येभरतशंखशत्रुहनचक्र। महि
भारउतारैंमारिबक्र ॥ जगजननिजनकगृहप्रकटिआनि। सीतै
सुयोगमायाबखानि ॥ सीताश्रीरामबिवाहहेत। कौशिकमुनि
आयेतबनिकेत ॥ यहगुप्तबातजनिकरुप्रकाश। सुनिगुरुबचन
नृपभेहुलास ३८ ॥ चौपाई ॥ निजकृतकृत्यजानिमहिपाला। राम
लषणबोलेततकाला ॥ हृदयलायशिरसूंघ्योदोऊ। दीन्हअशीष
सीखप्रियसोऊ ॥ परमानन्दसहितनृपज्ञानी। सोंप्योऋषिहि
भाषिमृदुबानी ॥ सजिअसिधनुपबाणतूणीरा। मुनिसँगमुदित
चलेद्वौबीरा ॥ देअशीषहियहर्षबढ़ाई। चलेमुनीशसाथरघु-
राई ॥ कछुमगचलिद्वौबीरबोलाई। महाबलीविद्यासोपढ़ाई ॥
क्षुधाप्यासजेहिलहैनलागै। बाढ़ैबलप्रतापदुखभागै ॥ गंगउ
तरिताड़कबनगयऊ। बिश्वामित्ररामसनकह्यऊ ॥ यहैताड़का
मुनिदुखदाई। हतौरामबिचारबिसराई ॥ सुनिगुरुगिराधनुष

टंकोरा । चलीताडुकाप्रभुपरघोरा ३९ ॥ दोहा ॥ मारारास हृदयशर गिरीअवनिभहराय ॥ दिव्यदेहधरिबिनयकरि गई स्वर्गसुखपाय ४० बिश्वामित्रअनन्दहवै रामहिं लैउरलाय ॥ सर्ब अस्त्रसरहस्ययुत मंत्रनदीन्हपढ़ाय ४१ ॥ चौपाई ॥ तेहिनिशित-हांकीन्हबिश्रामा । मुनिनसहितसुखपायोरामा ॥ प्रातहोतसिद्धा-श्रमगयऊ । रामऋषीशहिपूछतभयऊ ॥ कहाअधमराक्षसनदे-खावो । तवहितमीचचमूचलिआवो ॥ बर्षतअस्थिरुधिरकीधारा । देखिमुनिनदुखभयोअपारा ॥ राममरीचहिशायकमारा । शतयो-जनसागरमहँपारा ॥ दूसरशरपावकरघुबीरा । जारातुरतसुबाहु शरीरा ॥ क्षणमहँबरपिबाणबरधारा । लषणनिशाचरकटकसँ-हारा ॥ देखिबन्धुदोउसुरअनुकूला । दैदुन्दुभीकरतझरिफूला ॥ तबमुनीशमनभयोउछाहू । पूजारामलषणकीबाहू ॥ तीनिदिवस तहँबसिभगवाना । करैंयोगजपमखमुनिनाना ४२ ॥ दोहा ॥ चौथेदिनमुनिबरकहा सुनौभानुकुलकेतु ॥ चलियेबेगिबिदेहपुर सियास्वयंबरहेतु ४३ ॥ सोरठा ॥ तबकौशिककेसाथ गंगासरि उतरतभये ॥ पूछाश्रीरघुनाथ शिलादेखिगौतमघरनि ४४ मुनि बरसकलसुनाय शापअनुग्रहकथासब ॥ कृपाकरौरघुराय तव पदरजयांचतपरी ४५ ॥ कबित्त ॥ पाहनपरीथीपापशापसोभरी थी उरग्लालिसोंगरीथीपतित्यागिदुखभारीसो । निर्जलनिदान हिमशीतअनिदाघभान आतपनआनकोऊ जीवजंतुझारीसो । ऋषिकीरजायपाय आयरघुरायतहां कृपाकरिगौतमपियारिहि निहारीसो । परसिपुनीतपाय शिलाह्वैसलोनीनारि नायशिर हर्षिउरअस्तुतिउचारीसो ४६ जयजयरामचन्द्रजगबन्ददशरथ नन्द आनँदककन्दद्वन्ददेखिदुखहर्योहै । शेषश्रुतिशारदऔनार दबिरविसुर सिद्धशिवसेव्यपदआर्यशिरधर्योहै । अहोभागमेरे घनेरेकोबखानिसकै नाथकृततेरेकौनतरैऔतर्योहै । ईश्वरीगुण

गायरुपपायकैअहल्याधाय जायपतिअंकमेंनिशंकसुखभर्योहै ४७ ॥ तोटक ॥ बहुभांतिअनन्दभयोसबहीं । कहिरामहिंगाधि तनैतबहीं ॥ चलिगंगतरोजनिदेरकरौ । गवनेमुनिआयसुशीश धरौ ४८ ॥ मालिनी ॥ मुनिहमहिंसुनैयेसर्बव्याख्यानगंगा । पर-शिदरशिजाकेहोतपापौघभंगा॥ क्यहिहितमहिआईस्वर्गपाताल चारी । कुशिकसुतबखान्योरामचन्द्रैबिचारी ॥ हिमगिरिगिरिरा-जामेरुजातासुबामा । तिनभवयुगकन्यागंगदेवीतिनामा ॥ अपर लघुउमाख्याजक्तकेदुःखहारी । तेहिहिमवतदीन्हाशंकरैमोद-कारी ४९ ॥ चौपाई ॥ मनभावतीप्रियाशिवपाई । दिव्यबर्षशत रमतबिताई ॥ तबदेवनमनकीन्हबिचारा । उमाकीन्हतपकठिन अपारा ॥ जोशिवशिवासुकृतसुतहोई । महातेजसहिसकैकिकोई॥ बिनयआयशंकरैउचारी । तुमत्रिकालत्रिभुवनहितकारी ॥ करिय सोईअबदीनदयाला । जेहितत्रिभुवनकरप्रतिपाल॥ सुरनमनोरथ शंकरजाना । बोलेमधुरबचनभगवाना ॥ जासुतेजडरलहिसुर नाना । सोमहिसहिकहिकृपानिधाना ॥ असकहिबीर्यखसाभग-वाना । तपतस्वर्णइवकूटसमाना ॥ तातेकार्तिकेयसुतभयऊ । ताड़कअसुरसमरजिनहन्यऊ ५० ॥ दोहा ॥ ब्रह्मासुरसेनपकियो यशबलनिधिगुणधाम॥ जोगावैसोपायहैषटमुखपुरअभिराम५१ मालिनी ॥ लखिचरितउमायहक्रोधकीन्ह । सुरगणसमूहकहँशाप दीन्ह ॥ सुतहितपतिसेवनचितलगाय । अनहितममदेवनकीन्ह आय ॥ तातेसुरत्रियसबबांझहोंय । अबप्रसवमोदपावैनकोय ॥ येउमाबचनअप्रियअपार । देवनसमस्तलहिदुःखभार ५२ ॥ चौपाई ॥ मैनाहिमिहियांचिसुरजाई । गंगैदीन्हमोदउरछाई ॥ गई सुरपुरहिइच्छाचारी । गंगात्रिभुवनपावनकारी ५३ ॥ प्रश्नवलिया ॥ सुनुअपरकथारघुबंशकेतु । आवनमहिमण्डलगंगहेतु ॥ अवधेश सगरराजनिनसमेत । सुतहिततपकरिभृगुमुनिउपेत ॥ ऋषिकहा

भूपवरमांगुजानि । सुतदेउंत्रियनरुचिकहप्रमानि ॥ केशिनीयां-
चियकसुतउदार । जेहिबंशवृद्धिकीरतिअपार ॥ दूजेसहस्त्रषष्टी
प्रमान । सुतदेवऋषेबलकेनिधान ॥ भृगुएवमस्तुकहिबिदाकी-
न्ह । नृपअवधआयनिजराजलीन्ह ॥ कछुदिनगतभुतकेशिनी
जाय । असमंजसजिनकरनामआय ॥ तिनपुरबालकतरणीचढ़ा-
य । सरयूअगाधजलमेंबोराय ॥ सुनिभूपतनयदेशैनिकास । तब
प्रजनकीन्हनिजभवनवास ॥ सुमतिंप्रसूततुंबरीएक । सुतभये
कहेकरिमुनिजेटेक ५४ ॥ नराच ॥ बिचारिभूपचित्तएकअश्वमेध
मैंकरौं । लहौंसुकीर्तिजक्तमेंसमस्तदोषनैहरौं ॥ समेतपुत्रमंत्रि
पौत्रअंशुमानसाथलै । हिमेशबिंध्यमध्यजायदेखिउत्तमस्थलै५५
कियोप्रचारयज्ञकोऋषीशनै बोलायकै । लखाविशेषमेधइंद्रबाजि
लैचोरायकै ॥ हवालपायभूपपुत्रषष्ठिसाहसैंतहां । बिलोकिभूप
तालस्वर्गअश्वलाइयेकहां ५६ चलेवलीसमस्तभूपतालस्वर्ग
देखिकै । नअश्वकोलहाकहूंखनैंमहीबिशेषिकै ॥ सबैसुयोजनं
प्रयंतएकएकखोदते । कलेशलेशनाकेहूभरेमहानमेदते ५७ डरे
बिलोकिदेवतागयेपितामहाजहां । प्रणम्यषष्ठिसाहसंहवालदी
नहूवैकहा ॥ अभैप्रदानदैतिन्हैंबिधात्रिबाक्यउच्चरा । अवश्य
कर्दमात्मजंबिरोधकैचहैमरा ५८ ॥ छप्पै ॥ यहिबिधिखोदत
भूमिरसातलपहुंचेसगरे । पन्नगादिजलजंतुहतेयोधाबलअगरे ॥
पूर्बादिकसबदिशाशोधिबाजिहिनहिंपावा । महिदिग्गजनबिलो-
किप्रदक्षिणशीशनवावा ॥ तेजायकपिलमुनिकेनिकटहयलखि
परुयबखाने । यहचोरभूपमखभंगकरजल्पतसकलअयाने ५९ ॥
दोहा ॥ सुनतकुटिलबाणीकपिलक्रोधवन्ततजिध्यान । हुंकारी
देतेभयेभस्मसकलबलवान ६० ॥ नराच ॥ इहांचिरंब्यतीत
कालजानिभूपशोचहीं । बोलाइअंशुमानपौत्रजाउअश्वखोजहीं ॥
चलेतेकार्मुकंसुधारि मासितूणबांधिकै । पितृव्यमार्गपूछतेनृपा

ह्नयामुकाधिकै ६१ ॥ छप्पै ॥ बसुधासकलबिशोधिगयोनृप तनयघतालै । करिदिशिकरिनप्रणामपाइतिनतेसबहालै ॥ कपिलाश्रमतबजाइचरतमखबाजिहिदेखा । पुनिपितृव्यनदेहभस्म उरशोकबिशेखा ॥ पितुमातुलहिबिलोकितहँखगनाथहिपूछत भयो । नितआइबताइजलाशयषष्टिसहसकहँजलदयो ६२ ॥ प्रज्झटिया ॥ तबगरुड़कहासुनुवत्सबात । येषष्टिसहसकहँनरक त्रात ॥ तुमकरौजायतपअतिहिघोर । गंगैलावोईभस्मठौर॥ तिनवारिपरसियेपावँस्वर्ग । यशहोइतुम्हैंनानापवर्ग ॥ हयलेउकरौनृपयज्ञपूरि । कीरतिमहिमंडलहोइभूरि ६३ ॥ सोरठा ॥ गरुड़ कहातसकीन्ह अंशुमाननृपपौत्रवर ॥ हयलैभूपहिदीन्ह बिधिवतकीन्हीयज्ञतिन६४ ॥ चौपाई ॥ तीससहसबरषैभूपाला । सगरराजकरि पुनिभाकाला ॥ सुरपतिभवनजबहिंनृपगयऊ । अंशुमानतबभूपतिभयऊ ॥ नीतिधर्ममहिमंडलछायो । प्रजनसबहिंमनमोदबढ़ायो ॥ ताहिदिलीपपुत्रसुखकारी । दीन्हराजनृपप्रौढ़ बिचारी ॥ आपुजाइहिमगिरिवरशृंगा । कीन्हतपहिमहिआवहिं गंगा॥बत्तिससहसबरषतपकीन्हा॥भयोमृतकसुरपुरसुखलीन्हा॥ सुनिदिलीपदुखहृदयअपारा । भगीरथहिशिरतिलकसँवारा ॥ जाइगंगहितपबनसाधा । तनतजिगेसुरपुरनिरबाधा ॥ इहां भगीरथमनअसआयो । दिनबहुगयेनपितुसुधिपायो ॥ मंत्रिहिराज्यसौंपि तेहिकाला । तपहितगे गोकरणभुवाला ६५ ॥ सोरठा ॥ ऊरधभुजाउठाइ निरशनअग्निजलायकरि ॥ कठिन तपहिमनलाइ भागीरथनृपगंगहित ६६ ॥ हरिगीतिका॥ हिमशय नजलग्रीषमअनलतपि सहसबरषबिताइयो । लखिआइबिधिबर लेमहीपति रुचिरजोमनभाइयो ॥ सुनिहरषिकीन्हप्रणामनृपकर जोरिबरबाणीकहा । मोहिंदेउहिमवतसुतागंगा तरणिहितप्रतिलामहा ॥ जेसगरसुवनप्रसिद्धषष्टि सहस्त्रमुनिरोषहिजरे । तेत

रहिंपावहिंस्वर्गसुख ममबंशवृद्धकरौपरे ॥ कहिएवमस्तुबिरंचि बिनशिव गंगतेजकोधारही। असभाषिबिधिनिजलोकगे नृपशंभु हिततपसाचही६७ ॥ प्रज्वलिया ॥ पदअंगुष्टमहितलकरिअधार। शिवशिवनिशिदिनबाणीउचार ॥ संवतब्यतीतहरप्रकटआइ।वर मांगुभूपजोतोहिंसुहाइ ॥ हिमिकन्याजेठागंगबेग । दुःसहस हिसकैनसुरअनेग ॥ तेहिसहौरहैमहिगंगआइ । कहिएवमस्तु शिवसुखहिपाइ ६८ ॥ चौपाई ॥ पुनिभूपतिगिरिसुतैमनावा । च-लौधारवरणीकरिधावा ॥ जाउंरसातलशंभुसमेता । कहिनजाइ मनअहमितजेता ॥ गिरीशंभुशिरजटाभुलानी । संवतगणब्यती-तबिललानी ॥ पुनिभूपतिशिवबिनतीकीन्हा । जटानिचोरिबूंदय कदीन्हा । तातेभईसातबरधारा । अहलादिनिपावनीअपारा ॥ नलिनीअपरशिवजलानामा। गंगात्रिभुवनकीअभिरामा ॥ सिंधु गमनिसुचक्षओसीता । दरशिपरसिजनहोतपुनीता ॥ चलाभूप स्यंदनअसवारा । आगेपाछेसुरसरिधारा ॥ मगमुनिजह्नुयज्ञवि स्तारा । बोरनचलीगंगनिजधारा॥देखिचरितमुनिमनमुसुकाना। सत्वरधायधारकरिपानाद६९ दोहा॥ बहुअचरजसुरमुनिनभोनृपअ-तिबिनतीभाषिकान्याकहिमुनिदीन्हतबनामजाह्नवीराषि७०॥ कबित्त ॥ आवतबिलोकिधाराधायन्हातगंगाजीमें पतिनसमेततिहुं तापनकोखोवती । मलयजमृगमदकुंकुमकपूरयुत केसरिसुरंग नास्वअंगनतेधोवती ॥ तेरहीप्रतापदापसहतनदाघनकी अथधर्म काममोक्षआपुहीमेंजोवती। ईश्वरीदरशओपरसजलनेकभयेताके पापपर्वतपलमेंबिलोवती ७१ सोहतबिमलधाराअरापरगंगांजी की मानहुंपावनपथसुरलोककोबनी । सुंदरसोपानबीचीपंक्तिन बिलोकियत अद्भुतगतिनहिंबरनिसकैफनी ॥ एकहीकेपरसतभव निधिपारहोत अपरबिलोकेमुक्तिलहतमहाघनी । ईश्वरीप्रणतध-न्यनरनमहानभाग जाहिकेकहूंतवपाईजलकीकनी ७२ माधव

मुकुन्दपदद्वन्दधोयबिधिनिजआपनेकमण्डलमेंभराभरिभावते ।त
पकरिभगीरथलायेमहिमंडलमेंजह्नुमुनिके प्रभावजान्हवीमुनाव
ते ॥ सगरसुवनसुरभवनपठायेसब जगउपकारप्रणमनहर्षावते ।
ईश्वरीप्रणतपाहिगंगमातुतोहिं चाहि ताहीभवसागरउतारौवेद
गावते ७३ ॥ चौपाई ॥ गयोनृपतिसागरबरतीरा । पाछेगंगधार
गंभीरा ॥ सगरसुवनजेसाठिहजारा । दग्धभसमजलपरसत
बारा॥भेनिपापसुरपुरसबलह्यऊ। तबबिधिआयनृपतितेकह्यऊ॥
सगरसुवनसबतृपितभुवारा । भयोपूरसंकल्पतुम्हारा ॥ जब
लगिसागरमेंरहैनीरा । स्वर्गबसहिंसबदेवशरीरा । हिमितनया
गंगायेज्येष्ठा । भागीरथीनामयहश्रेष्ठा ॥ सागरमिलीमहासुखपा-
वा । गंगासागरनामकहावा ॥ गईरसातलइच्छाचारी । गंगाति
हुंपुरपावनकारी ॥यहसंबादसुनैऔगावै । गंगप्रसाददेवपुरपावै॥
असकहिबिधिनिजलोकसिधाये । अतिआनन्दभूपतिगृहआये ॥
७४ ॥सोरठा ॥ गंगाचरितअनूप गाधिसुवनबिधिवत्कहा ॥ सुनि
अमृततद्रूप महामुदितदोउबंधुबर ७५ ॥ दोहा ॥ गुहदेखतरा
महिंपायँपरो । मुखब्यंगकहैउरप्रेमभरो ॥ पदधूरिप्रभावतरैतर-
नी । घरजायकहाकहिहौंघरनी ॥ हमतेपदधोवननाथकहौ । तुम
गंगनदीउतराजोचहौ । लहिआयसुपायँपखारिपियो । निजसाथ
कुटुम्बकृतार्थकियो ७६ ॥ दोहा ॥ नावमँगायउतारितब मुनिन
सहितदाउभाय ॥ तासुप्रीतिउरसमुझिसब बिहँसेमुनिसुखपाय
७७ ॥ चौपाई ॥ करिअस्नानपूजिनिजदेवा । भोजनकीन्हमधुर
फलमेवा ॥ तबमुनिसंगभानुकुलदीपा । गयेनगरजहँजनकमही-
पा ॥ सुनिमुनिआवननृपबरज्ञानी । करिदण्डवतपूजिपदआनी ॥
सबप्रकारनृपकरिपहुनाई । रामलषणलखिसुखअधिकाई ॥ पूछा
मुनिहिरामछबिदेखा । केहिसुकृतीकेसुवनबिशेषा ॥ जिनस्वरूप
सबदिशाप्रकासे । रबिशशिसमजगबीचबिलासे ॥ नरपुंगवकी

हरिअवतंसा । यहिप्रकारनृपकीन्हप्रशंसा ॥ सत्यबचनमुनिकह नृपतोरा । येदशरथअवधशकिशोरा ॥ ममहितआयताडुकेमारा । सुभुजआदिनिशिचरसंहारा ॥ मारीचैसागरैपठावा । ममआश्रम बसियज्ञकरावा ७८ ॥ दोहा ॥ मगगौतमपबिनारिही गतिदायक श्रीराम । देखनआयेधनुषमखममसँगराउरग्राम ७९ ॥ चौपाई ॥ सुनिमुनिबचनमहीपअनन्दा । पूजेबिधिवतरघुकुलचन्दा ॥ पांच सहसयोधनबोलवाई । बिश्वनाथकरचापमँगाई ॥ मुनिरुखपाय दिखायशरासन । जोत्रिभुवनबरनृपबलनाशन ॥ पन्द्रहबर्षराम वयजानो । वर्षछइकजानकोबखानो ॥ शुभसंयोगबिचारिअनन्दो । बारबारनृपमुनिपदबन्दे ॥ कहामुनिहिनृपबचनबहोरी । जोहर चापरामसकतोरी ॥ तौसीतारघुबीरबिवाहू । करिहौंमैकरिअमितउछाहू ॥ जासुदेखित्रिभुवनबलहारा । सुरनरअसुरनकीन्ह बिचारा ॥ बाणबलीमानीलखिशंका । रावणछलीपरान्योलंका ॥ अपरसुरासुरभटजगजेत । हरधनुकीन्हमानबिनतते ॥ ममप्रण भंगभयोकहराऊ । रहेजोअबतवपुण्यप्रभाऊ ॥ तबकौशिकरघु-नाथहिभाषो । तोरिपिनाकजनकप्रणराखो ॥ उठेरामगुरुआयसु पाई । परिकरदृढ़कसिमनहर्षाई ८० ॥ दोहा ॥ सुकृतमनावेंनारि नर रानिनसहितनरेश । हरधनुतोरेंरामअब पूजैगौरिगनेश ८१ ॥ छप्पै ॥ कटिपटपीतसुधारिधारिशारंगकंधपर । करइषुडारि निषंगझारिभुजदण्डचण्डबर ॥ झपटिखण्डकोदण्डचौंकिचण्डी औचण्डो । भरांशब्दब्रह्माण्डकम्पबसुधानवखण्डो ॥ परसत पिनाकरघुनाथकेदिग्दंतीदबिचलखरे । सहिसकेंनभारकूर्मकरि शेषशोशझुकिझुकिपरे ८२ ॥ हरिगीतिका ॥ करकराइउठाइहरधनु लियोहरिविधरक । करधरतगोधनुटूटिधुनिसुनिगईसियहियखर-क ॥ करखगावतबंदिमांगधजयतिजयरघुबरक । करबराहचि-कारशेषहुसिमटिकूरमकरक ८३ ॥ प्रज्वलिया ॥ धनुखंडिखंडहै

धरणिडारि। नरनारिउठेजयजयपुकारि॥ सुरसुमनबरषिदुंदुभि बजाय। नाचैंनभसबअप्सरागाय॥ लखिजनकतुरतरघुबरहि धाय। आनंदउमगिउरलैलगाय॥ रानीसुनिबिस्मयलहिअपार। सियभागसराहतबारबार॥ मणिमयसुवरणजयमालहाथ। सीतैपठयोबहुसखीसाथ। द्युतिस्वर्णवर्णआभरणसाजि। कंकण कुण्डलनूपुरबिराजि॥ केयूरहारमुंदरीसुहाय। चित्रितदुकूल रचिरचिबनाय॥ अस्मितआननशरदेंदुनिंद। गइरामनिकटलै सखिनवृंद ८४॥ सवैया॥ श्यामस्वरूपअनूपसुआनन कानन कुण्डललोलसुहाये। नैनमनोहरमीनहुखजन कंजनहूलखिकै सकुचाये॥ देखिसियामनमोदभरी गुरुलोगनलाजनशीषनवाये। जायअलीसुभलीबिधिसों रघुनंदनपंकजपायँपुजाये ८५॥ हरिगीतिका॥ पहिराइतबजयमालजानकिरामउरहरषायकै। सुरसुमन बरषैंबिनयकरि नाचतअपसरागाइकै॥ रनिवासपरमहुलास बश झांकतझरोखनआइकै। पुरनारिनरआनंदउमगि मंगलकरत सबधाइकै। खलभूपमलिनसुभावबिलखत निजमुखनमसिलाइ कै। लखिलषणप्रबलप्रतापनिजपुर गवहिंजातपराइकै॥ जेसाधु नृपतेराममुख निरखतमहासचुपाइकै। पुनिकुंवरिलैगजगमनि सुंदरिभवनगईलवाइकै॥ कौशिकमहाउत्साहकरि रामहिंलिये उरलाइकै। मिथिलेशपरमानंदमुनिपद परशिप्रीतिबढ़ाइकै॥ चरचतुरपठयेपत्रलिखिजोअवधनृपहिबचाइकै। इतआइकरैंविवाहरघुबरबरबरातबनाइकै ८६॥ मधुभार॥ लैगयोपत्र। अवधेशयत्र॥ नृपआपुबांच। मनजानिसांच॥ अतिभयोसुक्ख। मिटिगयोदुःख॥ मंत्रिनबोलाय। सबकरिबनाय॥ वररथसजाय। निजगुरुचढ़ाय॥ सजिअपरयान। नानाबिधान॥ गजरथ हयान। चढ़िचलेआन॥ शिविकासजाय। रानिनचढ़ाय ८७॥ नाराच॥ गजादिस्यंदनादिबाजिसाजिरंगरंगके। भरत्तशत्रुहासखा

समस्तरामसंगके ॥ भयेनृपौसवारसाथसैनलैभयंकरै । गुरूगि-
रागणेशओमनायगौरिशंकरै ८८ प्रपूजिबिप्रदानमानओबिधान
कैभले । बजायदुंदुभीमृदंगशंखपूरिकैचले ॥ मृगालिदक्षिणेमि
लेसपुस्तकंद्विजंद्वयं । दहीसमीनसम्मुखेसुवाउमंगलंअयं ८९
उहांबहोरिचारगेबिदेहसोंकहातबै । सनेहकोशलेशकोबरातआव
तैसबै ॥ सुनेअनंदपायभूपदुंदुभीबजायकै । रचाबितानस्वर्गमें
बड़ेगुनीबोलायकै ९० कहूंकहूंमनीघनीलगायनीलपीतकी ॥
सपत्रखंभकेदलीछियावनीहरीतकी । सफूलपद्मरागकेलगाय
मोतिनैलरै । बिरंचिहूलखेअचर्यचित्तआपनेकरै ९१ बोलायसर्ब
ग्रामकेधनीगुनीबनीनको । रचौबजारद्वारधामदेवनैमनीनको ॥
गयेसमस्तहर्षसोंरजायशीशधारिकै । रचीगलीगलीभलीबिचित्र-
तासँवारिकै ९२ ॥ चामर ॥ बापिकातड़ागकूपभांतिभांतिकेरचे ।
बागबाटिकादिआलबालरत्नमेंखचे ॥ धामधामद्वारद्वारचौकिमोति
नैबनी । दीपवाह्यभीतरौमनीजड़ीघनीघनी ९३ ॥ प्रमानिका ॥सबै
धनीगुणीबसैं । कुवेरहूकेजेहसैं ॥ सबैसुखीसुशीलहैं । सबैउदार
शीलहैं ॥ सबैसुधर्मभावते । प्रमाणकेकहावते ॥ सबैस्वरूपवान
से ॥ मनौसुपंचबानसे ॥ सबैपतिब्रतानरी । लखेलजैसुअप्सरी ॥
नदुःखदेखियेकहूं । नदुष्टपेखियेतहूं ॥ जहांस्वजन्मिइंदिरा ।
तहांकिक्योंकहैगिरा ॥सऋद्धिसिद्धिदारिका ।भईसियाप्रचारिका
९४ ॥ दोहा ॥ यहिबिधिपुरशोभानिरखि बिधिहूमनसकुचात ।
निजकृतकृतहुनदेखही घरघरएकौबात ९५ ॥ चामर ॥ आवती
बरातजानिसीयओधग्रामते । ऋद्धिसिद्धिकोपठायसर्बसुःखधाम
ते ॥ बासबाससोहुलासदीन्हलोगनैघनै । मर्मजाननाकोऊबिदेह
कीर्त्तिकोभनै ९६ ॥ प्रज्वलिया ॥ मिथिलेशनगरआईबरात । पितु
मिलनचलेउठिदोउभ्रात ॥ परेपाइधाइउरलाइभूप । शिरसूंघि
राममुखलखिअनूप ॥ तेहिसमयजनकआगमनआय । पदपूजि

भेंटदैबासजाय ॥ सबभोगसहितअतिरुचिनिकेत । तहँसुखीभूप रानिनसमेत ९७ ॥ दोहा ॥ सुदिनसुलगनबिचारिद्विज नृपहि सुनायोआय ॥ ब्याहरीतिक्रमतेसकल करनलगेहरषाय ९८ ॥ मधुभार ॥ तबहर्षिराज । बहुद्रव्यभ्राज ॥ गजबाजिसाज । पठई समाज ॥ प्रभुतिलककीन । श्रुतिबिधिप्रबीन ॥ बहुदानदीन्ह । जगसुयशलीन्ह ९९ ॥ तोमर ॥ बहुभांतिधामबनाइ । बरमंडपै बिरचाइ ॥ ध्वजतोरनादिककेतु । सजिसोसुमंगलहेतु ॥ गिरिजा गणेशहिथापि । बहुभांतिरागअलापि ॥ कुलरीतिलौकिकरीति । सुखसोंकरीकरिप्रीति १०० ॥ प्रज्झटिया ॥ चित्रावलिकीछबि अतिबिलास । झहरैझालरिजनुकामपास ॥ राजैबिचित्रशोभा बितान । जनुइंद्रधामभूतलहिआन ॥ कैधौंमिथिलापुरसुखसमाज । इतआइरहाशुभजानिराज ॥ कैबिधित्रिभुवनआनँदसकेलि । इतआयकीन्हढेरीअकेलि ॥ प्रतिखम्भसुरनप्रतिमाबिराज । छलसोंजनुदेखतसुखसमाज ॥ सीताहरित्रिभुवननाथजानि । जनु मंडपप्रथमैछत्रतानि १ ॥ हरगीतिका ॥ द्वौराजरानिसमाजकरि हरषायशुभमंगलकर्यो । मयनादितेलकिरीतिबिधिवतजागरन कैसुखभर्यो ॥ शुभलगनदिनगजबाजिसाजिअनेकस्यंदनरचि भले । चढ़िनृपकुमारअपारतिनपरलेनअगवानीचले ॥ लैवस्तु अमितप्रकारबहुउपहारआदिबनाइकै । पदपूजिदशरथराइकैदै भेटअतिहरषाइकै ॥ बरबरातलवाइआइसुद्वारचारकराइकै । करि प्रीतिलौकिकरीतिसोंसबसुमुखिमंगलगाइकै २ ॥ दोहा ॥ आरति आरतहरनकी कीन्ह्योराजसुजान ॥ चरणकमलपूज्योबहुरि जन्म सफलनिजजान ३ सबप्रकारउत्सवअमितबाजैगगननिशान ॥ रंभादिकनाचैंहरषि करैंबिविधबिधिगान ४ ॥ भुजङ्गप्रयात ॥ पुनः सुक्खशालाबरातैटिकाई । सुदुर्गाजनेऊदियोफेरिजाई ॥ लखे औधनाथैविभौसुक्खसाजा । अतीतुच्छजासोंलगैदेवराजा ॥

बिनैकैचहूबंधुलैऔधनाथै । दियेपावड़ेमंडपैलायसाथै ॥ कियो आरतीअर्घपादार्घदैकै । दियेदिव्यसिंहासनैप्रीतिकैकै ५ ॥दोहा॥ ब्रह्मादिकसुरसकलमिलि धरिधरिबिप्रनरूप ॥ आयेभूपतिभवन सबदेखनब्याहअनूप ६ बिश्वामित्रबशिष्टसमनारदादिमुनिवृंद॥ पूजिदियेआसनसबहि तिरहुतिपतिआनंद ७ बिप्रनआयसुते तबैसीतामंडपलाय ॥ बरकन्यैगुरदुहुनमिलिगणपतिगौरिपुजाय ८ ॥ तोटक ॥ करिहोमहिंवेदविधानतबै । जेहिभांतिबिवाह किरीतिसबै ॥ बरबिप्रनशांतिपढ़ीजहीं । गठिबंधनभांवरिकै तबहीं ॥ पददंपतिधोइसियावरके । दुहुंलैअपनेशिरपैछिरके ॥ करसीयकुशोदकपाणिलियो । बिधिसोंरघुनाथहिअर्पिदियो ९॥ भुजंगप्रयात ॥ पुनःउर्मिलालक्ष्मणैब्याहिराजा । श्रुतीकीर्त्तिभर्तै दईकैसमाजा ॥ दईमांडवीशत्रुहंतैसुदेषी । गुरूआज्ञयापाइकैसो बिशेषी ॥ भयेदारसंपन्नचारीउभाई । लसैंलोकपालेवशोभा बड़ाई ॥ भरामंडपौरत्नहेमांवरानै । लहानेगिनौकोकहांलौंबखानै १० ॥ चौपाई ॥ तबबिदेहआपनिअभिलाषा । बिश्वामित्रबशिष्ठहिभाषा ॥ यज्ञक्षेत्रबिशुद्धकेकारण । मैंलांगलहिकीन्हकर धारण ॥ कछुकभूमिबिदीर्णभैजबहीं । प्रकटीसुभगकन्यकातबहीं । मैंपुत्रीकाहरक्षाहेतू । दीन्हारानिहिलाइनिकेतू ॥ एकसमय नारदमुनिआये । बीनबजावतहरिगुणगाये ॥ पूजितिनहिंआसन बैठारा । मुनिकृपालमोहिंबचनउचारा ॥ सुनुमहीपनिजउदै प्रकारा । भक्तहेतहरिधरिअवतारा ॥ परमातमासुचारिउभाई । प्रकटअवधदशरथगृहआई ॥ येलक्ष्मीसीतातवधामा । पैहैपति रामहिंअभिरामा ॥ नारदकहासत्यकरजाना । धनुषभंगप्रणमैं तबठाना ॥ बिनरघुबीरकौनसकैतोरी । कोत्रिभुवनभटकर मुख मोरी ॥ तबमैंरामहिंदेहौंसीता॥ सदाप्रियायहरहहिपुनीता ११ दोहा ॥ रावणादिनिशिचरनहति हरिहैंपृथिवीभार । जनबत्सल

सुरकाजहित लीन्हमनुजअवतार १२ त्रिपुरैदाहिपुरारिइतनिमि हिसौंपिधनुदीन्ह ॥ सीतारामबिवाहहितजानिमहूंप्रणकीन्ह १३ चौपाई ॥ मुनितबकृपाभंजिधनुरामा । भयोमनोरथममअभिरामा॥ जन्मसफलअबभयोबिशेषा । आसनएकरामसियदेखा ॥ जेहि चरणोदकशिवअजशीशा । धराभयोस्वचराचरईशा ॥ बलिहु सलिलसोइशीशचढ़ावा । द्विबिजाधिपपदलहासुहावा ॥ पदरज परशिअहल्यानारी । ह्वैपुनीतपतिपाससिधारी ॥ जेपदरजसुर मुनिउरलाये । तेनकबहुंभवबंधनआये ॥ जासुनामसुमिरतदुख भागै । धन्यजीवसोजोअनुरागै १४ ॥ भुजंगप्रयात ॥ बिनैयोंबखा- नीतबैराजरानी । गहेपादपानीकहीदीनबानी ॥ सदानाथमोपै कृपाकोकरीजै ॥ लखौदासदासीनिजैभक्तिदीजै १५ ॥दोहा॥धाम धरणिधनधेनुबहु दाइजदैअतिभूरि ॥ बिबिधिकनकभूषणबसन रहासुमंडपपूरि १६ ॥ कवित्त ॥ चांदिहिकीपाटीअरुपावहुसोहा येचारि चारुपरयंकपाटडोरनिबिनायोहै । ताहूपैगुलगुलेगलीच हूबिचित्रचित्रताहूपैमखमलकीतोसकबिछायोहै॥ताहूपरश्वेतपट पावनबिराजमान मानोंपयफेनुसमविशदसोहायोहै । ऐसेरचेपल काजिन्हैलखेमनललकातौनप्रथमै कोशलकासाजिभूपतिपठायो है १७ बटुवापरातथारीगड़ुवागरुवभारीसबसुखकारीचारुचांदी अरुसोनकोखोराआवखोरागनगगरागनावैकौ नमनिनकराहीको सराहीमतिकौनके ॥ नृपअवलोकिचितचौंकि चौंकिरहेऔर और नकोताजिबइनदियेएककौनके। ईश्वरीजनकयेभराइभूरिभारनपै प्रथमबरातहूतेकोशलहिगौनके १८॥ हरिगीतिका॥वहडोरबिबिधि पटोरपावनरजतकंचनमैबनी । सारीकिनारिनसोजरीदुहुंछोरमु क्तावलिघनी ॥ अतिललितकटिपटललितकंचुकिचारुचादरिराज ही। जनुबेनिअतिसुखदेनिबीचिबिलासबहुबिधिभ्राजही १९ ॥ दोहा॥बहुप्रकारभूषणबसन बिरचितजड़ितजराइ ॥मिथिलापति

कोशलपुरहिप्रथमैंदियोपठाइ २० ॥ प्रज्झटिया ॥ करिब्याहरीति मैहरदुवार । लहकौरिखातसुखभोअपार ॥ सीतारघुबीरबिवाह गाय । द्विजनेगिनद्रब्यअनेकपाय २१ हरिगीतिका ॥ जेउनारबिबिधि प्रकाररचिशुचिचारिबिधिषटरसबनी । ब्यंजनअमितहितलखत लागतबिदितस्वादनसोंघनी ॥ बरबरबरातबोलाइपायधोवाइ आसनदैसबै । पनवारसूपोदनप्रथमपरसाइगोघृतकोतबै २२ ॥ प्रज्झटिया ॥ पुनिबिबिधिभांतिभोजनकराइ । जनुसुधासानिबिरचीमि ठाइ ॥ अरुनारिवृन्दसुखगारिदेत । हँसैअवधनाथमुनिगणसमेत ॥ यहिबिधिदिनप्रतिआनंदहोइ । कहिसकैनशेषकविऔरकोइ ॥ कल्याणहेतुहरिब्याहजानि । संक्षेपकछूइसुरीबखानि २३ ॥ कुंडलिया ॥ शिविकारुचिरसँवारिकै सीताहरिहिचढ़ाय । दासी दाससमूहदै बिदाकीन्हतबराय ॥ बिदाकीन्हतबराय भरतल-क्ष्मणरिपुहंतै । श्रुतिकीरतिउर्मिलामांडवीसुतनतुरंतै ॥ श्रुति कीरतिउर्मिलाजिन्हैं मुखलखिशशिद्युतिका । ब्याहिउछाहस-मेतचले चढ़िचढ़िसबशिविका २४ ॥ दोहा ॥ अतिआनन्दबरात तब सजिसजिनिजनिजयान । मिथिलापतिसोबिदाह्वै चलेब-जाइनिशान २५ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैब्योममेंभूरिभेरीबजावै । नटैं अप्सरीकोकिलाकंठगावै ॥ पढ़ैबन्दिबिर्दावलीबिप्रबेदै । सुनेचि त्तहर्षेहरैसर्बखेदै २६ ॥ दोहा ॥ अयुतनागदशअयुतहै रथौपची-सहजार ॥ दीन्हदशरथैजनकपुनि मणिगणस्वर्णअपार २७ बि-श्वामित्रबशिष्टपदपूजेजनकबहोरि ॥ दानमानसोबिदाकै बहुप्र-कारकरजोरि २८ ॥ हरिगीतका ॥ कीन्होपयानबजायदुन्दुभिअव धपतिसुखपायकै । पहुंचायघूमिबिदेहनृपबहु बारआयसुपाइकै त्रैयोजनांतरदशरथैअस गुणलखेभयदायकै । पूछाबशिष्टहिसो कहा परिणामहर्षबढ़ायकै॥ मृगमालदक्षिणदेखुभूप समस्तशोच नशावनी । कहतैमहानिलधूरियुक्त चलीसुलोकभयावनी ॥ पुनि

लख्योसन्मुखसरुषभृगुबरकुटिलबेषभयंकरा । अर्घादिपूजाभूलि भूपहित्राहित्राहितिउच्चरा ॥ मदगलितगजबदबदगिरे हयचपलतातजिभयभरे । सबशूरबीरनडारिधनुअसि टेकिशिरमहिगिरि परे ॥ कटितूणकठिनकुठारकरशर चापशीशजटाधरं । जलदाभ तनश्यामलपृथुलजनुकालमृत्युइवापरं २९ ॥ मालिनी ॥ कटिपट मृगछालाकंठरुद्राक्षमाला । उरनयनबिशालाबाहुदंडौकराला ॥ यकइसबरछोनीछीनिकीन्हानिक्षत्री । प्रतिभटजगमाहींदीखना औरअत्री ॥ सबकुटुंबसंहारीकार्तबीर्यैप्रचारी । रुधिरसरहिभारीतर्पिपितृनसोतारी ॥ कहिकटुककुबानीभूपतेक्रोधसानी । तुम भयहुगुमानीजर्जरोचापभानी ३० ॥ दोहा ॥ यहहरिधनुलीजै सगुन सद्यकरौकिनआइ ॥ नाहितौसैनसमेतहति यमपुरदेउं पठाइ ३१ ॥ तोटक ॥ असकोपिकहाभृगुनाथजबै । तुरतैमहिमंडलहालिसबै ॥ सुनतैरघुबीरसुधीरमहा । मुनितेधनुलैशरसाधि कहा ॥ सुनुब्राह्मणलक्ष्यबताउहमैं । जेहिपैयहबानअमोघगमैं ॥ लखिरामप्रतापसुज्ञानलहा । परमेश्वरजानिमुनीशकहा ॥ सुनु रामरमेशपुरातुमहीं । निजतेजहिअर्पणकैहमहीं ॥ तेहितेतब आयसुमानि कियो । अबअंशतुम्हारतुम्हैसोदियो ॥ अबदीनदयालदयाकरिये । निजअंघ्रिहियेहमरेधरिये ॥ बहुभांतिनसों बिनतीसुनिकै । रघुनाथप्रसन्नभयेसुनिकै ॥ बरमांगुद्विजेंद्रजो भावतुम्हैं । अतिदानिशिरोमणिजानिहमैं ॥ सुनुनाथनऔरपदार्थ चहौं । अनपावनिमैंतवभक्तिलहौं ३२ ॥ नराच ॥ एवमस्तुरामचन्द्ररामसोंकहाजबै । नाइशीशगेमुनीमहेन्द्रपर्वतैतबै ॥ कोशलेशभेअनन्दपुत्रअंकलायऊ । स्वस्थचित्तहूभयोपिनेत्रजान्हवायऊ ३३ ॥ दोहा ॥ पुनिहयगजगाजतभये शंखनिशानबजाय ॥ सजिसुभटनतबगवनकै अवधराजसुखपाय ३४ ॥ मधुभार ॥ तब अवधआय । मंगलबनाय ॥ परछनिकराय । बरदुलहिलाय ॥

मयहरदुवार । कुंवरिहुकुमार ॥ कुलरीतिसार । सुखकैअपार ॥ ३५ ॥ सवैया ॥ जादिनतेहरिब्याहउछाहभयो तबतेमहिमाअधिकानी । तादिनतेदिनहीदिनदून बढ़ैमुदमंगलसम्पतिखानी । ज्यों अमरावतिमेंसुखकश्यप आदितिइन्द्रशचीमहरानी । त्योंअवधेश सदारसपुत्र सपुत्रबधूअवधैरजधानी ३६ ॥ दोहा ॥ ईश्वरीसो सुखक्योंकहै जेहिशेषहुसकुचाय ॥ जोगावैयहरामयश तेहिमंगलअधिकाय ३७ ॥

इतिश्रीमद्रामायणेईश्वरीद्विजभाषाङ्कते
बालकांडःप्रथमःसमाप्तः ॥



श्रीगणेशायनमः ॥

रामविलास रामायण ॥

अयोध्याकाण्ड ॥



दो० सुमिरिविनायककरिबदन शंकरगौरिप्रसाद।
ईश्वरीहिजभाषाकरत शिवाशंभुसम्बाद १ ॥

प्रज्वलिया ॥ मणिमयसिंहासनरुचिनिकेत। तेहिबैठिरामसीता समेत ॥ अँगअँगपटभूषणअतिसुहात। छबिकोटिकामरतिलखि लजात॥सीताकरकमलनचमरढार। करैंमोदपरस्परअतिअपार॥ तेहिसमयनारदहिगगनदेख। शरदेंदुआवजनुमहिविशेष ॥ उठि सियासहितश्रीरामधाय। दण्डवत्कीन्हमहिशिरलगाय ॥ कर जोरिरामसुनुमुनिउदार। हमगृहिनदर्शदुर्भलतुम्हार ॥ कृतकृत्य भयोंमैंदेखिपाय। आयसुदीजैसोकरौंधाय ॥ किम्मोहमोहिंकहौ सत्यराम। जगकारणमायातवसुबाम ॥ त्रैलोकौगृहतौहैबखान। तातेगृहस्थबाणीप्रमाण ॥ तुमबिष्णुसियालक्षमीरूप। तुमशिव सीताहैंशिवारूप ॥ तुमब्रह्मासियबाणीबखानि। तुमसूर्यजानकी प्रभामानि ॥तुमदिग्पतिदशइंद्रादिजान। शच्यादिसियागृहणी वखान ॥ इस्त्रीबाचकसबसियारूप। पुन्नामसकलतुमहौअनूप ॥ अस्थावरजंगमजड़चेतन्य। सबरामसियाकछुहैनअन्य ॥ तवना भिकमलबिधिहूप्रशूत। मैंपौत्रतोरब्रह्माकोपूत ॥ मैंकिंकरतवज निकरियमोह। निजजानिनाथमोहिंकरियछोह २॥ चौपाई ॥ अस कहिप्रभुपदपरेउमुनीशा। पठवाबिविमोहिंसुनुजगदीशा ॥ राव णबधिउतारिमहिभारा। पूर्बनाथसंकल्पतुम्हारा ॥ मुनिहिरामबो

लेमुसुकाई । ऐसेकरबनदेवडराई॥ सुनिआनन्ददेवऋषिभयऊ । करिदण्डवत्भवननिजगयऊ॥ एकबारमहिपालअनन्दा । जाय बशिष्ठगुरूपदबन्दा॥ जोरिपाणिनृपमुनिसनभाषा । रामहिंराज देनअभिलाषा॥ ज्येष्ठश्रेष्ठसबबिधिरघुनायक । मैंतनवृद्धभजन केलायक । जोकृपालआयसुनिजपावौं । तिलकबस्तुसमूहमँग-वावौं॥ पैशत्रुहनभरतघरनाहीं । यहबिशेषचिन्तामनमाहीं॥ कहमुनिरामतिलककेहेतू । रचौबितानपताकालकेतू ३ ॥ दोहा ॥ षोड़शगजचहुंदंतके तीरथसलिलमँगाइ ॥ द्विजकन्याआभरण युत श्वेतछत्रमणिलाइ ४ बिप्रबरणसहसनकियो शिवदुर्गार्चन मानि॥ मंगलकुशलनिबाहिये रामतिलकसुखखानि५ ॥ चामर ॥ ग्रामदेवपूजियेबलीभलीबिधानसों । बिप्रनेबोलायतोषिपोषिमान दानसों॥ द्रव्यअंबरादिब्याघ्रचर्मतीनिआनिये । नर्तकीबोलाय सर्बरागरंगठानिये ६ राजहूसुमन्तकोबोलायआयसुन्दियो । जौ नजोगुरूकहैचहैसोतौनहींदियो ॥ आपुमौनगौनकैजहांसुरानि कौशिला । जायकैसुनायऊसमस्तचित्तहौंसिला ७ ॥ नाराच॥ गयोबशिष्टरामधामशिक्षयासुनावनै । स्वदेखतैपरैकृपासमुद्रआ यपावनै॥ सियासुबर्णपात्रपाणिआयचर्णधौयलै । चढ़ायशीश आपनेहऊनतौनतोयलै ८॥ भुजंगप्रयात॥ कहारामजूधन्यहैंभाग मेरे । धराशीशप्रक्षाल्यपादाब्जतेरे ॥ कहायोंऋषीसोपित्वत्पाद पानी । धराभालईशौनिजैधन्यमानी ॥ इदानींतुम्हौंभाषसे लोकशिक्षा । परात्मानराकारकैआपुइक्षा ॥ बधार्थंसुरारीसुरा-नूमोदकारी । जनंदुःखहारीस्वलीलापसारी ॥ महूंजानतो प्रोहितीनिन्द्यभारी । परात्मारघूबंशमेंदेहधारी ॥ सुनामैंपिताते लहीराखिकांक्षा । गुरूमैंगुरूकेभईसिद्धिबांक्षा ९ ॥ तोमर॥ अबतोहिंरामकृपाल । शिखदेनमोहिंभुवाल ॥ पठयोसुनौरघु-नाथ । ब्रतयारुजानुकिसाथ॥ भुविशैनइन्द्रिनजीति । अभिषेक

हितकरुप्रीति ॥ तबप्रातभूपतितीर । तुमआइयोरघुबीर १० ॥ मधुभार ॥ गुरुबैनमानि । प्रभुब्रतैठानि ॥ पुनिगेबशिष्ठ । जहँनृप सरिष्ठ ॥ सबकथागाय । निजभवनआय ॥ पुरफैलिबात । सुनतै सोहात ॥ कौशिलामात । सुखकहिनजात ॥ दैद्विजनदान । करि हरिहिध्यान ११ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैदेवराजाबिनयआयबानी । अयोध्यैपठायोकरौराजहानी ॥ हियेहर्षबिस्मयधरेग्रामआई । स्वऊमंथरैप्रेरिकैयुक्तिलाई ॥ गृहद्वारपैलोगनैपूछिधाई । कहौ आजुग्रामैबजैकाबधाई ॥ सुनारामराज्याभिषेकैसमाजा । स्वये सर्बउत्साहसाजासुराजा ॥ महादुःखसोभौनआईबहोरी । कहा केकयीतेअबौबुद्धिभोरी ॥ चहाकौशिलारामकोराजदेना । नृपैतू पियारीसुनापैअबैना ॥ सुनारामराज्याभिषेकैसुरानी । दियोरत्न मैंनूपुरंहर्षठानी ॥ निजैपुत्रतेरामहैंमोहिंप्यारे । कहाशोचतोरेन बोलैसँभारे ॥ सबैराममातालखैंएकरीती । हमैंकौशिलासोंरहै भावप्रीती ॥ सुनायेहमैंरामकोराज्यकाल्ही । जोपैसत्यतौमांगु देहौंस्वआली १२ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबभावीबशरानिहुभुलानि । पू-छैपुनिपुनितेहिसुहृदजानि ॥ कछुकहसिनतैंनिजहृदयखेद । मोहिं रामदुखदस्वबताउभेद ॥ तवरामसुवनतुमराममात । मैंअयश हेतकिमिकहउँबात ॥ पैजियतसदातुम्हरेजियाय । तातेअनहित तवनहिंसोहाय १३ ॥ मालिनी ॥ ममबचनसुनौजूजोतुम्हैंचित्त पावै । तवबिभवबिलासैसौतिनेनासोहावै ॥ लखिनृपबशतोरे घतपाईनएकौ । कछुकबहुंचलीनायब्रकीन्हींअनेकौ ॥ रचिबि-धिप्रपंचैजानसोऊनरौरे । भरतसहितभ्रातैभेजिदीन्हीनन्यौरे॥ अनृपअपनाईरामराज्याभिषेकौ । करतकरिबनाऊआपुजानान नेकै १४ ॥ दोहा ॥ अबहूंतवहितहोतहै सुनौमोरिसिखसोय ॥ सौनहोयबिशेषदुख राज्यभरतकीहोय १५ ॥ तोमर ॥ दुइभूप सोंवतोर । लहिहोसिपुत्रकिओर ॥ बनरामभरतैराज । किनसा

धुआपनकाज ॥ मोहिंसुद्धिनाहिंबताउ । बनिजायतैसकराउ १६ ॥ भुजंगप्रयात ॥ पुरायुद्धदेवासुरौघोरकीन्हा । कहेइंद्रकेराजहूसाथ दीन्हा ॥ रथैकीलटूटीतहांअवधनाथै । पतिप्राणरक्षादियेतैंस्वा हाथै ॥ तबैदानवासर्बभूपालमारे । तहांदेवताआइजयजयपुकारे ॥ प्रियाकृत्यदेखीलहीविस्मताई । हृदयहर्षिराजालियोकंठ लाई ॥ बरैमांगुद्वैमोहिं जोचित्तभाये । समयपायलेहौंनृपैतैंसुनाये ॥ स्वयेजायलीजैकरौचित्तचाही । पठाईसिखैक्रोधआगारताही १७ प्रज्वलिया ॥ गइकोपभवनरानीअयानि । लहिनीचसंगभूलीसयानि ॥ तुरतैअँगभूषणसोउतारि । महिपरीमलिनअंबरनधारि ॥ जोपैबनरामनकाल्हिजाइ । मरिजाउंनृपहिदूषनलगाइ ॥ कल्याणतोरतबहेसुरानि । निश्चैकरुकहिचेरीपरानि १८ नहिंधीर बीरदशरथसमान । गुणगणविद्यानीतिहुनिधान ॥ सुंदरसुशील करुणानिधान । निशिदिनहरिचरणनरहतध्यान ॥ द्विजपालक घालकअसुरवृन्द । जेहिबलबसैंसुरपतिअतिअनंद ॥ सहिसकत असितअसिबज्रवाण । तेहिसुमनसरनतियलीन्हप्राण ॥ रघुबीर तिलकहितसामकाल । मंत्रिननिदेशिगृहगेभुवाल ॥ सुनिकोप भवनकेकयीबास । तुरतैगततनद्युतिमनहुलास ॥ भयसहित निकटतेहिगयोभूप ॥ महिसेनकेकयीलखिकुरूप ॥ करपरसिपूंहि काहालतोर । लखिभयोजाहिमनबिकलमोर ॥ सकौंआजुतोरअरि अमरमारि । महतीराजनदेशननिकारि ॥ मनबांछितफलबिनश्रम हिदेत । रिसकीन्हकुरुचिअसिकौनहेत ॥ करिरामशपथका ओर आन । तवहेतछांड़िसकौंअपनप्रान ॥ सुनिरामशपथरानीकठोर । बरदेनकहेसोदेउमोर ॥ चौदहबरषैबनरामजाइ । करभरतराज निजभवनआइ ॥ जोप्रातरामअबबननजाइ । मरिजाउँतुरतमैं करिउपाइ १९ दोहा ॥ सत्यसिंधुमहिपालतुमदेउनसुकृतनशाइ ॥ मोरेमनऐसैरुचै औरननेकसोहाइ २० ॥ चौपाई ॥ सुनिकेकयी

बचनदुखदायक । मुरछिपर्योअवनीनरनायक ॥ पुनिधीरजधरि उठिनरनाथा । कहाकेकयिहिपदधरिमाथा ॥ सदाकहसिमोहिं रामपियारे। आजुकुटिलकिमिबचनउचारे॥करैपूततवराजबिशेषी। देमोहिं रामजियोंजेहिदेखी ॥ मिथ्याबचनभूपकिमिगावो । सत्य छांड़िअतिनरकहिपावो ॥ जोनराममुनिबेषबनाई । बेगिनजाइ मरौंबिषखाई ॥ सुनिकेकयीबचननरनाथा । मृतकसमानगिरे धुनिमाथा ॥ अरुणोदयसुमंतसबसाजा । जोग्रथमैभाषाऋषि राजा ॥ चारिउबर्णआइनृपद्वारे । ऋषिकन्यागजवाजिसँवारे ॥ चमरछत्रदासनकेहाथा । बारबधूगायकगणसाथा २१ ॥ दोहा ॥ आयेभूपतिद्वारसब रामराज्यअभिलाषि ॥ सुनिरवदासिनपठै तब बरजिकेकयीमाषि २२ ॥ चामर ॥ गेसुमन्तराजधामसोम-नौभयावना । चित्रशालभूतज्यों परैअगारपाँवना ॥ जाइदीख भूमिपालभूमितैगिरेपरे । कोपवानकेकयीसमीपदेखतैडरे २३ जयतिजयतिकैसुमंतशीशनाइकैखड़े । पूछिकेकयीहिक्योंभुवाल शोकसेबड़े ॥ रामरामटेरिसर्बशर्बरीबितायऊ । जाउबेगिरामलाउ मैंनमर्मपायऊ २४ ॥ नराच ॥ सुमन्तबैनजानिभूप देखिनैनखो-लिकै । कहाकिजाउबेगिरामचन्द्रलाउबोलिकै ॥ गयोसुनाइआ-यसुंरथैचढ़ायलायऊ । पितैप्रणामकीन्हतातकण्ठमेंलगायऊ२५ दोहा ॥ रामरामरघुबंशमणि हाममप्राणअधार ॥ असकहिभू-पतिमृतकइव परेधरणिदुखभार २६ ॥ प्रज्वलिया ॥ लखिदशरथ गतियुवतीबरूथ । जिततितरोवैंसबयूथयूथ ॥ सुनिकोलाहलपुर भयोझारि । शिरधुनतदेतकेकइहिगारि ॥ कहराममातुपितुदुःख हेत । सोकरियत्नजेहिहोइचेत ॥ केकयीकहातवहेततात । दुख मगनभूपभाषतलजात ॥ मोहिंदेनकहेबरदानदोइ । जोनीकला गमनलीन्हसोइ ॥ करिसकौंतातौकरौजोइ । नरकत्रायतपितु पुत्रसोइ ॥ किमिमातुबचनमोहिंकहौयेह । पितुहेततजौंसियज-

ननिगेह ॥ बनजाउंराजतजिपिताहेत । पितुआयसुकृतसोयश निकेत २७ रघुबीरबचनसबसत्यजानि । केकयीकहापुनिकपट सानि ॥ चौदहबरषैबनरामजाउ। मुनिबसनअशनफलकंदखाउ ॥ इतआयभरतपुरकरैंराज । इतनेसुतकरुनिजपिताकाज ॥ नहिं औरकछूदूसरीबात । तुमतेभाषतभूपतिलजात ॥ पुरराजकरैंमम अनुजआयामैंजाबबनैमुनिकेबनाय ॥ इतनैहितकिमिभूपैसकोच। कछुकारणऔरसोमोहिं शोच ॥ सुनिरामबैननृपउठेचेत । राजीव नयनदेखाउपेत॥लियोहृदयलायकरिरुदनभूरि । मोहिं छांड़ितात बनजातदूरि २८ ॥ कुण्डलिया ॥ तबरघुनाथअनेकबिधिपितैकहा समुझाय । बहुपुराणमुनिसाधुमतनिगमनीतिसमुदाय ॥ निगम नीतिसमुदायभरतकरैंराजबिशेखी । मैंआयसुधरिशीशजननिके पुनिपददेखी । मैंआयसुधरिशीशपहरिबलकलमुनिपटसब । तव पदबंदिबहोरिजाइहौंकाननकोतब २६ ॥ तोमर ॥ यहिभांतिभूप हिराम । कहिगेस्वमातहिधाम ॥ सुतहेतबैठिएकान्त । धरिध्यान उरहरिशान्त ॥दियभूरिबिप्रनदान । जेहिरामकोकल्यान ॥प्रभुते मनावतमौन ।नहिं दीखराजिवनैन ३० ॥ भुजंगप्रयात ॥ सुमित्रैकहा कौशिलैप्रेमपागे । बिलोकौनरामैखड़ेआपुआगे ॥ तबैनैनखोले लखाश्यामरूपै । शरदचन्द्रवारौमुखैपैअनूपै ॥करस्पर्शगात्रैलियो गोदलाई । कछूबत्सखैयेसुधासीमिठाई ॥ कबैलग्नराज्याभिषेकै सुहाई। सबैअवधबासीलखैंसुःखआई ३१ ॥ हरिगीतिका ॥मोहिंदीन्ह राजरजायबनकीमातुअबकिमिखाइये। चौदहबर्षमुनिबेषधरिफल मूलअशनबिताइये ॥ केकयीपायेबरदोऊनिजतनयराजदेवाइये । मोहिंदेवजननिअशीष मंगलसहितजंगलजाइये ३२ ॥ मधुभार॥ सुनिनृपरजाय । कछुकहिनआय ॥ तनसुधिभुलाय । गिरिमूर्छि माय ॥ पुनिउठिसँभारि । निजउरबिचारि ॥ तुमबिनाराम । कि मिजियबधाम ३३ ॥ तोमर ॥ दयकेकयीबरदान । कुलरीतिलो-

पिनिदान ॥ भरतैकियोयुवराज । तुमकीन्हकौनअकाज ॥ केहिओ गुणैनृपचीन्ह । जेहिहेतुकाननदीन्ह ॥ पितुगिरागरूजरूर । नहिं मातुआयसुपूर ३४ ॥ दोहा ॥ पितुआयसुबनजानकै मैंबरजत रघुबीर ॥ जोकदापिनाहिंमानिहौप्राणदेउंयहितीर ३५ ॥ मालिनी ॥ सुनिलक्षमणकोपे रामचन्द्रैकहाहै । तियबशउनमत्तोभूप द्रुहुवैरहाहै ॥ तेहिबचननमानौ राज्यकीजैबिशेषा । तिलकबिघन कर्त्तामारिहौंमैंअशेषा ३६ ॥ प्रज्वलिया ॥ लखिलषणकोपरघुबर अपार । उरलायसराहतबारबार ॥ तुमशूरशिरोमणिकानजान । ममहितरततनमनसहितप्राण ॥ पैअवसरनहिंमनकरुबिचार । मिथ्यायहजगकरसुःखसार ॥ काराज्यधरणिधनधामबाम । पितु मातुबन्धुबन्धननिकाम ॥ कादेहगेहहैपुरिषमुत्र । सेवकसमूह कामित्रपुत्र ॥ अज्ञानसंग्रहैसुःखस्वल्प । छीजैक्षणक्षणनरआयु अल्प ॥ क्रोधादिकरैकैवल्यभङ्ग । ज्ञानीत्यागैइनकरप्रसङ्ग ॥ नन्दनबनसमसन्तोषजान । अरुशांतिकामधुकअधिकमान ॥ देहादिकइन्द्रिनआत्मभिन्न । पैसङ्गतिमानेहोतखिन्न ॥ जाकेउर असिआवैबिचार । संसारदुःखौघहोयपार ॥ यहिभांतिरामलक्ष्मणहिगाय । बहुबारबहुरिमातैबुझाय ॥ चौदहबरषैबीततनबार । देआशिषआयसुतजिअबार ३७ ॥ दोहा ॥ तबकौशल्यालायउर आशिषदैबहुबार ॥ जाउबनैब्रह्मादिस्वर रक्षाकरैंतुम्हार ३८ ॥ चामर ॥ मातुपादपद्मबन्दिरामजूचलेजबै । दीनक्षीणलक्ष्मणौ पिपायनैपरेतबै ॥ नाथमोहिंसाथलेउत्यागियेनदासिको । प्राण सङ्गजायहैंरहैंनऔरआसको ३९ ॥ नराच ॥ चलौबनैसुबन्धुबेगि मातुकीरजायलै । महूंसियैप्रबोधिहौंकिसाथहीलवायलै ॥ गये सुधामरामजूपखारिपायँजानकी । कहौतुम्हैंसुराजलग्नहैकबै प्रमाणकी ४० ॥ दोहा ॥ किमिसुमन्तहूभ्रमसहित लैगेराजा पास ॥ छत्रमुकुटबिनसैनबिन किमिघूमेउनिजबास ४१ ॥

चौपाई ॥ बिहँसिकहातबरघुकुलदीपा । हमैंदीन्हबनराजमहीपा ॥ तुम्हैंसीखहितइतपगुधारा । बनयात्राकीहोतअबारा ॥ ममहित सासुश्वशुरसेवकाई । किहेउप्रियाजेहिदुःखभुलाई ॥ सीताभीता बचनउचारा । केहिकारणवनदीन्हभुआरा ॥ केकयिनृपहिलीन्ह बरदाना । भरतहिराजहमैंबनजाना ॥ बरषचतुर्दशमुनिबरबेषा । नृपआयसुप्रतिपालिबिशेषा ॥ ऐहौंभवनबहुरिअनयासा । प्राण प्रियाजनिहोसिउदासा ॥ नाथचलैबनतुमतेआगे । रहौंनभवन कोटिसुखलागे ॥ जोकदापिपरिहरिघरजैहौ । मोहिंजियतफिरि नाथनपैहौ ॥ सुनिरघुपतिबनकेदुखगाये । व्यालवृकादिकदुष्ट सुभाये ॥ व्याघ्रसिंहरजनीचरघोरा । मनुजअहारकरतबरजोरा ४२ ॥ दोहा ॥ अशनबसनबिनशैनतृण सहिबरषातपशीत ॥ यहि प्रकारबनबास दुखसुनतहोतमनभीत ४३ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुनु प्राणनाथकरुणानिधान । बनबिपतिकहीसोसर्बजान ॥ पैप्रति ब्रतनपतिसंगसुक्ख । भोगाढ्यभवनतपिहीनदुःख ॥ राउरसमीप कोभुवनजोर । जोदुष्टदृष्टितकैमोरिवोर । तवचरणचापिफलजूठ खाइ । सुखसंगरहबमहिकुशबिछाई ॥ अरुरामायणमुनिबहु सुनाय । मैंबिनवनतुमकाकरबजाइ ॥ जोजाउबनैमोहिं छाड़ि गेह । तौतुरततजौंमैंअपनिदेह ॥ सुनिसियाबचनसांचेप्रमान । कहरामकरौंममसँगपयान ४४ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैरामसीताबिनै साथभारी । दियोरुंधतैसर्बभूषणउतारी ॥ अयोध्यापुरीबासिनै बिप्रबोली । गऊवृन्दसङ्कल्पिदीन्हीअमोली ॥ पुनःस्वर्णरत्नादि दीन्होंघनेरा । लखेजाहिलाजैसुरेशोकुवेरा ॥ सबैमातुकेटेरिलैदा सदासी । दईसंपदाभूरिकीन्हेसुपासी ४५ ॥ दोहा ॥ पुरबासि नपरितोषकरिलीन्हजानकिहिसाथ ॥ गमनेतबैनिकेततेसुमिरिभ वानीनाथ ४६ लक्ष्मणसौंपिसुमित्रौकौशल्यैबिलखाय ॥ धनुशर लैमारगमिलेरामसियैसखपाय ४७ ॥ कवित्त ॥ अतसीसुमनसम

श्यामलकोमलकलअंगअंग अमितअङ्गछबिवारिजात । करवर सोहतशरासनसुभगशर साथपाथसुवरणद्युतिमिथिलेशजात ॥ चरणतलनलखिशरदसमयभव तरुणअरुणअतिवारिजातहारि जात । ईश्वरीबिलोकिमुनिपुरनरनारितब शिरधुनिधुनिसबजित तितबिलखात ४७ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबबामदेवमुनिबरप्रबीण । लखिरामशोकपुरलोगक्षीण ॥ तबपूर्बकथासबहिनसुनाय । येरमा विष्णुसियरामआय ॥ येलषणजानुशेषावतार । सियरामब्रह्मबाणीबिचार ॥ येउमारुद्रप्रलयांतकार । ह्वैमीनमहीकृतनावधार ॥ मथिसिंधुपीठिनिजधरिपहार । येरामकूर्मरतननिकार ॥ हिरण्याक्षगयोलैकूपताल । तेहिमारिथापिमहिपुनिकृपाल ॥ नरसिंह भयोप्रह्लादहेत । बावनह्वैबलिछबिबसिउपेत ॥ क्षितिछीनिदुष्ट क्षत्रिनसँहारि । भेपरशुराममहिभारहारि ॥ सोइरामरावणबधन हेत । चलेबिपिनलषणसीतासमेत ४८ ॥ तोटक ॥ रजनीचरधारि संहारिसबै । पुनिराजकरैंपुरआयतबै ॥ महिभारउतारननारद ही । बनजानकहारघुनाथतही ॥ नहिं केकयिराजहिदोषअहै । नर मुक्तिलहैजोइरामकहै ॥ प्रभुतौनकरैजबजौनचहै । कलिकाल बिशेषजोनामगहै ॥ नृपकीतपसाफलसिद्धिकियो । हरिआपुहि मानुषरूपलियो ॥ पुरलोगनबातसुनीजबहीं । निजजन्मकृतार्थ लखासबहीं ४९ ॥ भुजंगप्रयात ॥ सियायोगमायासदारामकेरी । स्रजैसृष्टिपालैसँहारैघनेरी ॥ कहीगोप्यलीलाजबैबामदेवा । मिटीसर्बसंदेहजानाधिदेवा ५० ॥ तोमर ॥ तबभ्रातसीयसमेत । गयरामभूपउपेत ॥ कहकेकयीसनजाय । हमतीनिऊजनआय ॥ अबमातुआयसुहोय । गमनैंबनैजेहिसोय ॥ सुनतैउठीहर्षाय । मुनिचीरदीन्हसुआय ॥ स्वइसीयलक्ष्मणराम । पटबेष्टिकीन्ह प्रणाम ॥ लषिरोवतींसबनारि । नहिं अँगसकैंसंम्हारि ५१ ॥ नराच ॥ कहामहीपमंत्रिसोंरथैचढ़ायरामको । बनौदेखायलाइयो

बहोरिबेगिधामको ॥ बिलोकिद्वैतनैसियासमेतभूपभूपरे । कहेन आवबैननैननीरसोंकहीभरे ५२ पितैप्रणामरामकैसमेतजानकीचले । उभैकृपाणतूणसार्ङ्गलक्ष्मणोपिलेभले ॥ चढ़ेरथैगमेबनै गुरूगिरीशध्यायकै । पहूंचबंगितामसानदीनगीचआयकै ५३ जलप्रयास्यवृक्षमूलसोयसानिशारहे । सुधारिबानकार्मुकैसुबैठि लक्ष्मणौगहे ॥ समस्तग्रामलोगबालवृद्धसंगलायकै । कछूकदूरि सोटिकेबियोगरामपायकै ५४ ॥ चामर ॥ अर्द्धरात्रिरामजागि साजिगेनिजैरथै । मोहिंहेतुग्रामलोगदुःखपावतेवृथै ॥ शृङ्गबेर केसमीपगंगतीरठाढ़भे । पायनैपरौनिषादआयप्रेमगाढ़भे ५५ ॥ दोहा ॥ रामलषणसीतासुमति सहितनहायेगंग ॥ बैठेशिंशुपतरुतरे निरखतबिमलतरंग ५६ इतपुरबासीप्रातउठि लखानलक्ष्मणराम ॥ इतउतखोजिनपावजबघूमेदुखयुतग्राम ५७ ॥ नराच ॥ बिनयकरीनिषादआय रामसोंबनायकै । करौपुनीतमोरधामनाथ आजुजायकै ॥ सखाहमैंपितारजाय हैनग्रामजानकी । चतुर्दशैव बर्षलौं मुनिव्रतैप्रमाणकी ५८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ बटैक्षीरमांगासखा बेगिलायो । जटाशीशपैबंधुदूनौबनायो ॥ जलंप्राश्यसीतासियानाथकेकै ॥ कियोशयनरात्रीत्रिनोघैडसैकै ५९ तबैबाणचापाशिसौमित्रलीन्हा । सबैशर्बरीजागिरक्षासुकीन्हा ॥ लखारामसीतैमहीशैनकीन्हे । निषादाधिपौकेकयीदोषदीन्हे ॥ कहालक्ष्मणौ दोषदीजैनकाहू । करैकर्मसुक्खैघदुःखौघलाहू ॥ निशासबैबीती उठरामसीता । कियोस्पर्शगंगाजलैसोपुनीता ६० ॥ मालिनी ॥ प्रभुगुहुहिबोलायोनावलावोउतारौ । तुमभवनिधितारौनामलै होतपारो ॥ तदपिप्रभुकरौमैंआजुआज्ञातुम्हारी । मोहिंतोहिंयह नातोफेरिबारीहमारी ६१ ॥ दोहा ॥ कीन्हसुमंतैबिदाप्रभु बहु बिधिकरिमनुहारि ॥ नईनावमँगवायगुह गंगादीन्हउतारि ६२ ॥ सोरठा ॥ गंगहिबिनयसुनाय सीतापतिदेवरसहित ॥ तवपदपू-

जोंआय मातुमनोरथकरुसफल ६३ ॥ प्रज्वलिया ॥ गुहकहासुनौ करुणानिधान। सँगलेउमोहिंनतुतजौप्रान ॥ सुनुसखाचतुर्दश बर्षबीति। तोहिंमिलौंआइपुनिसहितप्रीति ॥ असकहिरघुबर उरलाइलीन्ह। समुझाइबिबिधितेहिबिदाकीन्ह ॥ कछुदूरिजाइ फलकंदलाइ। रुचिसहितरामसियलषणखाइ ॥ तरुतरसोयेसुख सहितराम। उठिप्रातन्हाइगेऋषैधाम ॥ बटुएकपठैसोऋषिहि गाइ। इतरामसियालक्षमणआइ ॥ सुनिभरद्वाजमुनिदीखजाइ। सियरामलषणगृहपूजिलाइ ॥ बैठारिसुभगआसनबिछाइ। अमृतसमसुन्दरफलखवाइ ॥ तबबिनयकरतजलनयनपूरि ॥ गदगद बाणीउरप्रेमभूरि ॥ जयरामचन्द्रआनंदकंद। जैसीतापतिमाधव मुकुन्द ॥ मैंजानतजोतुमकरनहार। बिधिप्रार्थनतेनरदेहधार ॥ महिभारहरणबनगमनकीन्ह। चाहतसुरऋषियनसुक्खदीन्ह ६४ ॥ दोहा ॥ आजुतपस्याफललह्यों भयोंकृतारथनाथ ॥ बहु प्रसंशिमुनिभाग निजतवदर्शनरघुनाथ ६५ ॥ चौपाई ॥ जापर कृपाकरौमुनिज्ञानी। तेहिसमबड़जगकोउनप्रानी ॥ क्षत्रिबंशहम तवपददेखा। कोसुकृतीतेहिसरसबिशेषा ॥ यहिबिधिकरतपरस्परबातैं। उठेरामसियलषणप्रभातैं ॥ मुनिहिदंडवत्करिरघुराई। लीन्हसाथबटुवृन्दबोलाई ॥ तिनयमुनासरिदीन्हउतारी। प्रभुहि बतायोसुमगबिचारी ॥ पुरपुरप्रतिमगदेतआनन्दा। पहुंचेचित्रकूट रघुचन्दा ॥ बालमीकिआश्रमशुभदेखा। मुनिनवृन्दबरबिटपबिशेषा ॥ मुनिहिदेखिलक्ष्मणसियरामा। महिलगाइशिरकीन्हप्रणामा ॥ रामलषणसियरूपनिधाना। देखतमुनित्रिभुवनपतिजाना ॥ परमानन्दसहितमुनिराई। सहसाउठिभेंटेउदोउभाई ६६ ॥ दोहा ॥ पूजनीयसंसारके पूजाऋषिहितजानि ॥ आसनशुचिफल मूलरुचिभोजनदीन्हेआनि ६७ ॥ चामर ॥ पानिजोरिरामचंद्रबालमीकितैंकहा। भूपकीरजाइमोहिंदंडकैचहीरहा ॥ आश्रमैबताउ

यत्रसीयसंगसुक्खसे । बासकीजियेकछूदिनैंबिहाइदुःखसे ६८ ॥ नराच ॥ सुनासुरामबैनबालमीकिसस्मितैकहे । त्वमेवसब्बलोक बासलोकहूतुम्हैंरहे ॥ जलंथलंसुजंगमंजडंसमस्तदेखिये । शिवा दिकीटलौंतुम्हैंबिनानआरपेखिये ६९ ॥ तोटक ॥ रघुनाथबिशेष जोबासचहौ । बरणौंतितहोतुमजाइरहौ ॥ समदृष्टिअदोषसुशांत जनं । तोहिं जौनभजैबसुताहिमनं ॥ सबधर्मअधर्महिं त्यागिकिये । त्वहिं जौनभजैबसुताहिहिये ॥ शरणागतह्वैतवमंत्ररटै । निरद्वंद अकांछबिकारमिटै ॥ अरुकांचनलोहसमानगनै । सियरामबसौं तिनशुद्धमनै ॥ लघुलाभहुतेसंतोषसदा । शुभकर्मसमर्पहिं तोहिं मुदा ॥ खलसंगतजैंसतसंगगहैं । तिनकेउरराउरधामअहैं ७० ॥ छप्पै ॥ निशिदिनतपउरध्यानधरैषटहरैंबिकारै । शिवप्रणाममुख नामकरनपूजाबिस्तारै ॥ चरणनचलितुवधामनयनदर्शनअभि-लाखी । पटप्रसादकरिपहिरिजियतजूठनितवचाखी ॥ प्रभुहेत करैंजप्योगब्रतकरमबचनतनतवशरण । सियलषणसहितरघु बंशमणि बसौंबिमलतिनहियघरन ७१ ॥ चौपाई ॥ सुनौरामनिज नामप्रभाऊ । कहिकिमिसकैंगिराअहिराऊ ॥ पूरुबमहूंकिरातन संगा । करौंबिपुलजीवनतनभंगा ॥ जनममात्रब्राह्मणतनमेरा । शूद्रआचरणकरौंघनेरा ॥ शूद्रिनपुत्रबहुतउपजायो । चोरनमिलि चोरीमनलायो ॥ लेंधनुबाणजाउंबनमाहीं । जीवनबधौंदयाकछु नाहीं ॥ सप्तऋषिनदेख्योंइकबारा । रबिसमानतनतेजअपारा ॥ लोभबिवशतिनघेरेउंजाई । पूछ्योमुनिमोहिं कोतैंआई ॥ तबअस कह्योंकुटुंबबहुमेरे । बिकलबुभुक्षितरहौंघनेरे ॥ तिनपालनहित काननआई । छीनिलेतमैंदरबिपराई ॥ पूंछिआउकुटुंबिननिज सोऊ । तवकृतपापनशामिलिवोऊ ७२ दोहा ॥ जबलगितुमइत आवनहिं तबलगिजाबनअंत ॥ निश्चयलखिमुनिबरबचनमंगृह गयोंतुरंत ७३ ॥ चौपाई ॥ पूंछिकलत्रहिपुत्रनजाई । ममकृतपापन

तुमसमिलाई ॥ तिनमोहिं कहाकरौजोपापू । करिहौभोगसबैतुम आपू ॥ निजनिजकृतफलदेइबिधाता । कहसिदुष्टतैंकिमिअसि बाता ॥ सुनिअसबचनगयोंअकुलाई ॥ मुनिदर्शनबिशुद्धमति आई ॥ तुरततबैधनुबाणफेंकायो । मुनिदयाद्रपहँआतुरधायो ॥ पर्योंदंडवतऋषिनअगारी । रक्षमोहिं निरनार्नवभारी ॥ उठउठ तोरभयोकल्याना । सतसंगतिप्रभावअनुमाना ॥ देवतुम्हैंउपदेश बिशेषा । पैहौजाहिमुक्तिकीरेषा ॥ असकहिसबमिलिकीन्हबिचारा । मरामंत्रतैंकरसिआधारा ॥ जपसिनिरंतरकपटबिहाई । जबलगिफिरिहमइतैनआई ७४ ॥ दोहा ॥ मोहिंउपदेशिमुनीशगे दिव्यदरशसुखखानि ॥ मैंएकाग्रलगाइमन जपौंपरमहितमानि ७५॥ नराच॥ बिहीनसंगनिश्चलासमाधिलाइकैजपौं । सहौंसमस्तबारिबात शीतग्रीष्ममेंतपौं ॥ बबूरसर्बअंगढांपिजापचित्तलायऊ । जुगौहजारबीतिगेतबैऋषीशआयऊ ७६ ॥ तोटक ॥ उठु ब्रह्मऋषेहरषाइअबै । तवसिद्धिभयोजपयोगसबै ॥ मुनिकेबरबैन उच्योंसुनतैं । जनुसूर्यप्रकाशकियोघनतैं ७७ ॥ तोमर ॥ बलमीक संभवजानि । मुनिबालमीकिबखानि ॥ धामनगेसुरधाम । तबते लह्योअभिराम ॥ उलटाजपैतबनाम । लखिआजुसीतहिराम ॥ सहलक्ष्मणौअभिराम । कमनीयशोभाधाम ७८ ॥ चामर ॥ एक बारदेवराजपर्बतैसुआयऊ । गंगकेसमीपद्वैकुटीबिचित्रछायऊ ॥ बालमीकिरामसोंकहाचलौदेखाइये । जानकीसमेततत्रसर्बसुक्ख पाइये ७९ गयेबसेस्वआश्रमैसुखीरहौंतहांसदा । जथाशचीजयं तसंगदेवराजहैमुदा ॥ समस्तबलिवृक्षयत्रकल्पवृक्षसेफरे । प्रपूज्यबालमीकिआदिनित्यहीमुनीश्वरे ८० ॥ प्रमाणिका ॥ पुरैसुमंत आयऊ । उरैसशोकछायऊ ॥ मुखैपटैलपेटेऊ । नृपैसुआयभेंटेऊ ॥ जयतिजयसुनावते । कहासुरामआवते ॥ नआयकीगयेबनै । नरेश शोकसोंमनै ८१ ॥ मालिनी ॥ बहुबिलपतराजालक्ष्मणौरामसीतैं ।

अतिदृढ़व्रतनेमैधर्मकर्मैपुनीतै ॥ जिनकुटिलनिदेशैमानिकैदुःख पायो । धृगधृगममबुद्धिनारिविश्वासआयो ८२ ॥ दोहा ॥ रूप शीलगुणबुद्धिबल सुयशप्रतापसुभाउ ॥ रोयरोयशिरमहि धुनतहृदयबिसूरतराउ ८३ ॥ नराच ॥ तबैसुमंतपानिजोरिपाइँ लागिकैकही । नरेशधीरआनियेजोशोकपारकोचही ॥ गयोचढ़ाय रामसीयलक्ष्मणौजबैरथै । सखामिल्योनिषादआयश्रृङ्गबेरकेपथै ८४ प्रणामकैफलादिमूलआयपासलैधरे । नग्राह्यकीन्हराम तौनप्रीतिसोंछुयेकरे ॥ हमैंकहाकह्योनृपैनशोकमोरकीजिये । बितायअवधिआइहौंसुओधकोपतीजिये ८५ ॥ भुजंगप्रयात ॥ सबै मातनैमोरिभाष्योप्रणामैं । सोईकीजियेदुःखभूपैनजामैं ॥ हमैं कामनैसुक्खसाकेतदूनो । करैनाकोऊनेकहूचित्तऊनो ८६ ॥ दोहा ॥ प्रातहोतबटक्षीरलै केशनजटाबनाइ ॥ तबसुरसरिउतर नलिये चढ़ेनावपरजाइ ८७॥ तोमर ॥ सियमोहिंकाहनचाह। कछु बैनसोलखिनाह ॥ तबरामकोरुखपाइ । केवटसुनावचलाइ ॥ हमदेखिजीवतआइ । बरनासोतुम्हैंसुनाइ॥ कहिमंत्रिरहाचुपाइ । सुनतैनृपोमुरझाइ ८८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैकौशिलाभूपकोदीन देखा । चहैशोकतेप्राणछांड़ोबिशेखा ॥ अहोनाथधीरैधरौकैबिचारै। गयोजोचहौंशोकसामुद्रपारै । मिलैंज्योंतनैंह्वैसियासाथआई । समौजानिकैकीजियेसोउपाई॥ सुनौरानिमैंपूर्बहींशापपाई । मरौ पुत्रकेशोकतेभूपजाई ॥ गयोजौबनैजंगलैमैंअखेटै । पठायोतपी नीरकेहेतुबेटै ॥ सुनाकुम्भशब्दैजबैबूड़पानी । निशौनाबिलोका करीघोरजानी ॥ हन्योंशब्दबेधीशरैमैंकठोरा । गिरालागतैबिप्र कैशोरघोरा ॥ बिनादोषकेदुष्टलैप्राणमेरे । सुनाशंकिकैमैंगयोंता-हिनेरे ८९ ॥ चौपाई ॥ सुनुस्वामीमैंनिपटअयाना । अनजानत मारातोहिंबाना ॥ मैंदशरथसाकेतभुवाला । त्राहिमोहिंमुनिपरम कृपाला ॥ असकहिचरणपर्योअकुलाई । गदगदकंठनकछुकहि

जाई ॥ कहमुनिडरसिनअवधनरेशा । ब्रह्मदोषतोहिंहोइनलेशा॥ ममपितुमातुतृषितचखहीना । तिन्हैंदेउजलनृपतिप्रबीना ॥ नतु कोपीजोपिताहमारा । तुम्हैंक्षणहिमेंकरिहैंक्षारा ॥ ताहिबिशल्य देहमैंकीन्हा । जललैतुरतदम्पतिहिदीन्हा ॥ कहाअंधसुतदेर लगायो । चिन्ताबिपुलहमैंकरवायो ॥ तबमैंचरणपर्योंकहिपाहीं॥ मैंदशरथतुम्हारसुतनाहीं ॥ तिनपूंछामेंकहबिस्तारा । धोखेजेहि तापससुतमारा ॥ रोयेदम्पतिसुनतअधीरा । ममसँगगयेपुत्रके तीरा॥करपरसातिनपुत्रशरीरा ।बिलपतिनिशिबीतीगंभीरा६०॥ दोहा ॥ प्रातचिताबनवायमोहिंदम्पतिपुत्रसमेत । जरेमहानलतुर तहीपहुंचेदेवनिकेत ॥ ६१ ॥ प्रज्वलिया ॥ कहअन्धनृपतितैंसुतबियोग । मरिहौनिश्चययहममनियोग ॥ सोसमयप्राप्तमोहिंभयो आय । सियरामबिरहनहिंसहोजाय ॥ हारामलषणसीतासमेत । हाजगन्नाथसबगुणनिकेत ॥ हारामरामसियलषणराम । तनत जिभूपतिगेदेवधाम ॥ ६२ ॥ भुजंगप्रयात ॥ सबैकौशलाऔसुमित्रा दिरानी । उरैताडतींरोवतींदीनबानी ॥ सुमन्तादिमंत्रीबशिष्टादि आयो । भर्योतैलद्रोणीनृपैगात्रनायो ॥ बोलायोमहाबेगदूतैसिखाई । गुरूआज्ञयाभर्त्तआवैंसभाई ॥ हयारूढ़ह्वैपौनकीगौनधाई । युधाजिन्नृपैभर्त्तकोशीशनाई ६३ ॥दोहा ॥ गुरुआयसुसानुज भरतअवधहिआवैंदौरि ॥ चलेबंधुदोउतुरतहीबातनपूछीऔरि ॥ हरिगीतिका नांघतसरितसरशैलकानन अवधपहुंचेआइकै । लखि भ्रष्टश्रीकौजननबोलनवृक्षरहेकुम्हिलाइकै ॥ चिन्ताकरतमेंराज मन्दिरदेखिलागभयानकै । लक्ष्मीबिहीनमलीननिर्जनमनहुंभूमि मशानकै ॥ ६४॥ नराच ॥ लखीभरतकेकयीअकाशनेबिराजई । हृदयबिषादूनभोबिहीनपार्श्वराजई ॥ कियोप्रणाममातकोउठी सुतैबिलोलिकै । हियेलगायशीशसूंघिनैननीररोकिकै ॥ ६५ ॥ प्रपच्छक्षेमनैहरैसुखीस्वमाततातहै । बधूससेतदारिकाकुमारयुक्त

भ्रातहै ॥ प्रजासमेतपुत्रपौनहैखुशीसबैधनी । गजाश्वबाहनोअने कहैबनीअनीघनी ॥ ९६ ॥ प्रमाणिका ॥ सबैखुशीस्वनैहरै ।कहौसुक्षे ममेंघरै ॥ कहांपिताबिराजहीं । सुभ्रातपुत्रभ्राजहीं ॥ तुम्हैंबिना नराजहू । बिराजतेसमाजहूं ॥ इहांनदेखियेकहूं । एकान्तबैठि क्योंतोहूं ॥ बताउबेगितातहूं । हमैंनचैनहैकहू ॥ कहासुरोइकेक ई । सुनैसुपुत्रजोभई ॥ महानभावशीलजै ।सदागोबिन्दजोभजै॥ अनेकबाजिमेधनै । गतिं गयोतज्योतनै ॥ सुनाजबैपितामरे । स शोकभर्तभूपरे ॥ पुकारितातातातही । नसौंपिमोहिंभ्रातही ॥ ९७ चामर॥ मातुपुत्रगोदधारिअंगझारिभाष्यऊ । मैंतुम्हैंलियेसुधारिबा तसर्बराखेऊ ॥ तातक्योंमरेसुनाउकैकयीबतायऊ।रामसीयलक्ष्म णौसुभूपशोकपायऊ ॥ ९८॥ प्रज्वलिया ॥ कहँरहेरामकहुमोहिंसुना इ । केहिकारणभूपतिशोकपाइ ॥ तुवपिताचहारामाभिषेक । में बिघनकीन्हकरिकठिनटेक ॥ मोहिंदीन्हपूर्वबरदानदोइ । एकमां गिभरतकीराजहोइ ॥ दूसरमुनिबनिबनरामजाइँ । चौदह बरषैफ लमूलखाइँ ॥ नृपसत्यव्रततोहिं राज्यदीन्ह । तुरतैरामहुंबनगौन कीन्ह ॥ पतिव्रता सियासुनिसाथलागि । लक्ष्मणौबंधुसँगगयोभा गि ॥ तिनशोकभूपरटिरामराम । सियलषणटेरिगेदेवधाम ॥ सु निगिरेभरतसुधिसहिनगात । जनुपततभूमिद्रुमबज्रपात ॥ ९९ पुनिपुत्रहिकेकयिकहबुझाइ । किमिशोकतमहतीराजपाइ ॥ किमि पापिनिजल्पतअसंभाख । तवतनभवतनसोकरोखाख ॥ असि लाइमरौंकीगरलखाइ । पितुबंधुबिमुखधृगजियबआइ ॥ जैहसि तैंकुंभीपाकघोर । पतिघातिनिअतितवउरकठोर १०० ॥ टोहा ॥ तेहिंगलानिदैभरततबदीखकौशिलैजाइ ॥ बिलपतदीनमलीनकृ शपरीधरणिअकुलाइ ॥ १ ॥ भुजंगप्रयात ॥ गिरेमातुकेभर्त्तहूपांइरो ई । हृदैकौशिलादेखतैलाइसोई ॥ अहोमातुमोसोंअघीहैनकोई । तिहूंलोकमें मैंलखासर्बजोई॥ जिन्हैंकारणौसीयरामौसभाई । बनै

गेमरेभूपहूशोकपाई ॥ कियेकरयीकर्मनेकौजोजानौ । कहौजौन मैंमातुसोसत्यमानौ ॥ लगैब्रह्महत्यागुरूगायमारे । कछूछेपहूस म्मतौजोहमारे ॥ २ ॥दोहा ॥ भरतशपथसुनिकौशलाकहतुमशुद्ध सुभाय । तुम्हैंप्राणसमरामसियतुमप्रियअतिरघुराय ॥ ३ नराच ॥ बशिष्ठबामदेवआदिप्रातहोतआयकै । सुमन्तससमस्तलोगभर्त कोबोलायकै ॥ पुराणज्ञानसम्मतेमुनीशसोंसिखायकै अशोककैकु मारहृदयप्रबोधलायकै४॥दोहा ॥गुरुआयसुतेभरतनृपक्रियाक-र्मसबकीन्ह ।धरणिधेनुधनबिबिधिबहुमहिदेवनकोदीन्ह ५ ॥ प्रज्व लिया॥नहिंशोचयोगदशरथभुवार । असभयोनहैनहिंहोनहार॥ज-गयशप्रतापजेहिरह्योछाय । श्रीरामसरिससुतचारिपाय॥ कियो बिपुलयज्ञदियोअमितदान । लहिसर्बसुक्खसुरपतिसमान॥जेहि सत्यप्रतिज्ञाजगतजान । निजबचनहेततजिपुत्रप्रान ॥ तेबचनब त्सकीजेप्रमान । जेहिसुखलहैनृपसुरपुरनिदान ॥ बनगयोरामजे वचनमानि । तुमकरौराजतजिकैगलानि ६ ॥ कुंडलिया॥सुनिमुनि बाणीहृदयगुणिभरतजोरियुगहाथ । मनसाबाचाकर्मणामैंसेवक रघुनाथ ॥ मैंसेवकरघुनाथप्रातकाननहिंसिधारौं। सीतालषणस मेतरामपदपद्मनिहारौं ॥ सीतालषणसमेतरामराजाह्वैहैंपुनि । मैंआयसुअनुसरौंभयेआनन्दसबैसुनि ७ ॥ मधुभार॥सियलषणरा म । बनसहकुराम ॥ मैंअवधधाम । रहिहौंअराम ॥ यहभरतजा नि । उरकरिगलानि ॥ दृढ़मंत्रआनि । बनगमनठानि ८॥मालिनी॥ यहमोहिंबरदीजैकाननैभोरजैहौं । सियलक्ष्मणरामैअवधमैंप ठैहौं ॥ मुनिव्रतफलखाईमैरहौंतबजाई । जेहिबिधिकुटिलाईमा तृजामोरिजाई ॥ कहिबचनचुपाईनैननीरायिकाई । तबऋषिनब ड़ाईभर्तकीभूरिगाई ॥ असमतकरिप्रातैगमनकैबंधुदोऊ । पुरजन सबमाताकौशलाआदिसोऊ ॥ मुनिगुरुसबसेनालैसमंतौसिधा ये । सुरसरिबरकूलेश्रृंगबेरैसोआये ॥ सुनिगुहतबभर्तैआयऊसैन

संगा । करिमनहिं बितकैंरोकेऊघाटगंगा ६ ॥ नराच ॥ सबैसखा बोलायनाउनाउलैपुकारिकै। रह्योसचेतअत्रसर्बअस्त्रशस्त्रधारिकै ॥ गयोकृपाणबाणबांधिलोगलैनिषादहू । लख्योभरत्थकोसमीपकै हृदयबिषादहू १०॥ भुजंगप्रयात ॥ घनश्यामशोभाजटाजूटधारी । लसैनैनराजीवनीराधिकारी ॥ कटिंवल्कलंवेष्टितंचीरचारुं । रटै रामनामैहियेशोकभारुं॥ निषादौधरीदूरितेभेंटआगे ॥ करीदण्ड वतूनामलैप्रेमपागे ॥ गुहैनामसुन्तैसखारामचीन्हा । उठेभर्त्त ताकोहियेलायलीन्हा११ ॥ हरिगीतिका ॥ हियलायताहिप्रशंसि पूछतरामलक्ष्मणजानकी । कहभेंटतोहिंदेखाउमोहिंजहँसैनकृ पानिधानकी॥ गुहसाथभरततुरंतगमनेगंगतटसिंसुपतलं । कुश तरणसियआभरणसुबरणबिंदुअंकितभूतलं ॥ सियशैनलखिब- ह्योनैननीरजनीरहियअतिदुखभरे। धिक्मोहिंकेकयिसुतसमानन पापनिधिबिधनाकरे ॥ येरत्नमणिमंदिरप्रयंकनरुचिरकोमलबि- ष्टरे । तेरामसियममहेतमहिअबडासिकुशकासनपरे ॥ धनि धन्यलक्ष्मणजन्मबनप्रभुकमलपदसेवतमुदा । घरबनहुसन्तत दिवसनिशिसँग रहतज्योंकणिमणिमदा ॥ कहुसखाकहँसिय राममोहिंजियाउपददरशायकै ॥ गुहजानिशुद्धसुभावभरतहि कहीकथाबुझायकै १२ हेदेवतुमअतिधन्यजहिमनरामपदपं कजरहे । पुनिचित्रकूटनिवासमन्दाकिनिनिकटसोसबकहे ॥ मुनि बालमीकिसमीपआश्रमरामलक्ष्मणजानकी ॥ निबसतसुखेन समेतमुनिगणकृपाकृपानिधानकी १३ ॥ नराच ॥ प्रभातभर्त आज्ञयागुहौननेकबारकै । मँगाइनावपंचसैससैनगंगपारकै ॥ गयेप्रयागमौनिराटआश्रमैसुदेखिकै । पधारिसैनदूरिह्वैकुमार गेबिशेषिकै १४ लसेस्वआश्रमैमुनीशज्योंद्वितीयपावकै । कियोप्रणामबंधुदोउमहानभक्तिभावकै ॥ बिलोकिदैअशीषअवध राजपुत्रजानते । प्रपूजिपूछिमंगलैअसीनकैसुमानते १५ ॥ भुजंग

प्रयात ॥ तुम्हैंभूपकीन्हाअयोध्याधिराजा। किमेतंजटाबल्कलैअंग साजा ॥ कहाभर्त्तहरोयकैदीनबानी। कियोकेकयीरामकीराज हानी ॥ पठैदण्डकैंसीयरामैसभाई। कहौंसत्यतवपायँकीसौंह खाई ॥ बिनाजानमेरेकियोमातुऐसी। गरैग्लानिनैआयदेखाअ-नैसी १६ ॥ प्रज्वलिया ॥ तुमजानतसबकाकरौंबखान। जिनसम त्रिकालदर्शीनआन ॥ श्रीनाथरामअच्छतनरेश। मोहिंकौनराज पदहोतलेश ॥ मैंकिंकरआयसुलहिअघाउँ।अबदेखनबनप्रभुचरण जाउँ ॥ सम्भारतिलककरलैअनेक। गुरुकरिहैंबनरामाभिषेक ॥ लावोबहोरिसियपतिहिजाय। यहिहेतनाथमैंकरिउपाय ॥ सुनि भरतबचनमुनिउरलगाय। शिरसूंघिकीन्हबहुबिधिबड़ाय ॥ तुम ज्ञानवानअतिज्ञानदृष्ट। श्रीरामचन्द्रकेभक्तश्रेष्ठ ॥ तवसुयश बिमलबिधुकियोप्रकाश। पूरणदिशिदिशिबिमलहिआकाश ॥ अबसैनसहितफलखाउमोर। सियरामलषणपहँजाउभोर ॥ मुनिगिरागरुवतबभरतमानि। प्रथमैबशिष्टऋषिपूजिआनि १७॥ दोहा॥तपबलसुरधेनुहिपठैतृप्तिकियोसहसैन॥ सुधासरिसभोजन दियोशैनदियोरचिऐन १८ अतिअनन्दसोयेसकलअवधहुअधिक निवास। मुनिप्रभावसुरपुरसरिसकीन्होंभोगबिलास१६ ॥ भुजंग प्रयात ॥ उठेभर्तशत्रुघ्नलैसैनप्रातै। भरद्वाजकोबंदिगमनेतहांतै ॥ गयेचित्रकूटैपयादेसभाई। गजाश्वादिबाहनरहेकोतलाई ॥ टि-कायोतहांसाथकीशैनदूरे। सुमन्तौगुहौबंधुदोउप्रेमपूरे ॥ गये रामशालासमीतैतपस्वी। बतावोकहांरामसीतायशस्वी ॥ गिरि म्पश्चिमेगंगकेसौम्यशाला। तहांरामसीतामहातेजमाला ॥ तिन्हैंलक्ष्मणौसेवतेसानुकूलै। फरेवृक्षज्योंपारिजातौनतूलै २०॥ कवित्त ॥ सुरतरुकेसमानबिबिधबितानतरुबेलिनबितानतनेशोभा सरसावते। ऋतुअनऋतुसबफूलेफरेभारभरेमण्डितसुगन्धस्वाद सुधाकोलजावते बैरबिहीनखगमृगवृन्दबिचरतमुनिगणध्यान

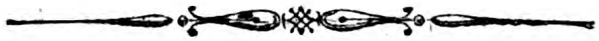
धरेब्रह्मसुखपावते । तहांरामसीतापदलालतलषणलालभरतदर शिउरआनँदबढ़ावते २१ ॥ हरिगीतिका ॥ सियरामपदअंकितअवनि कुलिशादिरेखसुहावनी।सोइचीन्हिरजसानुजभरतशिरधरतनिज निजपावनी ॥ यहिभांतिकरिदण्डवत्सम्मुखजायप्रेमातुरमहा ॥ लखिलीन्हहृदयलगायकृपानिधानदोउभाइनतहां २२ ॥ नराच ॥ पुनः पुनःभरत्तहूउठोचहैंनपावते । हृदयलगायबारबाररामचन्द्र भावते ॥ मिलबहोरिसीयकेपदारविन्दशीशसो । दियोदोऊ कुमारनैसनेहसोंअशीषसो २३ चलींसमूहकौशलादिरानिपुत्रनै मिलै । बिसारिसुद्धिदेहकीतृषार्थगोयथाजलै ॥ दयार्द्ररामल क्ष्मणोस्वधीयधीरत्यागिकै। मिलेसमस्तमातनैसप्रेमपायँलागिकै २४ ॥ मधुभार ॥ लखिगुरुहिआय । श्रीरामजाय ॥ लक्ष्मण समेत । पदपरिउपेद ॥ निजधन्यमानि । बहुबिधिबखानि॥ गुरु अपनजानि । करिकृपाआनि २५ ॥ हरिगीतिका ॥ हैतातकुश लसमंतजेहिउरमोरशोकअपारहै । सुनिरामबचनबिनीतमुनिचुप साधिकरतबिचारहै ॥ पुनिकहेउसकुचिबियोगतबकहिरामल क्ष्मणजनकजा । हारामरामपुकारिसुरपुरगयोनृपनिजतनतजा ॥ सुनिशूलसमबाणीअहिततहँतातातपुकारिकै । गिरेअवनिल क्ष्मणरामसीतारुदततननसम्हारिकै ॥ बहुभांतिकरतबिलाप रानिनसहितपुरबासीतबै । उपदेशिज्ञानपुराणमतसमुझायगु रुज्ञानीसबै २६ ॥ बरवै ॥ रामलषणमन्दाकिनिगंगनहाय । नृप कोदीन्हतिलांजुलिमुनिरुखपाय २७ इंगुदिफलपिन्याकहिमधु हिमिलाय । दीन्हापितरहिपिण्डास्मृतिगाय २८ भयेशुद्धपुनि न्हायेलक्ष्मणराम । नयननीरभरिआयेनिजबिश्राम २६ तेहिबा सरव्रतकीन्हासहितसमाज । प्रातन्हायसबबैठेजहँरघुराज ३० हरिगीतिका ॥तबभरतकहकरजोरिरामहिंहेतुलेसम्भारहीं।सबतिल ककेराज्याभिषेकमुनीयतुमहिंसँवारही ॥ तुमज्येष्ठश्रेष्ठपितासमा

ननिदानमहिपालनकरौ। यहक्षत्रिधर्ममहानदीनप्रजानदारिददु खहरौ॥ करियज्ञबहुयशलैबिपुलउत्पाद्यपुत्रहिराज्यदै। तबआ यपालिरजायपितुकीबासबनकीजैमुदै॥ जोमातुकृतओगुणबिचा रोतौशरणलायकनहौं। भरतपरिअकुलायपायँनदइवकहियहिपा हिहौं ३१॥ नराच॥ उठायरामअंकलायप्रीतिसोंबुझायऊ। कहौ सोतौनहीकरैविशोचएकआयऊ॥ चतुर्दशैवबर्षभूपमोहिंदीनकान नै। तुम्हैंस्वराजअर्पिसत्यराखित्यागिप्राणनै ३२॥ दोहा॥ हम तुमदोऊबंधुमिलिकीजैपितारजाय। सोजीवततेमृतकभयजोहठि नरकैजाइ ३३॥ सोरठा॥भरतकहीयहजानिस्त्रीजितउन्मत्तनृप॥ हृदयभ्रान्तिकहिबानितासुबचनकिमिमानिये ३४॥ प्रज्वलिया॥ कहरामसुनौममबचनभ्रात। नहिंस्त्रीजितउन्मत्ततात॥ अतिसत्य सिंधुसुनिपूर्वबात। दैबरअसत्यनरकहिडेरात॥ कहभरतबहुरिसु नियेखरारि। मैंबसौंबिपिनमुनिबेषधारि॥ तुमअवधजायकीजैस्व राज॥ सियलषणसहितसाजिसुखसमाज॥ पुनिरामकहाउलटा नसत्य। पितुबाक्ययथातसकरौंसत्य॥ पुनिभरतकहामोहिंलेउ साथ। सेवोंलक्ष्मणइवचरणनाथ॥ नतुतजौंदेहतवनिकटआय। बैठेदृढ़मतिदर्भनबिछाय॥ लखिभरतहिबिस्मितभयोराम। चुप रहेसकलगुणज्ञानधाम ३५॥ दोहा॥ कमलनयनसैनहिंतबैगुरु सनसंज्ञाकीन॥ भरतहिजायएकान्तलैअतिप्रबोधतिनदीन ३६॥ भुजंप्रयात॥ सुनौबत्समैंतोहिंगुप्तौबखानौं। नराकाररामैरमाना थजानौं॥ सियायोगमायानरीभूलिमानौ। फणीनाथहैंलक्ष्मणैचि त्तआनौ॥ पुराब्रह्मकीप्रार्थनाभूरिमानी। चलेरावणैमारिबेचक्रपा नी॥ हरैभूमिभारैपुरैफेरिऐहैं। तबैदेवतापित्तहूसुक्खपैहैं॥ च लेदंडकैकेकयीबाक्यव्याजै। स्वइच्छासँवारैंसदादेवकाजै॥ करौ रामआज्ञातुम्हैंतौननीका। चलौघूमिग्रामैंतजौशोचजीका ३७॥ मालिनी॥ सुनिगुरुबरबाणीभर्त्तबिस्मयसुमानी। प्रभुपदगहिपा

णीप्रार्थनाभूरिठानी ॥ तुमसबउरयामीपादुकामोहिंदीजै । दिन दिनप्रतिपूजौंअवधिलौंजाहिनीजै ३८॥ दोहा ॥ बचनसुनतहीपादुकादीन्हीत्रिभुवनईश ॥ भक्तिसहितहर्षायउरभरतधरीनिजशीश ३९ ॥ हरिगातिका ॥ शिरनायकीन्हप्रदक्षिणारामहिंभरतअकुलायकै । दशचारिबर्षव्यतीतह्वैदिनएकरहिहैआयकै ॥ जोभवननहिंऐहौंकृपालतौजरौंअनलहिजायकै । यहिभांतिकहिप्रभुपदपरशिपुरचलेहरिरुखपायकै ॥ सहसैन्यगुरुशत्रुघ्नमातामिलियथोचितसबचले । केकयीप्रभुहिएकांतपायस्वबिनयकरिभरिचषचले ॥ हेरामतवमायाबिमोहित राजतवमेंबिघनकौक्षमियेसोदुष्टसुभावते अपरायकीन्हीअगनकै ॥ तुमबिष्णुपुरुषोत्तमपरात्माविश्वरूपचराचरं । हेजगन्नाथकृपानिध अखिलेश्वरंकमलाबरं ॥ हेदेवसुतबितलोककरअसनेहदारुणपासिको । यहखेदछेदनदच्छदेमोहिंज्ञाननिजदिशितासिको ४०॥ चौपाई ॥ छलबिहीनसुनिकैकयिबानी । बिहँसेकृपासिंधुसुखमानी ॥ जोकछुकह्योसत्यसबसोई अल्पहुदोषतोरनहिंहोई ॥ ममप्रेरितबाणीमुखतोरे । कहादेवमुनिकाजनिहोरे ॥ मैंसमदृष्टिलखौंसबकाहू । भजैभजौंतजैतजिहौंताहू ॥ भयोज्ञानउत्पन्नतुम्हारे । बाँधिनसकैकरमदुखभारे ॥ जाउभवनसबशोचबिहाई । सुमिरेहुमोहिंसदामनलाई ॥ सुनिरघुबीरबचनकैकेई । चलीबंदिपरदक्षिणादेई ॥ पुरजनसैन्यमुनिहुअरुमाता । आयेपुरुचिंततद्बौभ्राता ॥ निजनिजगृहनिबसेसबलोगा । रामहेतसाधेजपयोगा ॥ मातनसबनभवनपहुंवाई । नंदिग्रामगेदोऊभाई ४१ ॥ दोहा ॥ सिंहासनपरपादुका थप्योभरततबजाय ॥ रामसरिसपूजैंतिन्हैंप्रीतिसहितमनलाय ४२॥ नराच ॥ करैंसमस्तराजकाज पादुकान्निवेदई । जटाकलापशीशकैमहीरहैं सखेदई ॥ फलादिखायबल्कलादि वेष्टिकैरहैंतनैं । कबौंपिराम आयहैं अवद्धिबासरैगनै ४३ ॥ दोहा ॥ रामबिरहसानुजभरत

दिनदिनप्रतिदुबरात ॥ सियारामलक्ष्मणरटत यशप्रतापअधिकात ४४ ॥

इतिश्रीमद्रामायणे उमामहेश्वरसंवादेप्रथमचरित्रांतर्गतअयोध्याकाण्डः ईश्वरीद्विजभाषाकृतस्समाप्तः ॥



श्रीगणेशाय नमः ॥

रामविलास रामायण ॥

आरण्यकाण्ड ॥



छप्पै ॥ अनलअनिलआकाशआपआतमाअवनिबर । आपजात आदित्यरूपबसुबरनिवेदहर ॥ सकलमण्डलाकारब्याप्तपरिपूर्ण चराचर । प्रणतदेवद्विजसुखदहंसहरिहृदयमानसर ॥ जयब्रह्मविरजअजसगुणबपुइश्वरीबंदततवचरण । जयचन्द्रभालगिरिजारमणआरतहरअशरणशरण १ ॥ छंदप्रज्वलिया ॥ उतरामलषणसीतासमेत । बसैंचित्रकूटमुनिगणउपेत ॥ दिनप्रतिआवैंतहँअवधलोग। श्रीरामलषणसीताबियोग ॥ लखिरहतभीरआश्रमहिंत्याग । तबगयेतुरतदंडकबिभाग ॥ सुरकाजकरबकरितत्रबास । यहचिन्ततगेमुनिअत्रिपास २ ॥ हरिगीतिका ॥ आसीनमुनिनिजआश्रमैतपमूर्त्तिमानहुंतनधरे । लखिरामलक्ष्मणजानकीनिजनामकहिपायँनपरे ॥ सुनतैमुनीशअशीषदैहरिजानिहृदयलगायऊ । अतिभक्तिपूजाकीन्हआसनदीन्हफलनखवायऊ ३ मुनिकहारामहिंघरनिममअनुसूयनामप्रसिद्धहै । तेहिदेखिआवैंअबहिसीताक्षमबसोअतिवृद्धहै ॥ रघुबीरआयसुपाइजानकिजायकीन्हप्रणामहू । लखिमहाआनँदसहितहृदय लगाइलियोमुनिबामहू ॥ दियदिव्यकुण्डलद्वैदुकूलहुपरमसुन्दरनिर्मले । रचिअँगरागसुहागकेपहिराय सीतहिसुखभले॥पुनिपतिव्रतउपदेशिदीन्हअशीषतुमसुखपायहौ। बसिबिपिनदेवरपतिसहितकुशलीसुनिजगृहजायहौ ॥ बैठारिपरमपुनीतआसनरामलक्ष्मणजानकी।तबकीन्हबिनतीबिबिधिमुनि

करजोरिशोभाधामकी ॥ हेरामतुमअखिलेशपूरणब्रह्ममायाजान की। जगसृजतपालतहरतपुनि रचिसृष्टिविपुलविधानकी॥ जोचि रजअजनिर्गुणनिरंजननिराकारनिरामयं। सोसगुणबपुधरिकरत लीलागाइजनहरैभवभयं ॥ जैरावणारिखरारिरामरमेशजनसुख दायकं। ममहृदयकंजनिवासकरुसियलषणसहरघुनायकं ४ ॥ दोहा ॥ सुनिमुनिबिनतीप्रीतिलखिकीन्हतहांबिश्राम ॥ प्रातन्हा इमांगीबिदालषणसहितसियराम ५ ॥ प्रज्वलिया ॥ करौआयसुमम संगशिष्यजाय। दण्डकमारगआवैलखाय ॥ मुनिकहासर्वमारग विशेख। जानतअसकोजेहितुमनदेख ॥ पैलोकरीतिआवहुबताय। चलेआपुसाथशिष्यनलवाय ॥ अत्रिहिफेर्योरघुबंशकेतु। बटुवि-पुलगयेपहुंचावहेतु ॥ अधयोजनपरसरिदीखजाय। उतरेसुदृढ़ नौकामँगाय ॥ अभिबन्दिघूमिमुनिवरकिशोर। सियरामलषण गयोबिपिनघोर॥ झिल्लीझंकारनउठतचिंघ। नानामृगवृकव्याघ्रा-दिसिंघ। सेवतिरजनीचरकरैंकर्ष। सुनिसुभटनतनउठेरोमहर्ष ॥ कहरामतहांलषणहिंबुझाय। चलौसयुगबाणचापहिलगाय॥ क-रिमध्यजानकिहिदोउबीर। पहुंचेयकरुचिरतड़ागतीर ॥ राजीव कुमुदफूलेप्रपुंज। जलखगकूजैंअलिवृन्दगुंज ६ ॥ नराच ॥ पियोसतत्रनीररामसीयलक्ष्मणौतहां। क्षणंसुवृक्षछांहतिष्ठदीख राक्षसंमहां ॥ करालदन्तदन्तिपंक्तिभक्षणैकरेमुद्ध। त्रिशूलवामक-न्धपैसमूहमानुषौपुहे ७ ॥ चढ़ायचापबाणरामलक्ष्मणौसुनायऊ। बिलोकियेमहाकरालयातुधानआयऊ ॥ रहौसचेतकार्मुकैसुधारि ठौरठाढ़हीं। डरौननेकचित्तमेंबहोरिसीयसोंकहीं ८ बिलोकिराम लक्ष्मणौसमेतसीयकोतहां। हँसाठठायकामकौनकाननैतुम्हैकहां॥ धरेसुचापबाणवल्कलादिवेष्टिगातमें॥ सबैसुआजुखाइहौंपरेहमा-रिघातमें९ ॥दोहा॥ आयोंकाननकाममममपितुआयसुउरधारि। जैहौं तबमेंधामको तुमसेखलगणमारि १० ॥ मालिनी ॥ सुनिरघुबरबा-

णीशूललैकोपिधायो। सियगहिनिजपाणीयातुधानीपरायो॥सर हतिभुजकाटीरामताकीगिरायो । पुनिखलमुखबायोबेगसोंदौरि आंयो ॥ तबप्रभुभुजशीशौकाटिपृथ्वीगिरावा।निशिचरतनत्यागी देवकोरूपपावा ॥ सियपदलपिटानीहर्षसोंभूरिपायो । सुरनभ यशगावेंपुष्यबर्षामचायो ११ ॥ प्रमाणिका ॥ निशाचरौतनय तज्यो। सुदेवहवैहरिम्भज्यो ॥ अतीवसुन्दराकृतं। सुवर्णभूषणं धृतं ॥ बिमानपैअकाशही। रबिर्यथाप्रकाशही। नमामिश्यामसुं-दरं। भवार्णवंसुमंदरं।प्रणम्यपद्मलोचनं।अघौघमेसमोचनं॥कृपा करंसियावरं । नमामितेसभ्रातरं ॥ अतस्त्वभक्तसंगितं । पदार बिंदमेमितं ॥ त्वमेवनामकीर्तनं। करैहमेशमेमनं ॥ कथामृतं करौसदा । स्वकर्णसंपुटेमुदा ॥ बरंबिशेषदीजिये। स्वदासमो-हिंकीजिये १२ ॥ दोहा ॥ यहिबिधिप्रभुकीबिनयकरि बिद्याधर बरपाय॥ दुर्बाशाकीशापगत गयोभवनहरषाय१३ ॥तोमर॥ सिय रामलक्षमणसंग। गेयत्रऋषिसरभंग॥ मुनिदेखिअस्तुतिकीन्ह। पदपूजिआसनदीन्ह ॥ फलकंदमूलखवाय । अतिभक्तिबैनसु-नाय ॥ बहुकालमेंतपकीन्ह । तवदर्शनैमनदीन्ह ॥ अबरामपद अभिराम। लखतैभयोंसुखधाम ॥ तपसिद्धभासबमोर। सिय रामदर्शनतोर १४ ॥ दोहा ॥ जपतपसंयमनेमब्रत सोसबरघुबर लेउ। नाथकृपाकरिमोहिं अबभुक्तिमुक्तिसुखदेउ १५ ॥ हरिगीति ॥ यहिभांतिकहिसियराम लक्षमणहृदैमूरतिराखिकै । सरभंगस-हितसनेहप्रभुसोंबिबिधिबिनतीभाखिकै ॥ तबअनलप्रगटिस्व-देहदहिपुनिपायदिव्यशरीरही । तुरतैपरंपदलहिगयोउरराखि सियरघुबीरही १६ दोहा ॥ तबलक्ष्मणसीतासहितरामहिंलखि सुखधाम ॥ मुनिसमूहजहँतहँमिलैंसहसाकरैंप्रणाम १७ शिरन समूहबिलोकितहँपूछा मुनिननिकाय ॥ जानतहौयेऋषितपिन नाथनिशिचरनखाय १८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैरामकीन्हाप्रतिज्ञा

बिशेषा । सबैमारिहौं राक्षसांमैंअशेषा ॥ सुनेरामकेबैनगादुःख भारी । भयेदंडकारण्यबासीसुबासी १६ ॥ अनङ्गधरशेषर ॥ अगस्त्यशिष्यभक्तहैसुजानजानजक्तहैस्वरागहूबिरक्तहै प्रधाननामगानई । सुनाकिरामआवतेउठेतुरन्त चावतेमिलेमहानभावतेसुप्रेमकोबखानई ॥ सुतीक्षणौमहामतिं बिलोकितैरमापतिंलक्ष्मणौसियाअतिं प्रपूजिगेहलायऊ । सुआसनैअसीनकैबिनैसुभक्तिभीनकैफलादिकंदमूलमीठभोजनौकरायऊ २० ॥ हरिगीति ॥ प्रणामामिरामनिरन्तरंजनकमलरबिसुखदायकं । अजशम्भुमनमानसबिमलतुमहंसवररघुनायकं ॥ तवमाययात्रिगुणात्मरूपबिरंचिहरिहरजानिये। जगसृजतपालतलयकरतअसखेलवेदबखानिये २१ हेब्रह्मअजअद्वैतनिर्गुणसगुणबपुधारणकियो । निजइच्छयालीलाबितारिनिजननचाहतसुखदियो ॥ तुमएकजीवअनेकनैभासितघटंजलइवरविंमायाबिमोहितबिपुलतुमहिंबिलोकित्योंगावतकविं॥ जयरामशोभाधामकामअनेकछबिमदमोचनं । इंदीबरद्युतिश्याम तनराजीवदलकललोचनं ॥ हेरामरमानिवाससीतालषणसहबसुममहिये ॥ मुनिबिनयसुनिकरुणानिधेमनबांछितैफलत्यहिदिये २२॥दोहा ॥ प्रातैउठिरघुबंशमणिमुनिहिकह्योहरषाय॥ ऋषिअगस्त्यपहँजाइहौंमारगदेवबताय२३॥ तोटक ॥ रघुबीरचलौमोहिं संगलिये। नहिं दीखगुरैबहुबर्षगये ॥ हँसिसाथलियोमुनिकोतबहीं। युगयामगयेपहुंचेसबहीं २४ ॥ नराच ॥ अगस्तिबंधुकोमिलेसभ्रातरामजानकी। प्रपूजिकैसोऊबिनयकरीकृपानिधानकी॥सुतीक्ष्णहूसमेतभावसोफलंखवायऊ । प्रभातह्वैबिदाप्रभूअगस्त्यगेहआयऊ २५ ॥ फरेसुवृक्षभारहीमहीझुकैसबैतहां । मृगालिपक्षिवृंदबैरहीनह्वैचरैंतहां ॥ मुनीन्द्रब्रह्मचर्यदेवसेवितंसभाबरं । बिभातिसर्बभांतिब्रह्मलोकसेइवापरं ३६ ॥ गयेसुतीक्ष्णशीघ्रनाथकोनिदेशपाइकै । प्रणामकैगुरुंसुरामआगमंसुनाइकै ॥ पियूषतुल्य

बैनज्योंपरेअगस्त्यकानहीं । अनंदभेमहानब्रह्मसुक्खकेसमानहीं २७ ॥ गच्छगच्छशीघ्रतातरामसीयलावऊ । लक्ष्मणोसमेतअत्र आश्रमैसुआवऊ ॥ आपहूउठेऋषीशमंडलीसबैलिये । रामदर्श लालसाबढ़ैप्रमोदहूहिये २८ ॥ गयोसुतीक्ष्णरामतीरपाणिजोरि कैकहा । हमैंगुरूपठावआपुपाउँधारियेतहा ॥ अगस्त्यसौंपितत्र आइरामसीयदेखतै । सबंधुदंडवत्परेसप्रेमहूबिशेषते २९ ॥ चामर ॥ कुम्भजौउठाइलाइरामहीयहर्षते । रोमठाढ़सर्बअंगनयन नीरवर्षते ॥ आश्रमैलिवाइपूजिआसनैदियोमुदा । रामसीयलक्ष्म-णौफलैखवायऊतदा ३० कुम्भजातपाणिजोरिरामसोंबिनयकरी आगतोसिदंडकैस्वसर्बजानिऊहरी ॥ ब्रह्मपार्थनार्थरावणादिमा-रिबेलिये । तापसीमुनीशनैकृतार्थआइकैकिये ३१ ॥ बरवै ॥ ह्वै विराटरघुनंदनत्रिभुवनयेह । जोदेखियजलथलसबतबयहदेह ॥ रजगुणह्वैबिधिरचियहसबसंसार । देवअसुरनरखगपशुत्रिजग अपार ३२ ॥ सतगुणह्वैहरियहजगपालनकीन्ह । पृथ्वीभार उतारनजनसुखदीन्ह रुद्रधमोगुणपृथ्वीकरैसँहार । यहिप्रकार तवमायागुणविस्तार ३३ ॥ जाग्रतस्वप्नसुषुप्तौतुमगुणवान । साक्षीचिन्मयअव्ययपुरुषपुरान ३४ ॥ प्रज्वलिया ॥ ह्वैबिधिमाया तवप्रबलराम । बिद्यापढ़ैवैकुंठधाम ॥ अरुऔरअविद्याबंधहेत । जेहिबशनरहैलहियमनिकेत ३५ विद्यालहिउपजतभक्तिजान तातेअतिसैविद्याप्रधान ॥ तवभक्तिमोक्षप्रदबेदगाइ । नरहोतसु-खीतबतुमहिंपाइ ३६ हेरामजौनतवभक्तिहीनातेभवबंधनपरिरह तखीन ॥ अबसफलजन्मअतिसैहमार । रघुनंदनदर्शनलहितु-म्हार ॥ बहुकालकीन्हजोतपअपार । सोसफलभयोसबबिधिह-मार ॥ सियलषणसहितश्रीरामचंद । संततबसौममहृदयारबिंद ३७ ॥ दोहा ॥ पुनिमुनिरामहिंबिनयदै अक्षयशरतूणीर ॥ इंद्रध-नुषअशिनिशितजेहिबयैनिशाचरबीर ३८ ॥ नराच ॥ अगस्त्यकैबि

नयसियासमेतरामलक्ष्मनै। कियोसोमंत्रजाहिरावणादिज्ञानको हनै ॥ दियोमहेंद्रचापवानअक्षयंतुणीरहू। निरीतखड्गपाइभेप्रसन्नदोउबीरहू ३९ मुनीशकीरजाइलैकुलेसुपंचगाटिकै। शरासनैसुधारिबांणखड्गतूणठाटिकै ॥ बिलोकिमार्गगीधताहियोंकहासुडाटिकै। अयेनिशाचरैमहीगिराउशीशकाटिकै ४० ॥ भुजंगप्रयात ॥ सुनीरामबाणीहृदयशंकमानी। स्वनामैंबखानीकही दीनबानी ॥ तुम्हारेपितैऔहमैंमैत्रताई। रहीहैयथासोकथासर्ब गाई ॥ सुनादंडकैआइहैंरामसीता। महूंहोंइहौंदर्शनायेपुनीता ॥ इहांमार्गबैठेतुम्हारीनिहारौं। बसेअत्रबरषैबिताईजहारौं ॥ करौंमैंसदासीयकीअत्ररक्षा। तजौंदेहतवहेतलीजेपरीक्षा ॥ कहारामगीयैतुम्हैंसाधुजाना। रहौतातमेरेसमोपैनिदाना ४१ ॥ दोहा ॥ वृद्धगृद्धकरमानिकै सीतालषणसतेत ॥ पंचबटीगौतमी तट पहुंचेकृपानिकेत ४२ ॥ भुजंगप्रयात ॥ रचीपर्णशालातहांद्वैस्यहाई। बसेसर्वदातत्रमोदौघपाई। रशालादिवृक्षौफरैंसानूकूले। जिन्हैंइन्द्रउद्यानहूसोनतूलैं ४३ ॥ प्रज्वलिया ॥ सेवैसियरामहिं लषणलाल। निशिदिनराखतजिमिमणिहिंव्याल। फलफूल कंदनितमधुरलाय। अतिभक्तिसहितभोजनकराय। सजिबाण शरासनबैठिजागि। निशिदिनरक्षैंउरप्रेमपागि ॥ सियउभैमध्य अतिशैअनंद। रुचिराखतक्षणक्षणरामचन्द ॥ लालतलषणहिं दम्पतिकृपाल। निशिदिनफणिमणिइवसर्वकाल ॥ यहिभांति मुदितबनकरैंबास। शतअवधसरिसमनमोहुलास ४४ ॥ कवित्त ॥ एकसमयपंचबटीकुटीमेंबिराजैंरामनील जलजातगातसुन्दरसुभायकै। शीशहूजटामुकुटकटिलसैमुनिपटराजिवनयनगुणनिधि सबलायकै ॥ पाइकैएकान्तशांतउमाकान्त यथातथालक्ष्मणआय गहेपदचितचायकै। रागहूबिरागज्ञानभक्तिहूबिभागयुतनाथकरि कृपामोहिंकहौ समुझायकै ४५ ॥ हरिगीतिका ॥ सुनुतातहरिमाया

प्रबलजोशिवअजहिभ्रमकारिनी । क्षितिजलअनलअनिलहुगगन करिपंचजगबिस्तारिनी ॥ सुरअसुरनरपशुखगनिकरकीटादिजो बनरचिघने । चैतन्यजड़जङ्गमहुअस्थिरजोनकछुदेखेसुने । बिद्या अविद्याभेदद्वैतिनगुणसुनौंबिलगायकै । बाधैअविद्याजीवनैधन सुतकलत्रदेखायकै ॥ कामादिपटजाकेसुभटतेबशकरतहरषायकै । असकौनजोबांधे न इनछोभतमुनिनबरियाइकै ॥ अबसुनौबिद्या गुणबिमलसात्विकसुभावहिरुचिसही ॥ जपतपनियमसंयमब्रत नयोगादिआचरतैरही ॥ कामादिमलखलखटतजैबेदान्तअर्थहि संग्रहै । तनमनबचनबाहेरहुभीतरशुद्धह्वैसतगुणगहै । सुतदार औसंसारसंगबिहीनविषयबिरागहीं । अपमाननाननमनधरैनिंद्या स्तुतिहुत्यागही ॥ जगजीवनैलखिब्रह्ममयचैतन्यजड़सचराचरं । असिबिरतिबरजेहिउरबसैतेहिकहियज्ञानवतांबरं ४६ ॥ चौपाई ॥ सुनौतातअबभक्तिनिरूपन । जोलहिभक्तपरैंभवकूपन ॥ संततसत संगतिजिनकीन्हे । बिप्रचरणसेवतमनदीन्हे ॥ छलबिहायमम पदरतिजाही । मनबांछितगतिदेहौंताही ॥ हृदयधरैममरूपहि ध्याना । रसनागुणगणकरैबखाना ॥ चरणनचलिममधामहिजाई । पूजाकरनकरैचितलाई ॥ नयननसदादर्शअभिलाषै । कथाअमृ तममश्रुतिपुटराषै ॥ ममदासहिलखिमाथनवावै । सबतेअधिकमो हिंसोभावै ॥ जेसंततमोमेंमनराखत । ममगतिछाड़िनकछुअभि लाषत ॥ तेप्राणीमोहिंप्राणसमाना । वृथानकहौंमोरयहबाना ॥ करिकर्मनअरपनमोहिंकरईं । तेप्राणीभवसागरतरईं ४७ ॥ दोहा अन्य ॥ जेधर्महिजानतनहींकेवलममपदभाव । ताहिउधारौंनरक मेंकहौंसत्यपतिआव ॥ ४८ ॥ दयाधर्मजेहिउरबसैत्यागैसकल बिकार । शांतशुद्धजेभक्तममतेमोहिंअधिकपियार ४६ ॥ तोमर ॥ ममभक्तिजेहिअनुराग । स्वइपावज्ञानबिराग ॥ लहितौनपद निर्बान । जगमेंउपाउ न आन ॥ जेभक्तिविनगहैज्ञान । पशु

तेपिबिनाविषान ॥ सुनिरामकेबरबैन । परेपायँलक्ष्मणचैन ॥ अबसुनौदीनदयाल । ममिटामोहकराल ॥ मैंलहाज्ञानबिराग । तवचरणदृढ़अनुराग ५० ॥ दोहा ॥ यहिबिधिद्वादशवर्षगतमा सआठनवऔर । सूर्पनखाआईतहांगौतमितटशुभठौर ॥ ५१ भुजंगप्रयात ॥ लखारामपादांकितंभूमिभूरी । ध्वजावज्रपद्मांकुशं चिन्हरूरी ॥ गईसामुहेसीयनाथैबिलोकी । सकीआपनेचित्तको सोनरोंकी ॥ कहेबैनकामार्तह्वैसंगमेरे । रमौतोसबैसुक्खपैहौ घनेरे ॥ कहारामहैजानकीबाममेरे । पठैदुष्टकोलक्ष्मणैजायप्रेरे ॥ घुमाईतिन्हौंरामपैदौरिआई । कईबारताकोपठाईघुमाई ॥ तबै राक्षसीक्रोधकीन्होंअपारा । सियाशंकमानीजबैरूपधारा ॥ कहा लक्ष्मणौरामचन्द्रोबुझाई । बिनानाककानौंकियोताहिघाई ॥ च-लीताहिकेरक्तकीतीनिधारा । मनौशैलतेछूटगेरूपनारा ५२ ॥ प्रच्वि या ॥ गैसूर्पनखाखरत्रिशिरजोय । कलपतजलपतकहिकथा रोय ॥ अवधेशतनयलक्ष्मणराम । बसेपंचबटीसँगसोहबाम ॥ तेचाहतमहिनिशिचरसँहार । अपराधनमोहिंदुखदेअपार ॥ सुन तैखरखरतरक्रोधकीन्ह । चौदहसहस्रसँगसुभटलीन्ह ॥ धायेधरि आयेबिविधिघोर । गयोपंचबटीगौतमीओर ॥ सुनिशोररामल-क्ष्मणबुझाय । जानकिहिजाउकन्दरलवाय ॥ जनिउतरुदेवसुनु बघनमोर । गयोलषणसियाकन्दरैघोर ॥ सजिखड्गतूणधनुशर लगाय । यहिभांतिरामरणभूमिआय ५३ मालिनी ॥ खलदलच-लिआयोदेखतैरामचन्दै । शरशिखरप्रहारैशक्तिशूलादिवृन्दै ॥ धरुधरुधरिबाँधोनारिलीजैछुड़ाई । यहिबिधिजड़जल्पैअल्पबुद्धिः तुलाई ५४ दोहा ॥ लीलहिशरसंधानिप्रभु अरिआयुधसबकाटि॥ चौदहसहसनिशाचरन मारेरणमहिपाटि ५५ ॥ कवित्त ॥ ईषुधि छुवतइषुएकहीकेदशहोतकरहिकरतसतगुणसरसातुहै । चापहि चढ़ततेऊचौदहसहसलगुमारग चलततबलक्षदरसातुहै ॥ लक्ष

हुलगतकोटिबधिसकैअर्वखर्वयहिबिधिरामवाण बढ़तहिजातुहै ।
इश्वरीकहतशतपात्रद्विजैदानयथादीन्हेदिनदिनप्रतिफलअधिका
तुहै ५६॥ दोहा॥ खरदूषणत्रिशिरासहितबधेनिशाचरनीच ॥ अर्द्ध
पहरकेअन्तरहिपठैसुरालयबीच ५७॥ मालिनी ॥ तबलक्ष्मणसीतै
आयरामैमिलाई । करपरसतगातैअस्त्रपीड़ामिटाई ॥निशिचरमहि
लोटैचितकैविस्मिताई।पुनिसुखयुतबैठेपर्णशालैस्वजाई५८॥प्रज्व-
लिया ॥ लखिसूर्पनखानिशिचरसंहार । रोवतगैजहँरावणभुवार ॥
तेपूछाकेत्वहिं दुःखदीन्ह । हठिचहतयमालयबासकीन्ह ॥ बरुणे
न्द्रधनदअरुअपरजक्त । ममबलबिलोकिसगरेअशक्त ॥ अरुअपर
भूपकीटप्रमाण । केहिलीन्हचहसितैंआजुप्राण ॥ तबसूर्पनखास
बकहिसुनाय । अवधेशसुवनबनबसेआय ॥ जलजारुणदललोचन
बिशाल । रणजीतिसकैंकालहुकराल ॥ अतिसुन्दरदोउलक्ष्मण
राम । त्रिभुवनसुन्दरिसंगसोहैबाम ॥ तवहेतगईमैंताहिलेन ।
श्रुतिघ्रानहीनमोहिंकीन्हतेन ॥खरदूषणलैचौदहहजार । सँघसु-
भटमोरिलागेपुकार ॥ तेरामशरनहतिपरेभूमि । वैपंचबटीबसेजा
यघूमि ५६ ॥दोहा ॥ सुनिरावणक्रोधितभयो विस्मयलहीअपार ॥
चौदहसहसनिशाचरनमारेमनुजकुमार ६० ॥ नराच ॥ सहोदरै
प्रबोधिलंकनाथमन्दिरैगयो । परीनरैननींदचितहूगंभीरहीभयो॥
विहायविष्णुऔरकोनदूषणैखरैहनै। बिरोधकैमरेबनैभजेनतामसी
तनै६१ बिचारिपुष्टचित्तकैप्रभातहोतजाइहौं । जोपैमनुष्यतौछाड़ा
यनारितासुलाइहौं ॥ कदापिविष्णुजोसुरार्थदेहधारिमारिहैं।कुटुंब
युक्तमोहिंतौबिशेषिकैउधारिहैं६२उठोरथैसवारह्वैमरीचपासआ
यऊ।भनोरथैसुनायसोपिनीकनाबतायऊ ॥सुनौहमैंफेकायबाणसं
गसातरातिही।स्वतेपिरामसोंबिरोधकैभलोनहैकही६३अनादरैसु
ताहिकैखनायकैमृगाछली। मणीसुवर्णमैंबनीसुदेहताहिकीभली॥
गयोतुरन्तदण्डकैजहांबिदेहकीलली।चरैसुपत्रपत्रतत्रधायकैगली

गली ॥ ६४ ॥ इहाँसमस्तहालजानिरामसीयसोंकहा। छली मृगावनायराक्षसेंद्र आयऊइहा ॥ त्वमेवपावकैबसौसँहारिराक्षसै सबै। बिहायवर्षएकमोहिंआयकैमिलौतबै ६५ ॥ चामर ॥ मानि रामकोनियोगसीयपावकैरही। मायास्वरूपकोबनायथापितन्नरा मही ॥ लक्ष्मणौनभेदजानिजौनकीन्हजानकी। भोतबैमृगाप्रतक्ष छांड़िआशप्राणकी ६६ सोमृगाबिचित्रतासियाबिलोकतैरही। छालताहिलाइयेकृपानिधानसोंकही ॥ रामहूंकटिप्रदेशबांधि खड्गभाथही। दक्षिणेकरैनराचचापबामहाथही ॥ ६७ ॥ सौंपि सीयलक्ष्मणौअनेकभांतिसोंकहा। मायबीनिशाचरौफिरैंसुदण्डकै महा ॥ बाणचापपैचढ़ायअत्रठाढ़हीरह्यो। योंसिखायआपहूकुरं-गमार्गकोगह्यो ६८ ॥ हरिगीतिका ॥ भाग्योकुरंगबिलोकिरघुबरदु-रतप्रकटतछलकिये। फिरिफिरिबिलोकतमधुरमूरतिप्रेमशंकहि करिहिये ॥ यहिबिधिगयोलैदूरितबहरिजानिनिशिचरशरहना। महिपरिपुकार्योलक्ष्मणौउररामपुनिधरिनिजतना ॥ तेहितेज प्रभुमुखप्रविशितुरतैसुरनलखिबिसमयलहा। अतिनीचअधमनि-शाचरौतेपायदुर्लभगतिमहा ॥ सुनिकपटनिजमुखबचनबतरघु-नाथमनचिन्ताधरी। पगमगउतालनपरतजनुजानकिहिलखिनि-शिचरहरी ॥ ६९ मालिनी ॥ निशिचरछलबाणीजानकीकानआई। कहलक्ष्मणजैयेबेगिभ्रातासहाई ॥ त्रिभुवनभटजेतेजोलरैंएकबा-री। तबहुंनमनलैयेरामछे शाधिकारी ॥ मुनिलक्ष्मणबाणीजान कीकोपकीन्हा। कहिकटुककुवानीशूलसीषेददीन्हा ॥ तबमहि करिरेखाआश्रमैसोघुमाई। रघुपतिपहँगमनेचित्तचिंताधिकाई ॥ ७० नराच ॥ ततोतरंबिलोकिभिक्षुरूपरावणौधरा। अकेलिसीयको बिचारआइयाचनाकरा ॥ प्रणामकैसुतापसैफलादिदेतभावतै। टिकोखुशीतुम्हेंकरैंसबंधुरामआवतै ७१ ॥ हरिगीतिका ॥ कौनितुम सुन्दरिसुलोचनिकौनतवपतिगाइये। केहिहेतुकाननआइनिकसे

हमैंसर्बसुनाइये ॥ कहजानकीअवधेशपितुआयसुअकनिबनआयऊ । ममसहितममपतिबंधुयुत चौदहबरसबनपायऊ ॥ तुम कौनमैंरावणबिदितत्वहिंलेनआयोंकाननै । रेदुष्टवचनबिचारिकहु जनिप्राणदेहरिवाननै । करिक्रोधनिजरूपहिप्रकटिदशशीशअरु बिंशतिभुजा । महिरेखकरनमिटाइरथहिचढ़ाइहठिलीन्हीकुजा ७२ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुदिमाघचतुर्दशितिथिगनाइ । अरुवृन्दमहूरतसमयपाइ ॥ छलकरिमायासियहरीमूढ़ ॥ लैगयोगगनकरिरथअरूढ़ ॥ हारामलषणकहिबारबार।रोवतसीताभययुतअपार॥ सुनिदीनवचनसीतैसुजान । धायोजटायुमनक्रोधआनि ७३ ॥ दोहा ॥ काटाधनुरथकरिबिपुलयुद्धजटायूघोर।सीतहिलीन्हछुड़ाइ हठिचलानरावणजोर ७४ ॥ प्रज्वलिया ॥ खिसियाइनिशाचरखड्गलीन्ह । गीधैप्रहारिबिनपक्षकीन्ह॥पुनिअपररथैसीतैचढ़ाइ । गवन्योउतालउरभयबढ़ाइ । हाराघवमोहिंलीजैछुड़ाइ । रोवत सीताअतिशोकपाइ ॥ हालक्षमणमैंअज्ञानकीन्ह । बिनदोषतुम्हैं अपराधदीन्ह ७५ ॥ दोहा ॥ तबअकाशतेजानकीगिरिपरकपिन निहारि । रामचीन्हहितआभरणदीन्हेतिनपरडारि ७६ ॥ भुजंग प्रयात॥ गयोलंकराजानिजैराजधानी।टिकाईसियैबाटिकैमातुमानी करैराक्षसीभूरिरक्षाविशेषी । दिवारात्रिहूजैनलावैनिमेषी ७७ ॥ नराच ॥बिरंचिकोनियोगपाइइंद्रआइसीयसों । प्रबोधिहव्यकोखवायगेनजानतीयसों ॥ सदैवरामनामहीजपैसुध्यानलाइकै । कृशांगदीनमौनहूवैरहीसशोकछाइकै ७८ ॥ इहांकृपालरामहूछली मृगासँहारिकै । चलेनिजाश्रमैसुमागीलक्ष्मणैनिहारिकै ॥ मलीन दीनरूपहीनशोकसोतिन्हैंकहा । सियाअकेलिछांड़िअत्रआइकै कियोकहा ७९ ॥ कहासुरोइलक्ष्मणोपदारविंदपर्सिकै । पठाइ मोहिंजानकीकठोरभाषिभर्सिकै ॥ सचिंतनीयरामभ्रातरौतुरंत आयऊ । बिहीनसीयआश्रमैबिलोकिदुःखपायऊ ८० तोटक ॥

सजिबाणशरासनबीरदोऊ । सियढूंढ़तबेलिनकंदरऊ ॥ लखि घायलगीधपरासुतहां । सियचोरवृतान्तसमस्तकहा ८१ ॥ कवित्त ॥देखिरघुबीरपीरगीधकीअधीरह्वैकैहायकहिधाइउरलाय लीन्होंजाइकै । क्षतजसमूहजोइक्षतसबरोइधोइ करुणासमोइ नैननीरसोंन्हवाइकै ॥ ऊनोभयोजानकीकोबिरहबिशेषजौन दूनो दशरथहूतेशोकसरसाइकै । ईश्वरीकहतऐसीपीरजाहिदासनकी ताहिमनभुजक्योंनकपटबिहाइकै८२॥ दोहा ॥मृतकगीधतनदाह करिअपरकर्मसबकीन्ह ॥ सुरपुरपठयोतुरतही बासपिताढिग दीन्ह ८३ ॥ चौपाई ॥ पुनिजानकीबिरहरघुबीरा । कहतबचनमन धरतनधीरा ॥ जोपैजियतप्रियानहिंपैहौं । त्रिभुवनसबक्षणमाह नशैहौं ॥ सहितलोकपालनकरिघाता । सुनिलक्ष्मणभयोकंपित गाता ॥ डोलैधरासिंधुउच्छलई । भूधरजिततितखसिखसिपरई शिवचतुराननसुनतडेराने । कमठबराहशेषअकुलाने ॥ तबलक्ष्म णप्रभुपदधरिशीशा । नाथचराचरकेतुमईशा ॥ मान्धातासगरादि महीपा । अंबरीषरघुअपरदिलीपा ॥ भगीरथीअजदशरथताता । पालिप्रजाजिमिसुतपितुमाता ॥ तिनकुलरीतिबढ़ावनवारे । राउर योग्यनबचनउचारे ॥ बचनसुनतलज्जितप्रभुभयऊ । अनुजउठाइ लाइउरलयऊ ८४ ॥ दोहा ॥ अतिउतंगगिरिशिखरचढ़ि गह्वर गुहनमझाय ॥ सीतैखोजतहीभयोबशकवंधकेआय८५ ॥ नराच ॥ कहालक्ष्मणौरामजूईशमाया । मुखौपादहीनीलखौभूरिकाया ॥ प्रचण्डैभुजायोजनान्तरघुमाई । सबैजीवभैवेष्ठिकैबेगिखाई ॥ अये राक्षसैमारिबेयुक्तजानौ । कहालक्ष्मणौदोउभुजाबेगिभानौ ॥ तबै खड्ग लैदाहिनीरामकाटी । रहीताहिभ्रातैमहीछांटिपाटी ८६ ॥ हरिगीतिका ॥ निशितासिलैभुजदण्डखण्डिप्रचण्डभूतलसोंपर्यौ । धरिदिव्यरूपबिमानचढ़िप्रभु बिनयबहुभांतिनकर्यौ ॥ मैंपूर्व गंधबरूपगर्बितअष्टबक्रमुनिहिहँस्यौ।तिनकहानिशिचरहोसितब

मैंपायँपरिमनमहँत्रस्यौ ॥ पुनिकहामुनिरघुबंशहरिअवतंशह्वै बनआइहैं । तोहिंमारिदेहैंसुगतिशुभ अघवघसकलनशाइहैं ॥ बिधिदीन्हबररघुबीरबिनतैं अपरभटनअवध्यहै । सुरपतिहुमारे नहिंमरौशिरपदकियोधरमध्यहै ८७ ॥ दोहा ॥ बिधिवरमुनिवरशा पहूंभयोआजुसुखधाम ॥ प्रभुपदकमलबिलोकिमैं मुक्तिलहीअभि राम ८८ ॥ चामर ॥ त्राहित्राहिजक्तनाथमाययासमाजते । सोन मोहिंबांधईकृपासमुद्रआजुते ॥ चापतूणबांधिश्यामगौररामलक्ष्म नं । ज्योंमहेशमानसंबसौतथैवमेमनं ८९ एवमस्तुरामचन्द्रताहि सोंकहातबै । जाउवत्समेपुरैजहांअनन्दहैसबै ॥ जोकदापिनेकहू सियावृतान्तजानहू । तौहमैंविशेषकैबिधानसोंबखानहू ९० ॥ दोहा ॥ जैयेसेवरीभवनप्रभु कहीसोसियाहवाल ॥ चरणबन्दि गन्धर्बगोपुरबैकुण्ठनिहाल ९१ ॥ हरिगीतिका ॥ पुनिसीयखोजत फिरतजहँतहँद्रुमलतामुनिवरथली । सेवरीनिकेतसमीपसुनिआ-नन्दउठिमनमोभली ॥ परिपायँलाईभवनहीं अरघादिदैआसन दियो । फलमधुरबिविधिखवाय भावसमेतपहुनाईकियो ॥ मैं मंदअधमकुजातिप्रभुतवकौनिबिधिअस्तुतिकरौं । हेदीनबंधुकृपा निधानसो करौतवपदअनुसरौं ॥ सतसंगकथाप्रसंगसेवतगुरुहि ममगुणगावही ।जपमंत्रभजनस्वमनदमसज्जनस्वधर्महिभावही॥ हरिमयलखैजगचराचरसंतोषमोरभरोसही । कुलहीननवमेंएक हूजेहिहोइसोप्रियमोहिंकही ॥ स्त्रीपुरुषकुलअकुलकोऊजीवउर असआवई ॥ संसारकूपबिहायप्राणी तौनमोकहंपावई ९२ ॥ तोमर ॥ तेहिदीनबंधुकृपाल । निजभक्तिदैततकाल ॥ सियसौंध तैंकछुपाव । तेइरीकमूकबताव ॥ सुग्रीवसचिवसमेत । त्यहि मिलौअतिकरिहेत ॥ सोइसीयसोधलगाइ । सबभांतिकैसेव काइ ॥ अबसुनौरामरमेश । मैंकरोंअनलप्रवेश ॥ तबलौंरहौ रघुवीर ।मिलौंतोहिंछांड़िशरीर ९३ ॥ दोहा ॥ असकहियोगानल

जरी निरखतलक्ष्मणराम । मुनिदुर्लभगतिपाइसो गईतुरत हरिधाम ९४ ॥

इतिश्रीमद्रामायनेपूर्वचरित्रांतरगतईश्वरीद्विज भाषाकृतेआरण्यकाण्डःतृतीयःसमाप्तः॥



श्रीगणेशायनमः

रामविलास रामायण ॥

किष्किन्धाकाण्ड ॥



दोहा ॥ सुमिरिभवानीभवगनप रामलखनबरबीर ।
सियखोजतगेद्रुमलता बिपिनमहागम्भीर १ ॥

चौपाई तेहिनिदेशपंपासरतीरा । आयेमनुजसहितरघुबीरा ॥ करि अस्नानध्यानबिश्रामा । सकलमुनिवरनकीन्हप्रणामा ॥ पूछा मगतिनदीन्हदेखाई । रीकमूकगिरिरहनियराई । करकोदण्ड बाणबरसाजे । महारौद्रबरबीरबिराजे ॥ देखिकपिनमनशंकबढ़ावा । पवनजकरिबटुरूपपठावा ॥ निकटजायपूछाभगवाना । तनमनबिमलभयोहनुमाना ॥ परेचरणअतिहर्षबढ़ाई । हृदयलगायलीन्हरघुराई ॥ पूछाकपिचरणनशिरनाई । क्यहिकारणबन फिरौगोसाईं ॥ तबरघुनाथकथासबगाईं । बनबिचरनकारन समुदाई ॥ समाचारसबहनुमतपाये । पृष्ठिचढ़ायतुरतलैआये २ ॥ नराच ॥ बिलोकतैकपीशहूस्वरूपरामलक्ष्मणौ । त्रिलोकनाथजानियोविशेषआपनेमनै ॥ उठेसुकंठपादबंदिपातआसनैदियो । परस्परंस्वपूछिप्रीतिभावभूरिकैहियो ३ ॥ अनगधरशेखर ॥ नियोग नाथयाकैसुलक्ष्मणौबनाइकै सुआदितेलगाइकैसुकंठहीसुनाइकै । बरप्रदानकंकईभरत्तराजज्योंभईखरादिनैकियोक्षईबनैस्वरामआइकै ॥ यथामृगाक्षलीहयोसियाबियोगज्योंभयोजटायुमोक्षहूलयोकवन्धगोसुरालयं । मिलापसेवरीबताइरीकमूकदीखआइबात जातअत्रलाइभक्तहेततेभयं ४ ॥ माराच ॥ प्रियाबियोगजानिभूरि

वानरेंद्रहूकहा । बिहायसलखामहूबिलापतीरथैमहा॥ बिलो-
किपर्वतैहमैंस्वडारिभूषनंदियो । प्रवश्यराक्षसेंद्रगैसुदक्षिनैदु
खीहियो ५ दियासुकंठभूषनौस्वचीन्हिरामजूतथा । सिया
सियापुकारिभूरिरोयप्राकृतोयथा ॥ प्रबोधकीनलक्ष्मणंस्वधीर
चित्तधारिये। सियाछुड़ाइलाइयेरिपुंप्रचारिमारियेह॥ भुजंगप्रयात॥
तबैभाषिसुग्रीवकैप्रतिज्ञा॥ सियालायदेहौंकरौमोहिंआज्ञा॥रणं
रावणंमारिसेनासमेतं। हियेधीरआनौंमहाकाजयेतं॥ तहांबातजं
अग्निसाक्षीकराई । मिलेरामसुग्रीवकैमैत्रताई ॥ कहारामहूभीर
क्योंमित्रमेरे । कहौसोहरौंसर्बदुःखौघतेरो ॥ सबैसर्बसुग्रीव
वृत्तान्तगायो । मयावीमहादैत्यमेंग्रामआयो ॥ स्वबैंयुद्धयांचा
कपीशैप्रचारा । महाक्रोकैबालिमुष्टिप्रहारा ॥ गयोकंदरैभागि
भैभूरिपाई। बधैहेतुताकेगयोबालिधाई। महूंमोहतेभ्रातकोसाथ
दीन्हा । थप्योद्वारआपैगुहैगौनकीन्हा ॥ भयोयुद्धमासोर्द्धलौ
ताहिमारा । तहांतेबहीरक्तकीघोरधारा ॥ महूंशंकिद्वारेदबायो
पहारा । कहाआयग्रामैंगयोबालिमारा ७॥ दोहा ॥ ॥ मंत्रिन
बिननृपदीखपुरमोहिंकीनकपिईश॥रिपुहतिआयोबालिगृहमारा
मोहिंकरीस ८॥ तोमर मोहिंदीन्हदेशनिकारि । हरिलीन्हश्री
अरुनारि । जगघूमिसर्बमझाइ । इहितेरह्योंइतआइ॥ ऋषि
शापबालिहियेह । गिरिदेखिछूटिहिदेह॥ अबरामपदअभिरा
म। लखिभयोपूरणकाम॥ दोहा ॥ सुनतैप्रभुप्रणकीन्हयह भोर
हिमारौंबालि॥तबकपीशदेखराइयो दुंदुभिसिरतालालि १०॥
भुजंगप्रयात॥ सुनौमित्रनाबालिसोंबीरकाई । तिन्हेंजोबिदारैबधै-
ताहिसोई ॥ माहादुन्दुभीदैत्यकोजाहिमारा । बिलोकोसिरै
ताहिकोज्योंपहारा ॥ तबैरामपदांगुठातेउड़ायो । दशंयोजनां-
तर्गिरोभूमिआयो॥ पुनःचापलैबानमाराकराला। गिरेशापदग्धा-
हिलैसप्ततालो॥ तबैहर्षिसुग्रीवकैरामपूजा । भरोसोभयोभाग

मोसोंनदूजा । पठायोसखेबूतदैजाईगर्जा ॥ भिरोआइबालीमहा-
बीरतर्जा । परस्पलरैहारिमानीनलघोऊ । नछांड़ोसरैएकरूपैद्ववो
ऊ॥तबैभागिसुग्रीवगेरामपासा । महाराजआपैकरैंमोरिहासा ॥
कररूपर्शिमित्रांगपीड़ामिटाई । अभयकैगरेपुष्पमालामेलाई ॥
सदृश्याद्वऊभ्रातताताेनमारा । पठायोबड़ोबोधकैसोपुकारा ११
दोहा ॥सुनतबालिक्रोधितभयो तबसमुझायोनारि । तदपिनमा-
न्योजाइसोमुष्टिकहनीप्रचारि १२ ॥ मधुमार ॥ द्वौलरतबीर । अ-
तिप्रबलधीर ॥ मुष्टिकप्रहार । मानैंनहार ॥ रघुनाथलखा । श्रम
पाइसखा ॥ हतिकठिनबाण । लियोबालिप्राण ॥ पुनिउठिसँभा
रि । संमुखनिहारि ॥ रघुबीररूप । अतिशैअनूप ॥ अनुचित
खरारि । किमिमोहिं मारि ॥ अस्तुतिउचारि । सुरपुरसिधारि
१३ ॥ दोहा ॥ सुनितारादिबिलापयुतआईबालिसमीप ॥ तिन-
हिंप्रबोधाज्ञानकहिबहुबिधिरघुकुलदीप १४ पुनिअंगदसुग्रीव
मिलिमृतककर्मसबकीन्ह । लोकवेदबिधिदेशमतिद्विजनदान
बहुदीन ॥ १५ भुजंगप्रयात ॥ तबैआयसुग्रीवपूरेअनंदे । शिररूपर्शकै
रामपादारबिंदे ॥ कृपाकैकियेमोरसर्बोपकारा । हरेसर्बदुःखं
बलीबालिमारा १६ ॥ दोहा ॥ अबचलियेपुरकृपानिधिराज्यश्री
सबलेउ । करौराज्यमोहिंलखततबनिजपदसेवादेउ १७ प्रज्व-
लिया ॥ तबबिहँसिकहाकरुणानिधान । तोहिंमोहिंनभेदकछुस-
खाआन ॥ चौदहबरषैपुरमेंनजाउं । पितुआयसुबनफलकंदखा-
उं ॥ तुमजाउतातअपनेनिकेत । करौराज्यसुखीअंगदसमेत ॥
पैसियखांजउतनमनलगाइ । मैंबसबप्रबर्षणगिरिहिजाइ ॥ प्रभु
आयसुलैलक्षिमणसुजान । सुग्रीवसहितपुरकरिपयान ॥ तिन
आयसुखैभूपालकीन्ह । अरुअंगदकोयुवराजदीन्ह १८ ॥ नराच ॥
पुरागुहसँवारिदेवराजचित्रताघनी । जालाशयंलगाइभांतिभांति
रंगकीमनी । थपेसुबेलिवृक्षयत्रतत्रतेहरेरहैं । सुगन्धस्वादयुक्त

सर्वदाफरेरहैं १९ तहांसुरामलक्ष्मणौनिवासकीन्हजाइकै। जलंक्रतुंबिताइचारिमाससुःखपाइकै। कहैंपुराणज्ञानभक्तिमर्बचित्तलाइकै। शिलार्चनंबिधिंकहाकृपासमुद्रगाइकै २० उठैप्रभातजोसुधीसुभक्तिशौचकैसबै। नहाइशुद्धआसनैअसीनहोइसोतबै। सुरान्पितृन्सुतर्पिसंध्यहूकरैबिधानसों। प्रतिज्ञयाकरैसुपूर्वज्ञानकेप्रमानसों २१ निजंगुरुंप्रपुज्यआदिबिष्णुरूपजानिकै। परंकरैशिलार्चनंपदार्घमंत्रगानिकै॥ नहोइबस्त्रब्रह्मसूत्रचन्दनंचढ़ाइकै। सुगन्धपुष्पतूलसी सधूपदीपचाइकै २२ अगस्तउक्तपूजियेदशौअवर्णभक्तिते। हबिष्यअन्नपायसंमधुर्यथाशक्तिते॥ वेद्यदैनिराजनंकरैंहृदयप्रमोदते। लवंगपानयुक्तदैंबिनैकरैंबिनोदते २३ नमोनमःकृपासमुद्रसर्बजक्तकारणं। नमोस्तुभक्तमुक्तिदंसमस्तदोषदारणं। नमोस्तुरामचन्द्रकोशलेन्द्रजानकीपतं। बिशुद्धज्ञानदंबिभोनमोस्तुतेमहामतं २४॥ मालिनी॥ यहिबिधिनितभाईजोकरैंचित्तलाई। स्वइममपुरजाईमोक्षसायुज्यपाई। सुनुअपरसोहाईमानसीरीतिऐसी। जिमिप्रतिमोहिंपूजैभावसोध्यानतैसी। ज्वाइघटभवगाईपाइकैबुद्धितीक्ष्णै। अतिबिमलबिवेकीरामसेवीसुतीक्ष्णै। रघुबरपरमूर्तिंचिंतियेध्यानलाभं। कमलबिसदनेत्रंश्यामइन्दीबराभं॥ ममउरजलजातकर्णिकारं पुनीतां। अवरणसहराजोरामसौमित्रसीतां॥ मनबचअरुकाया कर्ममेंजेघनेरे। स्वइसबअबलीजैरक्षमांपाहितेरे २५॥ दोहा॥ जन्मपाइदिनप्रतिकिये कोटिनमैंअपराध। पाहिपाहितवशरणप्रभुतेनसकैंमोहिंबाध २६ यहिबिधिशालिग्रामशिल पूजैनरकरिभक्ति॥ अथवापूजामानसीकरैसोपावैमुक्ति २७॥ भुजंगप्रयात॥ उहांबातजातंकपीसेसुनायो। सियानाथकोकोतजैंक्योंभुलायो॥ तुम्हारेहितबालिबीरैसँहारा। श्रीराजसंयुक्तराज्यंपधारा॥ कृतघ्नीनकीजैकरौसीयशोधें। नतौरामतोपैकरैंघोरक्रोधैं॥ सुनीसत्य

बाणीहृदयशंकपायो । दिशासर्बकोकीशकोटिनपठायो २८॥ दोहा ॥ मासएककीअवधिदै सबहिकहासमुझाय ॥ यहिबिधिपवनकुमार तब पठवाभयदेखराय २९॥ चौपर ॥ इतरामनरइवभूरि । अतिशोच सियाबिसूरि ॥ निशिद्यौसहृदयगलानि । बधिबालिनीतिनजानि ॥ कपिराजशुद्धिनलीन्ह । सियशोधकीन्हनकीन्ह ॥ कहराम लक्ष्मणजाय । त्यहिलाइयेडरपाय ॥ सजितूणचापकृपान । गय भ्रातेजनिधान ॥ लखिलक्ष्मणौअतिक्रोध । परिपायँकपिकरि बोध ३० ॥ दोहा ॥ सहलक्ष्मणसुग्रीवतब परेआयप्रभुपाय ॥ जे चरणनकहसिद्धगण मुनिजनरहेलोभाय ३१॥ कवित्त ॥ लच्छिनित लालितललितकरतलनिजबारिजबरणमुदमंगलकरणहैं । गंग जीकेजनकअनंगअरिप्रियअति द्विजत्रियनृगहूकेपातकहरणहैं ॥ श्रुतियशगावतलावतउरसुरसिद्धशेषशिवईश्वरीस्वतारणतरणहैं। बलिकेक्षरनदुखदोषनदरणहरिचरणशरणकहपोषणभरणहैं ३२ सवैया ॥ अतिशीशमनोपमश्यामलगातमनोहरकोटिनकामलजावन । शुठिशीशजटाउरआयुतहैजलजारुणलोचनतापनशावन ॥ बरबाहुअजानधरेधनुबाणसुआननपूरणइंदुसुहावन । इश्वरीलखिरूपसियावरकोकपिराजपरेपुनिपावनपावन ३३ ॥ चौपाई ॥ चहतनिदेशनाथउरलायो । कृपासिन्धुकरगहिबैठायो॥ बहुप्रकार अङ्गदकरमाना । करिबैठारामसुजाना ॥ भूतलरहेभालुकपिजेते । कपिपतिआयसुआयेतेते ॥ श्वेतरक्तपिङ्गलनीलेतन । कोउकर्बुरस्थूलकोऊजन ॥ कोउमत्तेभसमानबिराजैं । कोउपर्बताकारतन राजैं ॥ पिङ्गलनयनअरुणमुखसगरे । बालधिमहिआकाशलौंबगरे ॥ सकलयुद्धजयशीलकपीशा । रावणकहांकहैकरिरीशा ॥ पदुमअठारहसैनपसीवा । सैनसुभटअनगनितअतीवा ॥ दशदशकोटिगयेदिशिसगरे । महीआकाशपतालौंबगरे ॥ मासअवधिकरिगे सबबन्दर । जोनहिंआवसोदण्डपावपर ३४ ॥ दोहा ॥ जामवन्त

नीलादिभटअङ्गदओहनुमान॥ लैआयसुगमनेतुरतहृदयराखिभगवान३५॥ तोमर॥ दशकोटिसँगभटकीन्ह। अरुअवधिमासकिदीन्ह॥ सियखोजबिनाजोआयास्वइदण्डमोसनपाय३६॥ कुण्डलिक॥ तबपयानकेसमयप्रभुपवनजनिकटबोलाय। निजकरमुँदरीताहि दैसीतैदीन्ह्योजाय॥ सीतैदीन्ह्योजायचीन्हिनिश्चयउरलैहैं। ममप्रतीतिकेहेतुआपहूत्वहिंकछुदैहैं। ममप्रतीतिकेहेतुभाषिहैंपूर्वकथासब। समाचारसोपाइ आइयोइतहीकोतब ३७॥ प्रज्वलिया॥ यहिकाजहेतुतुमहनोमान। बलबुद्धिनिपुणसबबिधिप्रमान॥ मगगच्छतुम्हैअतिशुभनिदान। प्रभुचरणबन्दिकपिकरिपयान॥ सियखोजतगिरिबनसबबिशेख। तहँएकनिशाचरप्रबलदेख॥ कहैरावणयहसियहरीजाहि। करिशोरकपिनतबहताताहि॥यहिबिधिखोजतबनगयोआन।भेतृषितसकलमुखभोमलान॥ तहँदीखएकगिरिगुहाजायाजलभीजिनिकसिपक्षीनिकाय॥ तेहिप्रविशेदृढ़मतकरिबनाय। मणिमयमंदिरतहँदीखजाय॥ यकयोगिनिहरिउरधरेध्यान। करिबिनयताहिउरअतिडेरान॥ तेहिपूछातुमकोकहौगाय। केहिहेतुममाश्रमधर्षआय॥ कहहनोमानतेहिकरिप्रणाम। अवधेशसुवनलक्षमणराम॥ पितुआयसुबसिबनसहितबाम। कपटीमृगमारणगयेराम। छलकरिरावणहरिनामलीन्ह। तबरामसुकण्ठहिमित्रकीन्ह॥ कपिपतिआयसुसियखोजहेत। बनफिरततूपारतभेअचेत॥ हमसुकलबिकलफिरैंजलउपाउ। तवचरणलखेइतबिधिबनाउ ३८॥ चौपाई॥ तुमनिजसमाचारकहुगाई। तबयोगिनिकहहर्षबढ़ाई॥ खाउमधुरफलकरिजलपाना। पूछहुतबममकथानिदाना॥ सुनिआयसुतिनरुचिफलखाये। करिजलपानबहुरिढिगआये॥ योगिनितबनिजकथासुनाई। प्रभादिव्यनिजनामबताई॥ मैंगन्धर्बसुताअभिरामा। बिचरतरहौंसदाबिधिधामा॥ लखिबिरंचिमोहिंकरुतप

जाई । पैहोमोक्षदरशहरिपाई ॥ त्रेताब्रह्महोयँनररूपा । तासु नारिहरिनिश्चरभूपा ॥ तेप्रभुदूतआवतवआश्रम । मगदरशाय मेटितिनकोभ्रम ॥ मूंदौनयनगुहातजिजाहू । पैहोसियासुयशजय लाहू ॥ मूंदिनयनतिनतुरतउघारे । ठाढ़ेसबकपिसिंधुकिनारे३९ तोटक ॥ तबदिव्यप्रभाप्रभुपासगई । परिपायँननिश्चलभक्ति लई ॥ प्रभुआयसुगैबदरीबनको । परधामगईतजिकेतनको ४०॥ मधुभार ॥ अङ्गदप्रवीन । उरशोचकीन ॥ कन्दरभुलाय । भयोमास आय ॥ सियसुधिनपाय । काकहबजाय ॥ म्वहिंशत्रुतनै । लखि भूपहनै ॥ असउरबिचारि । भरिनयनबारि ॥ तबहनूमान । उप देशिज्ञान ॥ तुमप्राणप्रान । कसकहुअयान ॥ यहगुप्तबात । सो सुनौतात ४१ ॥ मालिनी ॥ सुततुममतिमानौराममानुष्यभेवा । त्रि भुवनपतिजानौसर्बदेवाधिदेवा ॥ यइसियनहिंनारीआदिशक्त्या वतारी । लक्ष्मणतनधारीशेषसोभूमिभारी ४२ हमतुमकपिजेते सर्बबैकुण्ठवासी । अनुचरसुरसर्बेसर्बयेपुण्यरासी ॥ हरिचरितअ- पारंजानिकाहूनपावा । सुनिपवनजबाणीअंगदैबोधआवा ॥ तब सकलमहेन्द्रापर्बतैकूदिआयो । पवनजनलनीलंजाम्बवान्बालि जायो ॥ करिबिबिधिवितर्कैबैठदमैंबिछायो । सुनिबचनकुलाहल दौरिसम्पातिआयो ॥ दिनबहुतकबीतेमैंमरौंबेअहारा । अबसब यइखेहोंआजहीएकबारा॥सुनिसुभटडेरानेअंगदंयोंबतायो । धनि सुयशजटायूरामकेकामआयो ॥ रघुपतिहितकरनीसर्बगीधैसुना या।सुनिबचनप्रतीतैसोंहदैतीरआयो॥अबअनुजहिपानीदैमहूंअत्र आवों । उरधरहुसुधीरैजानकीहालगावों ॥ असकहिनिजभ्राते बारिदैफेरिगायो । अवनिजजिमिलंकैरावणादुष्टलायो ॥ जलनि धिभयकारीयोजनौसौअपारा । त्यहितटत्रिकुटाख्यंविस्तृतंसोप- हारा ४३ ॥ नराच ॥ तहांसुवर्णरत्नमैपुरीसुनामलंकहै । बसैंनि- शाचरौघयुक्तरावणानिशंकहै ॥ अशोकतत्रबाटिकाबिचित्रमध्य

जानकी। समूहआसपासबैठितीयथातुधानकी ४४ ॥ दोहा ॥ भयेमासदशजानकिहिशोचसमेतबिताव। होइपराक्रमजाहिसो देखिवेगिफिरिआव ४५ असकहतैतबगीधकेजामेपरततकाल। लखिविस्मयसबकेभयोकहासकलनिजहाल ४६ ॥ बरवै ॥ हमद्वौबंधुप्रथमबलगगनउड़ान। अनुजधूममेंमदबशरबिनगि चान ॥ ४७ ॥ जरेपंखरवितेजहिगिर्योंअचेत। देखिचन्द्र मुनिमोहिंतबकृपासमेत ॥ ४८ ॥ ममअभिमानछुड़ायोज्ञानसि-खाइ। जमिहैंपरकरुनिश्चयअवसरपाय ॥ ४९ ॥ त्रेताहरिअव तरिहैंहरैंमहिभार। तासुनारिहरिलाइहिलंकभुवार ॥ ५० ॥ ता-सुदूतमिलितुमतबसियसुधिगाव। तनपबित्रह्वैतुरतैपंखनपाव ५१ ॥ चगाच ॥ लखौहमैंबिशुद्धह्वैनयेसुपक्षपायऊ। अपारदृष्टि गीधकेसियातुम्हैंबतायऊ ॥ करौसुयत्नजाहिसिंधुनांघिपारजाइये। प्रबोधिजानकीबहोरिअत्रबेगिआइये ॥ ५२ ॥ चामर ॥ जासुनाम गावतैभवाणंऊसुखातहैं। तासुदूतनैकहौसमुद्रकौनिबातहै ॥ कीशनैसिखायगीधजातभोंअकासही। अंगदादिबीरनैसुनेभयो हुलासही ५३ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबअंगदकहबीरनसुनाय। कोसु-भटबारिनिधिपारजाय ॥ जोजनकसुतैलखिकहैआय। यशलहै बिपुलकपिकुलजियाय ॥ ५४ ॥ निजनिजपौरुषसबकहैंगाय। दशबीसतीसयोजनबताय ॥ कहअंगदमैंसकौंजायपार। पैशोच हृदयघूमतीबार ॥ ५५ ॥ तुमसबलायककहजामवन्त। सोकिमि पठइयसबकर्पिनकन्त ॥ जबविष्णुत्रिबिक्रमरूपलीन्ह। तेहिसप्त प्रदक्षिणमहूंदीन्ह ॥ ५६ ॥ दोहा ॥ बूढ़भयोंअबबलघटोनतकत सिंधुअपार। लंकासहितत्रिकूटगिरिलैंयरतिउंयहिपार ॥ ५७ ॥

इतिश्रीमद्रामायणेउमामहेश्वरसंवादेईश्वरीद्विजभाषा कृतकिष्किन्धाकाण्डःचतुर्थःसमाप्तम् ॥

श्रीगणेशायनमः ॥

रामविलास रामायण ॥

सुन्दरकाण्ड ॥

दो० सुमिरिजानकीचरणपुनि रामलषणधरिध्यान।
पवनपुत्रवगमनकरि पवनसमानउड़ान १ ॥

मधुभार ॥ सुनुहनोमान। तुमसमजहान ॥ बलबुधिनिधान। कोउ हैनआन २ ॥ सवैयाभेद ॥ जन्मतजननिकुच्छतेकूद्योप्रातरविहिमुख मेलाहै। कुलिशकठोरचोटदारुणअतिताहिचौंहसोंठेलाहै। कौतुक श्रीहनुमानललानभकलाबालपनखेलाहै। रामकाजकरिबेकेलाय-क तैंसमरत्थअकेलाहै ३ उठौतातजनिमौनगहौअबनांघौसिंधुअ-पाराहै ॥ सीतैदर्शिबेगिआवोतुमयहैंहेततनधाराहै। सुनिऋच्छेश बचनकपिपुलक्योभयोपर्बताकाराहै ॥ मनौत्रिविक्रमअपररूपको कीन्होअतिविस्ताराहै ४ सिंहनादकैकह्योबीरबरजायबारिनिधि पारमैं। रावणकुलसमेतसंहारौंआनिसियायहिबारमैं। कहोतौ बांधिलावोंलंकेश्वरमानोंकहातुम्हारैमैं। कहौत्रिकूटसमेतलंकगढ़ धरौंआययहिपारैमैं ५ ॥ मालिनी ॥ सुनिपवनजबानीजांबवान्हर्षि बोले। जिमिलघुखगमध्येबाजकेनयनखोले ॥ अबसियसुधिलैये रामचंद्रैसुनैये। पुनिप्रभुसँगजैयेपौरुषोसोदेखैये ६ ॥ छन्दतोटक अगहनदशमीसुधिपायसबै। हरिबासरकोहनुमतबै। कपि भालुनभेंटिबुझायकह्यो। फलखायइहांतुमसबरह्यो ॥ हमसीय बिलोकिफिरैंजबहीं। तुमसाथमिलैंप्रभुकोतबहीं ॥ म्वहिसों बलरावणकोटिनहीं। अरुऔरसुरासुरहैंनकहीं ॥ रघुनाथप्रताप चहौस्वकरौं। नहिंदुस्तरकारजजाहिअरौं ॥ असभाषितुरन्तहि मार्गगह्यो ॥ जनुस्वर्णसुमेरउड़ानचह्यो ७ ॥ दोहा ॥ रामलक्षमण

जानकीहृदयसुमिरिहनुमान ॥ पवनसमानप्रतापबलपवनसमान पयान ८ ॥ कवित्त ॥ झपटिझपटिजेहिकुधरधरतपग धसकि धसकितेऊधरणिछपायगे । सिकुरिशरीरसबऊरधउठायदृष्टि चटकिचकोटचापिचंचलैलजायगे ॥ ईश्वरीसमीरसुतधीरबीर ताहीसमयसुवरणबरणभलीकसीलगायगे । उपमाअभूत कविखोजिखोजिहारिपायअम्बरहिमानहुंपिताम्बरबोढ़ायगे ९ ॥ तोटक ॥ सुरबुद्धिबिचारहिचित्तधरी । पठयोसुरसैमगजायअरी ॥ तेहिशांतकियोहनुमंतबली । स्वइआशिषदैसुरलोकचली १० ॥ नराच ॥ बिलोकिव्योमबातजैसमुद्रबैनमानिकै । तिरायदेतआसनैं कपिंगिरीशजानिकै ॥ कराग्रपर्शिताहिशृंगमार्गजातहीतहां । सियाबिशोधबेलियेहमैंअरामहैकहां ॥ ततोतरानिराहुमातु सिंहि काबसैजलै । उड़ातपक्षिछांहखैंचिखातजीवनैछलै ॥ अकर्षिबात जैसोऊ बिलोकिराक्षसीतहां । प्रचारिताहिलातमारिबीरबज्रसी महां ११ ॥ प्रमाणिका ॥ गयोकपीशपारही । समुद्रहूउछालही ॥ दबोत्रिकूटपावसे । हलोसोषर्वनावसे ॥ दशाननोमुखम्भरे । गि रोसिंहासनैतरे ॥ सभासशंकहीभयो । नजानकोउकाभयो १२ ॥ हरिगीतिका ॥ तहँनिरखिकपिबनबिपुलशोभासकलनगरसमीपके । अतिशयहरेफूलेफरेजनुबागमदनमहीपके ॥ पुनिलख्योलंकाल लितछबिकलधौतमणिमैधामहैं । चित्रितमनोहरब्रातसबसुरपुर हुतेअभिरामहैं १३ ॥ तोमर ॥ कपिकीन्हहृदयबिचार । किमिकरौं पुरपैठार ॥ लघुरूपसोनिशिकीन्ह । सियशोधनैमनदीन्ह ॥ धरि निश्चरीतनआय । कहलंकिनीरिसवाय ॥ तुमकोनमौनसिधार । पुरचोरमोरअहार ॥ कहिबातमारिसिलात । तबकीशताहिनिपा त ॥ परिमूर्छिभूमिअचेत । सुनिबैठिकीन्हसुहेत १४ ॥ हरिगीतिका ॥ जयजयतिकपिपुरप्रविशिकीजैकाजनिजहर्षायकै । मोहिंकहाब्रह्मा प्रथमहींतोहिंकीशमारैआयकै ॥ तबजानियोनिशिचरसमनसबरा

वणादिकपायहै । लहिसीयसुयशुसमेतरघुबरकुशलकोशलजाय
है ॥हनुमानग्रामप्रवेशकरिसबधामशोधेजायकै। जहँतहँविलोकेभी
मभटअतिशैप्रबलभयदायकै ॥गजबाजिसारभँडारसैनागारहूसब
देखिकै । दशमौलिघटश्रुतिमेघनादहुभवनसकलविशेषिकै १५ ॥
दोहा ॥ चिंतायुतकपिघूमिकहआतुरलंकैबात ॥ हमैंबतावोहैंकहांतु
रतजानकीमात १६ ॥ नराच ॥ कहाबहोरिलंकिनीकपीशयत्रजा
इये । अशोकबाटिकाविचित्रतत्रसीयपाइये ॥ गयोतुरंतपवनपूत
सूक्ष्मरूपधारिकै । ददर्शजानकीतहांप्रमोदभोविचारिकै १७ ॥
हरिगीतिका ॥ शिरजटाबेनीएककृशतनदीनबसनमलीनहै । उपवास
निर्जलमहिशयनरघुबीरबिरहप्रवीनहै ॥ भरेनीलनीरजनयनअँ
शुवनश्वासऊरधक्षणक्षन ।हारामरघुपतिप्राणपतिइतिबारबारहि
मुखभनै १८ ॥ मधुभारछन्द ॥ लखिहनोमान । दुखलहिनिदान॥
भोतबबिहान । तरुदलछपान ॥ द्वादशिबिताय । पुनिनिशापाय॥
दशमौलिआय । बहुनारिलाय १९ ॥ नराच ॥ भयोसचिंतनीयरा
क्षसाधिपंमनैमहा । बिलोकिस्वप्नरामदूतआयलंककोदहा ॥ उ-
जारिबागसैनमारिसोउठोकवाइकै । बिसूरिरामकोप्रतापसीयती
रआइकै २० कहेकठोरबैनसामदामदंडभेदसो । बिलोकुमोहिं
क्योंनत्यागुसर्बचित्तखेदसो ॥ सुनीकुवाक्यक्रोधयुक्तसीयताहि
सोंकहा । हरिंबिनाहरेहमैंलजैनतैधृगंमहा २१ ॥ प्रमाणिका ॥ रनै
जोरामरोपिहैं । शरैसमुद्रशोषिहैं ॥ समेतसर्वराकसे । करैंगेतोहिं
खाखसे ॥ कियेकुकर्मजौनहीं । लहोफलैस्वतौनहीं ॥ तबैमनुष्य
जानियो । यमालयंवखानियो २२ ॥ मालिनी ॥ सुनतपरुषबानी
रावणैखड्गतानी । बरजितबहिंरानीनाहकोनीतिआनी ॥ तव
बशसुरनारीमानुषीकाबिचारी । तजुसमुझिदुखारीदीनशोकाधि
कारी । निशिचरिनबोलायोरावणैयोंसुनायो ॥ ममबशकरिसीतैं
मासद्वैमध्यलायो । तनुनिजकरकाटोंशीशयाहीकृपानी ॥ अस

हिपुनिआयोआपनीराजधानी २३ ॥ प्रज्वलिया ॥ इतसीतैनिशि चरिवृन्दआय। दुखदेतबिपुलविधिभयदेखाय॥ कोउखड्गखैंचि मारणसिधारि। कोउखानकहैनिजमुखपसारि॥ कोउकहैजुवाक तवृथाखोउ। जसकहैराजतसकरुनसोउ॥ तिनमध्यएकत्रिजटा बिशेष। तेहिकहाऐसमैंसपनदेख॥ कपिएकआयसबलंकजारि। सोगयोतुरतसबकटकमारि॥ पुनिरामलषणकपिसैनसंग। आये निशिचरकुलकीन्हभंग॥ रावणैमारियमपुरपठाय। कैभूपबिभी-षणसियलवाय॥ निजबामअंकआरोपिलीन्ह। सियसेवोहितनिज चहौकीन्ह॥ सुनिसपनसत्यनिशिचरिडेराय। सोईसगरीजहँतहां जाय॥निजमरणजानकीसत्यजानि।गिरिमूर्छिअवनिउररामआनि २४॥ तोटकछन्द ॥सियशोचबिलोकिकपीशतहां।रघुबीरकथातबसर्ब कहा॥ धनुभंगबिवाहउछाहयथा। भृगुनंदनकोजिमिमानमथा॥ पितुआयसुदंडकबासकियो। खरसेखलनैयमलोकदियो॥ ह्वैबंधु गयेमृगहेतछली। दशकंठहरीमिथिलेशलली॥ मृगमारिलखीपु निशून्यथली। सियखोजतब्याकुललीन्हगली॥ पुनिगृद्धजटाइहि मोक्षदियो। जिमिआयसुकंठहिमित्रकियो॥ कपिभूषणदैप्रभुची न्हिहियो। रघुनाथप्रियाहितशोचकियो॥ बधिबालिसुकंठहिरा ज्यदियो। क्रमतेकपिसर्बबखानकियो॥ बसिशैलप्रवर्षणबंधुद्वऊ। सियखोजपठैकपिराइसोऊ॥ कपिभालुगयेदिशिदेशसबै। मोहिं देखिदियोरघुनाथतबै॥ सुनुबायुतनयमुंदरीयहलै। दरशाउसियै जबतोहिंमिलै॥ हमआइसमुद्रहिनांघिइतै। कृतकृत्यभयोंतव पायंचितै॥ बिस्मयसुनतैसियाचित्तधरा। केहिबैनसुधासमश्रवणभ रा॥ रघुनाथकथाज्यहिमोहिंकही। प्रकटौकिनआयसोबेगिमही॥ कपिआयप्रणामकियोजबहीं। फिरिबैठिसियामनसंकितहीं॥ मो हिंमोहचहैदशशीशछली। चुपसाधिरहीमिथिलेशलली २५॥ भुजङ्गप्रयात॥ कहीसीयसोंसौंहकैपवनपूतं। करौसत्यबिश्वासमैंराम

दूत ॥ दईमुद्रिकानाथसोहाथलीजै। चितैचीन्हिचित्तैरुचैतोनकी जै २६॥ दोहा ॥सीताश्रीरघुनाथकीमुंदरीलीन्हीहाथ। नामांकित अक्षरनिरखिचीन्हिधरीनिजमाथ २७ ॥ प्रज्झटिका ॥ लखिदूरिठा ढ़कपिपाणिजोरि।तेहिकहाजानकीबहुनिहोरि ॥ तुमप्राणहमहिं सुतदियोआइ। यहिसमयस्वामिमुंदरीदिखाइ ॥ अबकुशलकहौ भ्रातासमेत। कहुकौनिभांतिकरुणानिकेत। कहहनूमानसीतहिसु नाइ। जबतेतवनाथबियोगपाइ ॥ तबतेकृशतनअतिबिरहलीन। तोहिंखोजतबनबनद्रुऊदीन ॥ सुग्रीवकपीशहिसखाकीन। तोहिं ढूंढ़नकोटिनकीशदीन॥ तिनकोटिनगणमहंएकआय। देखाजननी तवजलजपाय ॥ अबमातुहमैंकछुदेउचीन्ह। निश्चयहितज्योंरघु नाथदीन्ह ॥ लखिजाहिसंगकपिदलखरारि। लैजाइंतुम्हैंरावण हिमारि॥ पुनिकपिहिकहाजानकीबात। ममबिपतितातुमलखे जात ॥ द्वैमासमध्यजोप्रभुनआइ। तौजीवतिमोहिंनिश्चयनपाइ॥ पैकिमितरिहैंबारिधिअपार। सुनिकहाबहुरिमारुतकुमार २८ ॥ हरिगीतिका ॥ सकैकोटिबारिधिशोषिरघुबरएकशायकसाधिकै। चहै पाटिगिरिनतुरंतहीचहैबाणसेतुहिबांधिकै।मोहिंदेहुआयसुचीन्ह जननीप्रभुहिलावौंधाइकै। तबदियोचूड़ामणिसियाअरुअपरकथा सुनाइकै ॥ एकसमयबनथरिकाकतनसुरपतिसुवनतहँआइकै। म मचरणचोंचहिमारितवप्रभुसींकशरहिचलाइकै ॥ भागोजरतसब लोकघूमतब्रह्मशिवपुरजाइकै। पितुपासगोरक्षानतेहितवशरणआ योधाइकै ॥ तजिएकनयनबिहीनताहिअमोघरघुबरशायकै। केहि हेतुप्रभुनहिंआइइतकिमिरहेमननिठुराइकै॥ सोदोपममनयननप्र बलप्रभुदरशहितललचाइकै।नतुछांड़िप्राणहिंप्राणपतिढिगसहे दुखइतआइकै २९ ॥ तोमर ॥ सुनिबैनकहहनुमान। रघुबीरसोध नजान ॥ करिमैंसकौंरिपुनाश। तोहिंजाउंलैप्रभुपास ॥ नहिंदी न्हमोहिरजाइ। यहिहेतुरहौंडेराइ ॥ सुनिसीयकरिसंदेह। कपि

सर्वतूसमदेह ३० ॥ फोलना ॥ सुनतमिथिलेशजाबचनहनुमानतब
पूर्वतनप्रकटिदरशाइसीतै । जाहिलखिसुरअसुरअपरगिनतीकहा
खाइमुखखेहकंपतसभीतै ॥ कनकगिरिश्रृगशंकासमकटसुभटबिपु
लरबितरुणतनतेजभ्राजै । पीनपरचंडमुंजदंडअतिअतुलबलआव
जनुकालनिश्चरसमाजै ३१ ॥ कुण्डलिका ॥ तबसीताआनन्दलखि
बलबुधिबिपुलकपीश । अजरअमरसुतहोउअबबलनिधिमोरिअशी
श ॥ बलनिधिमोरिअशीपकृपारघुबरसुनिकरिहैं । तवयशसुनतवि
शालमोदशिवविधिमनधरिहैं ॥ तवयशसुनतविशालछूटभवबन्ध
नतेसब । वचनसुधासमसुनतपरोपवनजपायनतब ३२ ॥ दोहा ॥
सुतअबहींतुमजाइकैरघुनाथैलेआउ ॥रणरावणहिंसँहारिकै प्रभुप
दम्वहिंदरशाउ ३३ ॥ सोरठा॥ कहकपिजैसिरजाइ सोईकरिहौं
मातुमैं। दशमुखमदहिनवाइखाइफलननिश्चरनहति३४ ॥ दोहा ॥
सियआयसुलैतुरतही तेरसिदिनहनुमान । फलखायेतोरेबिटपलं
केश्वरउद्यान ३५ ॥ मधुभार ॥ लखिकपिभयान । तबबागवान ॥ लै
धनुषबान । मारैंअयान ३६ ॥ नराच ॥ कपीशकोपिछीनिएकशत्रुते
गदामहा । समस्तसैनमारिआपुठाढ़हीरह्योतहा ॥ बचेपराइजा
इलंकनाथकोसुनायऊ । उजारिबागराक्षसा सँहारकीशआयऊ
३७ ॥ सकोपिरावणैपठैबलीबरिष्टअक्षसे । अपारसैनसंगकैमनो
पहारपक्षसे ॥ बिलोकतैकपीशलोहखम्भलैउखारिकै। हनेसमस्त
बीरनैपलार्द्धमेंप्रचारिकै ३८ । गयोबहोरिदूतरावणैवृतांतगाय
ऊ। महानकीशनाथरूपकालआपुआयऊ॥ सुनासशोकइन्द्रजीत
आदिबीरनैपठै। देखाउकीशपुत्रबाँधिलाउपुत्रहीशठै ३९ ॥ प्रमाणि-
का ॥ गयेतिवीरबाँकुरे। रणैनजंकबोंमुरे॥ प्रचारिअस्त्रमारते।हतोध
रोपुकारते ४० ॥ नराच ॥ अजैबरिष्टबातजोविशालखम्भधारिकै।
क्षणार्द्धमेंनिशाचरीअनीसबैसँहारिकै ॥ हनावहोरिमेघनादकोर
थाश्वचूरकै । गयोस्वभागिअंबरैमयाबिपूरशूरकै ४१ ॥ मालिनी ॥

तबअसुरकपीशैब्रह्मकैअस्त्रबाँधा । अमरपतिजितैयालाइलंकेशराँ धा ॥ लखिदशमुखपूछाकीशतैंकोपठायो । ममबनफलखायोवृक्ष क्योंतोरिआयो ॥ बहुकटकसँहारेकौनिभैतोरिहानी । सुनिहनुम तसानीनीतिसोंबोलिबनी ॥ सुनुदशमुखमानीरामत्रैलोक्यस्वा मी । पितुबचकृतआनीदण्डकैराजधानी ॥ त्यहिछलकरिसूनेनारि आनेचोराई । त्यहिप्रभुकरदूतंदीखसीतात्रआई ॥ क्षुधितफलन खायों औरनामैंबिगारा । तबखलहठिमोपैअस्त्रशस्त्रैप्रहारा ४२ नराच ॥ जिन्होंजिन्होंहमैंहतातिन्होंसबैसँहार्यऊं । बिरोधवृद्धि देखिसर्बबाटिकाउजार्यऊं ॥ तनैतुम्हारब्रह्मअस्त्रबाँधिमोहिंला यऊ । रुचैहृदयकरोस्वईस्वपुत्रशोकपायऊ ४३ ॥ सवैया ॥ सुनुरा वणतूसँगकोटिनकोहतिमानपिनाकहितोरितहा । भृगुसेबिनगर्ब कियेक्षणमेंजिनसोंपटभीमनदूजोरहा ॥ खरसेखलस्वप्नकियेशर एकहिबालिबधोअतिबीरमहा । रघुनाथप्रतापसिखानसिखात्य हिचाहतपारपखेरुकहा ४४ रेदशकंधनबूझअबौंज्यहिकेबलबारि धनांधिमैंआयों । मारितमीचचमूअगनीफलखाइअघाइबगातिबि छायों ॥ ब्रह्मशरैलहिआइइतै उरलागिदयात्यहितोहिंसिखायों । सोंपुसियाकरुणानिधिकेपरुपाँयनहौंशरणागतआयों४५ ॥नराच॥ सुनाकपीशबैनकोपिरावणाबधोचहा । समयसुपाइमंत्रिलैविभीष- णौगयोतहा ॥ कहासुबन्धुपाइबन्दि आनदण्डदीजियेबिरोधसों नदूतमारुराजनीतिकीजिय ४६ ॥ दोहा ॥ सुनतबिभीषणकेवचन दशमुखकहहरषाइ । तेलतूलपटपूछजटि पावकदेउजराइ ४७ ॥ नराच ॥ नियोगनाथपाइलाइतेलतूलधाइकै । घृतादिबस्त्रनारहा समस्तलंकचाइकै ॥ रचालँगूरफेरिग्रामबाजनेबजाइकै । प्रचारि पावकोप्रचण्डखण्डखण्डलाइकै ४८ ॥ अरिल्लछन्द ॥ सुनिनिश्चरन बांधिलायोकपिइन्द्रजीतबलभारी । लखिलंकेशघुमायलंकपुर पावकपूंछप्रचारी ॥ सीतैभयोमहादुखदारुणसुमिरयोरामखरारी॥

जोमनतनममसत्यपतिव्रततौजीतैबनचारी ॥ शीतलहोयअनल हनुमानैनेकनतनतेहित्रासा। अरिगणमारिजारिसबमेरीहालकहै प्रभुपासा ॥ तेहिअवसरराक्षसीवृन्दजेप्रथमसियैदुखदायिनि। कपिगतिगायरोयपायनपरिरक्षियहमैंगोसाइनि ४९ ॥ कवित्त ॥ जरतबिलोकिनिजपुच्छतुच्छरूपहवैकैनिपुकिकपीशकूदिगयोना गफाँशते। उपटिकनकखम्भकरगहिमरदतनिकरनिशाचरलुकात जासुत्रासते । बाढ़िकैलगोअकाशगरजतअट्टहासदीन्हींआगि आसपासहिरदयहुलाशते । भभकिभभकिज्वालमालअतिशय करालपवनबिशालचलैसबसबआसते ५० भवनभँडारगजबाजि सारहथियारबिबिधिबजाररराजद्वारसबजरिगे। काञ्चनदिवारते वैकांचसमपघिलतओटैबारबारहनूमानहठिअरिगे । यातुधान नारीसोतौहितुनपुकारिभागीं शूरबीरजायसिंधुतीरडरिपरिगे । रोइरोइरानिहुधिक्कारिकहैंरावणहिंबांधोअबकीशबीसबाहुबलह - रिगे ५१ ॥ दोहा ॥ चतुर्दशीदिनदाहिपुर छांड़िबिभीषणगेह ॥ न्हायनदीशैआयकपिसियपदपरोसनेह ५२ ॥ हरिगीतिका ॥ मोहिं देउआयसुजननिअबहरिपदबिलोकियजायकै। कहजानकीतोहिँ देखिशीतलहृदयप्रभुसुधिपायकै ॥ स्वइआयदशाबहोरिराखोंप्रा णाकासमुझायकै। पुनिपवनपुत्रप्रबोधिसीतहिरहौधीरजपायकै॥ सुनतैकृपालसमेतकपिदलआयहैंइतधायकै। यहिभांतिकहिकरि परिक्रमाकियोगमनपुनिशिरनायकै ॥ बारिधनिकटचढ़िगिरि- वरैकूदेबलैअधिकायकै। गिरिगयोमहिधसिआपुऊपरतीसयोजन जायकै ॥ गरज्योमहाध्वनिसुनतहीकपिभालुउठिहर्षायकै । त्यहिसमयमारुतनन्दनोगिरिशिखरपहुंचोआयकै ॥ मिलिभेंटि सबहिसुनायसीतैदेखिआयोजायकै । पुरजारिनिश्चरमारिअरु लंकेश्वरैबतरायकै ५३ ॥ मालिनी ॥ सुनिपवनजबाणीअङ्गदो जामबानो । उठिहितकरिभेंटेबाहुबीर्यैंबखानो ॥ कपिदलसब

कूदेंनृत्यमोदाधिकारी।जिमिजलनिधिरांकारोहिणीसेंनिहारी५४
दोहा ॥ पञ्चमिलौमारगरहे बार्तासकलसुनाय ॥ षष्ठोदिनयुव-
राजयुत मधुबनपहुंचेआय ५५ ॥ पञ्चलिया ॥ सबक्षुधितभालुकपि
अतिबनाय । संतुष्टबिलोकियरामपाय ॥ यहसम्मतकैकपिभालु
जाय । मधुबनप्रवेशिफलमूलखाय ॥ बनरक्षकदधिमुखवर्जि
कीन्ह । त्यहिमारिकपिनबहिरायदीन्ह ॥ तेजायकपीशहिकह
पुकारि । बनअङ्गदहनुमतकरिउजारि॥ सुनतेकपीशमनहर्षआय।
आयोहनुमतसियशाधपाय ॥ बिनसियसुधिबनकिमिसकैजाय ।
कपिनाथहृदयदृढ़मतिबनाय ॥ तेहिसमयकपिनसहबायुनन्द ।
सुग्रीवैमिलिअतिशयआनन्द ॥ सप्तमिवृतांतसुग्रीवजानि। परस्यो
रघुनन्दनचरणआनि ५६ ॥ हरिगीतिका ॥ पूछ्तकृपानिधिकुशल
कीशनभक्तवत्सलचातुरे । तेपरतपुनिपुनिचरणकमलननयनजल
प्रेमातुरे ॥ कहजामवानसुजानजेहिजनजानिप्रभुतुमआदरौ । सो
सुकृतसुयशसुभागभाजनगुणाकरबिजयीबरौ ॥ हेनाथतुम्हरी
कृपापवनकुमारसियसुधिलायऊ । सुनतेकपिहिभुजदण्डभरि
रघुबीरहृदयलगायऊ ॥ कहुतातकहँकेहिभांतिजानाकौनबिधि
जीवतरही । जेहिभांतिआयोदेखिपवनजतौनसबबिधिबतकही ॥
लैगयोलंकैदशबदननिशिचरिनसोंप्योजायकै । मैंदीखजायअ-
शोकबनहिंसशोकरहिदुबरायकै ॥ हारामरघुपतिरटतनिशिदिन
दीननयननजलभरे । उपवासकरतस्वजियतदर्शनरावरेलगिहठ
करे ॥ लखिसमयमैंनिजनामकहिरघुबीरदूतबतायऊं । धनुभंग
आदिककथातबसबअमृतसरससुनायऊं ॥ ममातुरघुबरदासअरु
बिश्वासहितसोंहैंकियों । तबचितैमोतनतुरतहोमुद्रिकातबकर
परदियों ॥ पहिंचानिमुंदरीशीशधरि हानाथम्वहिंबिसरायऊ ।
कहुकुशलअनुजसमेतकपिकेहिभांतिलखिइतआयऊ ॥ मैंअपर
कथासुनायमांगीबिदाप्रभुपहँजायहौं । कछुचीन्हदीजैजननिजौन

देखायनाथहिलायहौं ॥ मोहिंदीन्हचूड़ामणिउतारिजयंतकथा सुनायकै । जोमासमध्यनआयतौममप्राणमिलिहैंआयकै ॥ परि पायँबिपतिसुनायअनुजसमेतकपिदललाइये । बधिसकुलसदल समेतरावणमोहिंप्रभुदरशाइये५७॥ प्रज्झटिका ॥ कछुकह्यालक्ष्मण हिंकटुकबात । सोक्षमहुमोरिअज्ञतातात ॥ असकहिचूड़ामणि प्रभुहिदीन्ह । उरलायरामअतिशोचकीन्ह ५८ ॥ तोमर ॥ पुनि रामचन्द्रकृपाल । कपितेकहातेहिकाल ॥ कहिभांतिजारीलंक । हतिराक्षसाअतिबंक॥ कहहर्षपवनकुमार। सुनियेसोऊकरतार॥ तुम्हरीकृपासबकीन्ह । मोहिनाथगौरवदीन्ह ५९ ॥ सवैया ॥ मुँदरीतुम्हरीकरलैडगरोतबतेतनतेजबढ़ोअगरो । सुनिगीधमुखे खुरबारिसेबारिधलांघिगयोंक्षणमेंसगरो । सियबंदिउजारिउद्या नघनोरणाजीतिनिशाचरनैझगरो । मथिमानससैन्यदशाननका पुनिजारिजरायजरोनगरो ६० कुलिशैतृणसोतृणकोकुलिशैअरु सिंधुउलीचिकैफेरिभरौं । अतिरङ्कहुहोतधनेशतेदूनधनेशहिरंकन रंकतरौं । लघुजीवबिरञ्चिसमानप्रधानबिरञ्चिहिलैजगबीचधरौं। जगनाथतुम्ह यहनीतिसदाजबजौनचहौतबतौनकरौं ६१ ॥ प्रज्झ टिका ॥ सुनिहनुमतकृतश्रीरामचंद । कपिहियलगायबाढ़ीअनंद॥ उपकारतारमोहिंहोयलीन । प्रत्युपकारनहिंहोउदीन ॥ मेंउऋणा नजोतुमकियोकाज । नहिंपूजतांदयत्रैलोकराज ॥ सुनिबचनहर्ष हियहनूमान । परेचरणग्राहिकरुणानिधान ॥ निजभक्तिअचल मोहिंदेउनाथ । जेहिपायभयेअजशिवसनाथ ॥ तबएवमस्तुकहि रामचन्द । अतिहर्षहृदयलहिबायुनन्द ६२ ॥ नराच ॥ कहाकपीश सेखरारिसबसैन्यलाइये । बिजयमुहूर्तआजुहैपयानकोकराइये ॥ निदेशमानिआयभालुकीशयूथपोघने । प्रणामरामकोकरैंप्रपूंछि सोजनेजने ६३ ॥ कवित्तअनुष्टुप ॥ महाकरालकालतेसमस्त कीशभालुतेनगेंद्रतेबिशालतेनखायुधेबलीबड़े । अनेकरंगरंगते

निजैनिजैस्वसंगतेमुरैनजौनजंगतेस्वठौरठौरभेखड़े ॥ लखेलगें भयावनेसबैसुक्रोधमेंसनेलँगूरब्योममेंतनेउयेस्वशक्रचापसे । असंख्यसैन्यसोरहीनजातशेषसों कहीसहैनभारलैमहीदबैंगजादि दापसे ६४ ॥ दोहा ॥ अष्टमिउत्तरभाद्रपदरम्यमुहूर्त्तबखान ॥ रामलक्ष्मणबिजयहित दललैकीन्हपयान ६५ हनुमतअङ्गदकंध चढ़ि रामलक्ष्मणबीर ॥ सतयेंदिनसेनासहित पहुंचजलनिधि तीर ६६ ॥ नराच ॥ उहांदशाननौबिलोकिदूतकृत्यशोचही । बोलाइपूंछिमंत्रिनैकहौअबेयथाचही ॥ कहैंचुपाइदेखियेजुआवसैन बानरी । तुरंतताहिखाइहैंक्षुधीचमूनिशाचरी ६७ कहावहोरि कुम्भकर्णकर्मतेंबुरेकिये । हरबिदेहकन्यकाबिचारिमानुषीहिये ॥ रमारमेशरामसीयजानिभक्तिकीजिये । बिनयसमेतप्रीतिकैसिया अबौंसुदीजिये ६८ सुनापितृव्यबैनमेघनादभूपसोंकही । रजाइ मोहिंदेउतौकरौंअमानुषीमही । समेतरामलक्ष्मणोकपीशकीश साथ ही । अबैंप्रहारिआइहौंबहाइपाथनाथही ६९ ॥ तोटक ॥ तबआयबिभीषणभक्तमहा । शिरनायमहीपहिबैठतहा ॥ लखि कुंभश्रुतेघननादबली । अतिकायमहोदरआदिछली ॥ अरुकुंभ निकुंभहुपार्श्वमहा । सबसैनप्रहस्तसमानतहां ॥ इनकोमतितात भरोसकरौ । हरिआयमनुष्यशरीरधरौ ॥ महिभारउतारनकारन सो । तुमसेशठकोटिसँहारनसो ॥ रणरामनराचगहैंजबहीं । खर सेसबक्षारकरैंतबहीं ॥ त्यहितेअबहींप्रभुपायँपरौ । सियदैबिनती बहुभांतिकरौ ॥ हितहोयतुम्हारजोचित्तधरौ । असभाषिबिभीषण पायँपरो ७० ॥ नराच ॥ बिभीषणबचंशुभंहितंपवित्रपावनं । निरादरंकठोरभाषिलातमारिरावनं ॥ गयाअकाशमंत्रिलैकहैसबैसुनाइकै । बिरोधरामसोंकियेमरोकुलैमराइकै ७१ महूंछड़ायदोष रामपादपद्मदेखिहौं । बिलोकिमूर्तिश्यामलंस्वभागभूरिलेखिहौं ॥ अनेकभांतिकैमनैमनोरथैसुपावनी । लखीस्वआयमर्कटीचमूमहा

भयावनी ७१ बिचारिहांकदीन्हरामचन्द्रपाहिपाहिमैं। बिभीषणा-
ख्यनामरावणानुजंबतायमैं। निरस्तबंधुबर्गआयआपुशर्णहौंचहा।
बिलोकिदीनसंग्रहौरजायहोतहैंकहा ७२॥ चौपाई ॥ सुनतबिभीषण
बचनकपीशा। कहानाइरघुनाथहिशीशा॥ आयोनिशिचरखल
छलसाधी। तुम्हैंरुचैतौराखियबांधी॥ बिहँसिकहातबकृपानिके
ता। जगमहँसखानिशाचरजेता॥ सकौंनिमिषमहँमारिजियाई।
लाइयताहिचहतशरणाई॥ बचनसुनतकपीशसुखपावा। लाइ
बिभीषणप्रभुदरशावा॥ परयोदंडवतचरणनधाई। महाप्रीतिउर
सुखनसमाई॥ पुनिसप्रेमदेखादोउभ्राता। नयनानन्ददानिबि-
ख्याता॥ जलजारुणबिशालदललोचन। निरखततुरतातापत्रैमो
चन॥ श्यामगौरसुंदरसबअंगा। छबिलखिलाजतकोटिअनंगा॥
अस्तुतिबिबिधिबिभीषणगाई। मनबचकर्मप्रीतिअधिकाई ७३
दोहा॥ अहोनाथनिजचरणरतिदेहुकृपाकरिमोहिं॥ कोटिकामधुक
कल्पतरु समकिहोहिप्रभुतोहिं ७४॥ हरिगीतिका॥ असयांचिपुनि
चरणनपर्योरघुबीरहृदयलगायकै। दैभक्तिनिजलंकेशकहिशुचि
सिंधुसलिलमँगाइकै॥ करितिलकलक्ष्मणसचिवयुतलंकाधिराज
बनाइकै। जबलगिरहैंशशिसूर्यमहिममसुयशलोकनछाइकै॥ तब
लगिकरौपुरराजअंतहिमोहिंमिलिहौआइकै। यहिभांतिसुनिप्रभु
बचनसबकपिगणउठेहर्षाइकै॥ पंचैचतुर्थीदिवसभूपतिभाबिभी
षणआइकै। पंचमीतेदिनचारिलौंमगमांगिसिंधुहिजाइकै ७५
तोमर॥ बिनबारिगेदिनचारि। तबक्रोधकीन्हखरारि॥ धनुचापि
अग्निनराच। जरैबारिलागतआँच॥ झषमीनब्याकुलझारि। तब
सिंधुभोअसुरारि॥ दैरत्नकीन्हप्रणाम। मोहिंरक्षियेअबराम॥
क्षितिअग्निजलखंबाउ। जड़हैइदेवबनाउ॥ तुमसबंबुद्धिअगार।
हमजाननाकरतार॥ कहरामबाणअमोघ। तेहिछांड़ियेकेहिवोध॥
ममउत्तरेरघुबीर। मलमूलरहैअभीर॥ बधुतौनरामसुजान। मो

हिंदेतदुःखनिदान ॥ बधितौनश्रीरघुवीर । शरआवपुनितूणीर ७६ ॥ दोहा ॥ पुनिरामहिंबिनयोजलधि सेतुउपायबताय ॥ कुयेकुधरनलनीलकेसागररहैतिराय ७७॥ सोरठा ॥ भोअदृश्यतत्काल प्रभुबिनतीकरिबारिनिधि ॥ बोल्योरामकृपाल नलनीलहि आयसुदियो ७८ ॥ दोहा ॥ हरिबासरदिनदशबदन शुकसारनै पठाय ॥ बलप्रतापलखिबहुरिनिज नाथहिकहासुजाय ७९ ॥

इतिश्रीमद्रामायणेउमामहेश्वरसंवादेईश्वरीद्विजभाषा कृतेप्रथमचरित्रांतरगतसुंदरकाण्डसमाप्तः ॥

श्रीगणेशायनमः ॥

रामविलास रामायण ॥

लङ्काकाण्ड ॥

कवित्त ॥ रहतरजतनगनगरनगजतटगजखलकलगरगरल तरलधर । नगनतगनयशसघनअगनगनअतनहतननलसतन कतकर ॥ जलजनयनकरचरणहरणअघशरणसकलचरअचरख चरतरा चहतछनकजयलहतकहतयहहरहरहरहरहरहरहरहर १ दोहा ॥ सेतुप्रथमरामेश्वरहि थापिपूजिरघुबीर ॥ पावैमुक्तिबिशेष जोन्हावैगंगानीर २ ॥ घोरठा ॥ प्रभुआयसुधरिशीश बिश्वकर्मा सुतनीलनल ॥ लावैंगिरितरुकीश परशिपाणिपानीधरत ३ चामर ॥ कोटिकोटिशैलशृंगकीशशीशधारई । दौरिदौरिनीलहाथ राखिसिंधुपारई ॥ धायधायसेतुस्वच्छशोधिकैसुधारई। लालपीत श्यामश्वेतठौरठौरढारई ४ ॥ मधुभार ॥ दशमीलगाय । तेरसिबि- ताय ॥ भासिद्धसेतु । दशयोजनैतु ५ ॥ दोहा ॥ शतयोजनबिस्ता रत्यहि सुन्दररुचिरसुढार ॥ हनुमतअंगदकंधचढ़िरामलषणगे पार ६ चतुर्दशीतेदुइजलौंसेनाउतरीपार॥ शैलसुबेलास्थितभयो श्रीरघुबीरउदार ७॥ नराच ॥ उहांसदूतरावणौप्रसादपैचढ़ोतहां॥ बिलोकिमर्कटीचमूभयावनीशुकैकहां॥कहेनतैंवृत्तांतजैससेनदेखि आयऊ । नियोगपायसोप्रतापरामकोसुनायऊ ८ अपारसैनसंग जौनकाकतेभयंकरा । बिलोकितैंजिन्हैंनजातधीरबीरतेधरा ॥ सुकंठजाम्बवानअंगदादिवायुनंदनं । नलादिनीलकेशरीपिशाचनै निकंदनं ९ असंख्यशूरबीरअप्रमेयशोभनेगने । दिगाष्टपद्मयूथपौ

प्रमाणकानमेंसुने।अनेककोटिकीशएकएकसंगराजते॥ सकैतुम्हेंसो जीतिएकआपनीसमाजते १० बिभीषणौपिजायपायपर्शिदीनता कहा। तुरन्तदुःखत्यागिसबैलंकराजकोलहा ॥ समंत्रिरामजाय मार्गहेतसाग.रैकहा। नमामितौशराग्निसाधिजारिबेशठैचहा ११ प्रज्वलिया ॥ बिलोकिसोनरायनैं। परोसमुद्रपायनैं ॥ स्वकम्पगात सोंतदा। सुरत्नभूरिदैमुदा ॥ बतायययुक्तिसेतुकै। गयोस्वभूरिहेतु कै ॥ नमानुराममानुषं। हरिबपुःधरास्वयं ॥ सियानजानियेनरी॥ रमास्वआइअवतरी ॥ जगत्पिताचमातरौ। नबैरताहिसोंकरौ॥ अजानसीयलायऊ। प्रसन्नकैक्षमायऊ ॥ भजौसियासियापते। विशुद्धहृवैमहामते॥ भलोजोआपनोचहौ। पदाब्जरामकेगहौ १२ मालिनी ॥ सुनिगुरुवतबातारावणैमारिलाता ॥ शुकडरपितगाता गोजहांजक्तत्राता ॥ लखिपदजलजाताकुम्भजैशापपाता। लहि गतिहिद्विजाताधामगोहर्षिगाता १३ ॥ मधुभार ॥ तृतियालगाय। दशमीबिताय ॥ लंकाघेराय। सबरामराय १४ ॥ प्रमाणिका ॥ सु-बेलशैलआसने। बोलायबानरैघने ॥ पठायलंकद्वारनैं। रोकाय द्वादशीदिनैं ॥ उहांबलीदशाननो। ननेकचित्तमेंगनो ॥ बोलाय योधनैंघनैं जुझारयुद्धमेंगनैं १५ ॥ नराच ॥ इहांखरारिचापलैशशांक अर्द्धबानते। गिरायकर्णफूलदोउमदोदरीकेकानते ॥ दशास्यछत्र चामरौकिरीटहूमहीपरे। अचर्यराजमण्डलीसमस्तपार्श्वकेडरे १६ ॥ दोहा ॥ असकौतुककरिरामशरप्रबिशोआयनिषंग ॥ उहां दशाननबिहँसिअसदेखिसभारसभंग १७ कहासबैगृहजाउनिज गईरातिबहुबीति ॥ तबमदोदरीपायँपरिकंतसुनौयहनीति १८ हरिगतिका ॥ मतिमानुपतिनरभूपरघुपतिबिश्वरूपचराचरं। पाता लपदअजधामशिरभ्रूभंगकालभयंकरं ॥ निशिदिननिमेषसुनयन रविघनमालकचससबजानिये। जेहिघ्राणअश्वनिसुतबनेदशदिशा श्रवणवखानिये ॥ जेहिश्वासमारुतनिगमबाणीअनलआननगा

इये । यमदशनरसनाअंबुपतिदिग्पालबाहुबताइये ॥ जेहिहास मायाअस्थिशैलसुसरितसबनसजालहैं।रोमावलीबनगणसबैअरु उदरउदधिबिशालहैं १६ ॥ दोहा ॥ उतपतिपालतलयकरतजग यहबारम्बार । भक्तबसलभगवानसोलीन्हमनुजअवतार २० छप्पै ॥ मधुकैटभकनकाक्षकनककश्यपजिनमारा । बलिछलिबा- वनरूपपरशुधरक्षितिपसँहारा॥स्वइरघुनन्दनजायप्रथमताडुका सुभुजहति । धनुषभंजिसियब्याहिशुद्धकीन्हीभृगुपतिमति । ब- धिबिराधखरदूषणौखलकबंधकपिबालिये । तिनरामबैरकरिकन्त कतनिजबलकुलकिमिघालिये २१ ॥ मालनी ॥ तुमपतिमतिमानो राममानुष्यराजा । दनुजकुलबिदारैंसाधतेदेवकाजा ॥ त्रिभुवन भटजेतेसंगएकैजुरैंसो । रघुपतिशरएकैलागिपृथ्वीमुरैंसो ॥ जे- हिअतिबड़िसीवांसबंदेवनअपारा । स्वइबनचरनाघैंबांधिलैसिंधु धारा ॥ ज्वइअपरनबांरैंआपुबूड़ैंसुभाये । त्यइगिरिगनजाकेहेतु सिंधौतिराये॥ ज्वइचटकततारीभाजिबैंठैंपहारा । स्वइबनचर सैनागांसिरावणदुवारा ॥ ज्वइमनुजनखाईराक्षसाघोरतरजैं । त्यइमनुजप्रचारैंकालसीवांबिपरजैं २२ ॥ दोहा ॥ यहिप्रकारमं- दोदरीलंकेशहिसमुझाय ॥ नाथदेवसीताप्रभुहिनतरुअकाज अघाय २३ ॥ प्रज्वलिया ॥ केहिहेतुप्रियाभयमानिघोर । ममसम योधाकोजक्तओर ॥ दिग्पालदशौसमबशनिदान । अरुकालमृ- त्युलोंबंदिखान ॥ मोहिंकीटसरसनरकीशसर्व । मनसमुझिरानि यहआयुखर्ब ॥ उठिप्रातदशाननसभाजाय । पठयेसैनपयोधा बोलाय२४॥ दोहा ॥ तेरसचौदसिकहूलोंचारिउद्धारनबीर ॥ पठये संख्याकेसुभटबहुप्रशंसिरणधीर२५ ॥ प्रज्वलिया ॥ माघेप्रथमेंदिन सबबुझाय । गेअंगदरामरजायपाय ॥ सुनुरावणतैंअतिशयप्रवीन। अनजानतजौनकुकर्मकीन ॥ सोपायँनपरिप्रभुसोंक्षमाउ । सब सुतशूरनअपनेजिआउ । दैजनकसुतातजिराजलंक । बनजीवसि

तैंदुर्मतिअशंक । सुनिकटुकबचनबोलारिसाय । धरिमारौकपिजनि जियतजाय ॥ सुनतैरजनीचरअमितधाय । कपिमारितिन्हैंनिजकटकआय २६ ॥ दोहा ॥ पुनिमायाकृतशीशद्वैसीतैआयदेखाय । बहुविलपीत्रिजटातबैदीन्होभेदबताय २७ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुनिअंगदमुखरिपुसमाचार । सचिवनबोलायप्रभुकरिविचार । कपिकटकचारियूथपबनाय । गिरितरुलैद्वारनघेरिजाय । नलनीलकुमुदगवहनोमान । अंगदगवाक्षसमजांबवान ॥ दधिबक्रकेशरीसरभबीर । द्विबिदादिमैंदतारादिधीर ॥ कोटिनकपीशलैतरुपहार । हतिनखननिशिचरनकरैंसँहार ॥ उतरावणसुनिमर्कटनयुद्ध । सैनपबोलायअतिकीन्हक्रुद्ध ॥ सबमंत्रिमित्रसुतबंधुजौन । ममहितकांक्षीसोजाउतौन ॥ अतिकायमहोदरअरुप्रहस्त । सुरशत्रुनिकुम्भादिकनमस्त ॥ देवान्तकारनरअन्तकार । कोटिनप्रशसिपठयेजुझार ॥ खरमहिषसिंहगजवाजिसाजि । चढ़िगयेसकलरणभूमिगाजि ॥ शरशूलशक्तिखड्गादिपाश । हतिविविधिअस्त्रकपिगणविनाश ॥ अतिसुभटप्रबलकपिभालक्रुद्ध । निशिचरनमर्दिकरिकठिनयुद्ध ॥ भरिमांसरुधिरकर्दमअपार । चलिघोरसमरमहिसरितधार ॥ जयचहतपरस्परकपिपिशाच । पैरामसुमुखकपिप्रबलसांचु २८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ लखामेघनादैनिजैसैनहारी । गयोस्यंदनारूढ़व्योमैप्रचारी ॥ घनैअस्त्रशस्त्रौघछांड़ेकराला । कियोमर्कटीभालुसैनाबिहाला ॥ तबैलक्ष्मणौरामब्रह्मास्त्रमांगा । करौंभस्मशत्रुनपुरैसोपिभागा ॥ पुनर्बानरीसैनदेखादुखारी । हृदयरामचन्द्रोपिकैशोचभारी २९ ॥ दोहा ॥ क्षीरसमुद्रसमीपअबमारुतसुततुमजाउ । द्रोणाचलऔषधिसहितकपिदललायजिआउ ३० ॥ प्रभुआयसुकरिलायगिरिजियेभालुकपिबीर । पुनिपहुंचायोशैलवरक्षीरसमुद्रहितीर ३१ ॥ प्रज्वलिया ॥ पुनिसिंहनादकरिभटअपार । फेंकैंगढ़परनानापहार ॥ सुनिरावणविस्मयलहिअपार । बोलेसमस्तयोधाजुझार । जोरहैभवन

शत्रुनडेराय। तेहितुरतडारिहौंमेंमराय॥ भयत्रस्तजुरेसबसमर जाय। ढोलैंनिशानतूरनबजाय॥ मारैंत्रिशूलअसिशक्तिबान। शस्त्रौघअस्त्रनानाबिधान॥ गिरितरुनखदंतनमुष्टिलात। कपिक रैंअसुरकुलकरनिपात॥ पनगहिमहिपटकैंभुजउखारि। शिरतो रिफोरिकोटिनसँहारि॥ लैकनकखम्भकोटिनकपीश। करिसक लनिशाचरचमूखीश ३२॥ दोहा॥ रामलक्षमणकीशपतिअंगद पुनिहनुमान। हतेनिशाचरसैनबहुकोकरिसकैबखान ३३ माघेद्वि तियाआदिदैआठदिवसरणबीच। रामकृपाकपिदलकुशलमरेनि शाचरनीच ३४॥ भुजंगप्रयात॥ पुनर्बजूदन्तासुरारिंप्रबोधी। अबैमर्क टीसैनमारौंविरोधी॥ चतुर्धाचमूसंगयोधाजुझारा। रणैकीशनैदेख तैकैप्रहारा॥ यहांकीशसैनाधिपौलैपहारा। चमूराक्षसीयुद्धकैकै सँहारा॥ तहांबजूदन्तालखासैनहारी। हतेबानरावाणवृष्टिप्रहा री॥ तबैअंगदौवृक्षपाषाणमारा। लियोक्षीनिखड्गौशिरौकाटि डारा॥ गिराबजूदन्ताजबैप्राणत्यागी। रहीजोचमूलंककोघूमि भागी ३५॥ प्रज्वलिया॥सुनिबजूदन्तहतिलंकनाथ। दलिदशन अधररिसमीजिहाथ॥ पठयोअकंपनैभटजुझार। सँगदीन्हशूरसै नाअपार॥ तेकपिनआयकरिद्वन्दयुद्ध।शरशक्तिशूलअसिहनैक्रुद्ध॥ कपियूथपलैलैतरुपहार। रजनीचरदलहतिकरैंसँहार॥ गजरथ हयबाहनसकलनाशि। रजनीचरभटनपक्षारित्राशि॥ लखिधाय अकम्पनभटजुझार। शरशूलनहतिसेनपविडार॥ पुनिहनूमानते लरैलाग। शरशक्तिशूलविविधौघत्याग॥ तेहिझपटिपटकिहठि हनोमान। बधलखिअकम्पनिशिचरपरान ३६॥ भुजंगप्रयात॥ प्रहस्तैलखाराक्षसेशंजुझारा। सबैरक्षसीसैनजातेनिहारा॥ पठा योमहागौरवात्लंकराजा। चतुर्द्धाचमूलैरणैआयगाजा॥ यहांम र्कटीयुद्धकांक्षीअपारा। शिलावृक्षलैराक्षसीसैनमारा॥ उहांराक्ष साशूलशक्त्यासिपासै। गदापाश्वनाराचनैकीशत्रासै॥ लखानी

लहूकीशसैनादुखारी । शिलापाणिलैसोप्रहस्तैप्रहारी ॥ प्रहस्तौ महाबीरबाणोघमारा । बहैरक्तमानौगिरिगेरुधारा ।तबैनीलहूवृक्ष लैशीशमारा । गिरासेनपौभूमिमानौपहारा ॥ लखाप्राणत्यागा प्रहस्तंविशेषा । भयातूराक्षसाभागलेकैअशेषा ३७ ॥ भुजंगप्रयात ॥ सुनालंकराजागईसैनमारी । प्रहस्तादिसेसैनपौगेसँहारी ॥ हृदय दुःखकैमेघनादैबोलायो । पुरैसौंपिआपौरणैगर्जिआयो ॥ लसैसं गचौरंगसैनाघनेरी । जुझाऊबजैढोलतूरादिभेरी ॥ यहांभालुकी शैशिलापाणिलैकै । थकेसोमहाघोरसंग्रामकैकै ॥ सुकंठादिराजा सबैभूमिपारा । रथीरावणैसर्वसैनाविडारा ॥ पुनर्बंधुकोदेखतैतो क्ष्णधारा । यमन्दत्तशक्तीहृदयताकिमारा ३८ ॥ दोहा ॥ लक्ष्मण तेहिपाछेकियोआपुसहीसोसांगि । गिरेमूर्च्छिमहितुरतहीमहातो ब्रउरलागि ३९ ॥ प्रज्झटिया ॥ तबतुरतदशाननदौरिआइ । बहु बलकरिरहलपनेउठाइ ॥ किमिउठैभुवनसबधरेभार । श्रीरामा नुजशेषावतार ॥ लखितुरतधाइतबहनामान । तेहिमारिलातबजू प्रमान ॥ महिगिरामूर्च्छितनसुधिभुलाइ । कपिगयोतबैलक्ष्मण उठाइ ४० ॥ हरिगीतिका ॥ लखिबंधुगतिराजीवनैननीररहसरसा इकै । सजितूनकटिशरचापकरशिरजटा मुकुटबनाइकै ॥ श्रीराम ह्वैआसीनहनुमतगयेरणमहँधाइकै । गंभीरबचनसुनाइलंकेश्वर हिक्रोधबढ़ाइकै ॥ सुनतैदशास्यप्रहारिमारुततीव्रशरघायलकि यो॥ लखिसब्रणहनुमतकोपिरघुबरकालरुद्रइवावियो । शरबर्षि धर्षिदशाननैसहसैन्यभूमिगिरायऊ ॥ तेहिबेगिस्यंदनघालिसार थिलंकलज्जितलायऊ ४१ ॥ तोमर ॥ इतरामचन्द्रखरारि । रणरा क्षसागणमारि ॥ पुनिआइभ्रातहिदेख । अतिकीन्हशोचविशेख ॥ कहपौननंदनजाउ । दिविऔषधैसोइलाउ ॥ सुनिरामबैनतुरंत । गिरिलैनगेहनुमन्त ॥ उतचारमुखसुधिपाइ । दशमौलिहूअकुला इ ॥गृहकालनेमिकेजाय । तेहिदीन्हऐसिरजाय॥ कपिऔषधैगयो

लेन । तेहिरोंकुछलबलकेन ॥ तेहिभांतिबहुसमुझाय । नहिंराम मानुषआय ॥ हरिलीन्हनरअवतार । सोइभजिहैंमहिभार ॥ तेहि वैरपूरणआइ । तेहिभजेसुखसरसाइ ॥ सियदैकरौंअतिहेत । क्ष मिहैंसोकृपानिकेत । दशमौलिताहिरिसान ॥ शठवेगिकहुकिन जान ४२ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबकालनेमिमनकियोतर्क । यहिहाथमरे मोहिंहोयनर्क ॥ मोहिंमारैजोमारुतकुमार । ह्वैहौंबिशेषिसंसार पार ॥ अससमुझिमार्गमायाउपाय । सरबिमलसलिलरचिकुटी छाय ॥ सहशिष्यबैठमुनिकपटजाय । चषमूंदिजपैमालादेखाय ॥ तेहिपौननंदमुनिकुटीताक । सरबिमलसलिलफलफरेपाक ॥ करैं इंद्रयागमुनिकपटरूप । शिवपूजाजहँतहँकरैअनूप ॥ मुनिबंदिक हातहँपवनपूत । भगवनहनुमतमैंरामदूत ॥ औषधनिमित्तगिरि लेनजाउं । भयोतृषितजलाशयमोहिंबताउ ॥ जलआइदीन्हकैभू रिभाउ । इतरहौंआजुफलमधुरखाउ ॥जियलषनभालुकपिकटक साथ । लखिकृपादृष्टिरघुबंशनाथ ॥ मैंजानतसबतपसाप्रभाउ । उठिप्राततातप्रभुपासजाउ ॥ मुनिस्वल्पसलिलनहिंतृषाजाइ । वापीसरमोहिंदीजैबताइ ४३ ॥ चौपाई ॥ असुरजलाशयदीन्हबता ई । चक्षुमीलिजलपीवहुजाई ॥ पुनिउपदेशदेउंतोहिंभाई । जी वनिऔषधिजिमिदरशाई ॥ गयोमूंदिचषपीवतपानी । मकरीगहा चरणरिसआनी ॥ ताहितुरतकपिबदनविदारा । मरतैदिव्यरूप त्यहिधारा ॥ तेसबकथाकपीशहिगावा । हतौअसुरमगरोकन आवा ॥ छलिहिबिलोकिपवनसुतजाई । कहतेमंत्रलेवकिनआई ॥ गुरुदक्षिणाप्रथमतुमलीजै । बहुरिमंत्रउपदेशहिकीजै ॥ असकहि मुष्टिककठिनप्रहारा । युद्धकियोतेहिनिजतनधारा ॥अस्त्रशस्त्रछल बलबहुमाया । करतनिशाचरयुद्धनिकाया ॥ क्षणमहँसबहिसँहारि कपीशा । बचेतेगयेजहांदशशीशा ४४ ॥ दोहा ॥ बहुरिकपीशक्षणा र्द्धमहँद्रोणाचललैदीन्ह । ज्यायोलक्ष्मणसैनसबयुक्तसुखेनसोकी

न्ह ४५ हरषिभेंटिप्रभुपवनसुत बहुबिधिगौरवदीन्ह । अनुजहि भुजभरिभेंटिपुनिनिजउरशीतलकीन्ह ४६ ॥ नराच ॥ सुनादशान नौवृतान्तभूरिशोचपायऊ । उपायकैजगाइकुंभकर्णतेसुनायऊ ॥ मनुष्यरामचन्द्रभालुकीशसैनसंगकै । बँधायसिंधुआयराक्षसीस माजभंगकै ४७ सपुत्रपौत्रबांधवाअकंपसेचमूपते । अपारशूरबीर नैप्रचारिकैरणैहते ॥ मरोनएकदेखियेचमूअपारबानरी । करौसो बंधुजाइजोप्रबोधचित्तमेंधरी ४८ रिसाइकुंभकर्णरावणैसुवैनउ च्चरा । भलौअबोचहौबिमूढ़जक्तमातुकोहरा ॥ नतौतुम्हैबताव नोसुनाजोनारदैमहूं । सियासमर्पिरामसोंक्षमाउचूकसोतहूं ४९ प्रमाणिका ॥ नजानुरामकोनरं । जगत्पितासुरेश्वरं ॥ विरंचिप्रार्थना र्थही । मनुष्यदेहकोलही ॥ दशाननादिमारिहैं । महीकलेशटारि हैं॥जगतयशैपसारिहैं । समस्तभक्ततारिहैं ५० ॥ प्रज्वलिया ॥सुनि लंकनाथबोलारिसाइ । नहिंज्ञानहेतुतुमकोजगाइ ॥ ममहितमानौ तौलरौजाइ ॥नतुनिद्रावशसोवोअघाइ ॥ लखिकुंभकर्णरावणैरुष्ट। निजमरणहेतुमतिठानिपुष्ट ॥ हरिहाथमरौबैकुण्ठजाउँ । नतुकाद रममसबधरैंनाउँ ॥ अससमुझिगयोयोधाजुझार॥जेहि देखिकपिन भाभयअपार ॥ लखिकहाविभीषणप्रभुहिजाइ । दुर्मदघटश्रुतिरन भूमिआइ ५१ ॥ दोहा ॥ सुनतैरघुपतिपठैभटवानरभालुसमूह । लैलैगिरितरुशिखरिसबमारैंअतिकरिहूह ५२ ॥ तोमर ॥ हतिता हिशैलबिशाल । फलआकर्ज्योंतनव्याल ॥ मनुजादहूरनधाइ । कलयाकपीशनखाइ ॥ श्रुतिनासिकामगतौन । निकसाकरैंकपि गौन ॥ सबसैनमारिभगाइ । कपिनाथकांखदबाइ ॥ गढ़पैचला हरषाइ । मतवारदेहभुलाइ ॥ कपिराजपाईघात । श्रुतिनाकताहि निपात ॥ पुनिकूदिआयोबीर । तेहिक्रोधकीन्हगँभीर ५३॥ क्ष्मे ॥ प्रबलअसुरलैगदाबिकटमर्कटनसँहारै । झपटिपदनदहपट्टिलप टिहठिपटकिपछारै ॥ बहुतननिजतनमींजिमींजिमिलवैमहिगदैं।

बहुतनक्रुद्धबिरुद्धयुद्धकैभुजबलमर्दैं ॥ यहिभांतिभालुकपिकट कभटकुम्भकरणबिचलाइसब। निजदलबिलोकिशरचापगहिरन रघुनंदनआइतब५४ ॥ नाराच ॥प्रचारिरामचन्द्रतीरतीव्रताहिमारेऊ। निशाचरोपिआइजोरकैगदाप्रहारेऊ॥ सोदेखतैशशांकअर्द्ध वाणरामतानिकै । गिराइदाहिनीभुजागदासमेतभानिकै ५५ उपाटिसालवृक्षकुंभकर्णबामहाथहू । सोऊगिराइभुमिशालयुक्ति जक्तनाथहू ॥ पुनःप्रचारिपादहूदोऊमहानकोहसे। चलापसारिआ ननौकरालशैलखोहसे ५६ ॥ दोहा ॥ सोरघुनंदनशायकनमुख भरिशिरकरिभिन्न । कायापारिसमुद्रमहँपुरद्वारेशिरछिन्न ५७ प्रक्षेपिका ॥ पुनिकृपादृष्टिनिजसैनदेखि । कपिभालुउठेहर्षित बिशेखि॥ सुरसिद्धपितरगन्धबऋषीश । बरषैंकुसुमावलिनाइ शीश ॥ मुनिनारदादिबिनतीसुनाइ । निजभवनगयेआनंद पाइ ॥ सुनिकुंभकरणबधलंकनाथ । करमीजिरोइमहिधुनत माथ ५८ ॥ मालिनी ॥ दशमुखहिनिहारीबंधुशोकाधिकारी। कहिनिजबलभारीबोधकैशक्रआरी ॥ तबरिपुनसँहारीबानरी सैनमारी । नहिंजियतसुरारीआइहौंमैनहारी ५९ ॥ छप्पै ॥ प्रातहोतकपिसैनजाइलंकागढ़छेका । उतनिश्चरपतिअनीआइ बहुभांतिअनेका ॥ अस्त्रशस्त्रशरशक्तिबिबिधिआयुधखलमारैं । इतगिरितरुनकपीशनिशाचरकटकसँहारैं ॥ लखिमघनादकपिद लप्रबलरथचढ़िगयोआकाशही । करिमायाकुलशस्त्रास्त्रशरबर्षिदी न्हअतित्राशही ६० बहुरिकीन्हसंग्रामरामलक्ष्मणहिंप्रचारी । नागबाणहतिबांधिदीन्हमहिमंडलडारी ॥ अपरकटकखलभालु समरबधिकहिदुर्बादा । नभतेभूतलआइप्रकटयोधाघननादा ॥ ते हिसमयऋच्छपतिचरणगहिपुनिपुनिपटकिरिसाइकै । नहिंमरत देखिबरबलअसुरगढ़परफेंकाधाइकै ६१ ॥ दोहा॥ नौमीकोरघुबंश मणिसुमिरिखगेश्वरआइ । हरिप्रेरितक्षणमध्यमहँसर्पसर्बतिनखा

इ ६२ दशमीहरिबासरभयोतबोयुद्धअवहार । द्वादशकोहनुमंत भटधूम्राक्षैसंहार ६३ ॥ मालिनी ॥ बहुबिलपतराजाकुंभकर्णादि घाते । शिरनकरनपीड़ेशोकसिंधौपपाते ॥ धृग्धृग्ममबुद्धिंचित्त लायोननेको । अनुजहितकरैयाताहिधर्षाअनेको ॥ तेहिकर्मबिपा केनाशबंशोपिहोई । असबिधिरचिराखाताहिमेटैकिकोई ॥ लखि त्रिशिरबुझायोभीरमेंधीरलैये । तुमनृपतिप्रबीणेपौरुषौकैदिखैये ६४ ॥ चौपाई ॥ त्रिशिराबचनसुनतभटहर्षे । नरअंतकदेवांतकम र्षे ॥ महाकायलैपासकराला । धायोमहापार्श्वततूकाला ॥ गजर थतुरगनभयेसवारा । कोटिनभटसँगसोहैजुझारा ॥ कज्जलघनइ वसोहअकाशा । कुंडलादिजनुतड़ितप्रकाशा ॥ शाखामृगगिरित रुलैधाये । निशिचरदलहतिभूमिगिराये ॥ गजपरगजरथपररथ तोरैं । एकबारद्वैसुभटनमोरैं ॥ यहिबिधिनिशिचरकटकसँहारैं । अश्वउठाइअश्वकहमारैं ॥ अपरबीरबीरनगहिघींचैं । गिरैंभूमि अरितनकरिनीचैं ॥ निशिचरशूलशक्तिअसिमारैं । वाणवृष्टिकरि कपिनसँहारैं ॥ परिघपासमुद्गरहतिघोरा । देतत्रासकपिकुलहि नथोरा ६५ ॥ प्रज्वलिया ॥ भाऋच्छराक्षसनकठिनयुद्ध । हनिएक एकनहिकरिबिरुद्ध ॥ तेहिसमयनरांतकपासलीन्ह । यूथपसमस्त हतित्रासदीन्ह ॥ कछुबचेसुकंठहिकहाजाइ । नारान्तककपिदल हताआइ ॥ सुनतैकपीशकरिक्रोधघोर । अंगदैकहाकरुबचनमोर। यहिनारान्तककहँहतौजाइ । धायेअंगदउरक्रोधछाइ ॥ अंगदपु कारिमैंकालतोर। सुनिअसुरधावजनुभुजगजोर ॥ अतिपाशशीश कीन्हेसिप्रहार । सोअंगदउरभैव्यथाभार ॥ युवराजतासुहयमुख चपेट । गिराअवनितुरगप्राणननभेट ६६ ॥ चौपाई ॥ तबअंगद शिरमुष्टिकमारा । लहीव्यथापुनिबालिकुमारा ॥ बालिपुत्रकरिक्रो धअपारा । नारान्तककेमुष्टिकमारा ॥ रुधिरबहतमहिगिराअचेता कहैकौनसुरगणसुखजेता ॥ नारान्तकहिबालिसुतमारा । अपरअ

सुरकरिहाहाकारा ॥ तिनअंगदकहँघेराआई । अधरमयुद्धकरैंक ठिनाई ॥ सोचरित्रजानाहनुमाना । धायोकालसरिसबलवाना॥ देवांतकहियुद्धकरिघोरा । मारारणप्रचारिबरजोरा ॥ नीलमहोद रराणकठिनाई । लड़ैंयुगुलबलबरणिनजाई ॥ शरनमारिकीन्हेसि व्रणभारी । नीलनिरखियकशैलउखारी ॥ झपटिमहोदरउरहठि मारा । गिराअवनितनप्राणबिसारा ६७ ॥ छप्पै ॥ देखिमहोदर निधनतीनिशिरक्रोधबढ़ायो । लैकरचापनराचबायुसुतपरबरषा यो ॥ अतिबलपवनकुमारवृक्षलैसबशरतोरे । रथसारथीसमेतमा रिहठिचारिउघोरे ॥ तेअपरशक्तिशरकपिहिहतिकपितेतोरिफेंका यऊ । जसिछीनिनिशितक्षुरधारजेहित्रिशिराशिरनगिरायऊ ६८ अनुष्टुप ॥ हतंमहोदरंदृष्ट्वात्रिसिराचचमूपतौ । क्षणेनसहसाबध्वा देवान्तकनरान्तकौ ६९ गदापाणिमहापार्श्वबिद्रवंमर्कटीचमू । क्रोधेनमहताबिष्ठयुगान्ताग्निरिवज्वलन् ७० ॥ रूपमालिनी ॥ ते हिसमयबरुणात्मजऋषभसैनपमहाबलबीर । आवतैराक्षसहनि गदाकपिगिराव्यथितशरीर ॥ पुनिउठिकपीशप्रचण्डअतिकरिम ल्लयुद्धकठोर । तेहिछीनिगदाप्रहारिनिशिचरप्राणलैबरजोर ७१॥ दोहा ॥ महापार्श्वमहनादकहँऋषभहतारणबीच । अतिहर्षितह रिभटसकललुकतनिशाचरनीच७२॥ प्रज्वलिया ॥अतिकायलखानि जबलबिनाश । पितृव्यबन्धुसबभयेनाश ॥ मैंब्रह्मैबरलैकहाकी न । जोमर्कटसैननत्रासदीन ॥ असभाषिसहसहयरथहिजाइ । चढ़िअस्त्रशस्त्रबिधिवतबनाइ ॥ लखिसुभटनमनअतिभाभ्रमाव । रणकुम्भकरणयहफेरिआव ॥ जेहिचापशब्दभयभूरिहोय । तेहिसं गसमरकरिसकैकोय ॥ कपियूथशरणरघुबरकृपाल । यहिराक्षस तेरक्षौउताल ७३ ॥ चौपाई ॥ सुनियेबचनलषणअतिकोपे । सा जिशरासनसमरहिचोपे ॥ परिप्रभुचरणरजायसुपाई । गयेरणहिं सँगभटसमुदाई ॥ करिकोदंडशब्दअधिकारी । सुनतबधिररजन

चरभारी ॥ सुनतनिशाचरबाणप्रहारा । लक्ष्मणसोनिजशरन
निवारा ॥ यहिबिधिभयोमहारणघोरा । लक्ष्मणरावणसुतबरजो
रा ॥ छांड़ैअस्त्रशस्त्रबहुभांती । सकैनएकएककहँघाती ॥ तबयहप
वनसुनायोकाना । यहिदीन्हाब्रह्माबरदाना ॥ ब्रह्मबाणयहमरी
सुरारी । लक्ष्मणसोशिक्षाउरधारी ॥ माराब्रह्मतेजशरसाधी । ल
खिराक्षसउपाउबहुबांधी ॥ माराशक्तिगदाअसिशूला । तदपिनमु
राबाणप्रतिकूला ७४ ॥ दोहा ॥ मारिशीशतेहिबिलगकरिलक्ष्म
णबीरप्रचंड । हर्षितअतिकपिगणसकलपूजतहितभुजदंड ७५॥
चौपाई ॥ उतराबणसुनियुद्धहवाला । त्रिशिरादिकनभयोरणका
ला ॥ गिरामुर्छिमहिशोकअपारा । कपिनमहाभटकीनसँहारा ॥
मेघनादबिधितेबरपावा । अतिअभिमानतासुउरआवा ॥ अस्त्रशस्त्र
रथकवचअभेदा । एकबारमेटैरिपुखेदा ॥ पितैप्रबोधकीनतेहिंआ
ई । अबहिंहतौंकपिदलद्वौभाई ॥ असकहिरथतेहिचढ़ाबिशेषा ।
चतुरंगीदललीनअशेषा ॥ महाक्रोधउररणबिचआवा । बिबिधि
शिषनकपिकटकगिरावा ॥ रामलषणसहमहितलआये । महाबि
षादबनहिनहिंगाये ॥ सबदलब्यथितकीन्हशक्रारी । सुखीगयो
लंकैअसुरारी ॥ तबहिंबिभीषणकपिनसुनावा । बिधिवरमानिरा
मदुखपावा ७६ ॥ दोहा ॥ जनिडरपौकपिभालुसबरघुबरकृपाप्र
भाउ । होइहिबिबिधिउपावअबत्रासमिटैसबकाउ ७७ ॥ चौपाई ॥
तबहनुमंतबिभीषणजाई । दलदेखानिशिबारिउकाई ॥ अंगभग
लोटैंकपिधरणी । ब्यथाकठिनकछुजायनबरणी ॥ आगेचलिबि
धिपुत्रहिदेखा । कहौत्रासजसितुम्हैंबिशेखा ॥ सुनौबिभीषणकह
ऋच्छेशा । इन्द्रजीतशरदेतकलेशा ॥ नयननतुमहिंनदेखौंआगे ।
कृच्छ्रातूबचननआवतवागे ॥ कहौसखाहनुमतकुशलाई । जियत
होइतौसैनजिआई ॥ कहाबिभीषणसुनुऋच्छेसा । प्रभुतजिभजि
मारुतिंबिशेसा ॥ कहाऋच्छकपिजोहनुमाना । जीवतसबकेरारवी

प्राना ॥ जोनहोयतौदलसमुदाई । जीवतहूहतजानेउभाई ॥ सु
निऋच्छेशबचनहनुमाना । चरणपरेनिजनामबखाना ७८ ॥
दोहा ॥ जानिपवनसुतऋक्षपतिहर्षनहृदयसमाय । मृतकदेहजनु
अमृतलहिप्राणनभेंटउआय ७९ ॥ हरिगीतिका ॥ तबजाम्बवानप्र
शंसिमारुतसुवनतुमसबलायकं । अबजायऔषधिल्यायज्याउस
कीशदलरघुनायकं ॥ हिमवंतनगतटऋषभइककैलाशशृंगमहा
नहै । तहँथपीदेहबिशल्यजीवनिभिषजसुरनसुजानहै ॥ यहसुनि
तुरंतप्रणाम्यरामहिंझपटिगिरिलायोतहां । तेहिगन्धपरशिबिश
ल्यतनजीवतभयोसबदलमहा ॥ जनुजागिसोवततेसकलपुष्टांग
हर्षबढ़ायऊ । रघुबीरआयसुपायहनुमतनगतहैंपहुंचायऊ ८० ॥
चौपाई ॥ तबसुकंठसेनपनबोलायो । बेगवानकपिकुंजरआयो ॥ ति
नहिंकहालंकागढ़जारौ । चहुंदिशिलूकबारिपरचारौ ॥ कपिनजा
यनिशिलंकाजारा । चहुंदिशितेनिशिअनलप्रचारा ॥ गजरथबाजि
सारभण्डारा । अस्त्रशस्त्रशरशक्तिअपारा ॥ नानाभांतिअमितहथि
यारा । पटसमूहबहुबस्तुअपारा ॥ जरिजरिबहुप्रसादमहिआवै।
नगहिइन्द्रजनुबज्रचलावै ॥ जरैंनिशाचरवृन्दसनारी । बालवृद्ध
नहिंसकैंसँभारी ॥ लंकातेहिक्षणालखिसबआसा । महाबिपतिज
नुकीन्हनिवासा ॥ अमितनिशाचरसागरनीरा । उलचिबुझावत
अनलगँभीरा ॥ कोलाहलसुनिजागसुरारी । मानौकालरूपभय
कारी ८१ ॥ नराच ॥ निकुम्भकुम्भपुत्रकुम्भकर्णकेमहाबली । स
मस्तअस्त्रशस्त्रवित्मयाविहूबड़ेछली ॥ तिन्हैंबिलोकिराक्षशेन्द्रभू
रिक्रोधकैकहा । हतौनबेगिकीशनैप्रचारिकैजहातहा ८२ जुपक्ष
शोणिताक्षकम्पनादिसेनपौघने । चलेसमूहसैनलैजुझारक्रोधसेस
रे ॥ बिलोकिराक्षसीसमाजयुद्धहेतआयऊ । बनौकसाहवालसो
सुकंठतेसुनायऊ ८३ ॥ चौपाई ॥ पुनिसकोपसैनपसबधाये। तरुगि
लैराक्षसनगिराये ॥ मुष्टिकदन्तननखनबिदारैं । मर्दिमर्दि

चरभारी ॥ सुनतनिशाचरबाणप्रहारा । लक्ष्मणसोनिजशरन निवारा ॥ यहिबिधिभयोमहारणघोरा । लक्ष्मणरावणसुतबरजोरा ॥ छांड़ैअस्त्रशस्त्रबहुभांती । सकैनएकएककहँघाती ॥ तबयहपवनसुनायोकाना । यहिदीन्हाब्रह्माबरदाना ॥ ब्रह्मबाणयहमरीसुरारी । लक्ष्मणसोशिक्षाउरधारी ॥ माराब्रह्मतेजशरसाधी । लखिराक्षसउपाउबहुबांधी ॥ माराशक्तिगदाअसिशूला । तदपिनमुराबाणप्रतिकूला ७४ ॥ दोहा ॥ मारिशीशतेहिबिलगकरिलक्ष्मणबीरप्रचंड । हर्षितअतिकपिगणसकलपूजतहितभुजदंड ७५॥ चोपाई ॥ उतरावणसुनियुद्धहवाला । त्रिशिरादिकनभयोरणकाला ॥ गिरामुष्टिमहिशोकअपारा । कपिनमहाभटकीनसँहारा ॥ मेघनादबिधितेबरपावा । अतिअभिमानतासुउरआवा ॥ अस्त्रशस्त्ररथकवचअभेदा । एकबारमेटैरिपुखेदा ॥ पितैप्रबोधकीनतेहिंआई । अबहिंहतौंकपिदलद्वौभाई ॥ असकहिरथतेहिचढ़ाबिशेषा । चतुरंगीदललीनअशेषा ॥ महाक्रोधउररणबिचआवा । बिबिधिशिषनकपिकटकगिरावा ॥ रामलषणसहमहितलआये । महाबिषादबनहिनहिंगाये ॥ सबदलब्यथितकीन्हशक्रारी । सुखीगयोलंकैअसुरारी ॥ तबहिंबिभीषणकपिनसुनावा । बिधिबरमानिरामदुखपावा ७६ ॥ दोहा ॥ जनिडरपौकपिभालुसबरघुबरकृपाप्रभाउ । होइहिबिबिधिउपावअबत्रासमिटैसबकाउ ७७ ॥ चोपाई ॥ तबहनुमंतबिभीषणजाई । दलदेखानिशिबारिउकाई ॥ अंगभंग लोटैंकपिधरणी । ब्यथाकठिनकछुजायनबरणी ॥ आगेचलिबिधिपुत्रहिदेखा । कहौत्रासजसितुम्हैंबिशेखा ॥ सुनौबिभीषणकहऋच्छेशा । इन्द्रजीतशरदेतकलेशा ॥ नयननतुमहिंनदेखौंआगे । कृच्छ्रातूबचननआवतवागे ॥ कहौसखाहनुमतकुशलाई । जियतहोइतौसैनजिआई ॥ कहाबिभीषणसुनुऋच्छेसा । प्रभुतजिभजिमारुतिंबिशेसा ॥ कहाऋच्छकपिजोहनुमाना । जीवतसबकेराखी

प्राना ॥ जोनहोयतौदलसमुदाई । जीवतहूहतजानेउभाई ॥ सु
निऋच्छेशबचनहनुमाना । चरणपरेनिजनामबखाना ७८ ॥
दोहा ॥ जानिपवनसुतऋक्षपतिहर्षनहृदयसमाय । मृतकदेहजनु
अमृतलहिप्राणनभेंटउआय ७९ ॥ हरिगीतिका ॥ तबजाम्बवानप्र
शंसिमारुतसुवनतुमसबलायकं । अबजायऔषधिल्यायज्याउस
कीशदलरघुनायकं ॥ हिमवंतनगतटऋषभइककैलाशशृंगमहा
नहै । तहँथपीदेहबिशल्यजीवनिभिषजसुरनसुजानहै ॥ यहसुनि
तुरंतप्रणम्यरामहिंझपटिगिरिलायोतहां । तेहिगन्धपरशिबिश
ल्यतनजीवतभयोसबदलमहा ॥ जनुजागिसोवततेसकलपुष्टांग
हर्षबढ़ायऊ । रघुबीरआयसुपायहनुमतनगतहैंपहुंचायऊ ८० ॥
चौपाई ॥ तबसुकंठसेनपनबोलायो । बेगवानकपिकुंजरआयो ॥ ति
नहिंकहालंकागढ़जारौ । चहुंदिशिलूकबारिपरचारौ ॥ कपिनजा
यनिशिलंकाजारा । चहुंदिशितेनिशिअनलप्रचारा ॥ गजरथबाजि
सारभण्डारा । अस्त्रशस्त्रशरशक्तिअपारा ॥ नानाभांतिअमितहथि
यारा । पटसमूहबहुबस्तुअपारा ॥ जरिजरिबहुप्रसादमहिआवै ।
नगहिइन्द्रजनुबज्रचलावै ॥ जरैंनिशाचरवृन्दसनारी । बालवृद्ध
नहिंसकैंसँभारी ॥ लंकातेहिक्षणलखिसबआसा । महाबिपतिज
नुकीन्हनिवासा ॥ अमितनिशाचरसागरनीरा । उलचिबुझावत
अनलगँभीरा ॥ कोलाहलसुनिजागसुरारी । मानौकालरूपभय
कारी ८१ ॥ नराच ॥ निकुम्भकुम्भपुत्रकुम्भकर्णकेमहाबली । स
मस्तअस्त्रशस्त्रवित्मयाविहूबड़ेछली ॥ तिन्हैंबिलोकिराक्षशेन्द्रभू
रिक्रोधकैकहा । हतौनबेगिकीशनैप्रचारिकैजहातहा ८२ जुपक्ष
शोणिताक्षकम्पनादिसेनपौघने । चलेसमूहसैनलैजुझारक्रोधसेस
ने ॥ बिलोकिराक्षसीसमाजयुद्धहेतआयऊ । बनौकसाहवालसो
सुकंठतेसुनायऊ ८३ ॥ चौपाई ॥ पुनिसकोपसैनपसबधाये। तरुगि
रिलैराक्षसनगिराये ॥ मुष्टिकदन्तननखनबिदारैं । मर्दिमर्दि

शिरभुजनउखारैं ॥ निशिचरशरनशक्तिअसिघोरा । मुद्गरपासपरिघहतिजोरा ॥ भालुकपिनकहँत्रासतभारी । दोउदललड़तन मानतहारी ॥ तबअंगदकम्पनैप्रचारा । आवतकपिशिरगदाप्रहारा ॥ बालिसुवनकम्पनहूंगाता । मुष्टिकहनिकम्पनैनिपाता ॥ शोणिताक्षअंगदबलदेखा । रथअरूढ़शरहतेबिशेखा ॥ तबअंगद धनुशररथतोरा । शोणिताक्षअसिलीन्हकठोरा ॥ अंगदक्षिप्रछीनि सोमारा । गिराअवनिनहिंदेहसँभारा ॥ अपरनिशाचरकपिकटकाई । द्वंदयुद्धकछुबरणिनजाई ८४ ॥ रूपमालिनी ॥ लखिकुम्भनिश्चर निधनबहुआवारथीभयकार । अंगदप्रमुखसैनपबिपुलशरमारिम हितलपार ॥तबकपिनजायसुनायरामहिंकुम्भकटकसँहारि। गर्जतमहाधुनिअसुररणरक्षियेताहिखरारि ॥ सुनतैपठैयोधाप्रबलसुग्रीवमारुतनन्द । ऋच्छेशसेसैनपनकहँतुमदलौराक्षसवृन्द ॥ तेआयशैलशिलातरुणहतिकरतयुद्धअपार । कुम्भोपिशरबरषाइ शूलप्रचण्डपरिघप्रचार ८५ ॥ चौपाई ॥ तबसुग्रीवशैलउरमारा । अमितवृक्षतेहिकीन्हप्रहारा ॥ कुंभकर्णआत्मजबलवाना । निजशायकनशिलातरुभाना ॥ मल्लयुद्धपुनिभयोअपारा । कुंभहृदय कपिमुष्टिकमारा ॥ गिराअवनितनप्राणनत्यागा । अपरचमूकपि मर्दनलागा ॥ तबनिकुंभभ्राताबधदेखा । धायोउरकरिक्रोधबिशेखा ॥ परिघआयमाराहनुमंतै । शतखंडनकपिकीन्हतुरंतै ॥ हनुमततेहिशिरमुष्टिकमारा । बज्रघातजनुगिरापहारा ॥ कुंभकर्ण सुतकुभनिकुंभा । हतबिलोकिसुररणअस्तंभा ॥ मारुतसुतबल करैंबखाना । बर्षिसुमनप्रमोदउरआना ॥ अपरचमूभागीभयपावा । कथानिशाचरपतिहिसुनावा ८६ ॥ दोहा ॥ कुम्भकर्णसुतबध सुनतशोकनहृदयसमाय ॥ क्रोधवंतअतिलंकपति खरसुतनिकट बोलाय ८७ ॥ मालिनी ॥ खरसुतमकराक्षंकोविदंअस्त्रघातं । धनुशररणविद्याजानयोधाबिख्यातं ॥ तेहिबहुतप्रशंसामानकैसेन

दीन्हा । रघुपतिदलयुक्तंमारिहौंपानलीन्हा ८८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैस्यंदनारूढ़ह्वैयातुधानी । चलेक्रोधसंयुक्तलैअस्त्रपानी ॥ लखाकीशनौराक्षसीसेनआई । शिलावृक्षलैलैंगयेतत्रधाई ॥ हतैं लातघूंसाशिलालैप्रहारैं । रथौदंतिनैमारिसेनापछारैं ॥ करैंमल्लयुद्धैभुजापावँतोरैं । मरोरैंशिरैसोशिलाघालिफोरैं ॥ उहांराक्षसाशूलशक्तिप्रहारैं । गदाकुंतलंतोमरंबाणमारैं ॥ लरैंबानरायातुधानीबिरोधैं । हनैंएकएकैंभरेसर्बक्रोधैं ८९ ॥ चौपाई ॥ तबमकराक्षनिशितशरमारा । कपिदलमारिभूमितलडारा ॥ सुनिरघुबीरशरासनसाधा । बाणवृष्टिकरिनिशिचरबाधा ॥ तबमकराक्षक्रोधकरिआवा । बाणबरषिपुनिबचनसुनावा ॥ पिताबैरमैंलेहौंतोहीं । मिल्योभलेरणमंडलमोहीं ॥ असकहिनिशितनराचप्रहारा । निजशररामखण्डिसबडारा ॥ अष्टादशशररामप्रहारा । रथसारथीअश्वसबमारा ॥ देखतशरनमहाभयपावा । पैदरराक्षसशूलउठावा ॥ निजशरमारिशूलसोतोरा । तबमकराक्षमुष्टिहतिघोरा ॥ पावकशररघुपतितेहिमारा । गिराअसुरगतप्राणनहारा ॥ अपरनिशाचरहांरिभयमानी । भागिरावणहिंबरगयोआनी ९० ॥ दोहा ॥ रामप्रतापबिसूरिउर मुर्च्छितगिरासुरारि ॥ निजबलबरणिप्रबोधकरि बहुप्रकारशक्रारि ९१ ॥ भुजंगप्रयात । गयोपितृतभाषिशक्रारिबानी । जहांकुंभिलासोबिजययज्ञठानी ॥ इहांरावणाबंधुरामैंकहासो । पठैयोधनैहोमनाशौमहासो ९२ ॥ छप्पै ॥ अन्ननींदपरिहरैंबरषद्वादशनरजोई । तेहिमारेघननादमरैंबिधिकहयहसोई ॥ सोलक्ष्मणसबकीन्हबेगिकार्मुककरधारैं । हनुमतादिलैसंगचलैंरणअसुरहिमारैं ॥ यहसुनतलक्ष्मणतूणसजिचापबाणलैहाथतब । गवनेकपीशगणसाथलैआयसुदैरघुनाथजब ९३ जाइदीखतहँबैठअसुरमषकरैअपावनि । हुतैरक्तकीधारअमितमहिषामिषरावनि ॥ कपिनयज्ञविध्वंसकीन्हअतिशयउत्पाता । उठान

तबहूंबीरहनैंसबमुष्टिकलाता ॥ पुनिइंद्रजीतयोधाप्रबलकरत्रिशूल बरधारिकै । रणगर्जाप्रलयपयोदसमकीशनसबैबिडारिकै ९४ बहुरिजायघननादभिरालक्ष्मणहिंप्रचारी॥ जोअनंतभगवंतप्रबल शेषाअवतारी ॥ करैयुद्धकरिक्रुद्धयुगुलबिरदैतबीरबर । निज निजजयहितलागिहनंशस्त्रास्त्रनिशितशर ॥ लखिदेवगगनबिस्मयलहैंकबहुंबिलोकैंहर्षकै । षटदिवसघोरसंग्रामकैलषणहताते हिमर्षकै९५ निधनदेखिघननादभयोदेवनसुखभारी । जयतिमहा रणधीरजयतिशेषाअवतारी ॥ जयजयरघुकुलकेतुजयतिरामानुजलक्ष्मन । सुरसबबिनयसुनायबरषिसंतानसुमनघन ॥ बाजैं बरुथनभदुन्दुभीगंधूपकिन्नरगावहीं ॥ नटैनाकनदीआनंदयुतबहु बिधिकौतुकलावहीं ९६ ॥ प्रज्वलिया ॥ रणभूमिनिधनलखिमेघ नाद । सुनिश्रवणगगनदेवनबिवाद ॥ श्रमबिगतभयोसौमित्र बीर । ज्याशब्दबहुरिकीन्होगँभीर ॥ सुग्रीवबिभीषणहनोमान । अंगदनलादिकपिजाम्बवान ॥ सबबिगतज्वरलक्षमणसाथ । आयेअंगदजहँजक्तनाथ ॥ परेप्रेमातुरश्रीरामपायँ । शक्रारिनिध नसबकथागाय । सुनिहर्षिहृदयअनुजहिलगाइ । शिरसूंघिबिपुल बरणीबड़ाइ ९७ ॥ दोहा ॥ पुत्रनिधनसुनिलंकपति गिराअवनि मुरझाइ ॥ सुमिरिप्रतापप्रभावतेहिशोकनहृदयसमाइ ९८ उठिशोकातुरलङ्कपति निशिचरनिकरबोलाइ । ममसमीपसीता शिरहि छेदिधरोअबआइ ९९ ॥ नराच ॥ सुमेघनाममंत्रिएकरावणैप्रबोधिकै । हतैनशूरबीरजोषिताकहूंबिरोधिकै ॥ चलौरणै प्रचारिरामलक्ष्मणैसँहारिये । समेतकीशनाथकीशभालुसर्बमारिये १०० ॥ दोहा ॥ प्रातहोतदशमौलितव चमूसंगरनआव । ज्यों पतंगपावकशिषै उड़िउड़िजरैसुभाव १ ॥ प्रज्वलिया ॥ दशमौलिकोपिभेदशचापतानि । दशबाणबेधिरघुबरहिआनि ॥ सुग्रीवै दशसौमित्रिपांच । अरुबायुपुत्रतनदशनराच ॥ पुनिऋच्छेशैयुव

राजगात। हतिवाणलंकपतिसातसात ॥ जोअपरचमूरघुवीर संग। हतितीनितीनिशरसर्बअंग २ ॥ भुजंगप्रयात ॥ त्यऊसर्ब बानावलीभक्तत्राता। दियेएकहुंकारभेसिंधुपाता ॥ दशास्यंकहा कोपकैकैखरारी। सहौशायकैतोहिंमारौंप्रचारी ॥ महातीव्रनारा चहीताकिमारा। गिरास्यन्दनैमूर्छिहोतैप्रहारा ॥ गयोसारथीलै पुरैजाइडारा। भयोचित्ततांकेमहादुःखभारा ३ ॥ क्षिप्ति ॥ दशक-न्धरतबजाइशुक्रपदबन्दिसुनायो। अक्षतगुरुतोहिंपाइमोहिंनर कपिनसतायो ॥ कुम्भकरणघननादसरिसयोधनसंहारा। पुत्र पौत्रबलसकलरामलक्ष्मणहठिमारा ॥ मैंएकरहायहिसमयमहँ तेहिकछुयुक्तिबताइये। तवकृपासकलभृगुबंशमणिशत्रुनतेजय पाइये ४ करौंहोमनिरबिघ्नपूरकबहूंजोहोई। अनलप्रगटरथ अश्वचापशरदेइहिसोई ॥ सोलहिबैरिननाशकियोआपनमनमा ना। मुनिपुनिमंत्रउपायबतायोसहितबिधाना ॥ सोइआइदशा ननकीन्हतबयज्ञबस्तुसबलाइकै। सुधिपाइबिभीषणतेप्रभूध्वं सासुभटपठाइकै ५ ॥ प्रज्वलिया ॥ नहिंतज्योध्यानरावणकराल। कीशनलातनहतिकरिबिहाल। तबअंगदमंदिरकरिप्रवेश ॥ लायो मंदोदरिपकरिकेश। दशमुखसमीपबहुत्रासदीन्ह ॥ रोवैअनाथइव शोचकीन्ह। धिक्कारपतिहिकहिकटुकबैन ॥ ममगतिबिलोकिकिमि मूंदिनैन। सुनिनारिबचनलैखड्गपानि ॥ उठिहनाआयअंगदैतानि। तेहिछांड़िकीशहरिनिकटआइ ॥ मखध्वंसचरितसबकहागाइ ६ ॥ नराच ॥ वहांदशाननौप्रबोधिनारिज्ञानगाइकै। हतौंसरामलक्ष्मणौ अबैरणैप्रचारिकै ॥ कदापिरामहाथमैंमरौंतौमुक्तिपायहौं। बिस-र्जितामसीशरीरविष्णुलोकजाइहौं ७ ॥ दोहा ॥ कहोयथामति सुनौपिय रामहिंनरमतिजानु। धरैंदेहजनहितबिबिध तिन्हैंबैर जनिठानु ८ ॥ नराच ॥ बधार्थमोहिंनृपशरीरबिष्णुइंदिरालियो। बिचारिसत्यकल्पमैंबिरोधजानिकैकियो ॥ करौंप्रचारियुद्धकीर्त्ति

सोयुगान्तलौंरही । लहौंकुटुम्बयुक्तमैंबिशेषमुक्तिकोसही ९ ॥ चामर ॥ बोधिनारिलंकनाथस्यन्दनैमँगायऊ । अस्त्रशस्त्रधारिह्वै सवारबेगिधायऊ ॥ साथराक्षसीचमूअपारलैभयंकरा । ठाढ़आय भोरभैमहानक्रोधसोंभरा १० ॥ छप्पै ॥ सुनतभालुकपिडरेआव दुर्मदरनरावन । हनुमदादिरणधीरधायगिरिलैअरिदावन ॥ अति बलपवनकुमारझपटिमुष्टिकयकमारा । गिरामूर्छिलंकेशमनौगिरि बजूप्रहारा ॥ तबकहाकपिहिराक्षेसउठितोसमकोउनबीरबर । धृगममबलकहकपिनाथतेहिजोनमरैतैंअधमतर ११ ॥ प्रज्वलिया ॥ यहिभांतिपरस्परयुद्धठानि । दशमौलिकपिहिहतिमुष्टितानि ॥ नहिंमुरेनेकतेहिकहिरिसाय । ममुष्टिकसहुपुनिअसुरआय ॥ लखिप्रवलकीशरावणडेराय । अन्यत्रगयोतुरतैपराय । शरबरषि गिरायेचारिवीर । अंगदहनुमतनलनीलधीर । करिसिंहनादगो रामपास । शरबरषिदियोकपिगणनत्रास ॥ रघुनन्दनशरपावक समान । लंकेशहिकरिब्याकुलनिदान १२ ॥ चामर ॥ रावणैरथै बिलोकिरामभूमिचारही । देवदेवराजशोचसिंधुकैअपारही ॥ मात लिंपठायभूमिस्यंदनैसवारकै । बाजिनैअभेद्यकौचअस्त्रशस्त्र धारिकै १३ ॥ नराच ॥ विनयसुनाइशक्रकीरथैचढ़ाइरामहीं । स्वजन्ममानिमातलीकृतार्थपुण्यधामहीं ॥ तातेभयोअपारयुद्ध रामरावणैमहा ॥ यथार्थऔरकोकहैनजातशेषसोंकहा १४ करै करालबाण वृष्टिराक्षसेन्द्रजक्तजित् । जलाग्निपर्बतौघसर्पसर्व भांतिअस्त्रवित् ॥ परास्तकीन्हभालुकीशरामतीरतेपरे । निपाति अश्वसारथीबिलोकिदेवताडरे १५ भयातुरेविलोकिदैवइन्द्रपित्र कीशहू । महासक्रुद्धयुद्धमेंदशास्यबाहुबीशहू ॥ दयार्द्रदेखिराघ वेशज्यायअश्वसारथीचढ़ायचापऐन्द्रबाणकालरुद्रज्योंरथी १६ दशास्यविंशतिंभुजाप्रचारिताहिकाटेऊ । भयेनवीनताहिकेस्वऊ बहोरिछाटेऊ । अनेकबारशीशबाहुगमजूगिरायऊ । तुरन्तईशको

कृपानिशाचरेशपायऊ १७ विभीषणौविलोकिरामचंद्रबैनउच्चरो।
मरैनराक्षसेन्द्रब्रह्मईशसोंलियोबरो॥ हमैंअपारविस्मयंकहौस्व
तौनकीजिये। सखाबतायनाभिमेंसुधास्वंताहिछीजिये १८
प्रज्वलिया॥ तबरावणकरलैशक्तिघोर। निजअनुजैहतिकरिविपुल
जोर॥ शरमारिरामतेहिदैघुमाइ। निजभक्तविभीषणकोबचाइ॥
पुनिरावणकरिमायाअपार। शरशक्तिशूलकोटिनप्रहार॥ सोसर्व
काटिनिजशरणराम॥ जलअनलगरुड़बज्रैविराम॥ अष्टादशदिन
निशिभरेक्रुद्ध। भारामरावणहिंघोरयुद्ध॥ यकतीसतीरतबचारि
रोषि। यकनाभिसुधा सबलीन्हशोषि। पुनितीसबाणशिरभुज
गिराय। रघुबीरतूणप्रबिशेसोआय। तेहितेजसूर्यसमनिकसि
आय। श्रीरामबदनमेंगोसमाय॥ लखिदेवनविस्मयलहिअपार।
बरषैंप्रसूनजयजयपुकार॥ गावैंकिन्नरगंधपबरूथ। नाचैंप्रमुदित
अप्सरायूथ। नभनारदादियशरहेगाय। विनवैंसुरगणदुंदुभि
बजाय १९॥ छप्पै॥ सोहतरथरघुबीररणैरावणैसंहारी। जल
जारुणबरनयनप्रलंबितभुजधनुधारी॥ अतुलितबलमृगराजठ-
वनिबानैतबीरबर। संगभालुकपिकटकअनुजआनन्दप्रेमपर॥
लखिहर्षिप्रशंसतसिद्धगणशक्रसहितसुरन्दारके। चढ़िव्योमबिमा
ननतेकरैंपुष्पवृष्टिसुमनमन्दारके २०॥ हारगीतिका॥ लखिपौनपुत्र
विभीषणौअंगदसहितकपिनायकं। ऋच्छेशनलनीलादिसुभटन
सुमुखकहिरघुनायकं। तुम्हरेपराक्रमजीतिमैंरणरावणैदुर्मदमहा।
यहअचलकीरतिरहीयुगयुगकहैसोलहैगतिमहा॥ तबसुनतमंदो
दरीआदिकनारिआईंधायकै। लखिमृतकपतितननिकटरावतपरीं
महिअकुलाइकै॥ तेहिसमयशोकबिभीषणौकरिपरेतेहिढिगजा
इकै। रघुबीरअनुजहिपठैबोधाज्ञानमतसमुझाइकै॥ रघुबीरआय
सुतेविभीषण मृतकबंधुक्रियाकियो। कुलरीतिसोक्रमतेतिलांजुलि
आदिसबविधिवत्दियो। गृहजाइमंत्रिनसहितरानिनबहुतविधि

समुझाइकै । पुनिआइरामकृपालपदपरशेपरमसुखपाइकै २१ वसंतलतिका ॥ रामोपिलक्ष्मणयुतंहनुमान्कपीशं । ऋच्छेशनील नलअंगदराक्षसेशं ॥ अन्यस्समस्तकपिभालुबरूथनाथं । लंकाधिराजनिहतंलहिहर्षगाथं २२ ॥ हरिगीतिका ॥ तबरामचन्द्र खरारिकहिमातलिहिरथलैजाइये । सुरराजसोपरणामयुतमम बिनयबहुतसुनाइये । रघुबीरआयसुशीशधरिसारथि गयोशिर नायकै । आनंददैइन्द्रादिदेवनकथाअमृतसुनाइकै २३ ॥ नराच ॥ दियोनिदेशलक्ष्मणौपुरैप्रबेशकीजिये । बिभीषणौबिधानयुक्त लङ्कराजदीजिये ॥ गयोतुरन्तपौनपुत्रअंगदादिसाथही । सिंहासनैपधारिताहिकीन्हलंकनाथही २४ ॥ दोहा ॥ पुरजनमंत्रीमित्र सबनानोपायनदीन्ह । पुनिलक्ष्मणसँगलंकपतिप्रभुपदबंदनकीन्ह २५ ॥ हरिगीतिका ॥ पुनिभेंटिरामकृपालभुजभरिनिजसखैउर लाइकै । तबबलबिभीषणकोकियेलंकेशशत्रुनशाइकै ॥ तबकहा प्रभुमारुतकुमारैलंकपतिसँगजाइये । ममचरितसबसीतैसुनावो ताहिसुधिअबलाइये २६ ॥ प्रज्वलिया ॥ हनुमन्तगयोलैप्रभुरजाइ । लखिजनकसुतातरुमूलजाइ ॥ कृशदीनरटैरघुबीरनाम । महिनाइशीशकपिकरिप्रणाम ॥ रावणबधकुलबलसहसुनाइ । जेहिभांतिबिभीषणराजपाइ ॥ मोहिंखबरिलेनतवपठैमात । जो कहौतौनिकहौंप्रभुहिबात ॥ लखिरामदूतजानकीजानि । अतिशयअनंदनिजहृदयआनि॥ कहुकुशलतातसहअनुजराम । हैंसुखी सैनयुतकृपाधाम २७ ॥ कुण्डलिया ॥ सुनुसुततवप्रियबचनसम हैनकछूसंसार । ह्वैनसकतकेहुभांतिमोहिंतोहिंतेप्रत्युपकार ॥ तेहितेप्रत्युपकारबसैसतगुरुउरतोरे । सदाकरैंतोहिंछोहरामलक्षमणघनेरे ॥ सुनिकपिकहपुलकाइआजुमैंकाहनपावा । निरखि राममृदुगातजीतिदशमुखदुखदावा २८ ॥ दोहा ॥ असकहिकीश प्रणामकरिसियाचरणउरलाइ । आयबखानारघुपतिहिसुनत

श्लोकसरसाइ २६ ॥ नराच ॥ बिभीषणौसमारुतंकहाखरारिजाइये। सबस्त्रभूषणाढ्यकैमहीसुतालवाइये ॥ रजायपायगेहऊबोलाइ वृद्धदारती । न्हवाइअंवरादिसाजिजानकीशिंगारती ३० ॥ प्रज्व लिया ॥ सियलायेतहँसिविकाचढ़ाय । कपिभालुदरशहितचलेधा य ॥ बरजैंअनेकतिनबेतपानि । यहसमाचाररघुबीरजानि ॥ कह रामसखायहकहामानु । सीतैंपैंदरममनिकटआनु ॥ देखैंमाताजि मिकीशभालु। पतिबैनमानिचलिपादचालु ३१ ॥ भुजंगप्रयात ॥ तबैराममायासियेभत्सिभाषा । प्रतक्षाचहैंपावकैंजाहिराखा ॥ त हांजानकीसर्वविश्वासहेतू । जरायोमहाकाष्ठलैधूमकेतू ॥ महा ज्वालमालाजबैंव्योमलागी। परिक्रम्यनाथैंचलीपाइँलागी ॥ प्र वेशीमहापावकैंशुद्धसीता । जपैंरामनामैंहृदयसोपुनीता ॥ लखैं वृन्दवृन्दारकाव्योमछाये । चरित्रंसियानाथकेतेंनपाये ॥ महा पावकैंलोपभैंसोइछाया । ददर्शीतबैंजानकीयोगमाया ३२ ॥ प्रज्वलिया ॥ तबपावकभूसुररूपलीन्ह । सियअंकलायरामैंस्वदी न्ह ॥ तुमपुराबनैमोहिंसौंपिजौन । निर्दोषदेविसंग्रहौतौन ॥ सु निबन्हिबचनमनहर्षिराम । निजअंकलीन्हसीताऽभिराम ॥ अन लहिअर्चाअक्तिभक्तिभाव । लखिभालुकपिनउरभराचाव ३३ नराच ॥ बिलोकिरामअंकसीयदेवराजहर्षते । बजायदुंदु भीघनीसमूहपुष्पबर्षते ॥ बिमानव्योममेंभरेनचैंअपारअप्सरा । सुरागरागिनीप्रमत्तकिन्नरादिउच्चरा ३४ ॥ भुजंगप्रयात ॥ भजेहंसदारामइंदीवराभं । सुरानीकदुःखानलंनीरदाभं ॥ प रानंदरूपंप्रपन्नार्तनाशं । प्रसन्नाननंचन्द्रकोटिप्रकाशं ॥ समा धायअंकेसदाशुद्धसीता । तड़ित्पुंजआभासदासोपुनीता ॥ बि राधादिमारासुरान्सुःखकारी । प्रसीदप्रभोसर्वदुःखौघहारी ३५ ॥ मालिनी ॥ चढ़िबिमलबिमानैपार्वतीपार्वतीशं । बहुबिनय सुनाईआइकैंजानकीशं ॥ तबनगरअयोध्याहोतराज्याभिषकं । त

बलखिसुखपैहौंभूपलीलाअनेकं ३६ ॥ दोहा ॥ अबदशरथनृपपि
तरतवदेखिकरौआनंद । सुनिशिवबचनसभक्तिप्रभुअनुजसहित
पदबन्द ३७ ॥ मधुभार ॥ तबअवधराय । सुतउरलगाय ॥ शिरसूं
घिआय । अतिभूरिभाय ॥ मोहिंरामचन्द्र । भवफंदवृन्द ॥ हरि
करिअनंद । भेदुःखमंद ३८ ॥ दोहा ॥ पितैपूजिअज्ञानहरिदीन्हो
ज्ञानअपार । हियलगायद्यौतनयपुनिगयोसुरेशअगार ३९ ॥
इन्द्रवज्रा ॥ वृन्दारकेशंकरजोरिरामा । संग्रामकीसौंघपरेबिरामा॥
पीयूषबर्षाकरिज्यायदीजै । मेरोनिहोरोयहमानिलीजै ॥ देवाधि
पंबर्षिसुधासमूहं । ऋच्छादिज्यायेनपिशाचजूहं॥ जीवंतिपीयूषस्प
तायजीवं । नजीवतेमुक्तभयेअतीवं ॥ लंकेश्वरंभक्तिपराअनंदं ।दं
डप्रणामंकरिरामचन्द्रं । मांगृह्यहेनाथकरौनिवासं । सीतासभ्रा
तामधामबासं ॥ स्नानादिवैमंगलसर्बकीजै । रत्नौघवस्त्रादि
बिशेषलीजै ॥ नानाअलंकृत्यसबंधुसीता । जैयेतबैअवधपुरीपुनी
ता ४० ॥ नराच ॥ सुनौसखाअवद्विबीतिजोअवद्यजाइहौं । नजी
वतैभरत्तबंधुकोतहांनपाइहौं ॥ कपीशआदिपूजियेसबस्वरत्नलाइ
कै । बिभीषणौस्वयंकियोबिमानसाजिआइकै ४१ ॥ दोहा ॥ बर
षैपटमणिलंकपतिकपिउठिलईंउठाइ । फारिफोरिफेंकैंतुरतहँसैंसु
मुखरघुराइ ४२ ॥ हरिगीतिका ॥ कपिभालुसैनपबोलिरघुबरसब
हिकहसमुझायकै । तुम्हरेपराक्रमजीतिमैंदशमुखसदलरणआइ
कै ॥ अबजाउनिजनिजभवनमोहिंसुमिर्योसदामनलाइकै । सु
खसहितरहौंसदैवअबसुरपतिहुभयबिसराइकै ॥ सुनिरामबचन
सप्रेमकपिपतिलंकपतिकरजोरिकै । हमसहितचलियेअवधपुरब
हुभांतिकहानिहोरिकै ॥ तबसियाअनुजसमेतरघुबरचढ़ेपुष्पकजा
इकै । सबसखनसहितमनाइगणपतिशिवाशिवउरलाइकै ॥ सो
हतबिमानसुव्योममेंजनुरबिउदयभेआइकै । सुरसुमनबर्षतअप्स
रानाचतमधुरस्वरगाइकै ॥ दरशाइरघुबरजानकिहिलंकाबिचित्र

सुहावनी । रणरावणादिकनिधनथलसरिरुधिरपरमभयावनी ॥ पुनिसिंधुसेतुदिखाइरामेश्वरशिवहिशिरनाइकै । जोआयइतदर्श नकरैसोतरैपापनशाइकै ॥ इतहीबिभीषणशरणआयोलंकनाथक हायऊ । सुग्रीवपुरगृहबाटिकाकिःकिंधआयदेखायऊ ॥ सियप्री तिहितसुग्रीवतहँतारादिरानिनलायऊ । पुनिऋष्यमूकदेखायजहँ कपिराजशुभगतिपायऊ॥ यहपंचबटिखरत्रिशिरदूषणसैनसहज हँनाशभे । पुनिलखिअगस्त्यसुतीक्ष्णआदिकऋषिनपरमहुलाश भे ॥ यहचित्रकूटअनूपजहँभरतादिभेंटनआयऊ । तबभरद्वाजनि केतयमुनानिकटबहुरिबतायऊ ॥ येजह्नवीपावनकरनियेसरयु अवधसुहावनी। सियलषणसहितप्रणामकरिप्रभुबिदितवेदनपाव नी॥ बैशाखपक्षबलक्षपंचमिपर्णबर्षचतुर्दशे । भरद्वाजमुनिपदबंदि हरिसियलषणसंयुततहँबसे॥ करिबिनयपूछतमुनिहिंरघुबरअव धकुशलसुनाइये । सुभिक्षहैजीवतजननिसानुजभरतगतिगाइये ४३ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुनिरामबचनमुनिवरप्रबीन । कहअवधकुशल तवबिरहदीन ॥ फलअसनवसनवलकलनकीन्ह । सबराजसुःख पादुकनदीन्ह॥सहअनुजभरतबसिनंदिग्राम । ब्रतकरतमिलैंजनु लषणराम ॥ तुमदंडकबसिजेकर्मकीन। राक्षसनमारिबैकुंठदीन ॥ सोसबजानततुमबिष्णुरूप । बिधिबिनैमानिलैभूपरूप॥ हेरावणा रितवयशहिगाइ । नरतरैंसकलकलिमलनशाइ ॥ अबदेवभवनम मकरुपुनीत । रुचिअसनकरौसबबलसहीत ॥ रुखपाइऋद्धिसिद्धि नबोलाइ । सियलषणसदलरामहिंजेंवाइ ॥ तबपवनतनयरघुवर पठाइ । ममसमाचारभरतहिसुनाइ ॥ मगमित्रनिषादहिसबंगाइ । कहौभरतकुशलमोहिबेगिआइ ४४ ॥ दोहा॥ नरतनधरिहनुमतत बैगुहैकहासबजाइ । आयेरावणजीतिरणसियालषणरघुराइ ४५ नराव ॥ गयोतुरंतबातजातनंदिग्रामकोतबै । भरत्तशत्रुहासुमंत्रिपौ रिबासजेसबै ॥ बियोगरामकेभरेमलीनदीनदेखिये । यथानिशेष

बासरैद्युतिंबिहीनपेखिये ४६ ॥ अनङ्गधरशेषर ॥ भरत्तशोकसोंभरेकृ शंकुशासनेपरेमुखंरटैंसियाबरैश्रवैसुनीरनयनते । समीरसूनुजा इकैंबिनैसुशीशनाइकैप्रसंगहूसुनाइकैसुधासमानबैनते ॥ सबंधुरा ममैथिलीकपीशसंगलैबलीसुआवतेयहीथलीबिमानपुष्पकासने । ननेकशोचकोकरौअनंदचित्तमेंधरौसुमंगलायबिस्तरौ समूहबेदजो भने ४७ ॥ इन्द्रबज्रा ॥ पायोसुधिंबायुसुतंसुबंधुं । रामानुजंमग्न सुखप्रसिंधुं । कोहौकहौतातकहांतेआये ॥ मरेश्रुतिंबैनपियूषनाये ४८ ॥ प्रज्वलिया ॥ हनुमाननामकपिबायुपूत । सुग्रीवसचिवरघुबी रदूत ॥ कहुनरबानरकिमिभयोसंग । हनुमानकहाक्रमतेप्रसंग ॥ रणमारिरावणैदलसमेत । सियरामलषणआवतनिकेत ॥ सुनिभ रतहिगोसक्दुखभुलाइ । अतिहर्षकपिहिलैउरलगाइ ४६ ॥ हरिगीतिका ॥ कादेउँयहिसंदेशसमजगराजहूलखिथोरसो । सिय रामलक्ष्मणकुशलपूंछतभरतकपिहिनिहोरसो । अतिभक्तिबिनय बिलोकिहनुमतप्रभुकथासबगाइकै । शिरनाइबहुरिसुनाइरामहिं भरतगतितबआइकै । सुनिरामलक्ष्मणजानकीसुग्रीवआदिबोला इकै ॥ मुनिबंदिपुष्पकयानचढ़िगुहग्रामपहुंचेआइकै ॥ सुनतैनिषा दसुज्ञातिलैप्रभुपाइँपरिहर्षाइकै । उरलाइताहिप्रबोधिनिजजन जानिसुखसरसाइकै ५० ॥

इतिश्रीमद्रामायणेउमामहेश्वरसंवादेलंकाकांडेईश्वरी द्विजभाषाकृतेषष्ठकांडसमाप्तम् ॥

श्रीगणेशायनमः ॥

रामबिलास रामायण ॥

उत्तरकाण्ड ॥



कबित्त ॥ जलजलजावनसुपावनहुंपावनतेपावनसुहावननजाउ कबनोहैघन । पुरटपऊटाबरबिछुवामुखरतरजड़ीमणीमोदकरबि बियगुणिनगन॥ पदजनखनज्योतीकमलदलनमोतीशोभाजेतीहो तीतेतीकहैकिसहसफन । ईश्वरीशरणमिथिलेशलली केचरणताप नहरणधन्यनरजाकेआवैमन १॥ नराचछन्द ॥ इहांभरत्तशत्रुहाबशिष्ठ पासआयऊ । समेतबंधुरामसीयआगमैसुनायऊ ॥ पुनःस्वजाय कौशलादिमातनैकहाजबै । मृतेपियूषपायज्योंजियेसुखीभईंसबै २ भईप्रसिद्धग्रामबातरामधामआवते । नरौघबालवृद्धलौसबैम हानभावते ॥ सँवारिस्वर्णथाररोचनाक्षतादिगोदही । चलेबिसा रिधामकामहर्षजातनाकही ३ पुजाइग्रामदेवताशिवार्चनादिकै तदा । पठैंसुबिप्रवेदपाठचण्डिकास्तवंमुदा ॥ समेतबंधुरामसीय औधआजुआवईं । अनंदमातुभ्रातदेखिसर्बसुःखपावईं ४ बनाइ औधग्रामधामधामभांतिभांतिके । जड़ीमणीघनीघनीसुरत्नजाति जातिके ॥ पताकतोरणादिकेतुठौरठौरराजते । पुरायचौकमोतिनै सुद्वारदीपभ्राजते ५ मृदंगतूरभेरिनैनिशानहूंबजावते । सँवारि आरतीघनीसुमंगलायगावते ॥ रहेनधामएकहूसनारिवृद्धबाल सा । प्रमोदमत्तमार्गजातरामदर्शलालसा ६ भरत्तपादुकासँवारि शीशराखिकैचले । समातुबन्धुबिप्रवृन्दबेदपाठकेभले ॥ गजाश्व स्यंदनादिभूरिगाहनानिकोतलं । बिलोकिरामचन्द्रकोबिमानहीन

भोतलं ७ इहांकृपालरामजूअरूढ़पुष्पकासनै। कपीशलंकनाथअं
गदादिकीशनैभनै ॥ प्रसिद्धलोकबेदमेंपुरीबिचित्रपावनी। हमैंपि
यारिजन्मभूमिसर्बपापदावनी ८ ॥ दोहा ॥ उत्तरबाशिष्ठीबिमल
बहैंमुक्तिकीदानि। जेहिमज्जनतेनेकहूमिटैसकलअघखानि ९ ॥
भुजंगप्रयात ॥ अतिप्रीयलागैंहमैंग्रामबासी। सबैधर्ममेंसर्बहैंपुण्यरा
सी ॥ सबैपुरुषनारीदयावानत्यागी। सबैभक्तहैंसर्बकैवल्यभागी
१० ॥ हरिगीतका ॥ सुनिरामबचनसुजानकपिसबलंकपतिहर्षितम
हा। यहधन्यअवधपुरीप्रभागजोबरणिनिजमुखप्रभुकहा ॥ तेहि
समयगुरुजनसहितपुरजनभरतआवतदेखिकै। रघुबीरआयसुपा
यउतर्योमहिबिमानबिशेषिकै ॥ तेहिपठैतुरतधनेशपहँसोगयोप्र
भुरुखपायकै। तबरामलक्ष्मणप्रेमबशगुरुपदपरेहर्षायकै ॥ मुनि
हृदयलायअशीशदैपूछाकुशलसुखपायकै। अबकुशलपदपंकजबि
लोकेबहुरितवहमआयकै ॥ तबकीन्हदंडप्रणामरामहिंभरतप्रेमा-
कुलपरे। लखितुरतकृपानिधानभुजनउठायअनुजहिउरभरे ॥ ते
हिसमयप्रेमप्रमोदबर्णतअगमशेषहुकोमहा। सुखशीलशोभाभं
क्तिनतिनुतितौनकहिहैकबिकहा ॥ पुनिबंदिसीताचरणभरतसनेह
सोनपरैकही। लक्ष्मणहिंभेटतहृदयसुखजिमिगतमणिहिंफिरि
फणिलही ॥ सुग्रीवअपरकपीशराक्षसऋक्षनरतनसबधरे।
सनमानिप्रभुहितजानिसबकहँभरतमिलिमिलिउरभरे ११ ॥
मालिनी ॥ पुनिभरतसभक्तिंभेंटकीन्होकपीशै। तबबलजयपायो
रामजूबाहुइशै ॥ रघुबरचहुंबंधूपंचसुग्रीवभाई। यहयशअतिभा
रीलोकत्रयजायछाई १२ ॥ दोहा ॥ रामलषणसीताचरणपरेशत्रु-
हनजाय। बहुप्रकारसनमानयुतआशिपलहिसुखपाय १३ ॥
नराच ॥ बिलोकिरामचन्द्रग्रामलोगप्रेमआतुरे। मिलेयथोचितंअ-
नेकरूपधारिचातुरे ॥ बिशोककैक्षणार्द्धमेंनमर्मकोउपायऊ। भये
सुखीसमस्तप्रीतिरीतिभूरिगायऊ १४ मिलेसमस्तमातनैसबन्धु

रामजाइकै । पदारविंदपर्शिशीशधारिभूरिभाइकै ॥सुमित्रयादि कौशलाअनन्दभूरिपाइकै । अशीषदेतहर्षिहर्षिशोककोमिटाइकै १५ जाइजानकीमिलीसुकौशलादिसासुसों । प्रीतिजातनाकही पखारिपाउँआंसुसों ॥ देतआशिषासबैरहौसुहागसोंभरी । बार बारहीलगावतीअनन्दमेंपरी १६ ॥ चामर ॥ मातुमोदमेंभरीमणी समूहवारतीं । बारबाररामसीयलक्ष्मणौंनिहारतीं ॥ स्वर्णथार गोघृतंकपूरयुक्तआरती । वेदउक्तरीतिमंगलायनंउतारती १७ दोहा ॥ सुग्रीवादिकपीशसबभरतशीलव्रतनेम । वर्णतबिबिधिप्रकारसोंरामचरणदृढ़प्रेम १८ धन्यअवधबासीनरनारिबालअरु बूढ़ । रामपदारविन्दमहँजिन्हैंप्रेमअतिगूढ़ १९ ॥ मालिनी ॥ तब सखनबोलायोरामचन्द्रौबुझायो । निजगुरुहिबतायोपाइँलागौ सिखायो ॥ इनचरणप्रभाऊमारिमैंबाहुबीशै । तिनमहिधरिशीशै बन्दिपायोअहीशै २० पुनिरघुबरमातैकीन्हदण्डप्रणामं । तिन हर्षिअशीषैदीन्हजोमोदधामं ॥ कपिपतिनलनीलंजाम्बवानूबात जायो । निशिचरकुलकेतुंअंगदादीनूगानयो २१ ॥ दोहा ॥ भरत पादुकाशीशतेपहिराईप्रभुपाउँ। धन्यआजुममजन्मफलतवदर्शन रघुराउ२२ ॥ हरिगीतिका ॥ तबभरतकहकरुणानिधानहिंबिबिधि बहुबिनतीठयो । मोहिंसौंपिराजस्वलीजियेबलकोषसबदशगुण भयो ॥ बड़िप्रार्थनाकहिकैकयीगुरुसहितकहसमुझाइकै। तबकीन्हअंगीकारराज्यहिरामउरसुखपाइकै ॥ सुनुउमाजेहिभ्रूभंगते त्रैलोकक्षणमहँनाशई । नेकौअनुग्रहहोतसुरपतिश्रियाबिपुलप्रकाशई ॥ स्वइरामरमानिवासपरमानन्दसचराचरधनी । महिराज तेहिबरणियेकहब्रह्मांडजेहिरोमनघनी ॥ निजभक्तहितलीलाबिबिधिबिस्तरतअनुपमहवैनरं।जनगाइजेहिभवनिधितरैंप्रणमामि सोसीताबरं ॥ तबशत्रुदमननिदेशतेसंभारतिलकसँवारिकै । सब द्रव्यशुचिसेवकनराखीबिबिधिभांतिसुधारिकै ॥ रघुबीरआयसु

पायप्रथमन्हवाइभरतहिसादरं । सहलषणशिरकचरुचिबनाइ सँवारिपटभूषणबरं ॥ सुग्रीवअंगदहनुमतादिहिलंकपतिहिन्हवाइकै । पहिराइदिव्याम्बरबिभूषणसेवकनसुखपाइकै ॥ उतकौशलासीतहिसबिधिवतपरमप्रीतिन्हवायऊ । सुंदरबिभूषणअम्बरनरचिरुचिरअंगबनायऊ २३ ॥ कवित्त ॥ गौरतनश्यामसारीभूषणबिबिधिवारीशरदेन्दुद्युतिवारीआननअनूपसो । करनांतनैनसोहैनीलकंजखंजमोहैकृपादृढ़जाहिजोहैकढ़ैभवकूपसो ॥ भृकुटि दशनबरबिम्बाफलसेअधरकरुणाअपारपरईश्वरीस्वरूपसो । बचनपियूषनिधिबन्दैंहरिहरबिधि दानिरिधिसिधिसियाप्रियाराम भूपसो २४ जलजलजावनसुपावनहुंपावनतेपावनसुहावननजाउकबनोहैघन । पुरटपऊटाबरबिछुवामुखरतरजड़ीमणीमोदकर बिबिधिगुणिनगन ॥ पदजनखनजोतीकमलदलनमोतीशोभा जेतीहोतीतेतीकहैकिसहसफन । ईश्वरीशरणमिथिलेशलली के चरणतापनहरणधन्यनरजाकेआवैमन २५ ॥ दोहा ॥ अपरबानरी सीयसँगतारादिकनसप्रीति ॥ अन्हवाईभूषणबसनपहिराईरुचि रीति २६ ॥ नराच ॥ बनाइशीशकेशन्हाइरामचंद्रहूतबै । सजेबिचित्रभूषणंभरत्थपाणिलैसबै ॥ किरीटकुण्डलादिहारकौस्तुभादि भ्राजहीं । समुद्रिकांगदादिअंबरौसुदिव्यराजहीं २७ सुमन्तशत्रुहा निदेशबाहनौचलायऊ । गजाश्वपालकीरथौबिचित्रताबनायऊ ॥ चढ़ायनंदिग्रामतेकपीशसेनअग्रकै । चलेअनंदमांगलालसाअवद्धनग्रकै २८ ततोरबिद्वितीरथंसुमंतसाजिलायऊ । भरत्थसारथी तबैसियापतिंचढ़ायऊ ॥ बिचित्रश्वेतदण्डछत्रशत्रुहाकरेधरे । बिभीषणौसमीपचामरंशशिंप्रभुंढुरे २९ ॥ प्रज्वलिया ॥ चलेअवधधाम रघुबरकृपाल । सँगव्यजनडोलावतलषणलाल ॥ सियसँगप्रम दातारादिभूरि । शिबिकनचढ़िचलिशोभातिरूरि ॥ तेहिसमय गगनसुरसुमनवर्षि । नाचैंगावैंसुरनारिहर्षि ॥ बाजैंमृदंगभेरी

निशान। ऋषिमुनिसमूहकरैंकीर्त्तिगान॥ जलजारुनबरनयनाभि
राम।प्रमुदितपुरनिरखतजातराम ॥ मलयजमृगमदरुचितिलक
भाल। मणिमुक्तनउरशोभाबिशाल॥ सुनिसुनिपुरत्रियमगजात
राम। चढ़िमहलनपरतजिधामकाम ॥ द्वारनमोतिनचौकैंपुराइ।
धरेस्वर्णकलशरचिरुचिभराइ ॥ करकनकथारआरतिउतारि।
वारतिमणिगणप्रभुमुखनिहारि ॥ यहिभांतिप्रजनमगदैंअनंद।
नृपद्वारआयरघुबंशचंद ३०॥ तोटक॥ प्रबिशेरघुनाथनिकेतजहीं।
बरबिप्रपढ़ैंशुभशांतितहीं ॥ निजमातहिजाइप्रणामकियो। तिन
हर्षिउठाइलगाइहियो ॥ पुनिकैकेयिआदिजेमातुघनी। स्वइबंदि
सबैरघुबंशमनी ॥ दियोआशिषभूरिअनंदलहा। तेहिअवसरमो-
दनजातकहा ३१ ॥ दोलिका॥ तबभरतहिसमुझाइप्रभुसंपतिसह
ममधाम। सोसुग्रीवैदीजियेपावैंजहांअराम ॥पावैंजहांअरामलंक
नायकदिनराती। जाइभरतसोदीन्हसुखदमंदिरयहुभांती॥ जाइ
भरतसोदीन्हयथारुचिबासकपिनसब। पाइबिमलबिश्रामराम
आयसुनिवसेतब ३२ ॥ छप्पै ॥ सुग्रीवैकहिभरतसिंधुकोसलिल
मँगावो। रामतिलककेहेतुबेगचरचारिपठावो॥जाम्बवंतहनुमान
अपरअंगदसुखेनको। कहासुतुरतकपीशचहूंदिशिनीरलेनको ॥
तिनजाइसबंसागरसलिलस्वर्णकलशशतपलकमें। भरिआइदी-
न्हरघुबरनिकटधरेबिमलतेतिलकमें ३३ ॥ दोहा॥ अपरतीरथन
सलिलसबलीन्हसुमंतमँगाय ॥ दिव्यअमितजोतिलककीधरी
सबंसोआय३४॥ नराच ॥ तहांवशिष्ठबामदेवजाबलिःसगौतमो।
अनेकआयबाल्मीकिसेऋषयतपोत्तमो ॥ कुशाग्रनीरपुण्यगंधऔष
धैमिलाइकै। गणेशगौरिआदिदेवपूर्वहीपुजाइकै ३५ हरिगीतिका ॥
मुनिमांगिदिव्यसिंहासनैमणिरत्नमंडितबिद्युतितहां। त्यहिबैठसीता
रामद्विजननवाइशिरपुलकितमहां ॥ कुशतुलसिऔषधितीर्थजल
प्रमुदितऋषयअभिषेकही। पढ़िवेदबिधिवतमंत्रबरकुलरीतिकरत

अनेकही ॥ निरखतबिमाननचढ़ेसुरबर्षतसुमनसुखपावहीं । इंद्रा दिलोकपहर्षबशबहुभांतिबिनयसुनावहीं ॥ लियछत्रपांडुरसुभग शुभशत्रुहनमनप्रमुदितमहा । सुग्रीवलंकेश्वरदुहूंदिशिचमरढोरर भंतहां ॥ दियोवायुकांचनमणिनमयमालारुचिरअभिरामहीं। प-हिराइहारमनोहरंसुरराजतबश्रीरामहीं ॥ नभनगरबाजतदुंदुभी नाचतहुलसिहियअप्सरा। गावतमधुरगंधर्वगणअतिमोदतबतिहुं पुरभरा ३६ ॥ दोहा ॥ ऋषिसमूहमिलितिलककरि अवधधाम श्रीराम । जिमिअमरावतिपुरबसुनबासवशिरअभिराम ३७ बसततिलक ॥इंदीवराभरुचिकोमलशुभ्रगातं । राजीवनेत्रमधुरानन आपजातं॥ हारीहिरण्यमणिकुंडलसोहगंडं।पीताम्बरावृतकिरीट सुभालमंडं ॥ सिंहासनस्थरधिकोटिसमप्रकाशं । लावण्यकाम बिपुलंशुकतुणडनाशं । आजानबाहुशरचापकटिप्रदेशं । तुन्नीर भक्तनमनोहरशुभ्रवेशं ३८ ॥ इंदबज्रा ॥ बामांकभागेजनकात्म जाया । सर्व्वेश्वरीपूरुबयोगमाया ॥ चंद्राननाभूषणबस्त्रधारी । लावण्यसीवांपतिप्राणप्यारी ३९ ॥दोहा ॥ निरखिनिरखिकौश लातबउरकरिहरषअपार ।आरतिसीतारामपरवारतिबारंबार४० बिप्रनकोटिनदानदैयांचककियेनिहाल । उमासहितत्रिपुरारितब बिनयकीन्हतेहिकाल ४१ ॥ रोलाछन्द ॥ नीलउपलदलश्यामकाम कोटिनछविलाजै । बामभागमैथिलीतप्तकांचनद्युतिराजै ॥ रबि समकीटसुभालश्रवणकुंडलकलहलकैं । अंगदादिमुद्रिकाहारउर मणिगणझलकैं ॥ सिंहासनआसीनरामनरभूपरूपबर । उमास-हितउरहरषिबिनैबाणीगदगदहर ॥ तुमविधिहरिहरजक्तसृजत पालतसंहारत । मत्स्यादिकअवतारधारिसुरबिपतिनिवारत ४२ छप्पै ॥ लीलाविविधिप्रकारकरतनिजभक्तनहेतू । विवशलेतजेहि नामहोतभववारिधिसेतू ॥ तुमहौजगआधारजक्तआतमाचराचर । रविशशिशिखिनिहुतेजतुम्हैबरणतसुवेदबर ॥ तुमब्रह्मविरज

बाणीपरेअस्तुतिकहँलगिकीजिये। यहसगुणरूपश्रीरामपदभक्तिहमेंनिजदीजिये४३॥ चौपाई॥ तबसुरपतिरामहिंकरजोरा। रावणहरासौख्यसबमोरा॥ ताहिमारिपठयोनिजधामा। तवप्रसादपायोसुखरामा॥ अपरदेवकहँसुनौखरारी। रावणहमेंदीन्हदुखभारी॥ब्राह्मणयज्ञकरैंनहिंपावैं। सोबिनहमसबसुरदुखपावैं॥हत्योनाथराक्षसदुखदावा। तुवप्रसादहमपुनिसुखपावा॥ पुनिरघुनाथहिपितरमनावैं। गयापिण्डप्रभुहोननपावैं॥ बध्योरावणैअतिअघराशी। तवप्रसादहमभयेसुपासी॥ विनवैंप्रभुहियक्षह्वैदीना। पुष्पकयानरावणैछीना॥बध्योताहिअतिशयबलवाना। कृपासिंधुहमबड़सुखमाना॥ पुनिगन्धर्वनबिनतीठाना। हमहरिगुणगणकरैंबखाना४४॥ दोहा॥ विघनकरैरावणसुभटताहिसंहार्योनाथ। तवप्रसादरघुबंशमणिपुनिहमभयेसनाथ ४५ छप्पै॥ यहिविधिकिन्नरसिद्धपन्नगौमरुतसमेता। बसुमुनिखगमृगधेनुअपरगुह्यादिकजेता॥सहितअप्सरावृन्दप्रजापतिसेसबलायक। निरखितिलकउत्साहबंदिरामहिंसुखदायक॥ जिमिसिंहासनरघुबंशमणिसोस्वरूपउरराखिकै। सबदेवगयेनिजपदहिलहिरामहिंविनतोभाषिकै ४६॥ प्रज्झटिया॥ सुनुउमाकथाअवचित्तलाइ। जबरामभयेराजेन्द्रआइ॥ सबजीवरहैंदिनदिनप्रसन्न। सम्पन्नसदावसुधासुअन्न॥ महिरुहलोभेसुरतरुसुभाइ। मांगेजलवर्षतमेघआइ॥ नहिंअल्पमृत्युनहिंव्यालत्रास। बिनबैरचरैंगजसिंहपास॥अतिवृष्टिअग्निभयसुनिनकान।चौरादिदुष्टनहिंहैंजहान॥ चहुंबरणपतिव्रतवतीनारि। पुत्रिनीसबैरूपाधिकारि॥ बैधव्यरहितनहिंपुत्रशोक। संतुष्टपुष्टप्रमुदितसलोक। नहिंरोगरोषनहिंवायुत्राश॥ दुर्भिक्षादिकभयभयनाश॥ सबसुखीधनीधार्मिकउदार। सुन्दरसुशीलगुणनिधिअपार॥ विद्याविवेकश्रीरामभक्त। त्रैतापरहितसबभयोजक्त ४७॥ दोहा॥

निजनिजधर्महिंअनुसरैंचारिउबरणसुजान । सतयुगसमत्रेता भयोराजाश्रीभगवान ४८॥ नराचछन्द ॥ तबैसुकंठमित्रकोबिलोकिरामप्रीतिते । अमोलसर्बरत्नयुक्तसूर्यसोंसुनीतिते ॥ दियोसु मालमेलिग्रीवआपुभक्तबत्सलं । उतारिबाहुअंगदंसुअंगदैमनो हरं४९॥चामर॥ कोटिचन्द्रक्रांतिहारस्वर्णरत्नसोघनी । कौस्तुभादि जाहिमेंबिचित्रहैंजड़ीमनी ॥ जानकीशजानकीमहानप्रीतिसोंदियो । शेषनासकैंबखानिमोददंपतीहियो ५०॥ नराच ॥ उतारिहार कंठतेस्वजानकीशशिंद्युतं।बिलोकिकैहरीशनैंचितैपुनःपुनःपतिं॥ प्रियामनोगतिंबिचारिहर्षिरामजूकहा । प्रसन्नजाहिहोउताहि देउदेरहैकहा ५१ ॥ चौपाई ॥ तबजानकीहारहरषाई । हनूमान कहँदीन्हबोलाई ॥ हारपहिरिगौरवअतिपायो । बारबारचरणन शिरनायो॥ देखिभक्तिकपिकीरघुनायक । बोलेबचनपरमसुखदायक ॥ हनुमतमैंप्रसन्नअतितोहीं । सुरदुर्लभबरमांगहुमोहीं ॥ तब हनुमानचरणशिरनावा । नामतुम्हारमाहिंअतिभावा ॥ संततभ जौंताहिदिनराती । रहैनामरसममतिमाती ॥ जबलगिनामरहै संसारा । तबलगियहतनरहैहमारा ॥ एवमस्तुतबकहिरघुराई । जीवनमुक्तरहौसुखपाई ॥ कल्पांतेसायुज्यमुक्तिमम । पैहोनहिं सन्देहततुम ॥ पुनिसियकहाकपिहिहरषाई । सर्बभोगपावोस बठाई ५२ ॥ दोहा ॥ रघुबरआयसुपाइतबपदगहिबारंबार ॥ तप हितगयोहिमालयंकृच्छ्रतपवनकुमार ५३ ॥ चौपाई ॥ तबगुह सनकहकृपानिकेतू। जाउभवनमोहिंराखेउहेतू ॥ करौभोगमनमें जसचहिहौं। अन्तस्वरूपमुक्तिममलहिहौं ॥ असकहिभूषणबसन अनेका ।राजबिपुलदैज्ञानबिबेका ॥ कियोबिदातेहिहृदयलगाई । गयोभवनसोपदशिरनाई । अपरभालुकपिजेसँगआये ॥ भूषणबसनसबहिपहिराये । सहितबिभीषणअरुसुग्रीवा ॥ कियोरामसन्मानअतीवा । यथायोग्यसबपूजिपठायो ॥ गयेरामचरणनशिरना

यो । प्रभुलक्ष्मणहिं कीन्हयुवराजा ॥ तेसबकरतराज्यकरकाजा । सेवहिंप्रभुहिकर्ममनबानी ॥ पालैंप्रजनपुत्रसमजानी । परमातमा रामनरभूपा ॥ कारजरतपैबिमलसरूपा ५४ ॥ दोहा ॥ स्वानन्दै संतुष्टप्रभुसकललोकउपकार ॥ अश्वमेधसैकरनकैदैदैस्वर्णअपार ५५ सहसयकादशबर्षप्रभुराज्यकीन्हजेहिरीति । बरणिसुनायो शम्भुसबगिरिजासोंअतिप्रीति ५६ ॥ चौपाई ॥ जोयहकथासुनैमन लाई । कोटिजन्मअघताहिनशाई ॥ करिंजगभोगजायबैकुण्ठा । लहैमुक्तिसोपरमअकुण्ठा ॥ धनसुतअर्थीधनसुतपावैं । रुजआरत कररोगनशावैं ॥ राज्यहेतुजोसुनैसप्रीती । पावैराज्यशत्रुगणजीती स्त्रीसुनैरामअभिषेका । लहैपुत्रधनधान्यअनेका ॥ बंध्यापुत्रवती ह्वै जाई । अन्तमोक्षपावैसुखदाई ॥ जोपुस्तकपूजैसहप्रीती । जायसकलतेहिपातकरीती ॥ जोनिजमुखयहशिवकृतगैहै । रघु पतिकृपापरमपदपैहै ॥ ज्ञानबिरागमुक्तिकीदाता । रामायणयह जगविख्याता ॥ सर्वबेदमथिशंभुनिकासा । रामसुयशयहजक्तप्र काशा ५७ ॥ दोहा ॥ इश्वरीद्विजभाषाबरणिरामचरणरतिहेतु । जगउपकारबिचारिउरउमैकहावृषकेतु ५८ ॥ चौपाई ॥ अपरच- रित्रकहौंअबगाई । सिंहासनबैठेरघुराई ॥ देशदेशकेभूपतिभूरी । दिशिपतिमुनिनसभासबपूरी ॥ भरतादिकभ्रातासुखपावत । च- मरछत्रकोउव्यजनडोलावत ॥ सनकादिकऋषिवृन्दअपारा । बि- नयकरतनिजमतिअनुसारा ॥ हनुमदादिभटजहँतहँसोहैं । देखि प्रतापइन्द्रमनमोहैं ॥ तेहिअवसरएककूकुरआयो । धर्मद्वारदुन्दु भीबजायो ॥ सुनिअनुजहिप्रेरेउरघुबीरा । श्वानहिलषणलायतब तीरा ॥ पूछाप्रभुकेहितोहिंसतावा । आपनचरितश्वानसबगावा ॥ सोवतमहिमेंसुनोंभुवारा । बिनुअपराधबिप्रमोहिंमारा ॥ तेहि कारणदुंदुभीबजाई । रुचैतुम्हैतसहोयरजाई ५९ ॥ रोला ॥ सुनतै चारनपठैतुरतसोनिकटबोलायो । कहोबिप्रकेहिहेतश्वानकोमारि

दुखायो ॥ ब्राह्मणकहाभुवालश्वानसोवैमगमाहीं । भोजनहितमैं जातमानिभयमाराताहीं॥तबप्रभुपूछामुनिनकहौकाकरियउपाई। हैअदण्डद्विजऋषिनकहाजानोंरघुराई ॥ पुनिकूकुरहिसुनायकहौ सोयाकोकीजै । श्वानकहाहरषाइइन्हैशिवपूजादीजै ६० ॥ चौपाई॥ श्वानकहातेंसेप्रभुकीन्हा । बहुधनदैमठपतिकरिदीन्हा ॥ क्षिप्र विप्रभोभूपसमाना । भोगनलागसकलसुखनाना ॥ लखिविस्मय सबकेमनआई । यहपरिणामश्वानकहोगाई ॥ सारमेयनिजकथा सुनावा । जेहिप्रकारकूकुरतनपावा । सुनोसकलयहिकरपरि णामा । मठपतिएकधनीयकग्रामा । ताकेबहुतपाहुनेआयो । पाक करनममपितहिबोलायो ॥ तिनहिंजेंवाइआयनिजगेहा । मोहिं गोदलीन्हाकरिनेहा ॥ दूधभाततुरतैमँगवायो । सानिमोहिंनिज करनखवायो ॥ मठपतिघृतपितुनखतेदयऊ । तातदूधतेममसुख गयऊ ॥ तौनदोषपरिनरकनजाई। बहुयोनिनभरम्योरघुराई ६१ दोहा ॥ मोहिंदीन्हयेदण्डलघुयहिंमबड़दुखदीन्ह । क्षमियेप्रभु अपराधममयातेमठपतिकीन्ह ६२ ॥ चौपाई ॥ गिरिजासुनोंअपर इतिहासा । लवणासुरहिमुनिनलहित्रासा ॥ भार्गवच्यवनादिक द्विजवृन्दा । आयेसबजहँरघुकुलचंदा ॥ विधिवतपूज्योरघुकुल केतू । पूछाकुशलकीन्हअतिहेतू ॥ आयसुदेउकरौंमैंसोई । द्विज समानप्रियमाहिंनकोई॥यहसुनिसकलउठेहरषाई । बोलेच्यवन सुनोरघुराई ॥ सतयुगएकदैत्यमधुनामा । भूसुरसुरसेवकअभि रामा । अतिधर्मज्ञविप्रहितकारी । ताहिशूलइकदीन्हपुरारी ॥ कहेबचनअसतेहिशशिभाला । जबलगिरहिकरशूलकराला ॥ तबलगिशत्रुसामुहेआवै । कैसौप्रबलनाशकहँपावै ॥ ताकरसुत लवनासुरघोरा । पीड़तद्विजदेवनबरजोरा ६३ ॥ दोहा ॥ तासु त्रासबशविप्रसबआयेतवशरणाय । करियेरक्षादीनलखिदयासिं धुरघुराय ६४ ॥ चौपाई ॥ सुनिविप्रनकेबचनकृपाला । अभयहोउ

कहबचनरसाला ॥ तबअनुजनबोलेउरघुराई। लवणासुरहिबधै कोजाई ॥ भरतकहामैंअसुरहिमारौं । प्रभुआयसुनिजशिरपर धारौं ॥ तबशत्रुहननाइपदमाथा। प्रभुहिकहाकरिसंपुटहाथा६५ नाथसाथलक्ष्मणरिपुमारा। भरतकृशिततपकीन्हअपारा ॥ मैं अबलवणासुरहिसँहारौं। प्रभुप्रतापयशजगबिस्तारौं ॥ सुनिश त्रुहनबचनरघुराई। भुजभरिहृदयलाइलघुभाई ॥ मांगाजलतब तीर्थअनेका । मथुराराज्यरामअभिषेका ॥ दीन्हएकशररघुकुल केतू। लवणासुरहिसँहारनहेतू ॥ सैनसंगचतुरंगअपारा। अपर रथीअरुसुभटजुझारा ६६ ॥ दोहा ॥ पठवाशिषदैशत्रुहैमानोबचन हमार। शूलपूजिघरजाइधरिप्रबिशैबिपिनअपार ६७ ॥ चौपाई ॥ बानरवाघबराहकरालू। भक्षणकहमहिषादिकभालू ॥ प्रातअ-खेटजाइउठिनितई। आवैघरैमध्यदिनबितई ॥ यहआचरणसदा तेहिकेरो। तुमकरियतनजाइपुरघेरो ॥ ठाढ़रह्योचरसाधिदुवारा॥ आवतहीतेहिकिहेउप्रहारा ॥ प्रभुपदपरशिचलेरिपुहंता । सोह तसंगसैनबलवंता ॥ यहिप्रकारकछुदिवसबितावा । यमुनातट मधुपुरीघेरावा ॥ उतलवणासुरखेलिअखेटा। पुरहिआवारिपुहंत हिभेटा ॥ कहानृपतितुमकहाभुलाने। मोहिंनजानतआइतुलाने॥ कहरिपुहनतोहिंमारनहेतू। आयोंमैंअबहोसिसचेतू ॥ असकहि युद्धपरस्परठाना। देखतसुरनभचढ़ेबिमाना ६८ ॥ दोहा ॥ महा बलीदनुजाधिपतिकीन्होंयुद्धअपार। रिपुहंतालखितासुउररघुबर बाणप्रहार ६९ ॥ चौपाई ॥ गिराअवनिरघुपतिशरलागा । शुभ गतिपायोनिजतनत्यागा ॥वृन्दारकदुंदुभीबजाई । नाचैंहर्षिअ प्सरागाई॥भूनभसुरमुनिजयजयबानी। रिपुहंतायशकहैंबखानी॥ प्रमुदितसंगसैनसमुदाई। टिकेशत्रुहननयशपाई। बहुरिबसायो ब्राह्मणवृन्दा। दानमानसोंकियेअनंदा ॥ अपरप्रजारिपुहनबल पाई। बसेनगरसुखबरणिनजाई ॥ मथुरापुरसबभांतिबसाई।

रक्षाहिततहँकटकटिकाई ॥ सबहिप्रतोषिआपुरिपुनाशन । आइ रामपदगहेहुलाशन ॥ अतिआदरप्रभुहृदयलगाई। दीन्हमानकछु बरणिनजाइ ॥ यहिविधिमहिमंडलसबकाला । रामनरेशसबहिं प्रतिपाला ७० ॥ नराच ॥ पुनागिरीन्द्रकन्यकैकहागिरीशगाइकै । चरित्ररामचंद्रकेअनूपचित्तलाइकै ॥सहायआपनीलियेयुधाजितौ बोलायऊ । गयेभरत्तसैनलैनियोगनाथपायऊ ७१ ॥ हरिगीति ॥ गयेभरतजबननिहारतबअतिमातुलनलखिसुखलहा । पहुनाइ बिपुलप्रकारकरिपुनिशत्रुशालनसबकहा ॥ सुनतैअरुणदृगकोप वशभुजफरकिभूपकिशोरके । जाग्योमनोंकरिशब्दतेकेशरिसुभट शिरमौरके ७२ ॥ मालिनी ॥ तबसाजिदलचतुरंगगजरथबाजि सुभटअपार । गहिअस्त्रशस्त्रसमूहगवनेभरतकीन्हनबार ॥ सुनतै तुरतगंधर्वपतिलैसुभटकोटिनसंग । कियोयुद्धक्रुद्धबिरुद्धसोनहिं जातबरणिप्रसंग ॥ भयोघोरसमरकठोरकरको दण्डकठिनचढ़ाइ। अतिभीमबिक्रमभरततिनहिनिपातिशरवरषाइ॥ जयपाइपुष्कल कोकियोपुष्करावतिकोभूप।लघुपुत्रतक्षहिदीन्हतक्षसिलासुराज अनूप ७३ ॥ दोहा ॥ सुतनसैन्यचतुरंगिनीसुहृदसंपदादीन्ह ॥ नीतिसिखैनिजभरततबगवनरामपहँकीन्ह ७४ ॥ चौपाई ॥ पुनि लक्ष्मणहिंकहाश्रीरामा ॥ पश्चिमदेशमहाअभिरामा॥ बसैंमल्ल मानुषअघधामा ॥ तिन्हैजाइजीतौसंग्रामा ॥ निजपुत्रनसँगलेउ लवाई । राजदेउतहँनगरबसाई॥ गयेलषणप्रभुआयसुपाई । संग उभयसुतदलसमुदाई ॥ जाइपक्कांहमल्लदलमारा । रचेनगरद्वैसु खदअपारा ॥ जेठपुत्रअंगदजेहिनामा । कीन्हभूपइकपुरअभि रामा ॥ लघुसुतचित्रकेतुकहँराजा । कीन्हउभैपुरसाजिसमाजा॥ दीन्हीद्रव्यअनेकप्रकारा । सुहृदसैनसँगकीन्हअपारा ॥ लक्ष्मण आइरामपदसेवा । औरनजानैदूसरभेवा ७५ ॥ दोहा ॥ यहिप्र-कार रघुबंशमणिकीन्हेचरितअपार ॥ कविनअगमजेहि शेषहूनेक

नपावैंपार ७६ ॥ चौपाई ॥ पुनिगिरिसुताबिनयजगदीशै। सम्पुट करकरिमहिधरिशीशै ॥ नाथकहौरघुपतिगुणगाथा। निशिचर बधिसुरकीन्हसनाथा ॥ अवधराजबैठेसुखपाई । कीन्हजोअपर चरितरघुराई॥परमात्माब्रह्मनरबेषा । कतिवरषैमहिरहेविशेषा ॥ गयेधामजिमिदीनदयाला । कहोमोहिंसबशंभुकृपाला ॥ सुनि शिवशिवाबचनहितमाना । करनलगेहरिचरितबखाना ॥ राव णादिनिश्चररणमारी। राज्यबैठिकियोप्रजासुखारी ॥ आयेकुम्भ जादिऋषिनाना । पूजितिन्हैंविधिवतभगवाना ॥ करिदण्डवत सुआसनदीन्हा । कुशलपूछिप्रतोषबहुकीन्हा ॥ अबहमरेकुलकुश लअपारा॥ तुमरणरावणादिसंहारा७७॥ दोहा ॥ मार्योघननादैप्र बलसबतेअधिककराल। अभयदानसुरमुनिनदैसबबिधिकियोनिहा ल॥७८ चामर॥ छांड़िरावणादिकुम्भकर्णसेमहाबली। मेघनादकोप्र शंसिविस्मयंहमैंभली॥ जन्मकर्मपौरुषंसमस्तकेबखानिये।कुंभजात रामसोकहासुनौप्रमाणिये७९॥ हरिगीतिका ॥ पुरुषपुलस्त्यविरंचिसु ततपकरतमेरुसमीपही। करैविघ्नसुरगन्धर्वकन्यासहितसुतामहीप ही॥मुनिकहाअबममनयनगोचरजौनिगाइहिआइकै । होइजायग र्भसमंतसोसबगईंतुरतडेराइकै ॥ तृणविन्दुभूपतिकन्यकानिर्भय पुनःआवतभई। भैगर्ववंतिविवर्णतनपितुपाससोशंकितगई ॥ लखि भूपरमितद्युतिसुताधरिध्यानहृदयबिचारिकै। तेहिलाइदीन्हीमुनि वरैसब्याहरीतिसुधारिकै ॥ विख्यातलोकपुलस्त्यसुतविश्रवाज नमेआइकै। तेहिभरद्वाजमुनीशहूनिजसुताब्याहीलाइकै ॥ तिनते सुपुत्रकुबेरभेकरितपविधिहिपुष्पकलहा । निबसेसोलंकापुरप्रसि द्धसुबर्णमयमन्दिरतहां ॥ जेहिविश्वकर्मारचीनिजकरराक्षसौघब- सायऊ। तेसर्वभागिपतालगेअतिविष्णुतेभयपायऊ ॥ यकसम यकन्यासहसुमालीदैत्यआयोभूतलं । लखिवैश्रवैपुष्पकचढ़ेऐश्वर्य सहयक्षनबलं ८० ॥ नराच ॥ सुमालिहूविचारिचित्तकैकसीकहा

तबै । छपायजातिकर्मविश्रवैबरौसुताअबै ॥ धनेशभ्रातृतोरपुत्रज्यों लखोसोनयनसों । पितैप्रबोधिसोगईऋषैचितैसुसैनसों ८१ ॥ अधोमुखीसलज्जयासमेतभूलिखैतहां । विलोकिपूछिविश्रवासुभा मिनीचलीकहां ॥ रहीस्वपाणिजोरिबैनआननैनउच्चरा । मनोभि-लाषताहिकोऋषीशध्यानमोपरा ८२ ॥ तोमर ॥ मुनिकीन्हरति तेहिसाथ । सुतभाप्रकटदशमाथ ॥ उठिहालिभूतेहिकाल । लखि बीसबाहुकराल ॥ पुनिकुम्भकर्णनगाभ । सुतकैकसीकहलाभ ॥ तेहिकन्यकाभइऔर । अतिसूर्पनखाकठोर ॥ पुनिभेबिभीषणभक्त । यशजाहिजाहिरजक्त ॥ जबप्रौढ़भेदुहुभाइ । दुखदैमुनीशनजाइ ८३ ॥ दोहा ॥ यहिविधिमुनिकुलजनमिभेराक्षसकठिनकराल ॥ कुम्भकर्णरावणवलीबीसबाहुदशभाल ८४ ॥ नराच ॥ धनेशएक बारपितृदर्शनार्थआयऊ । बिलोकिकैकसीबिभौस्वपुत्रनेसुनायऊ ॥ करौस्वजायऐसहूतुम्हौपदार्थकोलहौ । हमैसमेतसबबंधुज्योंसदा सुखीरहौ ८५ ॥ प्रज्वलिका ॥ सुनिमातुबधनदशमौलिकोपि । सुनु सत्यबचनकहिप्रणहिंरोपि ॥ शतधनदहुतेमैंहोउँबेश । असकहि गेसबगोकरनदेश ॥ अतिकीन्हउग्रतपतिहूंभाइ । पदएकठाढ़निर सनबनाइ ॥ दशसहसवर्षतपकरिकराल । तबशीर्षसिखिनिबरि उठीज्वाल ॥ तबकाटिशिरनहुतिबह्निदीन्ह । तपकीन्हकठिन असकेहुनकीन्ह ॥ बिधिकहाआइरावणहिंबात । मैंतोहिंप्रसन्नबर मांगुतात ॥ हममरैंनकाहुकेहाथआइ । सुरअसुरादिकपैनरबराइ ॥ कहिएवमस्तुबिधिकहाऔर । शिरबह्निहुततेहोइतोर ८६ ॥ हरिगीतिका ॥ पुनिगेबिभीषणतीरबिधिबरमांगुपुत्रजोचितचहैं । तेहि मांगिधर्मसनेहममितदिवसनिशिसन्ततरहैं ॥ तेहिएवमस्तुबिरं-विकहिअरुअमरतुमसबयुगरहौ । श्रीरामपदपाथोजपावनभक्ति बरअबिचललहौ८७ ॥ छप्पै ॥ कुम्भकर्णकहँदेखिबिधिहिमनविस्म यआयो । गिरागिरैबैठारिताहिछलबचनसुनायो ॥ मांगुमोहिंबर

दानसोपिपरबशह्वैमांगी। सोवोंमैंषटमासएकभोजनदिनजागी॥
दैब्रह्मबरहिनिजभवनगेनिशिचरमनशोचतभयो। मैंप्रेमबिबशमां
गाकुरुचितपसमूहबिरथागयो ८८॥ चौपाई॥ सुनिसुमालिरावण
बरपायो। निशिचरगणलैभूतलआयो॥ मिल्योरावणहिंअंकमला
ई। परमानन्दनहृदयसमाई॥ हरिभयतेछांड़ीहमलंका। तव
प्रसादपुनिभयोंअशंका॥ अबधनपतिहिछीनिसोलीजै। लंकाराज
अचलह्वैकीजै॥ कहरावणयहमतनहिनीका। वित्तेश्वरममगुरु
बरटीका॥ कहप्रहस्तयुगयुगचलिआई। राजहेतुनहिंभलीसगा-
ई॥ देवदनुजकश्यपकेजाये। राजहेतुरहैंबैरबढ़ाये॥ सुनिप्रहस्त
बाणीदशभाला। लंकागढ़घेराततकाला॥ सुनिधनपतिपुष्पक
बरसाजी। तुरतगयेकैलासहिभाजी॥ तपकरिशिवहितोषिदिग्पा
ला। ह्वैअलकापुरबसेनिहाला ८९॥ रोला॥ जबरावणबलवान
राक्षसेन्द्रैपदपायो। सुहृदबन्धुसहबसेलंकगढ़सुखसरसायो॥मंदो
दरिअसनामसुतामयदानवकेरी। सोरावणहिंबिवाहिरूपकीराशि
घनेरी॥ बैरोचनदौहित्रिवृत्तज्वालाअसनामा। कुम्भकर्णकह्याहि
नारिसोपरमललामा॥ गंधपसुतासुबामनामसैलूखाजाही।
अनुजबिभीषणधर्मसहिततेहिदीन्हबिवाही ९०॥ दोहा॥ मंदोदरी
प्रसूतसुतमहाबीरबलधाम। घनवतगरजाजन्मतैमेघनादतेहिनाम
९१॥ कुम्भकरणकँहगिरिगुहारचिरुचितहांसोवाय। आपुगदालै
लंकपतिसुरमुनित्रासैजाय ९२॥ प्रज्झटिका॥ तबबरजिधनददूत
नपठाय। सुरमनिनत्रासयहभलनआय॥ सुनिक्रोधितअलकापुरी
जाय। बलसोंपुष्पकलावाछड़ाय॥ तबरावणधायोपातालै। उर
गणबशकीन्होततकालै॥ यमबरुणहिंरणजीताप्रचारि। सुरलोक
गयोतुरतैसुरारि॥ तबभयोदेवतनप्रबलयुद्ध। त्रिदशेश्वरतेहिबां
धासक्रुद्ध॥ सुनिमेघनादतहँतुरतजाय। रणजीतिसुरपतिहिबांधि
लाय॥ दशमुखबंधननिजपाणिछोरि। आयोलंकागढ़सोबहोरि

९३ चौपाई ॥ मणिपुरदैत्यमहाबलवाना । तिनहिंलरायकबरष प्रमाना ॥ दुहुनकीन्हबिधिआयमिताई । तिनमायारावणहिं पढ़ाई ॥ बरुणनगरघेरापुनिजाई । द्वन्दयुद्धकरितहँजयपाई ॥ तबरावणबलिद्वारहिआवा । हरिहिदेखितहँतेहिभयपावा ॥ महाकराल कालतेबांके । कम्पतगातजातनहिंताके । तिनतेपूछिकहांबलिराजा । मिलिहौंतिन्हैंमोरकछुकाजा ॥ यहैनिकेतपूछुनिजकामा । दानीमहामहाबलधामा ॥ देखिजायलंकेशभुवारा । हँसिदनुजेन्द्र निकटबैठारा ॥ कहुलंकेशकरौंमनभायो । जौनिमनोरथकरिइत आयो ९४ ॥ नराच ॥ कहाप्रकोपिलंकनाथविष्णुबंधनेपरे । छुड़ाइहौंतुम्हैंतिन्हैंप्रहारिमुद्गरेशरे ॥ बिचारिचित्तदानवेन्द्रताहिबैन उच्चरे । यहैप्रतिष्ठतेदुवारहवैहमारकिंकरे ९५ हिरण्यकश्यपादि जेमहानमानतेभरे । बरप्रभाउकालमृत्युआपनेकरेकरे ॥ कियोमुहुर्तमेंविनाशकैटभादिजेपरे । हिरण्यअक्षसेबलीस्वऊबिरोधकैमरे ९६ ॥ प्रमाणिका ॥ इन्हैंबिरोधनाभलो । ममादिकोटिनैछलो ॥ भजैं तेमोदपावते । ध्रुवादिनैगनावते ॥ सुनासुबैनरावनै । भयोस्वचित्तभावनै ॥ प्रचारिविष्णुतेलरौं । मरौंभवार्णवंतरौं ॥ कदापिजीतिपाइहौं । जगत्यशैबढ़ाइहौं ॥ बिचारचित्तपुष्टते । गयोस्वयत्र तिष्ठते ९७ ॥ दोहा ॥ रावणमनरुचिजानिकैहरिभेअन्तर्ध्यान । मानुषकरतेयहमरीबिधिदीन्होबरदान ९८ ॥ बावनरावणतेदुरे रावणमनहरषाय । आयोजीतिपतालतेमेरुहिनिवसोजाय ९९ ॥ चौपाई ॥तेहिअवसरप्रतापबलधामा।अवधराजअतिशयअभिरामा ॥ सप्तदीपभुजबलबशजाही । अतिप्रतापकोसकैसराही ॥ मान्धाता बरअवधनरेशा । रथअरूढ़जनुअपरसुरेशा ॥ आवतदीखदशानन जबहीं । यांचायुद्धदेउनृपहमहीं ॥ एवमस्तुकहिदोउभटमानी । करैंसमरनहिंजायबखानी ॥ शुकसारनप्रहस्तसमयोधा । महाबदरअकम्पकरिक्रोधा ॥ बरषैंअस्त्रशस्त्रसबआशा । निजशायकन

नृपतिकियोनाशा। तबभूपतिउरकोपबढ़ावा॥ तीव्रशरनराक्षसन
परावा। मुद्गरबज्रसमानप्रहारी॥ लंकेश्वरहिदीन्हमहिडारी।
दशकंधरलहिव्यथाअपारा॥ कीन्हनिशिचरनहाहाकारा १००
रूपमालिनी॥ अरुअपरनिशिचरकटकसबनृपबलबिलोकिपरान।
जयपायअवधनरेशरथआरूढ़मनहरषान॥ चिरकालमूर्छाजागद
शमुखस्यंदनेचढ़िधाय। शरशक्तिशूलप्रहारिनृपनिजशरनसर्ब
गिराय॥ यमशक्तिनिशितचलायरावणलागिमुर्छिनृपाल। अति
शीघ्रउठिशरबर्षिधर्षिनिशाचरनतेहिकाल॥ तहँरोमहर्षनसमर
नरराक्षसनभाभयदाइ। तबबरजिआइपुलस्त्यगालवभूपनैसमु-
झाइ १॥ दोहा॥ कीन्हमिताईदुहुनतबलङ्कनाथअवधेश।
ब्रह्मलोकतबमुनिगयो भूपहुनिजनिजदेश २॥ चौपाई॥ तब
रावणसुभटनलैसाथा। पुष्पकचढ़िगाजहँनिशिनाथा॥ असीसह
सयोजनलैगयऊ। ऊरधसीतबिकलसबभयऊ॥ कहप्रहस्तराव
णैपुकारी। यहसीतासुदेतदुखभारी॥ कम्पततनमुखआवनबाता।
करिययत्नकछुनिशिचरत्राता॥ तबरावणमनभैअतिब्रीड़ा। शर
हतिदियोशशांकहिपीड़ा॥ तहँविधिआइकहालंकेशै। मतिसुत
देपीड़ारांकेशै॥ यहशशांकत्रिभुवनसुखकारी। जाउभवनमम
वचनबिचारी॥ मंत्रदेउँतुमकोअभिरामा। पैहौजयजपिजेहिपरि
नामा॥ अष्टोत्तरशतशिवबरनामा। जपौपाइहौजयअभिरामा॥
शशिछुड़ाइबिधिगेनिजधामा। दशमुखहरैलागपरबामा ३॥
दोहा॥ देवदनुजगन्धर्बनरकिन्नर नागनयक्ष। त्रियनकीनिलायो
भवनलखिसुन्दरमुखअक्ष ४॥ चौपाई॥ एकसमयरावणबलवाना।
सचिवनलैपुष्पकचढ़ियाना॥ पश्चिमउदधिमध्ययकद्वीपा। म
हापुरुषलखिगयोसमीपा॥ तपतसुबर्णकूटसमदेही। अरुणनयन
बिशालभुजजेही॥ सर्बदेवतेहितनदरशावैं। अप्रमेयबलबरणिन
आवैं॥ तिनहिंदशाननयांचायुद्धै। हतेबिबिधशरशक्तिसक्रुद्धै॥

नेकनखेदपुरुषकेगाता । मुष्टिकहतिरावणौनिपाता ॥ जबरावण अचेतमहिआवा । महापुरुषपातालसिधावा ॥ जागिलंकपतित्य हिमगधावा । सैनकियेतेहिपुरुषहिपावा । बिपुलरमाससमसेवतबा मा ॥तिनहिंदेखिरावणबशकामा । देविनगहनपसारीबाहा ॥ जा गेतबत्रिभुवननरनाहा ५ ॥ दोहा ॥अट्टहासप्रभुकीन्हतब सुनतगि रादशभाल ।यथामूलबिनतरुमहाबिह्वलबिकलबिहाल६ चौपाई॥ कहप्रभुउठुलंकेशदुवारा।तोहिमृत्युनहिंहैयहिबारा॥जियसिजाइ बिधितेवरपाये । मरिहौंतोहिंसुअौसरआये॥ उठिरावणकरिसंपुट पानी। बिनयकीन्हउरअतिभयमानी॥कोतुममहाबीर्यभयकारा।प्र लयअनलइवतेजअपारा॥मोहिंदीन्हब्रह्माबरजोई। मृषातौनकेहु किहेनहोई ॥ जोकदापितवकरवरमरऊं । तौबिशेषिभवसागर तरऊं॥ कहप्रभुहमेंदेवतुमजानौ। सबकरिसकौबचनपरिमानौ॥ पुनिनिजतनत्रिलोकदरशायो । सचराचरसरिसमुदगनायो ॥ देवदनुजकिन्नरनरनागा । रुद्रादितिबसुपितरबिभागा ॥ बिधि हरिहरसमेतदिगपाला । रबिशशिशिषिनितेजघनमाला ७ ॥ दोहा ॥ व्योमनषतग्रहधरणिगिरि राक्षसनिकरपताल । देखि खिन्नतनमुर्छिमहिगिरातुरतदशभाल८॥ तोटक ॥ मूर्छागतरावण जागजबै । निजमंत्रिनकेढिगआइतबै ॥ जबपूर्षप्रभाउअगस्ति कहा ॥ सुनिकैरघुवीरअचर्य्यलहा । मुनिकोवहपूर्षमहानगती ॥ कहकुम्भजआपुबिनानअती । भरिमोदसमाजरहीसगरी ॥ यक एकनतेजगमेंबगरी ९ ॥ अरिल्लछन्द ॥ सुनिरघुबीरपाणिकरिसं- पुटकुम्भजमुनिहिंबखाना । रावणकुम्भकरणघननादिकबल प्रतापसबजाना ॥ इककपिकटकसिंधुलखिसीदततबहिंबीरहनु- माना । कूदिनिमिषमेंपारगयोशतयोजनजौनप्रमाना १० लंका पुरिहिहर्षिलघुबपुधरिभवनभवनप्रतिशोधा । पाइअशोकबिपिनि महँसीतैमुंदरीदीन्हप्रबोधा ॥ बनउजारिनिशिचरदलदलिबिधि

बिशिषबंधनैपायो। लंकेश्वरकोमानमर्दिपुरजारिपारयहि आयो ११ जोकर्मनहनुमन्तकीन्हदुस्तरहरिशक्रैकालै। ज्यहिबललषण जनकजापायोजययशराज्यबिशालै ॥ बालित्रासव्याकुलसुक-ण्ठतबकीन्हनमित्रसहाई। जन्मतेकथापवनसुतकीरघुबरहिमुनी शसुनाई १२ मेरुबसतकेशरीकीशपतितासुअजनीबामा। तेहिते पवनप्रसूतपुत्रयकमहाबीरबलधामा ॥ मातागईफलनहितकानन भूखोबालबिचारी। जननिबियोगक्षुधार्तरुदनकरिशिशुसुभाउते भारी १३ तेहिऔसरबालार्कउदितफललोभकूदिबलवाना। कर गहिरबिहिमेलिमुखलखिसुरमुनिनअचम्भौमाना ॥ शिशुपन पौनपुत्रकेयहबलयोबनकेहिबिधिहोई। गरुड़बायुमनबेगनअस जसकपिशिशुकेतनसोई १४ लखियहचरितभयातराउसुरनाथ हिजाइसुनायो। अपरमहाबलराहुप्रकटबिनपर्बरबिहिधरिखायो॥ सुनिसंभ्रमअगुकोआगेकरिगजचढ़िबासवधायो। रुष्टपुष्टसिंहि कासुवनकहपकरनपवनजआयो १५ भागभयातइन्द्रगजपाछे आतुरजाइलुकाना। तबकपिऐरावतपरधायोव्याकुलसोऊपरा-ना ॥ देखिमहाबलशिशुहिइन्द्रतहँसत्वरबज्रप्रहारा। गिरेअवनि भहराइपवनसुततनभयव्यथाअपारा १६ सुतबधलखिप्रकोपि मारुततबत्रिभुवनजीवउदानं। रोदनकीन्हचराचरव्याकुलभेसब मृतकसमानं ॥ सुरमुनिआदिप्रजापतिकेढिगआतुरबैनउचारे। रक्षियप्रजनपवनरुणद्विदुखआयेशरणतुम्हारे १७ तबबिधिकहा सुरासुरतेयहकारणतुमसबजानौ। राहुबचनप्रमाणकरिसुरपति पुत्रअनिलकोभानो ॥ सोजीवैतबजगसुखपावैपवनत्रासनहिंहो ई। असकहिब्रह्मादिकसबआयेजहांमृतकसुतसोई १८ सुत उठाइबिधिपरशिपाणिनिजपानीबदनपखारा। जियोपुत्रलखि गंधबाहतहँपायोमोदअपारा ॥ तबसबप्राणिनकोउदानअवरो धनत्रासमिटायो। सुरगंधर्बनारिनरकिन्नरसुखसबजीवनपायो

१६ तबबिधिकहासकलदेवनयेशिशुकोहितअबकीजै । दैबरदान अमोघनिवाजौसबदुःखगनछीजै ॥ कहाइन्द्रममबज्रअभयकपि अपरखेदनहिं होई । हनुबिचचोटसहीप्रथमेंहनुमानकहैसबकोई॥ २० सूरजदीन्हअंशशतगुणनिजसर्बशास्त्रगतिभूरी ॥ यमऔबरुणकुबेरअभयकरिअमरहोइसुखपूरी । हरिकहममआयुधअवध्य यहसंयुगखेदनपावै । शिवबरसबब्रह्मदण्डनतेत्रासनकबहुंसतावै २१ कहाबिश्वकर्मामममनिर्मितआयुधबिबिधिघनेरे । संयुगपरे अफलसबह्वैहैंआवनकपिकेनेरे ॥ बिधिबरदीन्हदीर्घजीवीयह महामहात्माहोई । शत्रुनत्रासकरैमित्रनसुखअजयहोइशिशुसोई २२ रावणमदमर्दनयहकरिहैरघुबरभक्तअपारा । धीरबीरगंभीरन यहिसमबीर्यप्रतापअगारा॥ बरदैब्रह्मादिकसुरगणसबनिजनिज धामसिधाये । लहिआशिषअमोघइश्वरीमारुतमनमोदबढ़ाये२३ लैमारुतसुतदीन्हअंजनिहिंबरजिमिसुरनसुनायो । शिशुसुभाउ मुनिचीरकमंडलहनुमतजाइफेंकायो॥कहभृगुत्वहिं भूलैकपिनिज बलजबलगिमिलैंनरामा । कीन्हनमित्रसहाइशापबशयथासिंह पिंजरामा२४ ॥ दोहा ॥ इन्द्रजीततेइंद्रकह ब्रह्मेदीनछुड़ाय । बहु प्रकारबरदानदै बहुप्रकारसमुझाय २५ ॥ तोमर ॥ यकबाररावण जाय । हरशैललीन्हउठाय॥लखिनन्दसुरभेकुद्ध । नरहाथमरुकरि युद्ध२६॥ हरिगीतिका॥ पुनिगयोहैहैराजजीतनअसुरअभिमानीमहां सोसुनतअइप्रचारिबाँध्योगयोलैमन्दिरजहां॥ लखित्रिसितपौत्र पुलस्त्यमुनित्यहिदीन्हतहांछड़ाइसो । तबबालिबांदरसोंलरातेहि कांखलीन्हदबाइसो ॥ कौतुकीकीशघुमाइतेहिसबसिंधुसलिल देखाइकै । परिहासिबहुदशकन्धरैनिजपुरहिछांड़ाआइकै ॥ अरु अपरजगसबजीतिरावणस्वबशकीन्हबनाइकै । सोसर्बजानत रामतुमकिहिभांतिकहौंसुनाइकै ॥ तुमब्रह्मअजअद्वैतपरमानन्द परजगमिश्रितं । जिमिअलखरहतसदैवयोगहिपाइपयघृतनि

श्रितं ॥ त्योंजल्पिनेसर्बज्ञसोसंसारकथाबखानिकै । सोक्षमिय करुणासिंधुआपनअज्ञजनमनजानिकै २७॥ प्रज्वालिया ॥ अबअपर कथासुनुधर्मसेतु । सीतहिरावणहरिजौनहेतु ॥ पूरबसतयुगसन कादिपाइ । दशमुखपूछाएकान्तजाइ ॥ बहुबिनयसहितमहिशीश नाइ । कोदेवप्रबलमोहिंकहबुझाइ ॥ जेहिअश्रितजयसुरसदा पाव । योगींद्रमुनिहुंकेहिभक्तिभाव ॥ सुनुबत्सबिष्णुसमसुरन आन । जेहियोगीमुनिजनकरैंबखान ॥ जेहिनाभिकमलब्रह्माप्र-सूत । सुरसुखीहोततेहिपाइबूत ॥ सचराचरमयसबजक्तनाथ । ब्रह्मादिदेवजेहिनावमाथ ॥ जिनदैत्यनबधकियोचक्रपानि । तिन कीगतिमुनिमोहिंकहुबखानि २८ ॥ दोहा ॥ दशकन्धरकेवचन सुनिकहामुनिनसुखपायामरेअसुरहरिहाथजेतरेपरमपदपाय २९ चौपाई ॥ तबरावणउरचिन्ताआई । हरिसनजूझबकवनिउपाई ॥ कहमुनिजनिकरुशोचभुद्वारा । त्रेताहरिलेहैंअवतारा ॥ विश्वरूप सचराचरईशा । शंकरादिजेहिनावहिंशीशा ॥ सोरघुबीरप्रणत हितकारी । ह्वैहैंअवधभूपसुखकारी।नीलइन्द्रमणिअंगसुहावन । आवृतपीतांबररुचिपावन ॥ सुबरणबरणरमाबरबामा । जक्तमा तुछबिअतिअभिरामा ॥ सोसियअनुजसहितरघुराई । पितुआयसु दण्डकबनआई ॥ तबतुम्हारिपूरिहिमनकामा । भजौसदासिय लक्ष्मणरामा ॥ सुनिमुनिगिरादशाननज्ञानी । हरिमयजगहि बैरमनआनी ॥ त्रासैसुरमहिसुरअरुगाई । बधैंमोहिं हरिजेहि हितआई ३० ॥ दोहा ॥ तबकरकमलनतेमरण बांछाकीन्हसुरा-रि ॥ तेहितेजननीजानिमन हरीबिदेहकुमारि ३१ ॥ मालिनी ॥ यकसमयसुरारीपुष्पकारूढ़धायो । पृतिभटजगमाहीं खोजिसो पैनपायो ॥ मगसुरमुनिपाईपूछिसोशीशनाई । कहबलअधिकाई मोहिंदीजैबताई ३२ ॥ तोटक ॥ लखिनारदरावणमानमहां । पठ योवरश्वेतसुद्वीपतहां ॥ हरिभक्तसबैहरिहाथमरे । तेइजन्मितहां

सुखमयसगरे ॥ बिजयीनरनारिसुरासुरतेाबलवानसबैनकेडूडर-
ते ॥ सुनतैदशकंधरजातभयो । तेहितेजनपुष्पकयानगयो ३३ ॥
छप्पै ॥ प्रविशतपुरयकनारिधरादशकन्धहिधाई । कौनकहांतेआइ
कौनहितकहौबुझाई ॥ चलैनतासोंबूतकरैपरिहासघनेरा । छूट
क्केशसोंभागकीन्हजबबलबहुतेरा॥ मनसमुझिअसुरऋषिकहायश
प्रभुप्रभावइतसोपिहै । हरिहाथमुक्तिमैंज्योंलहैंकरिहौसोहरिको
पिहै ३४ ॥ प्रज्वालया ॥ दशकन्धरअसमनकरिबिचार । जग
जननिजानिसीतैजहार ॥ सोसबजाननतुमरामदेव । स
र्बज्ञचराचरहृदयभेव ॥ मैंमेघनादरावणप्रतापु । बलज्ञाति
बरणिपैजानैआपु ॥ सुनिमुनिमुखरावणब्रह्मवीर्य । गिरेमु
छिरामनहिंहोतधीर्य ॥ मैंनारिहेतद्विजकुलसंहार । अघकीन्ह
महाअतिशयअपार । पूजापूणामहितबिप्रहोत । मैंशरणमारि
तिननाशिगोत ॥ तीरथहुसकलजेजक्तमाहिं । म्वहिंतारनको
समरत्थनाहिं ॥ व्रतदानतपादिकबिपुलजक्त । द्विजद्रोह
तेयेसगरेअशक्त ॥ यहिभांतिहृदयप्रभुकरिबिचार । कमला
क्षनतेबहैनीरधार ॥ तबबहुतप्रभुहिकुम्भजप्रतोष । ईश्वरहिहोत
कैसेहुनदोष ३५ ॥ दोहा ॥ तुमईश्वरधरिमनुजतनहरनहेतुमहि
भार । मारेअसुरअधर्मरतजगधर्महिंबिस्तार ३६ ॥ चोपाई ॥ क
वनऐसअघजगतअपारा । जोननाशिसकैनामतुम्हारा ॥ तेतुमना
थग्लानिमनआई । कीजैवाजिमेधसुखदाई ॥ कीन्हशतक्रतुजेहि
हितलागी । लहाइन्द्रपदवीबड़भागी॥कहप्रभुमोहुंकहौसोकरहूं।
जेहिप्रकारयहपातकहरहूं ॥ तबमुनीशहयमेधप्रकारा । रामहिं
कहासहितविस्तारा ॥ तबप्रभुयज्ञवस्तुमँगवावा । अश्वसमेतमु-
निहिंदिखरावा ॥ बोलेबहुरिऋषीश्वरवृन्दा । आयेजनुसदेहश्रुति
छन्दा ॥ बामदेवबशिष्ठजावाली । कश्यपादिकोटिनतपशाली ॥
बालमीकिहरीतमुनिनारद । अपरबिपुलहययज्ञविशारद ॥ राम

प्रणामसबनकहँकीन्हा । कुशलपूंछिवरआसनदीन्हा ३७॥ दोहा॥ धेनुबसनमणिगणस्वरणहरषिसबहिप्रभुदीन्ह । यज्ञहेतुसबमुनि नतेआयसुआशिषलीन्ह३८॥ छप्पय ॥ यज्ञहेतुब्रतनेमसारिरघुवंश बिभूषण । हलहाटकनिजहाथशोधिमहिकरिनिरदूषण ॥ शिल्प कारब्वलवाइरचीवेदीश्रुतिशासन । पूजिविप्रचहुंवोरदीन्हसुन्दर वरआसन ॥ देतबिबिधिप्रभुदाननितअसनबसनधनधामसह । कियसकलअयाचकयाचिंकनपूरेतिनमनकामतह ३९ श्यामकर णहयश्वेतलालमुखपुच्छपीतजेहि ॥ कीन्हअलंकृतबस्त्ररत्नअनमो ललायतेहि । स्वर्णपत्रलिखिभालताहिबांधागुरुज्ञानी ॥ रावण हतिश्रीरामअवधपुरहयमखठानी । अतिवीरधनुर्द्धरशत्रुहनचतुरं गिनीस्वसैन्यसह ॥ हयसंगफिरतजीततजगतजेहिबलहोयसो धरैतह ४० ॥ कुण्डलिया ॥ यहिप्रकारलिखिपत्रशिरबांधिपूजिबर घोर । नृत्यतप्रमुदितअप्सराशंखशब्दचहुंवोर ॥ शंखशब्दचहुं वोरकरैंमुनिगणसमुदाई । पढ़ैंवेदवरमंत्रविविधिमंगलअधिकाई॥ पढ़ैंवेदवरमंत्रछोरिबाजिहिऔसरतेहि । बोलिसौंपिशत्रुहैंजाइर- क्षाकरियेयहि ४१ ॥ तोमर ॥ सँगसैनदैचतुरंग । गजस्यंदनौघ तुरंग ॥ पदचारकोटिनधाय । कबिकोसकैत्यहिगाय ॥ बहुभांति नीतिसिखाय । परनारिनैअरगाय ॥ हरिभक्तनैशिरनाय । दियो दानभूसुरपाय ॥ शरणागतैअपनाय । तहिरक्षियोसुखपाय ॥ म दमानजोननरेश । तिनमारिछीनेउदेश ॥ जोइआवशीशनवाय । अपनायताहिबसाय ॥ महिजीतिचारिउआस । तबआइयोमम पास ४२ ॥ दोहा ॥ यहिप्रकारभ्रातैकहाजीतौमहिसबजाय । बि- दाकीन्हसन्मानकरिरघुबरहृदयलगाय४३॥ चौपाई ॥ तबरघुबीर लीन्हकरबीरा । सुभटनदेखिकहागंभीरा ॥ जगजीतनकरजेहि अभिमाना । सोमोहिंआइलेइकिनपाना॥भरततनयपुष्कलबरबी रा । लीन्हपानकहिगिरागँभीरा ॥ तवप्रतापजीतबरघुराई । करि

होमैंशत्रुहनसहाई ॥ ताहिप्रशंसिकहारघुराई । जायकरौशत्रुहन सहाई॥ पुनिरघुवरसौंपेउहनुमानै । अनुजसैनसबलखिबलवानै॥ पुनिसुग्रीवविभीषणराजै । पठयोसैनसहितनिजकाजै ॥ अपरभूप कोटिनबलवाना । सैनसहितसँगकीन्हपयाना ॥ प्रतापाग्ररिपुता पनबीरा । लक्ष्मीनिधिसमानरणधीरा ॥ नीलरत्नउग्रासभुवाला॥ चलेरामपदनाइस्वभाला ४४ ॥ नराच ॥ चलीअपारसैनभूमिबार बारहालई । गिरैंगिरीशशृंगसिंधुऊपरैउछालई ॥ धरैंनधीरकोल कक्षशेषशीशहालई । दिगीशलौंडेरातजाहिऔरकाहिचालई ४५ द्रुमय ॥ प्रथमपछांहमँझाइजाइकुरुक्षेत्रहिदेशा । पांचालपुनिग योनृपतितहँमनौधनेशा ॥ पुनिदक्षिणदिशिगयोसुनतरघुबरयश पावन । रावणादिसंहारअपरदेवनमुकुतावन ॥ याहिबिधिजहँजहँ शत्रुहनगयेतहांकेईशसब । लैलैभेंटैंमिलतभेचरणनवावैंशीशसब ४६ ॥ चौपाई ॥ पुनिहयगयोपरमअभिरामा । अहिक्षत्रापुरसुंदर ग्रामा ॥ चहुंदिशितहांबिपिनसमुदाई । नंदनबनजेहिलखेलजाई ॥ पूछिसुमंतहिरघुकुलदीपा । कहौकौनइतबसैमहीपा ॥ कहासुमंत कथासबगाई । यहपुरबैरिनलीन्हछुड़ाई ॥ तबनृपसुमदजाइतप ठाना । ताहिदेखिसुरराजडराना ॥ कामहिंपठैभंगतपहेतू । कीन्ह यत्नबहुजलचरकेतू ॥ डग्योनभूपबचनमनकाया । तबकामदप्रगटी हरिमाया ॥ बरंब्रूहिकहिनृपपहिंचानी । चरणनपरिबिनतीबहु ठानी ॥ राज्यअकंटकयाचहुँतोहीं । अक्षयमोक्षदेहुपुनिमोहीं ॥ कहदेवीमोसनबरलीजै ।राज्यअकंटकनिजपुरकीजै ४७ ॥ दोहा ॥ परब्रह्मनररूपधरिरावणबधिसुरहेत ॥ अश्वमेधकरिहैंसुखद रघु बरकृपानिकेत ४८ ॥ चौपाई ॥ अनुजतासुमखतुरँगसहाई । महि बिचरतजबतुवपुरआई ॥ तिनहिंमिलेउकीन्हेउसेवकाई । सैन सहिततेहिकियोसहाई ॥ जायोअवधराममुखदेखी । पैहौअक्षय मुक्तिबिशेखी ॥ असकहिदेवीअन्तर्ध्याना । भईभूपमनमहँ

सुखमाना ॥ शत्रुनबधिनिजनगरछुड़ाई । करैराज्यभूपतिसुख पाई ॥ सुनिशत्रुहनबहुतसुखपावा । कामाक्षादेविहिशिरनावा ॥ वहांसुमदभूपतिबलवाना । बैठसभानिजशक्रसमाना ॥ तहांचार यहखबरिजनायो । स्वर्णपत्रशिरहयइकआयो ॥ रक्षकबिपुलसु भटतेहिसंगा । नाथनजानियऔरप्रसंगा ॥ सुनिचरचतुरबोलाय पठायो । समाचारलैसोफिरिआयो ४६ ॥ दोहा ॥ सैनसहितहय कीकथा दूतनन्नृपहिसुनाय ॥ रघुबरबाजीसुनतही हर्षनहृदय समाय५० ॥ सोरठा ॥ तबनृपसचिवबोलाय प्रमुदितयहसिखवत भयो ॥ रचौनगरसबजाय ध्वजपताकमंगलसहित५१ ॥ चौपाई ॥ कन्यासाहसगजनचढ़ाई । लावोभूषणबसनसजाई ॥ तेबरषैंमुक्ता निजहाथा । मिलनचलौसबपुरजनसाथा ॥ चलाभूपसबसाज बनाई । रघुबरमिलनहृदयहर्षाई ॥ परेउजायचरणनअतुराई । लियोशत्रुहनतेहिउरलाई ॥ सुमदबरणिदेवीबरदाना । भयो आजुसबभांतिप्रमाना ॥ करिबिनतीलवायनिजगेहा । गयोशत्रु हनसहितसनेहा ॥ देखानगरमनोहरताई । कहिनजायसबभांति सुहाई॥ अर्घादिकनृपपूजनकीन्हा । सिंहासनबरआसनदीन्हा ॥ राज्यससम्पतिकुटुंबसमेता । कीन्हसमर्पणरघुवरहेता ॥ शत्रु दमनतेहिलखिअतिहेता । टिकेतीनिदिनसैनसमेता ५२ ॥ हरि गीतिका ॥ तबसुमदपुत्रहिराज्यदैपुनिआपचमूअपारलै । बहुबिन यकरिशत्रुहनसँगआयोअवधआगारलै ॥ आयोसुअश्वपयस्वनीत टच्यवनमुनिआश्रमजहां । खगमृगबिहायस्वबैरबिचरतकरततप मुनिगणतहां ॥ लखिचरितअद्भुतशत्रुहनपूछासुमन्तहिआइकै । तिनच्यवनकथासमस्तबिधिवतकहीनृपहिसुनाइकै ॥ इकबारसं ध्यासमयभृगुमुनिसमिधिहितबनकोगयो । तेहिसमयनिशिचरद मनमुनितियपकरिदारुणदुखदियो । तेहित्रासबशगिरिगर्भभूतल शिषिनज्वालसमानसो । कियोभस्मअसुरहिशापदैरक्षाजननिअप

मानसो ॥ तेच्यवननामप्रसिद्धजगरेवानिकटतिनतपांकयो । तेहि
सरिनिकटशरजातमनुसहसैन्यतहँआवतभयो ॥ नृपसुतातहँबांबी
समुझिकुशमूलबिलहिप्रवेशकै । लखिरुधिरअतिमनशंकधरिआ
श्रमहिंबैठिअँदेशकै ॥ उत्पातबिपुलअरम्भतबतेसैन्यमध्यमहाभ
ये । धरिध्यानकन्यादोषलखिनृपजायमुनिचरणाननये ॥ क्षमिये
अजानतचूककृपासमुद्रआयसुदीजिये । तवसुताअंबकफोरिगैसो
आयमोकहँदीजिये ॥ मुनिवरहिकन्याब्याहिभूपतिभवनअपनेपु
निगये । बहुकालबामसमेतऋषिआश्रमहिंतेहिनिवसतभये ५३
प्रज्वलिया ॥अश्विनीसुततहँइकबारआय । मुनिचरणबंदिनिवसेसुभा
य ॥ मुनिनारिकीन्हसेवाअपार । बरमांगुकहाअश्विनीकुमार ॥ सु
निघरणिबचनबोलीप्रबीन । ममपतितचपपावैंनबीन ॥ सुरवैद्य
नकहहमकरबसोय । ममसुरनमध्यमखभागहोय ॥ मुनिकहाभाग
मखदेबतोहिं । पैप्रथमकरौपुष्टांगमोहिं ॥ वैद्यनऔषधिमैंसरबना
य । पत्नीसमेतमुनिकोन्हवाय ॥ भेदम्पतिरुचिरनवीनदेह । सुर
वैद्यहुगेअतिकरिसनेह ॥ त्रियरुचिबिचारिरचिरुचिबिमान । दियो
भोगताहिनानाबिधान ५४ ॥ दोहा ॥ शतसम्बत्सरगियानचढ़ि
निजघरनिहिंसुखदीन्ह ॥ बहुरिपयश्वनिनिकटमुनिआयबिमल
तपकीन्ह ५५ ॥ चौपाई ॥ अपरकथाअबसुनौरसाला । यज्ञकीन्ह
सरजातभुवाला ॥ मनुमहीपनिजसचिवपठाये । बामसमेतच्यव
नमुनिआये ॥ देखतमुनिवररूपअगाधा । पुत्रिहिभूपदीन्हअपरा
धा ॥ तपीवृद्धमुनिकहाबुलाये । जारपुरुषतेरुचिउपजाये ॥ तव
कन्याकहिकथासुनावा । सुरवैद्यनतेजिमितनपावा ॥ तबसरजात
कीन्हमुनिपूजा । बहुआदरकरिभेंटितनूजा ॥ कीन्हयज्ञसरजात
सुहाई । बिधिवतवेदनमेंजिमिगाई ॥ जेसुरयज्ञभागनहिंपावत ।
प्रथमच्यवनमुनितिनहिंदेवावत ॥ वासवनिजअपमानबिचारी ।
मुनिवधहेतबज्रकरधारी ॥ मारनहेतउठायोहाथा । हुंकारीदीन्हीं

मुनिनाथा ॥ उपरैहाथरहानहिंघूमा । कीलाअहिमंत्रनजिमिभूमा
५६ ॥ दोहा ॥ लखिप्रतापमुनिच्यवनकर वासवबिनयसुनाय ॥
गयेभवनमखभागलैनिजअपराधक्षमाय ५७ ॥ मधुभारछन्द ॥ सुनि
च्यवनकथा । शत्रुहनयथा ॥ हयसहितजाय । शिरचरणनाय ॥
रघुबंशजाय । लघुरामभाय ॥ मुनिसोंसुनाय । निजनामगाय ॥
श्रीरामराय । मखकथागाय ॥ मुनिसुनिप्रबीन । आशीषदीन५८
चौपाई ॥ तबभृगुबरबिस्मयमनआनी । रामकथामुनिबरनबखानी ॥
रावणबधअघहृदयबिचारी । नरइवहरिहयमखबिस्तारी ॥ जासु
नामसुमिरतअघशूला । जरैतुरतजिमिपावकतूला ॥ सोप्रभुद्विज
कुलरक्षाहेतू । जगउपदेशतरघुकुलकेतू ॥ रिपुसूदनकहमुनिहिं
बिनीता । करियजायहरियज्ञपुनीता ॥ तबमुनिरामप्रेमरसपागे ।
दरशहेतअतिमनअनुरागे ॥ कुटुंबसमेतमुनिनसँगभीरा । अवध
चलेसुमिरतरघुबीरा ॥ लखिमुनिकमलचरणहनुमाना । हवैदया
लरघुबरहिबखाना ॥ मुनिदुखलहिहैंमगश्रमपाई । कहौतौआवों
अवधपठाई ॥ लैआयसुनिजपृष्टिचढ़ायो । मुनिहिंकुटुंबसहअव
धहिलायो ५६ ॥ दोहा ॥ मुनिहिंदेखिश्रीरामउठिबिधिवतपूजा
कीन्ह ॥ वन्दिचरणपूछीकुशल सुन्दरआसनदीन्ह६० ॥ चौपाई ॥
चरणबन्दिप्रभुकंकपिराई । आयोशत्रुदमनपहँधाई ॥ पियोतुरंग
पयस्वनिबारी । चलाउतालतबैअधिकारी ॥ पीछेबिपुलअश्वअस
वारा । पुष्कलादिसबसमरजुझारा ॥ अस्त्रशस्त्रनानाबिधिकाछे ।
अपरसैन्यधाईतेहिपाछे ॥ बिमलनामजेहिरहाअनूपा । रत्नतटाख्य
नगरकरभूपा ॥ सुनिसोआवराममखबाजी । भेटसमाजबिपुलतेहि
साजी ॥ दशहजारहयकरिसैसाता । रथहजारलेहरषितगाता ॥
आइपरारिपुहनकेपाई । बहुप्रकारतेहिबिनयसुनाई ॥ रिपुहंतहु
तेहिकरिसन्माना । सुतहिराज्यदैसंगपयाना ॥ यहिप्रकारबहुभू
पतिनाना । शत्रुदहनसँगकीन्हपयाना ६१ ॥ दोहा ॥ हयपाछेह

र्षातमन देखिबिमलगिरिएक ॥ कनकरजतमणिशिषरजेहि शोभा बिपुलअनेक ६२ पूछिसुमन्तहिशत्रु हनयहिकरकरौबखान ॥ प्र मुदितगंधबदेवमुनिबिहरतयहिअस्थान ६३॥ चौपाई ॥ सुनिसुमंत हर्षितयहकहई । नीलशैलपुरुषोत्तमरहई ॥ जगन्नाथजिनकर बरनामा । शंकरादिसुरकरैंप्रणामा ॥ महापुण्यपूरुषजोहोई । इन करदरशलहैशुभसोई ॥ सुमिरतजासुनामइकबारा । होयघोरभव सागरपारा ॥ रत्नग्रीवकांचीपुरराजा । पायदरशबैकुंठबिराजा ॥ निजतनवृद्धनिरखिमहिपाला । सुतहिराज्यसौंप्योतेहिकाला॥ आ पतीर्थनकोमनलायो । सोवतसपनबिप्रदरशायो ॥ सोद्विजभोर होतगृहआवा । जटामुकुटतपपुंजसुहावा ॥ ताहिपूजिआसननृप दीन्हा । तीरथहेतप्रश्नवरकीन्हा ॥ जगतदेवतीरथतुमजाना । मोसनसबकरकरौबखाना ॥ कहांगयेममोक्षबिशाला । ह्वैहैभा षहुदीनदयाला ६४ ॥ दोहा ॥ सुनाभूपकेबैनबर कहाबिप्रशिरमौ र । सीतापतिरघुनाथबिनमुक्तिदानिनहिंऔर६५ सोप्रभुरहैयहि नीलगिरिजगन्नाथबिख्यात ॥ पावैंमुक्तिबिशेषतहैं दरशनहितजे जात ६६ ॥ चौपाई ॥ अपरतीर्थदेखैंमैंसगरे । एकतेएकमुक्तिप्रदअ गरे ॥ अवधआदिमथुराअरुमाया ॥ काशीसेइतजैजोकाया ॥ अवं तिकाद्वारावतिकांची । सातौपुरीमुक्तिदासांची ॥ नंदिग्रामऔशा लिग्रामा । संभरिमेंहरिमंदिरनामा॥ तीनग्रामयेभूतलधामा। मुक्ति दानिअतिशयअभिरामा ॥ पैतुमभूपनीलगिरिजाहू । होइहितुम्हें परमपदलाहू ॥ दंडकसैंधवपुष्कलगाये । न्यर्बुदऔहिमवानगना ये॥ जंबूमार्गनमिषारन्या। कुरुजंगलगुप्तलब्रतधन्या ॥ दंडकादिन वबनयेगाये । मुक्तिदानिबहुभांतिसुहाये ॥ महाकालकालिंजरका ली।शूकररेणुकसेतपशाली॥ बटेश्वरंकालेशंकाशी । नवऊखलयेमु क्तिप्रकाशी६७ ॥ दोहा ॥कोकाकुब्जाअर्बुदामणिकर्णिकाप्रयाग ॥ लाहार्गलमथुरागया कोटस्वस्वामिबिभाग ६८ शूकरशालिग्राम

सर औनिःक्रमणप्रभास ॥ अपरबद्रिकाश्रमसहित तीरथमुक्तिनि
वास ६६ ॥ चौपाई ॥ अपरसुनौनृपनरउद्धरई । शालग्रामशिला
र्चनकरई॥ षोड़सबिधिजिमिगायोवेदा।कटैताहिभवबन्धनखेदा॥
तदपिबिनाश्रमबिनाउपाई । लखौचतुर्भुजसुखसमुदाई ॥ मैंभील
नमुखसुनाहवाला । नीमाचलतटगयोउताला ॥ गंगासागरजाइ
नहायो । जगन्नाथपददर्शनपायो ॥ बिष्णुस्वरूपलह्योततकाला।
करुप्रतीतिलखिमोहिंभुवाला ॥ सुनिमुनिबचनहरषउरराजा ।
प्रजाकुटुम्बसमेतसमाजा ॥ चलेउहरषिनृपशंखबजाई। जगन्नाथ
पदचित्तलगाई ॥ कोशमात्रचलिक्षौरकरायो । लैसन्यासद्वारक
हिआयो ॥ करिगंडकीनदीअस्नाना । अतिपुनीतजेहिवेदबखाना
७० ॥ दोहा ॥ चौबिसशालिग्रामशिल चक्रगोमतीएक । लैपूजै
नृपप्रीतिसों षोड़शबिधिकरिटेक ७१ ॥ चौपाई ॥ यहिप्रकारभूप
तिसुखपाई । गंगासागरपहुंचोजाई॥ पूछामुनिहिंबिनयकरिभूरी।
रहानीलगिरिकेतिकदूरी ॥ मुनिबिस्मयपाईसुनिबैना । नृपनिर
खतकाहेनहरिऐना ॥ आगेतवयहशैलबिशाला । परैदेखिनहिंतो
हिंमहिपाला ॥ गंगासागरजायनहैये । बिनवोप्रभुहिदरशजिमि
पैये ॥ सुनिद्विजबचनभूपदुखपायो । गंगासागरजायनहायो ॥
अतिआरतनृपमनअनुरागे । प्रभुहिप्रशंसतसबछलत्यागे ॥ यदपि
दरशलायकमैंनाहीं । तदपिआयशरणागतपाहीं ॥ सकृतनामसु
मिरेप्रभुतोरा । मिटैसमूहजन्मअघघोरा ॥ यहिबिधिपांचदिवस
बिनबारी । शरणशरणनिशिद्योसपुकारी ७२ ॥ दोहा ॥ तबसं
न्यासीरूपधरिनृपहिसुनायोआइ । कालिहदरशमिलिहैंतुम्हैंतजो
शोचसमुदाइ ७३ ॥ नराच ॥ यतीशबैनज्योंसुनेमहीशपायँनेपरा ।
बिनयअनेकभांतिसों सनेहसाथउच्चरा ॥ तुम्हारदर्शपाइमैं
मिलेमनोजगत्पते । सराहिभागबारबारआपनोमहामते ७४
हरिगीतिका ॥ सराहिक्षितिपस्वभागप्रभुअनुरागजेहिमनमेंमहा ।

निशिसोवसपनेदीखनिजतनबिष्णुसादृशह्वैरहा ॥ पुनिदीख लक्ष्मीकांतचहुंभुजशंखचक्रगदालिये ।राजीवनैनबिशालबरमणि मालकलहलकतहिये॥ शिरक्रीटकुंडललालितछबिकरकंकणांगद राजहीं । कटिसूत्रकलकलधौतकिंकिणिपगननूपुरभ्राजहीं ॥ प टपीतसुन्दरलसततनबामांकश्रीशोभामहा । जनुइन्द्रमणिकनको त्तमांगसोबरणिहैबाणीकहा ७५ ॥ दोहा ॥ यहिबिधिदर्शनपाय नृप कहामुनीशहिजागि ॥ मुनिहुंप्रशंसाकीन्हतेहिधन्यधन्यतव भागि ७६ ॥ चौपाई ॥ गंगासागरन्हायोप्राता । जगन्नाथदर्शन मनराता ॥ कबमध्याह्नदरशमैंपावों । कोटिजन्मकरकलुषमिटा वों ॥ तेहिक्षणनीलअचलदरशायो । तपतस्वर्णइवसुभगसुहायो ॥ करिदण्डवतहर्षमनआनी । दरशहेतगवनेनृपरानी ॥ द्विजमंत्री तंतुकयकसाथा । पांचौमुदितगयेरघुनाथा ॥ दीखजायप्रभुकीप्रभु ताई । ब्रह्मादिकपूजतमनलाई ॥ करैंरसोईरमासुहाई । अस्तुति करैंदेवसमुदाई ॥ कीन्हदण्डवतपांचौधाई । प्रेमबिबशतनदशा भुलाई ॥ जक्तमातुपितुछबिबरबेषा । प्रथमैंजिमिसपनेनृपदेखा ॥ पुनिकीन्हीअस्तुतिअतिभूरी । पांचहुकीमनइच्छापूरी ७७ ॥ दोहा॥ पांचहुखायप्रसादपुनिपायबिष्णुकारूप ॥ मणिमयबिमलबिमा नचढ़िगेबैकुंठअनूप ७८ ॥ चौपाई ॥ पुरबासिनलखिजातबिमाना। प्रभुहिबंदिकरिनृपहिबखाना॥ तिनमहँएकतपीद्विजज्ञानी। ग्ला निमानिहरिमेंमतिआनी ॥ सोऊतहांपरमपदपायो । अपरघूमि सबमन्दिरआयो ॥ यहसबकहसुमन्तसमुझाई । जगन्नाथमहि माअधिकाई ॥ जगन्नाथगिरिनीलबिहारी । तेतवबन्धुरामसुख कारी ॥ जेयेइश्रीलक्ष्मीजगमाता । तेहैंजनकसुताबिख्याता ॥ सुनिशत्रुहनपरमसुखपावा । दरशहेतउत्साहबढ़ावा ॥ तबलगि जातभयोतहँबाजी। महितृणचरतमरुतगतिभाजी ॥ मंत्रीसहित शत्रुहनगयऊ । गंगासागरमज्जतभयऊ ॥ नीलाचलहिचढ़हरषा

ई । जगन्नाथपदपरश्योजाई ७६ ॥ दोहा ॥ पूजिवेदबिधिबिनय करि प्रभुप्रसादबरपाइ ॥ बहुरिशत्रुहनअश्वपहँआयेमनहरषाइ ८० ॥ प्रज्वलिया ॥ पुनिचलाबाजिअतिशयउताल । धायेसँगसुभटहुभुजबिशाल ॥ सजिअस्त्रशस्त्रनानाप्रकार । अतिसमरशूररिपुदवनहार ॥ पुष्कललक्ष्मीनिधिउग्रवाहु । इनसेकोटिनसेनाअगाहु ॥ चक्रांकितनगरैगयोबाजि । रत्नाढ्यकनकशिरपत्रसाजि ॥ तेहिनगरबसैराजासुबाहु । तेहिपुत्रदमनमनभरिउछाहु ॥ निज सुभटनसनबोलाबोलाइ । यहबाजिधरौजनिभाजिजाइ ॥ तेजाइ बाजिलायेअगोरि । दमनहुंबांधाशिरपत्रछोरि ॥ अवधेशरामरघुबंशकेतु । मारालंकेशहिसुरनहेतु ॥ सोपापसमुझिहयमेधसाजि । महिजीतनहितछांड़ास्वबाजि ॥ जोसुभटहोयनिजभुजनजोर । सोधरैबीरहठिमोरघोर ८१ ॥ दोहा ॥ जोबांधैतेहिमारिरण लेहैं सुभटछड़ाइ ॥ नतरुमानतजिशत्रुहनपायपखारैआइ ८२ ॥ चौपाई ॥ पत्रहिबांचिदमनमनकोपा । सुभटहिसमरहेतमनचोपा ॥ बांधौ हययहसुभटौजाई । हतौसमेतसैनरघुराई ॥ जानतनहिंममबल अधिकाई । कालबिबशसेनाचलिआई ॥ सजीसैनचतुरंगअपारा । सुभटएकतेएकजुझारा ॥ हयसेवकहयखोजनलहेऊ । जाइप्रताप अग्रसोंकहेऊ ॥ महाराजहयहमनहिंपावा । नहिंजानतकेहिदुष्ट चोरावा ॥ तहांअपरनृपसेनादेखा । लीन्हाइनहिनबाजिबिशेषा ॥ पठयोचतुरचारतेहिपाहीं । मखबाजिहितुमबांधकिनाहीं ॥ दमन कहाबांधाहमघोरा । लेइनरणदेखाइबरजोरा ॥ चारआइभूपति तेभाषा । चलाप्रतापअग्रमनमाषा ॥ करिकोदण्डकठिनटङ्कोरा । अरुणनयनभ्रुजफरकतघोरा ८३ ॥ दोहा ॥ उहांदमनलखिशत्रु दलआवतकीन्हेकोप ॥ चलासुभटकरचापगहि समरभूमिपदरोप ८४ ॥ चौपाई ॥ शंखबजाइधनुषटङ्कोरा । चलाप्रतापअग्रकीवोरा ॥ तबभूपतितेहिबहुसमुझावा । तेंबालकहठिरणकिमिआवा ॥ राव

णादिजिनतेरणहारे । कहाकीटमानुषबपुरारे ॥ तेश्रीरामचन्द्रकर बांजी । देउजाउअपनेघरभाजी ॥ सुनतबचनकहदमनरिसाई । जोनहोयबलजाउपराई ॥ हमक्षत्रीठानीरणक्रीड़ा । तिनहिंसि खावतहोतनव्रीड़ा ॥ असकहितेहिबहुबिशिषप्रहारे । तिलसमान तेभूपनिवारे ॥ बिपुलबाणतेहिबहुरिप्रहारा । बिकलकीन्हसबसै नअपारा ॥ तबभूपतिकरिक्रोधअपारा । दमनहिंदशनराचशिर मारा ॥ कीन्होबिरथहतेसबघोरा । तदपिनमुरादमनबरजोरा८५ दोहा ॥ अपररथैचढ़िदमनतब लैकरचापकराल ॥ बाणवृष्टिकरि कठिनअति कीन्होसैनबिहाल ८६ ॥ नराच ॥ बहोरिघोरक्रोधकै करालबाणमारेऊ । हृदयप्रतापअग्रकोबिदारिभूमिपारेऊ ॥ बि लोकिसुतभूपमूर्छिलैरथैपधारिकै । गयोतुरंतशत्रुहैकथाकहीप्रचा रिकै ८७ ॥ मालिनी ॥ सुनिरिपुहनबाणीक्रोधकीन्होअपारा । कर शरधनुलैकैस्यन्दनैभेसवारा ॥ सँगसुभटबरुत्थैअस्त्रलैसबंधा ये । चढ़िगजरथघोरैयुद्धकीभूमिआये ॥ तबदमनहिंदेखानिर्भयं सैनसाथा । बररथपरसोहैचापनाराचहाथा ॥ निजसुभटनहेरापु ष्कलाधायआयो । प्रणकरिरघुनाथैबंदिबाणीसुनायो८८॥ दोहा॥ जोनदमौंमैंदमनको दलसमेतयहिबार ॥ तौलागैंमोकोकुटिलबिपु लपापकेभार ८९ ॥ छप्पै ॥ भरततनयप्रभुबंदिदमनकहजाइप्रचा रा । गहौचापनाराचकालमैंआउँतुम्हारा ॥ कहसुयाहुसुततिन्हैंह मैंकछुशंकनहोई।करैजाहिहरिकृपाजीतिहैरणमेंसोई॥असभाषिक ठिनकोदण्डलैशरप्रचण्डमारतभयो । पुनिभटनमुंडभुजदण्डयुत गजनशुण्डपारतभयो ९० निजदलबिकलबिलोकिभरतसुतबि स्मयमाना ।अग्निबाणसंधानिचापश्रवणनलौंताना ॥ मारिजारि तेहिसैनसुभटगजरथओघोरा । परेदग्धरणभूमित्रासअतिपाइक ठोरा ॥ जिमिलंकादहीसमीरसुतनिश्चरगणव्याकुलभये । तिमि पुङ्क ङ्अनलनराचनेदमनसेनभटसबहये ९१ दमनहुंहृदयबिचा

रिकठिनकोदण्डचढ़ायो । बरुणबाणसंधानितप्तपानीबरषायो ॥ निजजलअग्निबुझायशत्रुदलउपलकठोरा । बहुरिशीतशरछाँड़ि बिकलकरिभटगजघोरा ॥ तबसरिताबहीअपारतहँबिपुलबीरबोरे महा॥ यहिभांतिसुभुजसुतबलनिरखिधन्यधन्यशूरनकहा ६२ पुनि पुष्कलकरिक्रोधपवननाराचचलायो ।मेघजालतेहिकालगगनतेस कलउड़ायो ॥ बहुरिबज्रशरसाधिदमनउरतकिसोमारा । गिराअव निभहराइरहानहिंनेकसँभारा॥ तेहिबालिरथैसारथीबरकोशमात्र भाजतभयो।अरुअपरबीरनिजप्रभुनिधननिरखिसुभुजपहँसोगयो ६३ ॥दोहा॥पुष्कलरणहतिदमनकहँहरषसहिततेहिकाल । मिले जाइरिपुसूदनहिंतेअतिभयेनिहाल६४ ॥ नराच ॥ उहांसुबाहुहाल पाइसैनसाजिआयऊ। अपारपुत्रशोकपाइक्रोधचित्तछायऊ॥ समे तबंधुअौतनयउभैजुझारसंगमें । प्रबीणअस्त्रशस्त्रसबयुद्धकेप्रसंगमें ६५ ॥चौपाई ॥इहांशत्रुहनरिपुशशिराहू । सुनाकिआयोसमरसुबा हू॥चतुरंगिनीसैनलेलकारा । पुष्कलादियोधनपरचारा॥ लक्ष्मी निधिरिपुतापनबीरा । नीलरत्नअरिमर्दनधीरा ॥ उग्रासादिकस मरजुझारा । पठयोसुभटनसमरअपारा ॥ क्रौंचव्यूहरचिनृपति सुबाहू । जीतैकोनबीरबरबाहू ॥ लक्ष्मीनिधिकहव्यूहसँहारौं । सैनशत्रुअबहींरणमारौं ॥ धायेअस्त्रशस्त्रलैबीरा । पाछरिपुसूदन रणधीरा ॥ बीरप्रचारिभिरेद्वउओरा । बनैनवर्णतसमरकठारा ॥ लक्ष्मीनिधिसुकेतुनृपभाई ।लरैंसुभटबलबरणिनजाई॥ बाणवृष्टि करिगदाप्रहारे । मल्लयुद्धकरिकोउनहारे ६६ ॥ दोहा ॥ बहैरु धिरदुहुंजननकेफूटिगयेसबगात । धर्मयुद्धकरिपरस्परलक्ष्मीनि धिनृपभ्रातृ६७॥चौपाई ॥ भूपसुवनचित्रांगकठोरा। पुष्कलरणकी न्हाअतिघोरा ॥ हतैप्रबलशरनिकसिशरीरा । गिरैअवनिमहँमुरै नबीरा ॥ बायुबाणपुष्कलतेहिमारा । भ्रमेउगगनरथसहितअपा रा ॥ बहुतकष्टतेसोमहिआयो । बाणमारिपुष्कलहिभ्रमायो ॥ पु

ष्कलहूकष्टनमहिआयो।रथधनुतेहिकरखंडिगिरायो।चढ़ाअपररथ सोबरबीरा। छांड़ेबहुपुष्कलपरतीरा ॥भरततनयतबलैइकबाना। प्रलयकालकीअनलसमाना॥जोयहिबाणनमारौंतोहीं। बहुप्रकार अबलागैमोहीं ॥ कहचित्रांगखंडिशरडरिहौं। नतरुमहूंबहुदोषन परिहौं ॥ तबपुष्कलसुमिरयोश्रीरामहिं। प्रणतपालविरदावलि धामहिं ९८॥ दोहा ॥ छांड़ाविशिषकरालसोपुष्कलश्रुतिलगितानि। आवतजानिसुवाहुसुतनिजशरतेशरभानि ९९॥ चौपाई ॥पुष्कलशर भेजेदुइखंडा। एकघायचित्रांगहिमंडा ॥ गिराधरणिचित्रांगहु गाजी। प्रभुहतनिरखिसैनतेहिभाजी॥ लखिसुबाहुबिलपततेहि तीरा। गदगदकंठनयनभरिनीरा ॥ तहांविचित्रदमनद्वौभाई। पितेबंदिबहुविधिसमुझाई ॥ धन्यसुभटचित्रांगअनूपा। रणतजि देहभयोसुररूपा ॥ अबदेखौपुरुषारथमोरा। करिहौंबहुतकहत मुखथोरा ॥ असकहिसैनसहितचतुरंगा। भिरेएकएकनरणरंगा॥ दमनअपररिपुतापभुवाला। हतैंपरस्परबाणकराला ॥ नीलरत्न विचित्रतेहिकाला। भिरेयुगुलभुजदंडकराला ॥ नृपसुबाहुकरलै कोदंडा। भिराजाइरिपुदमनप्रचंडा १००॥ दोहा ॥रिपुहननिकटै ठाढ़कपिअतिविशालबलबुद्धि।पवनपुत्रगरज्योतबैकियअरुणदृग क्रुद्धि १ ॥ चौपाई ॥ सोसुबाहुपहँसत्वरधायो। कहनृपप्राणदेन कपिआयो ॥ कहोमोहिंकहरिपुहनबीरा। कहांरामअतिशयरणधी रा ॥ आजुसिखावनरणमहँदेहौं। सुतकरबैरआपनोलेहौं ॥ कह कपिइतलवानसुरहंता। राजैंअवधरामभगवंता ॥ करतयज्ञसच राचरईशा।धरतजासुपदअजशिवशीशा॥ तेहिसेवकमैंपवनकुमारा। करोंतोहिंसहसैन्यसँहारा॥मोहिंजीतिरणमेंबरिआई।कीन्होंसमर उनहुंतेजाई ॥ सुनिकटुबचनशरासनताड़ा। दशशायककपीशपर छांड़ा ॥ बीचहिगोंचिकीशशरतोरा। सिंहसमानगर्जिअतिघोरा॥ पूंछहिरथलपेटिबरजोरा। नृपसारथीसहितसबघोरा २ ॥ दोहा ॥

जाइभ्रमायोगगनमहँकपिकौतुकअतिकीन्ह । शरबहुहनेसुबाहु तबडारित्रासबशदीन्ह ३ ॥ चौपाई ॥ चढ़ाअपररथतुरतभुवाला । मारेकपिहिनराचकराला ॥ तबहिंसमरकोप्योहनुमाना । हन्यो लाततेहिबज्रसमाना ॥ गिराअवनितनसुधिबिसराई । रुधिरबम तमुर्छितअधिकाई ॥ अपरचमूचतुरंगअपारा । हनुमतकरैलाग संहारा ॥ लखिसुबाहुकहमुरछाआई । भागितासुसेनासमुदाई ॥ मुरछहिमध्यसपननृपदेखा । सरयूतटबसैअवधबिशेखा ॥ सकल कनकमणिबिरचितधामा।एकतेएकरुचिरअभिरामा ॥तहांनृपतिर घुपतिश्रीरामा । सुवरसीयसोहातसुबामा ॥ अतसीसुमनस्वर्णछ- बिवारी। लाजमदनरतिरूपनिहारी ॥ सरयूनिकटयज्ञतिनठाना। तहांशिवादिकसुरगणनाना ४ ॥ दोहा ॥ नारदादिअस्तुतिकरैंसुर पतिसरिसप्रणाम । मुनिआवृतरघुबंशमणिकरैंयज्ञअभिराम ५ ॥ चौपाई ॥ कपिपदपरशिपुनीतसुहाई । भयोसपनदरशनरघुराई ॥ तेहिप्रभावभयोशुद्धनरेशा । जागिबंधुपुत्रनउपदेशा ॥ येअवधेश भूपजनिजानौ । परब्रह्मअखिलेश्वरमानौ ॥ मोहिंशापवशगयो भुलाई । सोसबकथाभूपमणिगाई ॥ एकबारअसितांगमुनीशा । निकटगयोंमैंपदधरिशीशा ॥ बिनयकह्योंमोहिंदीनदयाला ।परम तत्वबरणयोंयहिकाला ॥ कहमुनिपरब्रह्मश्रीरामा । आदिशक्ति सीतातेहिबामा ॥ तेनिजभक्तउधारणहेतू । भयेअवधभूपतिश्रुति सेतू ॥ ताहिभजैंशिवअजदिशित्राता । मुनिजनसहितवेदबिख्या ता ॥ परमतत्वजानौनृपसोई । इनतेपरेईशनहिंकोई ॥ जासुनाम विबशहुमनआवै । अतिअपारभवपारहिपावै ६ ॥ दोहा ॥ बिहँसि कहामैंमुनिहिंतबकहौमोहतजिबैन । जोनिर्गुणकर्महिंरहितसो किआवभवऐन ७ ॥ चौपाई ॥ कोपिमुनीश्वरबोलमोहीं । ममवचनन बिश्वासनतोहीं ॥ तैंश्रीरामहिंनरकरिजाना । तातेमूढ़होसिबिन ज्ञाना ॥ तबमैंचरणपर्योंअकुलाई । शापअनुग्रहकरुमुनिराई ॥

कहमुनिसुनुभूपतिपरिणामा । रामचन्द्रमखहयअभिरामा ॥ जब बांधिहितवसुतनिजधामा । होइहितबैघोरसंग्रामा ॥ रामभक्तकपितवउरलाता । मारिहितबतुमहवैहौज्ञाता ॥ सोसबभयोमहूंअबजाना । सपनेदीखरामभगवाना ॥ तातेअश्वसहिततवराजू । करौसमर्पणरामहिंआजू ॥ असकहिमणिगणस्वर्णअपारा । गजरथबिपुलभरालेभारा॥ अपरअश्वरथसुभगहजारन । सजेभेंटहितअगिनितवारन ८ ॥ हरिगीतिकाछन्द ॥ गजबाजिस्यंदनसाजिनृपरिपुहनहिंभेंटेउजाइकै । परिवारपुत्रसमेतबहुविधिबिनैकरिहर्षाइकै ॥ ममउरपरशिकपिपाउँनिजतबज्ञानभामोहिआइकै । श्रीरामपदपाथोजदेख्योंस्वपनमेंसुखदायकै ॥ यहिभांतिसाधुसमागमनअगमहुँसुगमताकोसदा । सुनिबचनपवनकुमारभूपहिमिलेसकुचतमनमुदा ॥पुनिभूपमखबाजीसमेतसराजसकलसमाजही॥ परिपायँबिनयसुनाइअपणकीन्हकोशलराजही ॥ अबसुनियकरुणासिंधुजेहिबिधिरामपदरजमेंलहौं । सबभांतिमनक्रमसेइहौंपरिवारयुतजूंठनिचहौं ॥ अनजाननममसुतकीन्हयहसोचूकसर्बविसारिये । जनजानिअपनेसंगलैश्रीरामपायँनडारिये ॥ सुनिनृपतिबचनबिनीतरिपुहनहियलगाइप्रबोधकै । अनुचितनयहक्षत्रीकुलहिप्रतिभटहिरणमहँयोधकै ॥ अबजाइदमनहिंराजदीजैसैनतुममसँगचलौ ।सहबाजिश्रीरघुबीरमखथलदेखियेअतिशयभलो ९ ॥दोहा ॥ जसआयसुरिपुदमनदैतेसहिभूपतिकीन्ह ॥बिपुलसैनचतुरंगलैहयसँगमारगलीन्ह १०॥ भुजंगप्रयातछन्द ॥तबैशत्रुहंतास्वबाजीछड़ावा । चलावेगतेपौनकेगौनधावा ॥ चतुर्धाचमूताहिलागीपछारी । लखेजाहिलाजैदिगीशादिभारी॥परेमार्गमेंदेशभूपालकेते । परेपायँनेभेटदैसर्बतेते ॥ गयोहयपुनःसत्ववानूभूपग्रामें । धनीधर्ममयराजतेलोगजामें॥महानीतिमानूभक्तिमानूभूपत्यागी। सियारामपादारबिंदानुरागी ॥ करैंबिप्रकेवृंदयज्ञोघनेरी । परै

नाथुवांछांहतेसूर्यहेरी ११॥ दोहा॥ देवधामलखिविविधतहँसुवरण मयअभिराम। कल्पवृक्षसमवृक्षसबसोहतसुभगअराम १२ चौपाई॥ पूछिसुमंतहितबरिपुदूषण। कोनरेशइहँविश्वविभूषण॥ कहासुमंतकथासबगाई। ऋत्तंभरकीरतिअधिकाई॥ सबप्रकारसंपतिसुखकारी। सुतविहीननृपपरमदुखारी॥ एकसमयआयेजावाली। तेहिगृहमुनिअतिशयतपसाली॥ पुत्रहेतुनृपबिनयसुनायो॥ गोसेवनविधिऋषैबतायो॥ नृपषटमासचरायोगाई। निशिदिनसेवततनमनलाई॥ एकदिवसनृपरहापछारी॥ काननगोपंचाननमारी॥ देखिभूपमनमानिगलानी। जावालिहिविनयोपुनिआनी॥ गोअघहोइनाथममभंगा। सुतहितब्रतपूरैसबअंगा॥ कहऋतुपर्णभूपपहँजाहू। जसकहैतसकीजैनरनाहू १३॥ दोहा॥ सुनिमुनिबचनऋतुम्भरहुगेऋतुपर्णहिंदीन। कहेबचनजेहिभांतिममहाइगऊअघक्षीन १४॥ छप्पै॥ ऋत्तंभरकेबचनसुनतऋतुपर्णभुवारा। बरणीकथाविशेषजनकगेजिमियमद्वारा॥ योगयुक्तितनत्यागिजबैबैकुण्ठसिधायो। दैवयोगतिनजानगगनतेहिमारगआयो॥ नृपगातपरशिपावनपवनपापिनलागीजाइकै। ह्वैपुष्टनिकरिसबनरकतेभागेबंधछुड़ाइकै॥ जयतिजनकयशधन्यजासुहमपरशिसमीरा॥ निकरिनरकतेकठिनमिटीतनकीसबपीरा। पाहिपाहिहमसर्वसाथअपनेअबलीजै॥ शरणागतअवलोकिछांड़ितिनकोमतिदीजै। असबचनसुनतमिथिलाधिपतिफेरिजानतहँआयऊ लखिपुण्यपयोधिनरेशकोरविसुतबचनसुनायऊ १५॥ चौपाई॥ तबरबिसुतयहविहँसिसुनायो। महाराजतुमकिमिइतआयो॥ इहांरहतपापीअतिघोरा। गोद्विजहिंसकपरतियचोरा॥ ऐसहिजगमहँपापनिकाया। कामीक्रोधीलोभिअदाया॥ ऐसेपापिनममगणघोरा। डारैंरवरवादिबरजोरा॥ करैंजीवइहनिजअघभोगा॥ जनमैंजगततहांलहैंरोगा॥ तुमसमानहरिपदरतजेई। इहांन

आवतसपनेहुंतेई ॥ तातेजाइस्वर्गसुखलीजै । येपापिनकरसंगन कीजै ॥ कहनृपअबमोहिंकछुनसोहाई । छांड़ियेपापीसमुदाई ॥ धर्म्मराजतबबचनउचारा । रामनामसुमिरणइकबारा ॥ जोतुम देउदयाकरिइनहीं । मुक्तहोयँपापीयहिक्षनहीं १६ ॥ दोहा ॥ एव मस्तुतबभूपकहिपापीसबमुकुताइ । लहापरमपदतुरतसबबिमल जनकयशगाइ ॥ पूछाबहुरिकृतांततहमकेहिअघइतआइ । नाथकृपाकरिमोहिं अबकहौसकलसमुझाइ १७ ॥ तोमर ॥ सुनुभूपतैं इकबार । रहैठाढ़बाजिनसार ॥ तितदूबहारितरंग । चरैधेनुएक सुअंग ॥ तुमदीखचित्तनभाव । तेहिदोषतेइतआव ॥ द्विजधेनुसा धुनदेखि । प्रणवैंनजौनबिशेखि ॥ तेइ आवतेयहिभौन । अरुपातकी खलजौन ॥ पुनिभूपरामहिं ध्याइ । हरिधामगोहरषाइ १८ ॥ कवित्त ॥ नामबलशिवविषपियोदियोअमीफलअजामीलकीछुड़ाई त्रासयमग्रामकी । उलटेबरणजपिबालमीकिब्रह्ममिलेगणिकहुपा इगईगतिअभिरामकी ॥ पदरजपरशतगौतमकितियतरीसभाम ध्यराखीपतिपंडुसुतबामकी । इश्वरीकहतवेदबिधिहुआगमसोमैंक हांलोंबड़ाईकरौंसीतारामनामकी १९ ॥ सवैया ॥ गीधअजामिल गजगणिकादिकयेकोतपअधिकैयाहैं । इश्वरीसखाबिभीषणकपि पतिजेपरनारिरमैयाहैं ॥ निःछलप्रीतिरीझरघुनंदनजनओगुनबि सरैयाहैं । जेतनेअघहरिहरिबेलायकतेतनेकौनकरैयाहैं २० कवित्त ॥ दातादेवद्रुमकहाजौनदीन दुखियनदेखिकैदुराइ जाइदेवलोक मेंरहा । तथाकामधेनुअनुबलिहुपतालगयोअपरनकहाचलीकौनी गनतीकहा ॥ इनहुंतेकोटिगुनेप्रभुहैंउदारसोऊरहतअलक्ष्यदुरल भमिलिबोमहा । यातेइश्वरीबिचारिचारिफलदानिजानिहरितेअ धिकहरिनामहेतकैंगहा २१ ॥ चौपाई ॥ कहऋतुपर्णसुनौनृपये हा । रामनामजपुसहितसनेहा ॥ स्वर्णगऊपुनिबरबनवाई । दीजैबिप्रहिमनहर्षाई ॥ सुनिनृपबचनऋतुंभरराई । रामनामसुमिरेउ

मनलाई ॥ तुरतभयोअवरहितभुवाला । स्वर्णगऊदैद्विजप्र
तिपाला ॥ पुनिसोव्रतसाध्योमहिपाला । सेयउगाइहिसहिदुख
जाला ॥ ह्वैप्रसन्नगोदैबरदाना । लहौपुत्रनृपधरमनिधाना ॥ सु
निबरभूपमहासुखपाये । सत्यवानभयोऔसरआये ॥ रामनामसु
मिरणअधिकारा । श्रुतिमारगजेहिसदापियारा ॥ सत्यवाननृपग
ऊप्रसादा । सोइतराजतरहितबिषादा ॥ यहिबिधिसुमतिकथा
तेहिगाई । सुनततुमहिंमिलिहैरघुराई २२ ॥ दोहा ॥ तेहिऔसर
महिपालसोबैठसभानिजसाजि । दूतनखबरिसुनाइतहँप्रभुआयो
मखबाजि २३ ॥ चौपाई ॥ सुनिचरगिराभूपकहजाई । आवउदे
खिकहाकरआई ॥ गयेचतुरचरदेखितुरंगा । पाछेभूरिचमूचतुरंग ॥
सकलकथासुनितेपुनिआये । समाचारसबनृपहिसुनाये ॥ महा
राजकोशलपतिरामा । रावणादिजीतसंग्रामा ॥ स्वर्णपत्रनिज
यशलिखिभाला । बांधिबाजिसँगचमूबिशाला ॥ अनुजतासुरिपु
सूदननामा । रक्षतअश्वमहाबलधामा ॥ सुनादूतमुखबचनरसा
ला । महामुदितमनभयोनृपाला ॥ सन्ततभजतरहौरघुराई । आजु
मोरिभैसुकृतसहाई ॥ भूरिभेंटसजिचल्योभुवाला । सहितसमाज
मुदिततेहिकाला ॥ शत्रुदमनपदअतिअनुरागा । पर्योभूपबरणत
निजभागा२४ ॥ दोहा ॥ सत्यवानकहँशत्रुहनलीन्होहृदयलगाय ॥
प्रीतिसहितपूछीकुशलगवनेसङ्गलवाय २५ ॥ भुजंगप्रयात ॥ चले
शत्रुहन्तासबैसैनसाजी । महाबगधायोतबैयज्ञबाजी ॥ अकस्मा
तभाव्योमभूअन्धकारा । नसूझैकहूंआपनोनापरारा ॥ भईवृष्टिर
क्तौघमज्जादिभूरी । रहीठौरठाढ़ीचमूत्रासपूरी ॥ तबैकामगायान
पैह्वैसवारा । बिदुन्मालिरक्षेशबाजीजहारा २६ ॥ हरिगीतिका ॥
अतिघोरसैनअपारत्यहिसँगबाजिलैव्योमहिं गयो । तबकीन्हमा
यातमनिवृत्तअकाशभूनिर्मलभयो ॥ इतशत्रुहनसंभ्रमसहितपूछा
भटनमखहैकहां । तिनदेखिइतउतनभनिरखिदेखानिशाचरदल

तहां ॥ अतिघोरदुर्मुखबिकटतनशस्त्रास्त्रयुक्तभयङ्करा । दर्शाइवी रनव्योमत्यहियहिनाथछलकरिहयहरा ॥ लखिअरुणनयनसको परिपुहनसकलसुभटबोलायऊ । हनुमन्तपुष्कलसरसबरसबसों हकारिकरिधायऊ २७ ॥ चामर ॥ बिलोकिराक्षसेशबीरआइयुद्धहे तही । कहाविनिन्दिजाउघूमिआपनेनिकेतही ॥ रहौनिराशअश्व तेनपाइहौकबौंहमैं ॥ समेतरामलक्ष्मणौंससैन्यखाइहौंतुम्हैं २८ दोहा ॥ बिद्वन्मालीनाममम बसतरहौंपाताल ॥ बदलारावणसु हृदको मैंलहौंयहिकाल २९ ॥ नराच ॥ सुनासुरारिबैनपुष्कलौंप्र चारिकैकहा । वृथाप्रलापिशूरबीरबीरताकहूंलहा ॥ बलातराम अश्वआजुकैसहूनपाइहौ। दशास्यज्योंकृतांतभोनत्योंतुम्हौंसिधा इहौ ३० ॥ चौपैया ॥ सुनिबिद्वन्मालीअतिबलशालीमाराशक्तिप्र चंडा । पुष्कलबरबीरालैधनुतीराताहिकीन्हत्रैखंडा ॥ पुनिसोनि शिचारीशूलप्रहारीभरतसुवनसोकाटा । निजबाणअपाराअरिउर माराबिकलकीन्हतेहिडाटा ३१ ॥ चौपाई ॥ बिद्वन्मालित्रासजब पावा । रिसकरिमुद्गरलैसोधावा ॥ पुष्कलहृदयमांझसोमारा । गिरेमुर्छितनदशाबिसारा ॥ सत्वरपुष्कलउठेसम्हारी । साजिक ठिनकोदंडसुधारी ॥ पावकसरिसबाणतेहिमारा ।गिराअसुरमहि देहबिसारा ॥ उग्रदन्ततताकरलघुभाई । लक्ष्मीनिधिसोंकरैलड़ा ई ॥ भ्रातहिपतितदेखिसोधावा । कामगचढ़िसत्वरसोआवा ॥ क हापुष्कलैबचनरिसाई । बंधुहिहतिकहँजाउपराई ॥ सुनतैदशशर पुष्कलमारे । अंगनबहिचलेरुधिरपनारे ॥ रिसकरिमुष्टिकदैत्य प्रहारा । जिमिगजहृदयअंकफलमारा ॥ महातीक्ष्णशरपुष्कल मारा । भयोदैत्यतेहिबिकलअपारा ३३ ॥ दोहा ॥ तबअसुराधिप शूलहति पुष्कलहृदयकराल । गिरेमुर्छिरथपरतुरत कम्पिततन त्यहिकाल ३४ ॥ चामर ॥ मूर्छितंबिलोकिबातजातपुष्कलैजबै । घोरक्रोधकैहतेनिशाचरौघनैतबै ॥ दन्तमुष्टिपादघातसर्बसैन्यमा

रेऊ । कामजानतोरणादितोरिफोरिडारेऊ ३५ ॥ तोमर ॥ हनुमंत बीरकराल । करिसैन्यसर्बबिहाल ॥ लखिउग्रदंतबरिष्ट । हति शूलतेजगरिष्ट ॥ कपिबीचहीमुखमेलि । करिचूरदंतनठेलि ॥ हनुमंतताहिरिसाय । मुखपैचपेटलगाइ ॥ गिरेदंतभूखहराइ । अति भयव्यथाउरआइ ॥ बलवानकीशहिजानि । तबकीन्हमायहिठानि ॥ बरषैअमेध्यअपार । रुधिरादिशृंगपहार ॥ तसभानप्रथमैक्षीन । जसरामदलअबदीन ३६ ॥ दोहा ॥ निजदलबिकलबिलोकितब रिपुहनपरमकृपाल ॥ मोहनास्त्रछांड़ातबैसुमिरिरामतेहिकाल ३७ प्रज्वलिया ॥ शरनिकररहेतेब्योमछाइ । रबिसमप्रकाशबरणोनजाइ ॥ मिटिगईअसुरमायाकराल । भयेसैन्यसुभटसगरेनिहाल ॥ लखिपराव्योमनिशिचरबिमान । त्यहिचूर्णकीन्हहतिलक्षबान ॥ लखिप्रबलशत्रुसूदनप्रताप । करिक्रोधअसुरसन्धानिचाप ॥ शत शरमारेशत्रुहनगात । बहरुधिरशूरशोभालखात ॥ पुनिरामानुज शरछांड़िवाइ । निशिचरनाथैनभमेंभ्रमाइ । ह्वैबिकलअसुरपशु पतिनराच । हतिकीन्हप्रकटकोटिनपिशाच ॥ तेलियेकरनकरत रिकपाल । पियेंरुधिरभटनशिरहतिउताल ॥ रिपुभंजननिजदल बिकलदेख । नारायणशरछांड़ाबिशेख ॥ त्यहिशरपशुपतिशरप्र भवदोष । जारातुरंतकरिप्रबलरोष ॥ लखिबिद्वन्मालीक्रोधकी न्ह । मुद्गरप्रचंडनिजहाथलीन्ह ॥ धावारिपुसूदनहननहेतु । शरचापितबैरघुबंशकेतु ३८ ॥ दोहा ॥ अतिसत्वरतेहिशीशभुज दीन्हाअवनिगिराइ ॥ कटकसहितरघुबंशमणिठाढ़ेरणसुखपाइ ॥ ३६ ॥ छप्पै ॥ बन्धुहिमृतकबिलोकिउग्रदंतैरिसबाढ़ी । मुष्टिकप्रबलप्रहारिशत्रुसूदनउरगाढ़ो ॥ रिपुहनहनिशरनिशिततासुशिरअवनिगिरायो । अपरनिशाचरकटकबर्षि नाराचनशायो ॥ कछुअनुगरेनिशिचरनाथकेबचेदियोहयआइकै । यहिभांतिशत्रुहनदलसहितठाढ़ेजययशपाइकै ४० ॥ दोहा ॥ मारेअसुरप्रचारिकै सुरन

दुखदबलवांन ॥ लक्ष्मीनिधिपुष्कलसहितशत्रुदमनहरषान४१ भुजंगप्रयात ॥ बिजयपायराजाचलेसैनसाजी। गयोबेगरेवानदीतीर बाजी । ऋषैमंडलीतत्रशत्रुघ्नदेखा ॥ तपीधर्ममयवेदकीमूर्त्तिलेखा ४२ ॥ दोहा ॥ पूछामंत्रिहिनृपतितबकहौकाहअस्थान। तिनआर यकथाकहीरामभक्तजगजान ४३ कोटिनअघनाशैतुरतइनकर दर्शनपाय ॥ सुनिरिपुहनकछुलोगलैगयेतहांहरषाय ४४ ॥ हरिगी तिका ॥ सौमित्रपुष्कलसचिवसुमदसुबाहुलक्ष्मीनिधिगये । हनु मन्तनृपतिप्रतापअग्रसमेतमुनिचरणाननये ॥ मुनिदेखिदीनअशी षविधिवतपूजिफलभोजनदियो । अतिहेतपूंछीकुशलनृपइतआग मनकेहिहितकियो ॥ रुषपाइरिपुहनसुमतिसकलप्रसंगऋषिहि सुनायऊ । श्रीरामअवधनरेशमखहयसाथयेइतआयऊ ॥ हँसिक हामुनिसुनियज्ञलघुफलदेतदुस्तरश्रमकिये । यहअज्ञतावशबणि जविरचतइन्द्रविधिसुखचहिहिये ॥ अतिसुलभसुमिरतरामनाम अपारअघहरिभवतरै । तेहिछांड़िनरअज्ञानबशब्रतदानयज्ञनश्र मकरै ॥ मैंपूर्बब्रह्मविचाररतजगतीर्थविपुलमझायऊ। पैरामभजन विहीनमनसन्तोषनेकनआयऊ ॥ निजभागबशमारगविषेलोमश ऋषीशहिपायऊ।कालीनअतियोगीशचरणनभक्तिसोशिरनायऊ पुनिपूंछिकरतलजोरिकृपासमुद्रमोहिंबताइये । नरदेहतेभवसिं धुदुस्तरपारकेहिबिधिपाइये ॥ तबकहामुनिमोहिंबिप्रसुनुसहश्र द्धयामनलाइकै । संयमनियमब्रतदानतीरथयोगयज्ञगनाइकै ॥ निरबिघनपूरैजोपियेसुरलोकसुखसबदानिहैं । श्रीरामनामहिंसु मिरतैसंश्रृतकलुषदुखभानिहै ४५ ॥ दोहा ॥ कोटिनमखब्रतयोग तेरामनामअधिकार । जाकेसुमिरतमिटतहैजन्ममरणाव्यवहार ४६ ॥ चौपाई ॥ तजतहिप्राणरामजोकहई । अघदहितुरतपरंपद लहई ॥ जेसप्रेमरघुबरगुणगावैं । अक्षयमोक्षलहैंसुखपावैं ॥ ता तेद्विजतुमनिश्चयमानी। परमातमारामकहँजानी ॥ मनक्रमबचन

भजौरघुराई। पैहौमोक्षअक्षैसुखदाई॥ जाकरसुमिरतनामउदारा। गोपदतुच्छहोतसंसारा॥ तबमैंबिनयकहामुनिनाथै। केहिप्रकार सुमिरौंरघुनाथै॥ कहऋषिनगरअवधअतिपावन। मणिमयमन्दिर रुचिमनभावन॥ पारिजाततेहिमध्यविराजा। रत्नसिंहासनतेहि तरभ्राजा। तेहिआसीनरामवैदेही॥ कोटिकामरतिलाजत नेही। घनचपलाद्युतितनछबिराजे॥ अंगअंगप्रतिभूषणसाजे ४७ दोहा॥ शरदइंदुनिन्दकबिमलमुखछबिपरमअनूप। बिम्बाधर लोचनकमलदाड़िमदशनअनूप ४८॥ चौपाई॥ श्रुतिअनूपनाशि कासुहाई। मधुरहासचितलेतचुराई॥ कामकलभभुजबलअधि काई। बक्षस्थलभृगुचरणसोहाई॥ त्रिबलिउदररुचिनाभिबिशे-षा। चरणतलनकुलिशादिकरेखा॥ सुमिरौनामध्यानअसरूपा। पूजौचन्दनादिसूरभूपा॥ नमस्कारकरुप्रीतिबढ़ाई। यहिप्रकार भजुविप्रसदाई॥ पुनिआरयकबचनउचारा। परब्रह्मकिमिनर अवतारा॥ सोचरित्रसबकहौबुझाई। जेहिप्रकारममसंशय जाई॥ पुनिलोमशकहिबचनविशेखा। निरयसमुद्रमगनजगदे-खा॥ तबकृपालमानुषतनधारा। निजयशबिमलअवनिबिस्तारा॥ सोयशगाइप्रणतभवतरई। कृपासिंधुजनहिततनधरई ४९॥ बसंततिलक॥ आदित्यवंशअवधेशगृहेवतारी। रामाभिरामघनश्या मलक्रांतिहारी॥ राजीवनेत्रशरदेंदुमुखप्रकाशं। बाहुप्रचण्डबल भंजनदासत्राशं॥ पित्राक्षयाप्रथमरामसमेतभ्राता। दांतौधनुर्द्धर बरौमुनियज्ञत्राता॥ पादाब्जपर्शिमुनिनारिशिलाउधारा। भंजा पिनाकन्नृपओघमदप्रहारा॥ पंचादशाब्दबयसेतवरामजानौ। प टबार्षिकीजनकराजसुताबखानौ॥ मार्गेनिवृत्तसमयेभृगुमानगं जा। सीतासमेतदैसुःखपितैप्रपुंजा ५०॥ दोहा॥ द्वादशबरषैभ वनबसि पितुआयसुधरिशीश। अनुजजानकीसहिततब बिपिन गयेजगदीश॥ तीनिदिवसजलपानकरि चौथेदिनफलभोग॥

चित्रकूटपचयेन्हिबसि साधेमुनिव्रतयोग ५१ ॥ चौपाई ॥ तेरहींबर्ष लषणरघुबीरा । पंचबटीगौतमसरतीरा ॥ सूर्पणखैतहँकीन्हकुरूपा । पाईसुधियहनिशिचरभूपा ॥ छलकरिमृगबनायमारीचा । मार्गशुक्लअष्टमिदिननीचा ॥ मायासियहिहरासोआई । गीधजटायुयुद्धगतिपाई ॥ अगहनसुदिनौमीदिनसीता । बसीअशोकबिपिनअतिभीता ॥ गयेमासदशबिनसुधिपाये । मार्गशुक्लदशमीदिन आये॥सम्पातिहिसुनिखबरिकपीशा । एकादशिहिलांघिबारीशा॥ द्वादशिनिशिसीतहिमिलिकीशा। तेरसिबिपिनसैन्यकियोखीशा॥ चौदशिदिनलंकापुरजारा । पुरनिमाहिंआयोयहिपारा ॥ पांचदिवसमारगहिबिताये । षष्टीदिनमधुबनफलखाये ॥ सीताबिपतिसप्तमीगावा । रघुबरअष्टमिकटकचलावा ५२ ॥ दोहा ॥ सतयेंदिनसागरनिकट पहुंचेश्रीरघुराय ॥ सुदीपरीवातीजलौं टिकीसेन फलखाय ५३ ॥ चौपाई ॥ चौथिहिमिलेबिभीषणआई । लंकादीन्हताहिरघुराई ॥ पंचमिनौमीलगरघुराई । मगमांगीसागरसोंजाई॥ दशमीतेतेरसिलौंसेतू । बँधवायोतहँरघुकुलकेतू ॥ चौदशिद्वीजलगेदलसाथा । टिकेसुबेलशैलरघुनाथा ॥ सुदिद्वादशिहिकीशदलमाषा । शुकरावणहिंबरणिसबभाषा ॥ कुहुनिशिप्रभुनिजशायकमारा । दशमुखमुकुटअवनिसबडारा ॥ माघप्रथमपरिवाउजियारा । अंगदरिपुपुरमेंपगुधारा ॥ दुइजअष्टमीलगिरणभारी । कपिराक्षसनभयोभयकारी ॥ पाशबंधनौमीदिनगावा । दशमीगरुड़सर्पसबखावा ॥ तीनिदिवसमहँहनुमतयोधा । धूम्राक्षहिमारा करिक्रोधा ५४ ॥ दोहा ॥ शुक्लचतुर्दशिमाघकी कृष्णपरेवाताइँ ॥ नीलप्रहारिप्रहस्तकहँ सैनसहिततेहिठाइँ ५५ ॥ चौपाई ॥ दुइजचतुर्थीतकरघुराया । मूर्छिदशमुखहिभवनपराया ॥ तबलंकेशहृदयभयपावा । चारिदिवसमहँअनुजजगावा ॥ नौमीचतुर्दशीतकघोरा । कुम्भकर्णरणकीन्हकठोरा ॥ तबरघुबीरताहिरणमारा । तन

तजिसोबैकुंठसिधारा ॥ रावणउरभाशोकअपारा। माघअमावस भाअवहारा ॥फागुनआदिचारिदिनताई। सेनपपांचबँधेबरिआई॥ पंचमिआदिसप्तमीप्रमाना। लक्ष्मणहतिअतिकायकेप्राना ॥ अष्ट मिआदिद्वादशीअन्ता। कुम्भनिकुम्भजूझबलवन्ता ॥ तेरसितेदि नचारमझारा। गिराअवनिमकराक्षजुझारा ॥ फागुनकृष्णदुइज निशिपाये। शक्तिलागिलक्ष्मणमहिआये ५६ ॥ दोहा ॥ औषध लायोपवनसुत ज्यायोलषणकुमार ॥ तृतियातेसप्तमीलगतबभा रणअवहार ५७ ॥ चोपाई ॥ इन्द्रजीतषटकरिसंग्रामा। माराल क्ष्मणतेहिबलधामा ॥ चौदशिकुहूतबहुंअवहारा। दशमुखशिक्षा हितपगुधारा ॥ चैत्रआदिदिनपांचबिताये। सेनपघोरपांचबधिपा ये ॥ पुनिपाश्वादितीनिदिनमाहीं। मारेगयेसमरमहिमाहीं ॥ चैत्रशुक्लनौमिहिंअसुरारी। लक्ष्मणहृदयशक्तिशठमारी ॥ कीन्ह क्रोधश्रीरामअपारा। दशमुखतनसबशरनबिदारा ॥ द्रोणगिरिहि लायोहनुमन्ता। परशतलक्ष्मणउठेतुरन्ता ॥ दशमीदिनतबभा अवहारा। रातिमर्कटनपुनिपुरजारा ॥ एकादशिदिनशक्रपठावा। हरिहितरथमातुलिलैआवा ॥ अष्टादशदिनरणदिनराती। राम रावणहिंभाबहुभांती ५८ ॥ दोहा ॥ चैत्रैकृष्णचतुर्दशी रामचन्द्र रणधीर ॥ शरनमारिहतिरावणैकियोकोपगम्भीर ५९ ॥ चोपाई ॥ सत्तासीदिनसमरमझारा। तेहिमापन्द्रहदिनअवहारा ॥ अमाति थिहिदशमुखतनदाहा। मंदोदरिबिलापबहुकाहा ॥ बैशाषादिति थिहिश्रीरामा। कियोसुबेलापरबिश्रामा ॥ दुइजबिभीषणराज्य गनावा। तृतियासियप्रभुमिलनसुनावा ॥ सुदीचतुर्थिहि कपिन समेता। पुष्पकचढ़िप्रभुचलेनिकेता ॥ पंचमिभरद्वाजगृहआये। पूर्णचतुर्दशबर्षबिताये ॥ षष्टीभरतमिलापगनावा। अतिप्रमोदपुर बासिनपावा ॥ सुदिसप्तमियुतमंगलभूरी। रामराजबैठेसुखपूरी॥ बर्षबयालिसवयरघुराया। तेंतिसबर्षजनकनृपजाया ॥ सियाराम

वियोगअतिपावा । दशदिनचौदहमासगनावा ६० ॥ दोहा ॥ अ
तिप्रमुदितनरनारिसब देवपितरगन्धर्ब ॥ श्रीरघुबीरप्रतापते मि
टाजक्तदुखसर्ब ६१ ॥ चौपाई ॥ मानिअगस्त्यबचनरघुबीरा । हय
मखकरतसारयूतीरा ॥ आइहिहयसोइसैनसमेता । मुनिवरसुनु
तवपरमनिकेता ॥ रामकथायहतिनहिंसुनायो । पुनिमुनितुमहुं
अयोध्यहिजायो ॥ देखिशरदराजीवबिलोचन । तबतुम्हारहोइहि
भवमोचन ॥ असम्वहिंकहिलोमशबिज्ञानी । गयेजहांनिजरुचि
मनआनी ॥ मैंस्वइरूपध्यानमनलायों । रामनामपरप्रीतिबढ़ायों॥
मुनिकरकहासत्यसबजाना । बहुप्रकारनिजभागबखाना ॥ आर
गयककेबचनसुहाये । सुनिशत्रुहनआदिसुखपाये ॥ धन्यसकल
हमतवपददेखा । कोसुकृतीहमसरिसबिशेखा ॥ प्रथमरामपदक
मलनिहारे । मखहयसँगऋषिभवनसिधारे ॥ मुनिमुखसुनिरघुप
तिगुणपांती । भयेकृतारथहमसबभांती ६२ ॥ दोहा ॥ सुनतनृप
नकेबचनबर मुनिवरपरमहुलास ॥ हनुमानहिंभेंटाप्रथम जानि
रामकरदास ६३ ॥ चौपाई ॥ पुनिशत्रुहनसंगजेआये । मिलेसबहि
ऋषिप्रेमबढ़ाये ॥ रामानुजनरजागबनाई । मुनिहिं अवधपठयोरु
खपाई ॥ देखाअवधपुरीअतिपावन । मणिमयसकलनिकेतसुहा
वन ॥ सरयूतटवेदिकाअनूपा । जहँमखकरतरामसुरभूपा ॥ इंदी
वरमृदुअंगसुहावन । नयनशरदराजीवलजावन ॥ यज्ञसाजअँग
अंगसुहाये । मुनिमंडलीमध्यछबिछाये॥ अनुजतनूजनसहरघुराई।
दीननदानदेतसमुदाई ॥ यहिबिधिमुनिवररामहिंदेखा । कहिन
जातजसप्रेमबिशेखा ॥ आवतमुनिहिंदेखिरघुबीरा । ज्वलितअ
ग्निजनुधरेशरीरा ॥ सहसाउठिचरणनशिरनायो । मुनिवरप्रभु
हिहर्षिउरलायो ६४ ॥ दोहा ॥ मुनिनाथहिरघुनाथतब पूजिसुआ
सनदीन्ह ॥ आयेममगृहचरणतव यज्ञसफलयहकीन्ह६५ ॥ हरिगी
तिका ॥ पुनिधोइमुनिवरचरणपंकजरामअनुजनसहपियो। चन्दनसु

गंधलगायशिरगोदानबिधिवतकरिदियो॥निजभागबिपुलसराहि प्रभुमृदुबचनबहुमुनिसोंकहे । तबपावँपावनपरसिममतनपूतअति द्विजअघदहे ६६ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुनिरामबचनमुनिवरसुजान। कह बिहँसिसुनौकरुणानिधान ॥ तुमकहतबिप्रअघमोरनाश । कियो यज्ञसफलसोपरमहास॥तवनामसुमिरिपापीप्रचंड । अघछूटिल हैंमोक्षहिअखंड ॥ असकौनपापजगबीचघोर। जोनाशैनहिंप्रभुना मतोर ॥यहरीतिसदातुमकोसुहाय। लघुआपहोतबिप्रनबढ़ाय ॥ ममसमनऔरसुकृतोजहान । जेहिचरणधोइहरिकीन्हपान ॥ बहु भांतिरामगुणकीन्हगान। ब्रह्मांडरन्ध्रगतकीन्हप्रान ॥ सायोज्यमु क्तिमुनितुरतपाय । बरषैंप्रसूननभसुरसिहाय ६७ ॥ दोहा ॥ आर णयकसमजक्तमहँभयोनद्विजबरऔर ॥ करतबतकहीरामसोंमुक्ति लहीतेहिठौर ६८ ॥ प्रज्वलिया ॥ पुनिशेषमुनीशहिकथागाय । रेवा सरिगोबाजीसमाय ॥ लखिरक्षकबिस्मयलहिअपार। थकिपौरुष जिततितकरिबिचार ॥ तहँआइशत्रुहनपूछिबात । केहिकारणतुम सबबिकलगात ॥ तिनकहाबाजिमखजलसमान । नहिंनाथअपर हममरमजान ॥ सुनिकैरिपुहनसचिवहिबोलाय । काकरियतातय हिकरउपाय ॥ तबकहसुमन्तरिपुदमनबीर । पुष्कलहनुमतसँगले उधीर ॥ प्रबिशोरेवासरिजलगँभीर॥यहिलायकहैनहिंअपरबीर॥ पैहौबाजिहिरघुबरप्रतापु । जनिकरियतातसंतापआपु ६९ ॥कुंड लिया ॥ सुनतशत्रुहनपुष्कलौपवनपुत्रबलबीर । सुमिरिरामप्रबिश तभयेरेवासरिगंभीर॥रेवासरिगंभीरमध्ययकनगरनिहारा । अति उतंगछबिधामकनकमणिसर्बअगारा । अतिउतंगछबिधामबिपुल आरामतहांपुनि । बिहरैंखगमृगवृन्दहोतआनंदशब्दसुनि ७०॥ चौपाई ॥ पुरप्रबिशेछबिदेखिअनूपा । लखीसुनारिएकरतिरूपा ॥ बिपुलसखीत्यहिचमरढुरावैं । कोउब्यंजनकोउपानखवावैं ॥ भूष णबसनअंगअँगसाजै । मणिपर्यंकबामस्वइराजै ॥ निकटखम्भ

मखतुरगबँधायो । लखिशत्रुहनपरमसुखपायो ॥ आवतपुरुषती-
नितिनदेखा । अतिसुन्दरमनसिजकेबेखा ॥ तिलकदेखिहरिभक्त
नचीन्हा । ताहिप्रणामतिहुनतबकीन्हा ॥ कहभामिनिआयुधउत
धारो । तबममआश्रमआइपधारो॥ कहौनामनिजकोंहिहितआयो ।
सुरदुर्लभममधामसुहायो ॥ सुनित्रियबचनकहाहनुमाना । अ-
वधनाथश्रीरामसुजाना ॥ करौंयज्ञसचराचरराया । बिजयहेतुह
यजगतपठाया ७१ ॥ दोहा ॥ तेहिरक्षाहितशत्रुहनअस्त्रशस्त्रधरबी
र । श्रीरघुबीरप्रतापतेसमरनिडरसबतीर ७२ ॥ चौपाई ॥ तजौ
अश्वजनिकरौअयानी । क्षमाहमहुंतोहिँत्रियजियजानी ॥ निर्भय
बचनसुनतकहबामा । अयुतबर्षमैंकरिसंग्रामा ॥ अश्वनदेउँतदपि
यहसुनिये । रामचरणरतमोहिंमनगुनिये ॥ जिनकरहयतिनकी
मैंदासी । तासुयज्ञकिमिकरौंबिनासी ॥ तातेरामअश्वहयलीजै ।
ममहितप्रभुसोंबिनयकरीजै ॥ अनजानतयहचूकहमारी । क्षमिये
नाथप्रणतहितकारी ॥ अबमोसनमांगोबरदाना । सुनतबचनबो-
लेहनुमाना ॥ नाथकृपाहमपूरणकामा । रामभक्तियांचियअभिरा
मा ॥ एवमस्तुकहिकहाबहोरी । अपरसुनौबाणीबरमोरी ॥ आगे
तुमहिंबीरमणिराजा । धरिहिबाजिलैसुभटसमाजा ॥ ताकेपरम
शंभुहितकारी । अतिकठोरतहँहोइहिरारी ७३ ॥ दोहा ॥ तेहि
जीतनहितबाणयेदेउँलेउहरषाइ । बाढ़ैतेजप्रतापतनमिलैशत्रुडर
खाइ ७४ ॥ चौपाई ॥ सुनिशत्रुहनआचमनकीन्हा । उत्तरमुखहवै
तेहिशरदीन्हा॥तुरतैबढ़ोतेजतनभारी॥मानोअमितसूर्यद्युतिहारी॥
पाइतुरगसुनिबिनयअपारा । आयोपुनिनिजकटकमझारा ॥ देखि
अश्वसहतिहुंबलवाना । धन्यधन्यसबकरैंबखाना ॥ तबमारुतसुत
कथासुनावा । जेहिप्रकारजलमेंहयपावा ॥ बहुरिनिशानशंखस-
हनाई । बाजेकरिउत्सवसमुदाई ॥ रामानुजपुनितुरगछड़ावा ।
चलाप्रचण्डमरुतगतिधावा ॥ पहुँचाजाइबीरमणिग्रामा । अति

श्रयरुचिरदेवपुरनामा ॥ अतिउतंगअस्फटिकनिकेता ! हरगिरि सरिसमहाछबिसेता ॥ नगरनिकटशंकरस्थाना। अतिबिचित्रनहिं जाइबखाना ७५ ॥ दोहा ॥ भूपबीरमणिसुवनजेहिरुक्मांगदअस नाउँ।त्रियनसहितक्रीड़तफिरतमहामुदिततेहिठाउँ ७६ ॥ चौपाई ॥ मणिमयसरसोपानसकूपा। उपबनरुचिनंदनअनरूपा ॥ निरखत फिरैमदनमनछावा। तेहिओसरतुरंगतहँआवा ॥ पकरितुरंगपत्र तेहिबांचा। रामप्रतापपढ़तरिसरांचा ॥ ममपितुसरिससुरासुरना हीं। रामचन्द्रकेहिलेखेमाहीं ॥ जासुकरैंशंकररखवारी । गणन समेतशूलकरधारी ॥ असकहिहयसमेतपितुपासा। गयोतुरतसब कथाप्रकासा ॥ सुनतबीरमणिदुखअतिपावा। नाहकपुत्रबाजिय हलावा ॥ भूपजाइशिवपदशिरनावा। अश्वकथासबबरणिसुना वा॥ कहशिवतवसुतकीन्हनिकामा। अखिलेश्वरस्वामीममरामा॥ तिनकरहयरक्षसरिपुहन्ता। लवणासुरजिनहतिबलवन्ता ७७॥ दोहा ॥ पैअबभूपसमाजसजिकरौघोरसंग्राम। करिहौंभूरिसहाय मैंजबलगिआवैंनराम ७८ ॥ चौपाई ॥ सुनिशिवगिराभूपहरषाई। समरहेतसबसैनसजाई ॥ इतहयपालनखबरिजनाई। गयोतु रंगयहिबनरघुराई ॥ तेहिअवसरनारदतहँआये। परेशत्रुहनचरण सुहाये ॥ बिधिवतमुनिहिंपूजिरघुराई।आसनदीन्हहरषउरछाई ॥ कहौनाथरघुबरमखबाजी। गयोकौनदिशिकेहिपुरभाजी ॥ कह मुनिदेवपुरीयहआगे। भूपबीरमणिसुतभयत्यागे ॥ तेबांधाहठि बाजितुम्हारा। सेनातजिरणठाढ़अपारा ॥ ह्वैहैतहांघोरसंग्रामा। पैतुमहींजितिहौंपरिणामा ॥ असकहिगयोगगनमुनिराई । इतरिपुहननिजदलसमुदाई ॥ तुरतकठिनदृढ़व्यूहबनावा। युद्ध हेतसबकाहुजनावा ७९ ॥ हरिगीतिका ॥ उतबीरमणिसहबंधुपुत्र समेतसैनभयंकरै। रणआयप्रथमैयुद्धहितउरसुमिरिगिरिजाशंक रै ॥ इतशत्रुहनलखिशत्रुकटकहिक्रोधअतिउरछाइकै । पुष्क-

लप्रमुखयोधनपठैतिनहताशरबरषाइकै ॥ कियोभिन्नरुण्डनमुण्ड कोटिनचरणभुजधरयुगपरे । कछुभागरुक्मांगदहिटेरोत्राहिकहि उरभयभरे ॥ सुनिभूपसुतधायोतुरतकोदण्डकठिनचढ़ाइकै।शरब रषिगरजतभयोरणरघुबीरदलबिचलाइकै॥तबआयपुष्कलसुभट बरतेहिकहेबचनरिसाइकै । अबहोउसमरसचेतमैंतवकालपहुंचो आइकै॥असकहिपररुपरयुद्धक्रुद्धबिरुद्धउरसरसाइकै।हनैबाणएक हिएकतीक्षणपरमबिस्मयदाइकै ८० ॥ चौपाई ॥ तबरुकुमांगदको पिअपारा । भ्रमशायकपुष्कलकहँमारा ॥ योजनभरिरथनभैउड़ा यो । बड़ेकष्टतेफिरिमहिआयो ॥ तबपुष्कलमनमेंसकुचाने । भ्रम शायकश्रवणनलगिताने ॥ मारारुकुमांगदहिरिसाई । रथसमेत नभलोकभ्रमाई ॥ सूर्यतेजरथआयुधजारा । पराअवनिशिवनाम पुकारा ॥ देखिताहिरणमुरछाआइ । अपरसैनभागीभयखाई ॥ सुनिसुतघातबीरमणिधावा । भूरिकटकलैसत्वरआवा ॥ देखि पवनसुतअतिकटकाई । पुष्कलसोंबोलेहरषाई ॥ तातजाउशत्रुह हनसमीपा । मेंदलसहमरदबयहभूपा ॥ तबपुष्कलबहुकीन्हि बड़ाई । नृपबन्धुहितुममारौजाई ॥ बीरमणिहिमेंसैनसमेता । प्रभुप्रतापकरिसकौंअचेता ८१ ॥ दोहा ॥ सुनिहनुमतपुष्कलबचन बीरसिंहपरकोपि । लक्ष्मीनिधिशुभअंगदोकरैसमरपदरोपि ८२ छप्पै॥ बीरसिंहसुतसुमदभूपरणलरैंप्रचारी । अपरबीरसबतीरभिरे अतिशयभयकारी ॥ भूपबीरमणिप्रबलभस्मशिरसोहिविशेखा । अक्षमालउरलसैशैवगनतीमेंलेखा । तेहिआवतदेखाभरतसुतस म्मुखरथहिचलायऊ। उतनृपहुनिरखिपुष्कलभटहिक्रोधितबचन सुनायऊ ८३ भाजुभाजुतैंबालसमरनहिंकामतुम्हारा । लागिद यालखिमोहिंयदपिसुतकोरणमारा ॥ कहाभरतसुतनृपहिहमेंबा लकमतिमानौ । निशितनराचनमारिलेउँअबहींतवप्रानौ ॥ हमस दानिडररघुबरकृपाशिवसुरेशलौंडरनहिं । रणपायलरैंहमकाल

सोंनरपतंगसमगनैंतोहिं ८४ तबप्रचारिद्वौबीरनिशितशायकबर
छाड़ैं । रथबरूथगजयूथअश्वसुभटनगनखाड़ैं ॥ करैंपरस्परयुद्धसु
रासुरबिस्मैदायक । प्रविशिअंगवहिपारगिरैंधरणीबहुशायक ॥
यहिभांतिभरतसुतवीरमणिलरैननेकौमनमुरैं। कियमुण्डबिगतको
टिनसुभटरुधिरधारसरिसरभरैं८५॥ चौपाई ॥ तबपुष्कलमनकीन्ह
बिचारा । भूपबीरमणिमहाजुझारा ॥ अतितीक्षणशरतकितकि
मारा । निजबाणनसोंभूपनिवारा॥तबपुष्कलसुमिर्योरघुबीरहि ।
धराकरालचापपरतीरहि ॥ छांड़ाभूपहृदयसोलागा । गिराअचेत
धरणितनत्यागा ॥ पौनपुत्रतबमुष्टिप्रहारा । बीरसिंहनृपअनुज
हिमारा ॥ मुर्छागतरुकमांगदबीरा । अपरसुभांगदअतिरणधीरा ॥
बाणवृष्टितिनकीन्हघनेरा । बहुरिशत्रुहनदलमुखफेरा ॥ पवनपुत्र
परपहुंचेधाई । शरसमूहहतिकीन्हेघाई ॥ तबहनुमानलँगूरप्रहा
रा । रथसमेतद्वौअवनिपछारा ॥ सुमदनरेशयुद्धकरिघोरा । बल
मित्रहिमाराबरजोरा ८६ ॥ दोहा ॥ अपरबीरमणिकटककहपुष्क
लकीन्हविनाश । पाइबिजयकरिशंखधुनिठाढ़ेपरमहुलाश ८७ ॥
नराच ॥ उहांमहेशभूपकोसँहारकानज्योंसुना । बोलाइबीरभद्रभै-
रवादिकोपकैघना ॥ चढ़ेरथैंपिनाकतूनखड्गशूलधारिकै । कराल
कालज्योंरणैगयेजटासुधारिकै॥ लसैसुभालचन्द्रबाललालनेत्रको
पते । भुजंगभूतिअंगबेष्टिशीशगंगआपते ॥ कटिप्रदेशद्वीपचर्म
धर्मबर्मराजही । कपालमालहीलसैगनौघसंगभ्राजही चढ़ेमयू
रभूषव्याघ्रसिंहबाजिबारनै । समूहभूतप्रेतराक्षसादिलैअपा
रनैं ॥ हलैदिगीशदेखिसोनजातधीरकोधरा । सकैनशीशपैसम्हा
रिशेषहूबसुन्धरा ८८ ॥ चौपाई ॥ इतरामानुजशिवकटकाई । ल
खीप्रबलपुष्कलपरआई ॥ साजिप्रबलदलकोपबढ़ाये । अतिस
त्वरशिवसम्मुखआये ॥ उहांशंभुपुष्कलहिपुकारा । जिनममसेव
कवरबशमारा ॥रामसियापदयहिमनमाहीं । तेहितेयहिसमजग

भटनाहीं ॥ असकहिबीरभद्रतनहेरा । शिवरुखलखिपुष्कलकहँ घेरा ॥ पुनिहनुमानहिंनन्दीघेरा । लक्ष्मीनिधिहिप्रचण्डहिपेरा॥ भृङ्गीगणनृपसुभुजलराई । चण्डनामसुमदहिकठिनाई ॥ यथायो गयहिविधिसबबीरा । लरैंप्रचारिसमरगंभीरा ॥ रुण्डमुण्डकोटि नमहिपाटे । गजरथअश्वअमितरणकाटे॥ बीरभद्रपुष्कलद्वौयोधा। लरैंपरस्परअतिकरिक्रोधा ८६ ॥ नराच ॥ लरैंसरोषअस्त्रशस्त्रबीर द्वौप्रहारते । गनैंनएकएककोमनैनहारिमानते ॥ घनेवृणद्वऊशरी रवूड़िरक्तसोंगये । कठोरचारिरातिद्यौसमालयुद्धलौंभये ॥ हनैं प्रचारिमुष्टिकानखौघदन्तलातनैं । करैंप्रहारबीरद्वौसपाइआपुघा तनै ॥ कहूंअकाशभूकहूंनजातयुद्धसोकहा । सिहातदेवदेखिदेखि धन्यधन्यहवैरहा ६० ॥ दोहा ॥ बीरभद्रदिनसातयेंलैकरशूल कराल । पुष्कलशिरहतिबिलगकरिगरजतभेतेहिकाल ६१ ॥ नराच ॥ भगीसशोकसैनसर्वपुष्कलौसमीपते । बखानिजाइहाल तौनशत्रुहामहीपते ॥ सुनाजबैअचेतहवैगिरेरथैहहाइकै । प्रबोध शंभुकीन्हवीरभद्रकीर्तिगाइकै ६२ ॥ छप्पै ॥ प्रथमप्रजापतियज्ञ एकक्षणमांझविनाशा । त्रिपुरप्रबलदलघोरसमरहठिजेहिकियो नाशा ॥ जबजबमैंप्रलयान्तकरौंतिहुंलोकसँहारा । तबतबमैंयहि गणैकरौंनिजसैनअगारा ॥तेहिकियोकठिनरणसातदिनधनिधनि पुष्कलवीरवर । नहिंशोचयोग्यअससुभटजगक्षत्रीहवैगतिलहि समर ६३ ॥ चौपाई ॥ सुनिशिवबचनशत्रुहनबीरा । करनलगेरण पुनिगम्भीरा ॥ विपुलबाणशिवकेतिनमारा । करैंपरस्परयुद्धअ-पारा ॥बहुरिकरालछांड़ियकबाना । देखिउमापतिविस्मयमाना॥ साजिपिनाकछांड़ियकबाना । गगनलरैंदोउशरबलवाना ॥ ति-नतेअनलप्रकटअतिभारी । देखिदेवगणविस्मयकारी ॥ अस्त्रशस्त्र द्वौसुभटप्रहारैं । शरनकाटितेधरणिनिवारैं ॥ दिशिबिदिशिहुरहे शायकपूरी । कम्पतबसुधादिगपतिभूरी ॥ गेरहदिवससमरयहि

भांती । कीन्हशत्रुहनपुरआराती ॥ बरहेंदिवसब्रह्मशरसाधा । चहतशत्रुहनशंभुहिबाधा ॥ ब्रह्मशरहिकियोपानपुरारी । भैरिपु हनउरविस्मयभारी६४ ॥ सोरठा ॥ शंकररिसउरआनि । महानि-शितशरचापधरि॥ हनिअरिउरसोतानि । गिरेशत्रुहनमूर्छिरथ ६५ दोहा ॥ सुमदसुभुजलक्ष्मीनिधिहुगेसबसमरनिपाति । प्रभुदलभा ज्योजिततितैह्वैअनाथविलखाति ६६॥ रूपक ॥सुनिशत्रुहनसँहार आइहनुमततेहिबारा । पुष्कलरथपौढ़ारिकीन्हबहुभटरखवारा॥ आपुशंभुसनजाइकहेदुर्बचनघनेरा । रामभक्तत्वहिवृथाबातश्रुति संतनटेरा ॥ जेहिकीन्हस्वामिदलभङ्गसबपरहितअधरमठानिकै । जेकालचाहियोधाप्रबलतिनहिंलरायोजानिकै६७॥ चौपाई ॥सत्य कह्योतुमकपिकुलकेतू। मैंअनरथकरिनिजजनहेतू ॥ क्षमिहैंमोहिं कृपानिधिसोऊ । रामसरिसअसस्वामिनकोऊ॥सुनिअतिकोप्योपवनकुमारा । गिरिबिशालयकशिवहिप्रहारा ॥ रथसारथीसमेत तुरङ्गा । ध्वजपताकयुतभासबभंगा॥पुनिशिवभयोवृषभअसवारा। पुनिकपीशउरशिलाप्रहारा ॥ तबशिवकोपित्रिशूलचलावा । देखि पवनसुततोरिफेंकावा ॥ पुनिशिवशक्तिकोपिउरमारा । मुर्छिगिरे तबपवनकुमारा ॥ उठिबहोरियकबिटपउपारा । बारबारतबशिव हिप्रहारा ॥ तबशिवमूशलदण्डचलावा । कूदिकपिहुनिजअंग बचावा ॥ सोमहिबेधिगयोपाताला । कपिबहोरिलैवृक्षबिशाला ॥ अतिलाघवहठिकीन्हप्रहारा । शिलाशृंगकोटिनहठिमारा ६८ ॥ कुंडलिया ॥ नन्दीसहगिरिनाथकहबहुरिलपेटिलँगूर । पटकामहि बहुबारतिनकियेअंगसबचूर ॥ कियअंगसबचूरशिलातरुबिपुलप्र हारी । भेप्रसन्नवृषकेतुदेखितेहिविक्रमभारी॥भेप्रसन्नवृषकेतुमांगु बरजोचाहौमन।कहकपिरिपुहनकटकसहितरक्षौतुमसहगन ६६ चौपाई॥ जबलगिइन्हैनदेउँजिलाई । तबलगिरक्षहुईशगोसांई॥एव मस्तुकहिशिवकपिपाहीं । रामभक्ततोसमकोउनाहीं ॥ हरषिपवन

सुततुरतसिधारे । मनमारुतहिलजावनवारे॥क्षीरसिंधुतटगिरिहिं उपारा । लैगवनेजबपवनकुमारा ॥ तेहिरक्षकसुरगणसबधाये ।अस्त्रशस्त्रतिनविपुलचलाये ॥ निरखिकपीशयुद्धकरिद्वन्दा । क्षणहिं दलावृन्दारकवृन्दा ॥ कछुधायलसुरपतिहिसुनावा। नाथएकबल निधिकपिआवा॥ तौनआइगिरिद्रोणउखारा । सुरनअस्त्रतेहिकोटि नमारा ॥ मरानसोबलनिधिकपिघूमा। सुरदलसबदलिडारिसिभूमा ॥ सुनिसुरेशसुरकटकपठावा । सत्वरपौनपुत्रपहँआवा ॥ अस्त्र शस्त्रतिनआइप्रहारा । कोपिकपीशतिनहुंसंहारा १०० ॥ दोहा ॥ बहुरिपठायोसुरसुभटतिनहुंहताहनुमान । तबसुरेशगुरुपदपरशि कियकपिचरितबखान १॥ चौपाई ॥ तबबागीशध्यानधरिजाना। आयोऔषधहितहनुमाना॥कथासकलसुरपतिहिसुनाई । जेहिप्रकार मखकरैंरघुराई ॥ मखहयधराबीरमणिग्रामा । ताहिहतापुष्कल संग्रामा ॥ निजजनहितशिवगणलैसंगा । आयकीन्हरघुपतिदल भंगा ॥ शिवहिधरषिकपिशैलप्रहारी। बरलैराखिकटकरखवारी ॥ आयोयहांसजीवनहेतू । वहांकटकरक्षतवृषकेतू ॥ बिनयसहित गिरिदेइयताही । कपिहिबैरकीन्हेभलनाही ॥ सुनिगुरुवचन सुरेशडेराई । परेजाइकपिचरणनधाई ॥दीन्हऔषधैबिनयसुनायो तबसुरेशनिजलोकहिआयो ॥ इतकपीशऔषधिलैआयो । प्रभुहिसुमिरिसबकटकजिवायो २ ॥ दोहा ॥ देखिचरितशिवगण नयुत कपिहिजानिशिरमौर । रामभक्तऔसुभटअस हैनतिहूंपुर और ३ बीरमणिहिंदलसहितशिवदीन्हातबैजियाय।सजिसजि बाहनअस्त्रनिजखड़सेमरबिचआय ४ ॥चौपाई ॥ इहांशत्रुहनदल चतुरंगा । बिविधअस्त्रसजिवृइतनिषंगा।पुष्कलादिभटसबरथ साजी। शिवसन्मुखधायेरणगाजी ॥ देखाशिवरिपुहनकटकाई । युद्धहेतआईरणधाई ॥यथायोगप्रतिभटरणचीन्हा । बीरभद्रपुष्क लरणकीन्हा ॥ रिपुहनसङ्गबीरमणिराजा । नानाअस्त्रशस्त्रधरि

बाजा ॥ महाघोररणभयोप्रचण्डा॥ गिरेसुभटकटिकटितनखण्डा ॥ बहुरिशत्रुहनस्यन्दनघोरा । भंजाभूपबीरमणिजोरा ॥ अपरयान चढ़िरिपुहनबीरा । छांड़ाप्रबलमहानलतीरा ॥ जरेसारथीरथनृप घोरा। प्रकटीअनलसरिससबवोरा ॥ देखाभूपबिकलकटकाई । जलशरहतिसबअनलबुझाई ५॥ दोहा॥ यहिबिधिरिपुहनबीरमणि कीन्होंयुद्धकराल । ब्रह्मबाणतबभूपलै छाड़ाअतिबिकराल ६ ॥ चौपाई ॥ लखिशत्रुहनबाणजनुकाला । योगिनिशरछांड़ातेहि काला ॥ ब्रह्मशरहिकीन्हेसियुगखण्डा । नृपउरलागमनौयम दण्डा ॥ तेहिशरतेप्रकटेबहुबाना । बीरभद्रआदिकगणनाना ॥ सहितभूपदलभटसमुदाई । गिरेअवनिसबप्राणबिहाई ॥ शिव नृपदलहतियोगिनिबाना । हरपदपरशिस्वामिनिजजाना॥ देखा मृतककटकनिजशंकर । रथचढ़िआयोसमरभयंकर ॥ शिवरिपुहन प्रचण्डद्वौबीरा । लरैंपरस्परयुद्धगँभीरा ॥ अस्त्रशस्त्रछांड़ेबिकरा-ला । प्रलयहोनचहजनुयहिकाला ॥ रामानुजमनतबअसआवा । परब्रह्मशिवकहँश्रुतिगावा ॥ कोटिनयुगलौकरैप्रहारा । तबौन शिवसनपावैपारा ७ ॥ हरिगीतिका ॥ असजानिरिपुहनसुमिरि रामहिंप्रेमयुतमनलाइकै । जेहिभांतितवमखहोइपूरणकरिय तौनउपाइकै ॥ तेहिसमयश्रीरघुबंशमणिप्रकटेसमरमहँआइकै । शोभाअपारनजातकहिसबदिशिप्रकाशहिछाइकै ॥ जेहिबेषको-शलपुरमखाश्रमदेखिरिपुहनआयऊ । तेहिबेषशंकरसंगरणमहँ रामदरशनपायऊ ॥ विस्मयसहितसबशोचतजिपायँनपरेहरषाइ कै । रघुवीरअनुजहिदेखिकीन्हप्रबोधहृदयलगाइकै ॥ पुनिपवन सुततबपरेउचरणनबिनयबिपुलसुनाइकै । अबजीतिहौंशंकरहि रणमहँनाथतवबलपाइकै ॥ पुनिआइलक्ष्मीनिधिसुभटसबपुष्क लादिकसुखभरे । पदबन्दिबिनयसुनायआयसुपाइसबइतउत खरे ॥ तेहिसमयशंभुबिलोकिराजिवनैनशोभाधामको । कमनीय

कोटिनमदनछबिइंदीवरद्युतिश्यामको ॥ गहिपाणिउरहरषाइ प्रेमबढ़ाइनिजप्रभुजानिकै । करिबिनयगदगदकण्ठशिवरघुबंश मणिहिं सुनाइकै ८ ॥ बसन्ततिलका ॥ इन्दीबराभतनश्यामलपीत बासं । राजीवनेत्रशरदेन्दुमुखप्रकासं ॥ आजानबाहुशरचापबलौ घगेहं । कन्दर्पकोटिकमनीयअनूपदेहं ॥ पादारबिन्दजेहिलालति नित्यपद्मा । सोहंस्मरामिशततंनिजचित्तसद्मा ॥ साक्षात्त्वमेवरघु पुङ्गवब्रह्मरूपं । भक्तानुकूलकरिबेषअनूपभूपं ॥ मांत्राहिनाथकरु णामयदीनवन्धो। कीजैक्षमस्वममदोषअपारसिन्धो ॥ तेमैंसमस्त निजभक्तनहेतुकीन्हे । स्वामीस्वभावतवएवसदैवचीन्हे ९ ॥ दोहा ॥ कोटिनअघओघनहरैं नाथविमलतवनाम । मखकृतद्विज अघसमुझिमनसोनसूचसंग्राम १० ॥ चौपाई ॥ तदपिलोकशिक्षा हितकीन्हां । ईश्वरकबहुंहोतअघलीन्हा ॥ अपरबिनयसुनियेयह देवा । कीन्हवीरमणिममपदसेवा ॥ पूरुबमैंतेहितेवरहारा । स्वामिसैनतेहिहितसंहारा ॥ तापरकृपाकरौरघुराई । भूपहिशर णदेउअपनाई ॥ सुनतबचनकहरामसुजाना । तुमसममोरभक्त नहिं आना ॥ जोतुमकहौकरौंमैंसोई । प्रियनमोहिं तुमसमजग कोई ॥ ममउरतुमतुमउरममबासा । भेदकरैंतेइनरकनिवासा ॥ सुनिप्रभुवचनशंभुसुखपावा । भूपहिकटकसमेतजियावा ॥ पुनि निजगणनजियावमहेशा । उठेसकलमिटिगयोकलेशा ॥ शिव प्रेरितसुतधनसमुदाई । भूपसमप्यौंरामहिंआई ११ ॥ दोहा ॥ चरणनपरिमखबाजिदै निजअपराधक्षमाय । रिपुहनआदिक बीरनै मिलेपरमसुखपाय १२ ॥ चौपाई ॥ सकलबस्तुरघुबरअप नाई । नृपहिदीन्हपरितोषबनाई ॥ अन्तरध्यानभयेरघुराई । ल-खिसबकेउरबिस्मयआई ॥ हमश्रीरामहिंनरकरिजाना । परब्रह्म जेहिबेद बखाना ॥ शिवगेगणनसहितकैलासा । सुमिरिरामपद परमहुलासा ॥ रिपुहनबिजयपाइहरषाई । उत्सवकीन्हनिशान

बजाई ॥ सैनसहितचतुरंगअपारा ।मणिमयस्यंदनहवैअसवारा ॥ मखतुरंगक्रांड़ातेहिकाला । धावापवनबेगततकाला ॥ भूपबीरमणिसैनसमेता । चलासंगशत्रुहनउपेता ॥ रिपुहनसैनसहितहयपाछे । पहुंचेहिमिगिरितटबनआछे ॥ तहांबाजिठाढ़ेरहिगयऊ । लखिसुभटनमनबिस्मयभयऊ १३ ॥ दोहा ॥ हांकिथकेसबसुभटतेहि उठानबाजीपाउ । यहसुनिरिपुहनजाइतहँकीन्हेबिपुलउपाउ १४ ॥ कुंडलिया ॥ तबपुष्कलऋच्छेशसमअंगदअरुहनुमान । बलकरितुरगउठावतेउठैनतिलहुप्रमान ॥ उठैनतिलहुप्रमाण देखिबिसमैमनआई । पूंछिसुमन्तैजाइकहौकौकरियउपाई ॥ तिनतबकहाबखानिभूपलीजैमुनिमतअब । तिनकोआयसुपाइउपाउकीजियेतुमतब १५ ॥ चौपाई ॥ तबशत्रुहनमुनिनअस्थाना । खोजहेतपठयेचरनाना ॥ शौनकऋषिहिदेखियकआवा । रिपुसूदनहिंकथासबगावा ॥ तबशत्रुहनसुमन्तसुजाना । पुष्कललक्ष्मीनिधिहनुमाना ॥ लैलघुजनगेमुनिबरधामा । देखिशौनकहिकीन्हप्रणामा ॥ अतिआदरआसनमुनिदीन्हा । कारणकौनगौनबनकीन्हा ॥ अश्वकथासुनाइरिपुहंता । मुनिधरिध्यानसुजानतुरंता ॥ सुनौशत्रुहनन्नृपबरबीरा । गौड़देशकबेरिसरितीरा ॥ सात्विकनामबिप्रबरएका । करैउग्रतपसहितबिबेका ॥ तहांएकबिमानबरआवा । सहितअपसरनपरमसुहावा ॥ चढ़ाबिप्रतेहिपरहरषाई । मेरुशृङ्गनिवसोसुखपाई १६ ॥ दोहा ॥ करैभोगअप्सरनसँगज्ञानगयोबिसराइ । कामबिबशमनमत्तह्वैमुनिगणनीदैजाइ १७ ॥ नराच ॥ मुनीशएकबारताहिशापघोरकोदयो । पिशाचहोसिजायभूसुरोपिपाइपैनयो ॥ बिनयसुनाइबारबारमोहिंसोअनुग्रहो ॥ दयार्द्रह्वैऋषीश्वरोपिबैनताहिसोंकहो १८ ॥ प्रज्वलिया ॥ सुनुसात्विकयेशुभबचनमोर । जबग्रसिहौरघुबरयज्ञघोर ॥ तबसुनिहौश्रीरघुबरचरित्र ।ह्वैहौतुरतैअतिशयपवित्र ॥ सात्विकमखहयसो

ग्रसाआइ । कहिराममंत्रलीजैछड़ाइ ॥ यहिबिधिशौनकजबकहा गाइ । आयोतबपवनकुमारधाइ ॥ हयकानसुनायोराममंत्र । सुन तैनिजनिजभेद्योस्वतंत्र ॥ हयपवनबेगधायोसुभाइ । द्विजमुक्तभयोशापैनशाइ १६ ॥ चौपाई ॥ सुनिरिपुहनबिस्मयमनमाना । करम कथातबऋषैबखाना ॥ बिधिप्रपंचसबकरमनसानी । जोजसकरै पावतसप्रानी ॥ रमैकामबशनारिपरारी । सोनरअवसिनरकअधिकारी ॥ लोभबिवशपरद्रव्यचोरावै । सोयमलोकबिबिधिदुख पावै ॥ जौनस्वादहितजीवनमारै । महाघोरनरकनमहँपारै ॥ सुर महिसुरगोगुरुअपबादा । करैतौनलहैनर्कबिषादा ॥ यहिप्रकार जगपापअपारा । सुमिरतरामहिंहोतउधारा ॥ जोअघकोटिमखहु नहिंजाई । रामनामसोसकैछड़ाई ॥ सुनिशत्रुहनपरमसुखमाना । मुनियबन्दितबकीन्हपयाना ॥ बिपुलभूपसँगसैनबनाई । चले शत्रुहनअतिसुखपाई २० ॥ दोहा ॥ सातमासयहिभांतिगतजीते बिपुलनरेश । रामअश्वसँगशत्रुहनपायोजैसबदेश २१ ॥ मालिनी ॥ हिमिगिरिआयोयज्ञबाजीसुभाये । सुरथनगरशोभादेवलोकोपमाये ॥ जहँसबनरनारीरामपूजाधिकारी । मनतनबचमानोधर्मकी देहधारी ॥ रघुपतिपदसेवीपुत्रसंयुक्तराजा । निशिदिनहरिनामै जोजपैछांड़िकाजा ॥ गुणनिधिनरनाहैपापबार्तानभावै । यमगण सपनेहूंतासुग्रामैनआवै २२ ॥ छप्पै ॥ एकबारयमराजबिप्रकोवेषबनायो । रामभक्तनरनाहताहिबंचनपुरआयो ॥ देखिमुनीशहि सुरथबन्दिपदपूजिबिशेषा । उत्तमआसनदीनधन्यअतिआपुहि लेषा ॥ तबकहाऋषीशहिभूपमणिरामकथामोहिंगाइये । जोसुन तपापपर्बतकठिनसंसृतकलुषनशाइये २३ ॥ चौपाई ॥ सुनतबचनबिहँसेमुनिराई । तबभूपतिमनबिस्मयआई ॥ कहौनाथहँसिबेकरकारन । ममसंदेहहोइजेहिबारन ॥ कहमुनिसुनुनरनाहप्रबीना । यहजगसकलकर्मआधीना ॥ जोकरिब्रह्मादिकहरिईशा ।

भेअखिलेशचराचरईशा ॥ कीन्हशतक्रतुयज्ञसमाजा । लहिसुर लोकभयेसुरराजा ॥ करैबिहारअप्सरनसंगा । मनबांछितसुख लहैअभंगा ॥ तातेमखनकरौहरषाई । लहौभूपसुखसहितबड़ाई ॥ तुममोहिंकहारामगुणगावो । सोमुनिकहाबड़ाईपावो ॥ सुनिमुनिगिराकोपिनरनाहा । तुरतउठाइदीन्हगहिबाहा ॥ करौअनत तुमयज्ञबड़ाई । रामभजनसममोहिंनसोहाई २४ ॥ दोहा ॥ बिधियासबसुखतुक्षअति नाशैकालहिपाइ । अक्षयमोक्षलहैहरिभगत ध्रुवसेबिपुलगनाइ २५ ॥ चौपाई ॥ देखिरामसेवकदृढ़भूपै । प्रकटकीन्हयमतबनिजरूपै ॥ सुनुनृपअतिप्रसन्नमैंतोहीं । मन बांछितबरमांगहुमोहीं ॥ कहनृपहमहिंदेवबरदीजै । रामहिंहमहिंसमागमकीजै ॥ तुमतेत्रासकबहुंनहिंहोई । रुचैमोहियहबरप्रभुसोई ॥ धर्मराजभूपहितबभाषा । करिहैंतोरिरामअभिलाषा ॥ भयंतबहिंयमअन्तर्द्धाना । भूपतिपरमहृदयसुखमाना २६ ॥ छप्पय ॥ एकसमयनिजसभाबैठभूपतिसुखपाई । तेहिअवसरयकदूतअश्वलखिकथासुनाई ॥ महाराजअवधेशरामरघुबंशबिभूषण । तिनकरमखहयआवपुरैतबसँगरिपुदूषण ॥ यहसुनतसुरथप्रमुदितहृदयसुभटनकहासुनाइकै । अतिलाभसमुझिपरिणाममनबाजिहिलावोजाइकै २७ ॥ हरिगीतिका ॥ तिनजाइमखहयलाइभूपहिदीन्हअतिसुखपाइकै । बँधवाइबिमलनिकेततेहिसेवतबिबिधिमनलाइकै ॥ तबसूरसुतसबबोलिनरपतिकहायहसमुझाइकै । चम्पकहुमोदकरिपुंजयदुर्वारसेरणलाइकै २८ ॥ चौपाई ॥ परतापीबलमोदकतेऊ । हर्यक्षहिसमेतसहदेऊ ॥ भूरिदेवअरुतापनवीरा । सुनियेदशौपुत्ररणधीरा ॥ तबलगिअश्वनरिपुहनपावैं । जबलगिरामनममगृहआवैं ॥ रचौसकलमिलियुद्धसमाजा । रथचढ़िआपुचलेरणराजा ॥ आवृतचतुरंगिणीसोहाई । देखतदिग्पतिजाहिंसकाई ॥ इहांशत्रुहनसुभटबोलाई । पूछायज्ञबाजिकुश

लाई ॥ तिनतबकहानाथहमजाने । यहिपुरहयलैसुभटपराने ॥ सुनिरिपुहनकियोकोपअपारा । मानौपुरहिकीन्हचहेकारा ॥ सुमतिहिबोलिपूछितेहिकाला । कहौकैसयहपुरमहिपाला ॥ कर्म धर्मबलसबसमुझाई । क्यहिप्रकारतेहिकरियलराई २६ ॥दोहा॥ कुण्डलपुरपतिसुरथनृप गुणगणधर्मनिधान ॥ रामभक्तसुतसैन्य सह नीतिनिपुणबलवान ३० ॥ चौपाई ॥ प्रथमहिंदूतबूझितेहि आवै । रामचन्द्रप्रतापयशगावै ॥ जोनहिंआज्ञाकरैतुम्हारी । तौ नृपताहिकरौहठिरारी ॥ सुनिसुमंतबाणीरिपुहंता । पठैअंगदहि बलबुधिवंता ॥ दीखजायकपिसुरथसमाजै । बीरवृन्दचहुंदिशि तेहिगाजै ॥ पूछाभूपकीशकहँआयो । रिपुहनदूतनामनिजगायो ॥ रामचंद्रअवधेशखरारी । रावणादिनिशिचरसंहारी॥करैंअश्वमख तेरघुराया । हयरक्षाहितअनुजपठाया ॥ हयजोतुमबाँधाअनजानै। देउतौचूकनरिपुहनमानै ॥ नतरुतोहिंनृपसैनसमेता । क्षणहिंमारिकरिसकैंअचेता ॥ अंगदसत्यकहौमोहिंपाहीं । पैरिपुहनशंका कछुनाहीं ३१॥ दोहा॥ जबममग्रामहिंरामनिजपददरशैहैंआय ॥ तबसुतसम्पतिसहितहयदेहौंप्रीतिबढ़ाय ३२ ॥ प्रज्वलिया ॥ कह अंगदसुनुभूपतिसुजान । प्रभुबाजिदेउकरैंमखप्रमान ॥ तुमसाथ जाइहरिचरणदेखि । ह्वैहौंकृतार्थअतिशयबिशेखि३३ ॥चौपाई ॥ तबरिपुहनप्रतापकपिगावा । तदपिभूपउरनेकनआवा ॥ तबअंगदनिजदलहिसिधाये । समाचाररिपुहनहिंसुनाये ॥ अंगदबचन सुनतरिपुहंता।पुष्कलादिभटपठैतुरंता॥देखतचम्पकबीरविशाला॥ पुष्कलसौरणरचाकराला ॥ मोदकलक्ष्मीनिधिबलवाना । सुरथ भूपसँगभटहनुमाना ॥ रिपुंजयेनृपबिमलहिजोरा । दुरबारनसुबाहुरणघोरा ॥ परतापिहिप्रतापनलयोधा । बलमोदकपरअंगद क्रोधा ॥ नीलरत्नहरयक्षजुझारा । सत्यवानसहदेवकुमारा ॥ भूरिदेवसुबीरमणिबाजे । अरितापनउग्रासहुगाजे ॥ लरैंसुभटजोरी

सनजोरी। सकैंनवीरबीरमुखमोरी ३४ ॥ दोहा ॥ शक्तिशूलमुद्गर परिघबाणवृक्षगिरिलात॥परसुखड्गशस्त्रास्त्रवितहनैंपाइनिजघात ३५ ॥ चौपाई ॥ कहपुष्कलसुनुराजकुमारा। पितुसमेतकानामतुम्हारा ॥ चम्पककहातुम्हैंकाकामा। युद्धसमयकाकरिहौनामा ॥ तदपिसुनौमैंकहौंबुझाई। ममपितुमातुसुहृदरघुराई ॥ रामदास ममनामहिंजानौ। चम्पकाख्यजगबिदितबखानौ ॥ बीरमतीअरु सुरथभुवारा। मातुपितामममराजकुमारा ॥ रणमहँपौरुषकरौ अपारा। नहिंबातनतेहोइउबारा ॥ तबपुष्कलबहुबाणप्रहारा। शरखण्डिचम्पकसबडारा ॥ चम्पककोटिनशायकछांड़ा। भरत सुवनकीन्हेंशतखांड़ा ॥ अस्त्रशस्त्रछांड़ैंद्वौबीरा। तदपिअधिकपुष्कलरणधीरा ॥ देखिप्रबलरिपुचम्पकयोधा। रामबाणछांड़ाकरिक्रोधा ३६ ॥ दोहा ॥ सोपुष्कलउरलागतैंगिरेधरणिमुरझाइ। रथपरधरिचम्पकसुभटनिजपुरदीन्हपठाइ ३७ ॥ चौपाई ॥ यहकौतुकदेखाहनुमाना। धायोकालसरिसबलवाना ॥ कोटिनशरतबचम्पकमारा। चूरकीन्हसबपवनकुमारा॥महावृक्षहनुमन्तउपाटी॥मारासुरथसुवनकहँडाटी ॥ सोतरुचम्पकतिलकरिडारा। अपरशैलगजहनुमतमारा॥ सुरथसुवनसबकाटिगिरावा। विस्मयसहितपवनसुतधावा ॥ पकरिताहिलैगगनउड़ाना। बाहुयुद्धतहँद्वौभटठाना ॥ हनैंपरस्परमुष्टिकलाता। हनोमानतेहिअवनिनिपाता ॥ उठाबहुरिचम्पकबलवाना। पदगहिपुनिपटकाहनुमाना ॥ सुरथसुवनकहँमारिगिरावा ॥ पुष्कलबन्धनतुरतछड़ावा। देखिसुरथचम्पकहिनिपाता ॥ धावाप्रबलबीरबिख्याता ३८ ॥ दोहा ॥ महाशोकसन्तप्तनृपकपिहिपुकार्योआइ। सुनतबीरबरपवनसुतसन्मुखपहुँचेधाइ ३६ ॥ चौपाई ॥ कहनृपधन्यबीरहनुमाना। निशिचरकरिकेशरीसमाना ॥ रामपदारबिन्दरतिजाही। केहिप्रकारतेहिकहौंसराही ॥ चम्पकहतिदुखदीन्ह्यसिमोहां। तातेबन्धन

करिहौंतोहीं ॥ सुनतपवनसुतगिराउचारी । तुमश्रीरामभजन अधिकारी॥ जोकदापितुमकोजयदेहैं । आइछुड़ाइहमेंप्रभुलेहैं॥ तेहिक्षणभूपवाणबहुमारा । पवनतनयतनरुधिरपवारा ॥ बहुरिकरालबाणसन्धाना । झपटिछीनितोरेउहनुमाना ॥ नखनबिदारिभूपकेअङ्गा॥ बहुरथधनुशरकीन्हेभंगा । जबरथचढ़िनृपलैधनुबाना ॥ सत्वरसोइतोरेहनुमाना । तबकरालनृपशक्तिप्रहारा ॥ मुरछिगिरेमहिपवनकुमारा ४० ॥ छप्पय ॥ उठिकपीशबलवानसहितस्यन्दनभूपालै । लैउड़िगयोआकाशपरिघनृपहनितेहिकालै ॥ पवनजअङ्गबचाइताहिपटकाहठिधरणी । यहिप्रकारबहुबारजातनहिंकपिगतिबरणी ॥ यहिभांतिधनुषशरअश्वयुततोरेरथवंचासजब । तबहनोमानबलनिरखिनृपभईमहाउरत्रासतब ४१ ॥ चौपाई ॥ पशुपतिअस्त्रभूपतेहिमारा । व्यथितभयोतबपवनकुमारा ॥ रामहिंसुमिरिबाणसोतोरा । भूपहियुद्धकीन्हपुनिघोरा ॥ तबनरेशब्रह्मास्त्रचलावा । तातेहनुमतदेहबचावा ॥ रामहिंसुमिरिभूपतेहिकाला । रामबाणछांड़ाततकाला ॥ निजप्रभुशरजबलखिहनुमन्ता । बन्धनबशतबभयोतुरन्ता ॥ सुनुनृपमोहिंजीतिबेलायक । रहैंनकोउबिनशररघुनायक ॥ पुनिभूपतिपुष्कलपरधावा । नानाअस्त्रशस्त्रबरषावा ॥ पुष्कलभटतेकाटिनिवारा । निजशरविपुलभूपउरमारा ॥ महाअस्त्रकोविददोउबीरा । तुमुलयुद्धठानागम्भीरा ॥ शरसमूहछायेसबआसा । देखैंसुरनभयुद्धतमासा ४२ ॥ दोहा ॥ महातीव्रशरसुरथतबबेधापुष्कलगात ॥ वीरशिरोमणिभरतसुतमुर्च्छितअवनिनिपात ४३ ॥ चौपाई ॥ पुष्कलपतितदेखिरिपुहन्ता । रथचढ़िनृपपरचलेतुरंता ॥ महतिकमतैंकीन्हभुवारा । जोहनुमतपुष्कलहिप्रहारा ॥ अबजनिभाजिजाउमहिपाला । सहौमोरशरकठिनकराला ॥ सुमिरिरामपदरु रथभुवाला । रिपुसूदनहिंकहातेहिकाला ॥ हनुमतादिमैंकियेअचेता । अबहींतुमहिंनिपातौंखेता ॥

असकहिबिपुलनराचप्रहारा। रिपुहनअगिनिबाणतेजारा॥ जर तसुरथनिजदलहिविचारा। बरुणशरहिजलवरषिनिवारा॥ यो गिनिदत्तबाणरिपुहन्ता॥ मोहनास्त्रपुनिहतातुरन्ता। तेशरसुरथ भंजिमहिडारा॥ विस्मयरिपुहनलहीअपारा। लवणासुरघातीश रमारा॥ रामभक्तलखिसोमहिपारा ४४॥ दोहा॥ रिपुभंजनउ रकोपकरिमाराबाणकराल॥ लागतहीअतिबिकलहवैगिरासुरथ महिपाल ४५॥ चौपाई॥ उठातुरन्तसुमिरिरघुराई। चापकठिन शरएकचढ़ाई॥ रिपुभंजनहिंकहागोहराई। ममआगेजनिजाउ पराई॥ असकहितीव्रबाणउरघाता। रिपुहनरथपरभयेनिपाता॥ लखिसुग्रीवमहानगधारी। सुरथनृपहिरणमध्यप्रचारी॥ मारागि रिआवतनृपदेखा। शरनमारिरजकीन्हविशेखा॥ पुनिसुग्रीवशि लातरुमारा। नखननोचिनृपगातविदारा॥ तबनृपरामबाणवरसा धा। कपिनायकहिमारिरणबाधा॥ पायोविजयसुरथमहिपाला। पुरहिचलालैसुयशविशाला॥ पौनपुत्रकहँसंगलवाई। सभाबैठि बोलातबराई॥ सुनौपवनसुतवचनहमारा। सुमिरौरामहिंकृपा अ गारा ४६॥ दोहा॥ बन्धनमोचनआइतवकरिहैंकृपानिधान॥ ना हिंतौआयुतवर्षलौनहिंछांड़ौंहनुमान ४७॥ मालिनी॥ सुनिनरप तिबाणीमौनहीबातजातं। बहुशरणविदाराबन्धुनात्रासगातं॥ मनसुमिरिसुभायेरामचन्द्रंकृपालं। निजजनप्रतिपालंमोचमेंबन्ध जालं॥ सुरकुलहितकारीदीनबन्धोखरारी। मोहिप्रणतबिचारीर क्षियेरावणारी॥ सियबरबरकान्तिंश्यामलंबारिजातं। अरुणक मलनेत्रंसींवलावणयगातं ४८॥ कवित्त॥ हाथिहुकीहांकदीन्हसु नतहिदादिदीन्हबरणनवीनकबिगवनकृपालकी। चंचलैचटक बायुबैनतयकेखटकअटकमटकनभटकतेहिकालकी॥ उपमानआन पाइईश्वरीकहैंकिगाइलीकसीलगाइबरइंदीबरमालकी। गाजसेग येरिसायगजराजकोबचाइग्राहकोगलौरीकेकरालकालगालकी॥

४६ ॥ चौपाई ॥ सोबलबिद्यमानरघुराई । ममहितकहाअबारलगाई ॥ नाथमहामैंबिकलबिहाला । सुरथहिमोहिंछुड़ाउकृपाला ॥ सुनिआरतबाणीजनगाई । नभमहँनिरखिपरेरघुराई ॥ चढ़ेबिमान अनुजमुनिसङ्गा । महाप्रकाशहोततमभङ्गा ॥ देखुभूपस्वामीममआवहिं । तवबन्धनतेमोहिंमुकुतावहिं ॥ देखतसुरथप्रेमरसपागे । दण्डप्रणामकरनतबलागे ॥ परमभक्तभूपहिप्रभुजाना । हृदयलगाइकीन्हसन्माना ॥ धन्यभूपतोसमनहिंआना । जेहिरणबांधिप्रबलहनुमाना ॥ कपिबन्धनप्रभुआपुछुड़ावा । मुरछितभटरणजाइजिआवा ॥ रामचन्द्रपदकमलनिहारी । भयेबिगतज्वरसुभटसुखारी ५० ॥ दोहा ॥ तबहिसुरथनिजराजसुतमखहयलीन्हमँगाइ । पायँनपरिबहुबिनयकरिरामहिंअरप्योआइ ५१ ॥ चौपाई ॥ मिलैं परसपरभटहरषाई । लखिप्रभुसुमुखबैरबिसराई ॥ सुरथनृपहि सबकरैंबखाना । क्षत्रधर्मप्रभुसोरणठाना ॥ तीनिदिवसतहँरहिभगवाना । अवधचलेचढ़िकामगयाना ॥ राजसौंपिचम्पकहिभुवाला । रिपुहनसंगचलेततकाला ॥ रिपुहनमखहयपाइअनन्दा । चलेसंगलैसुभटनवृन्दा ॥ भेरिमृदंगशंखधुनिपूरी । अश्वसाथकीन्हेंभटभूरी ॥ मगमहँनृपतिमिलेबहुआई । देंदैभेंटकरतसेवकाई ॥ पहुंचेबालमीकिअस्थाना । करैंयज्ञजहँमुनिगणनाना ॥ समिधलेनलवबालनसंगा ॥ आइदीखतहँयज्ञतुरंगा ॥ स्वर्णपत्रसोहैंबरभाला । रत्नअमोलग्रीवमणिमाला ५२ ॥ क्ष्मय ॥ कौतुकहीलवजाइअश्वशिरपत्रहिबांचा । रावणादिसंहारिअवधमेंहयमखराचा ॥ सूर्यवंशअवतंसरामराजेंद्रशीशमनि । नमतसुरासुरजासुपद्मपदबिनयभूरिभनि ॥ असरत्नधनुर्द्धरबीरबरकौशल्यासंभूतसुत । अतिसुभटमहाजेहिबाहुबलसबप्रकारऐश्वर्ययुत ५३ तासुअश्वकेसंगकरैंरक्षारिपुहन्ता ॥ जगबिजयीबिख्यातलवहिजिनमारितुरन्ता ॥ अपरसैनचतुरंगसुभटपुष्कलसमगाजै । जिनहिंबिलोकतधीरबीरदिगपतिलौलाजै ॥ जेहिहोय

बाहुबलमानमदसोहयबांधैआइकै । तेहिमारिशत्रुहनछीनिहैयम पुरपठवैधाइकै ५४ बांचतहीरिसरांचिबांधितरुमूलतुरंगै । भयेअ रुणद्वौनैनबिकटभृकुटीभइभंगै ॥ कहारामरणधीरकहांबपुरारिपु हन्ता । कोजानकीप्रसूतबीरकुशसोबलवन्ता ॥ असभाषिशरासन साजिशरसमरभूमिशोभितभये । तेहिसमयआवचतुरंगदलदेखि नमनछोभितभयं ५५ ॥ दोहा ॥ तेहिअवसरद्विजबालकन समुझा योबहुबार ॥ रामचन्द्रदलप्रबलअति लवछांड़ोमखघ्यार ५६ ॥ चौपाई ॥ कहलवतवसबबालनपाहीं । तुमक्षत्रीबलजानतनाहीं ॥ द्विजभोजनकरिबेकेलायक । क्षत्रीसहैंसमरछतशायक ॥ तबद्विज बालकभागेदूरी । लवपहँकटकआवअतिभूरी ॥ कहैंसुभटहयमख केहिबांधा । जैहैकोकृतांतकेराधा ॥ कहलवहमबांधामखघोरै । करौंनिपातसुभटजोछोरै ॥ सुनतबचनहयछोरनधाये । तिनसुभ टनलवमारिगिराये ॥ सुनिलववलबात्सायनभाषा । शेषहिमोहिं सुनिबेअभिलाषा ॥ केहिकारणसियकाननआई । कुशलवजन्म कर्मकहौगाई ॥ शेषतबहिंमुनिवरैसुनाई । कियेजेअपरचरितरघु राई ॥ एकसमयजानकीसमेता । राजतप्रभुनिजरुचिरनिकेता५७ दोहा ॥ गर्भवतीसीतहिनिरखि कहाबिहँसितबराम ॥ कवनभोग इच्छातुम्हैं सोमोहिंकहियेबाम ५८ ॥ चौपाई ॥ कहसीतासुनकृ पानिधाना । तवप्रसादपायेसुखनाना ॥ बिषयभोगइच्छामोहिं नाहीं । मुनिपूजालालचमनमाहीं ॥ जोतुम्हारअनुशासनपावों । पटपहिरायऋषीशनआवों ॥ तबप्रभुसीतहिकहासराही । प्रात तपिनपूजौबनचाही ॥ असकहिशयनकीन्हरघुराया । पुरबार्त्ता हितचारपठाया ॥ गयेचारघरघरनछपाई । सुनतफिरैंश्रीरामबड़ा ई ॥ सबसियपतिहिब्रह्मकरिजाना । निशिदिनप्रभुयशकरैंबखा ना ॥ रजकबधूयकपरघरजाई । रहीरूठिपतितेअरगाई ॥ सासु ताहिलाईसमुझाई । पतितेहिमारिबहुरिबहिराई ॥ तैंमोहिंराम

न्हपतिसमजाना । रावणमारिसियहिघरआना ५६ ॥ दोहा ॥ प्रभु निन्दाजबचारसुनि तेहिबधहितअसिलीन्ह ॥ तदपिरामभयमानि तिन क्रोधक्षमापनकीन्ह ६० ॥ चौपाई ॥ सबचारनमिलिअसमत ठाना । जनियहबातपरैप्रभुकाना ॥ प्रातन्हाइशिवपूजनकीन्हा । स्वर्णदानमहिदेवनदीन्हा ॥ सभामध्यतबबैठभुवाला । सुतवत प्रजनकरैप्रतिपाला ॥ आतपत्रलक्ष्मणकरसाजे । चमरभरतशत्रु हाबिराजे ॥ बैठबशिष्ठसरसतपपूरे । सुमतिसभाननीतिरसरूरे॥ तेहिअवसरआयेसबचारा । करतदण्डवतरामनिहारा ॥ पूंछातिन हिंयकांतहिजाई । कहैंतेतवजगहोयबड़ाई ॥ तवयशबिमलकरैंस बगाना । पावनजिमिसुरसरितसमाना ॥ रहाबिमलयशतिहुंपुर छाई । धवलकोटिशशितेअधिकाई ॥ छुटैचरहिबूझिभगवाना । जिमितुमश्रुततसकरौबखाना ६१ ॥ दोहा ॥ सोनवृथाकछुकहि सकैं पूंछतप्रभुबहुबार ॥ जोनसत्यअबभाषिहौ पैहौशापहमार६२ चौपाई ॥ भयबशचारसुनातसगावा । रजकबातसुनिप्रभुदुखपावा॥ भरतहिबोलिवृतांतसुनावा । चाहतमैंयहकलुषमिटावा ॥ कहाभ रतस्वामीसुनिलीजै । यहिकरहृदयदुःखजनिकीजै ॥ अनलहिद ह्योप्रथमजगजाना । बहुरिपितामहशुद्धबखाना ॥ त्रिभुवनपूज्य कीर्तिजेहिछाई । पतिव्रतामणिसियहिगनाई ॥ करौराज्यसिय सहरघुनायक । रजकहिरसनाछेदनलायक ॥ कहारामसैंसबयह जानौं । अतिपवित्रजानकीप्रमानौं ॥ तदपिलोकअपबादहिडरऊं। यहिकारणसीतैपरिहरऊं ॥ औरबातजनिभाषौभाई । बधौमोहिं तौकहोसोहाई ॥ पुनिलक्ष्मणरिपुहनसमुझावा । रामहृदयकछु बोधनआवा ६३ ॥ दोहा ॥ अतिबिचित्रसीतैसमुझि त्यागाकिमि रघुराय ॥ शेषकहौबिस्तारयुत ममसंदेहनशाय ६४ ॥ चौपाई ॥ शेषमुनीशहिकथाउचारी । पितुगृहजबरहैंसियाकुमारी ॥ खेलत सखिनसंगसुखपाये । तहँशुकशुकीमधुरस्वरगाये ॥ अवधनगर

नृपदशरथनामा । तिनकेचारिपुत्रअभिरामा ॥ अतिसुन्दरमुखबर णिनजाहीं । जेठरामसबभाइनमाहीं ॥ तेकौशिकहियज्ञकरवैहैं । मुनिसँगजनकनगरतबऐहैं ॥ तोरिपिनाकनृपनमदमोरी । बरिहैं तिनहिंबिदेहकिशोरी ॥ सीतापरमसुन्दरिहिपाई । करिहैंअवध राजरघुराई ॥ सीतातिनकहँयुगुतिसमेता । पकरिशुकहिपूछत अतिहेता ॥ कोतुमदोउकहांतेआये । कौनरामसियजोतुमगाये ॥ बालमीकिगंगातटबासी । तिनरामायणकथाप्रकासी ॥ दशरथ सुतबिदेहजासीता । सुनातिनहिंहमकथापुनीता ६५ ॥ दोहा ॥ सुनेशुकीजबमिलहिंमाहिंरामचन्द्रभरतार ॥ तबलगितुम्हैंनछाँ ड़िहौं पालौंसहितपियार ६६ ॥ चौपाई ॥ कहशुकसुनुबिदेहजा सीता । पिंजरनपरिहमहोबसभीता ॥ तातेहमैंछांड़ितुमदेहू । स त्यकहौंरहिहौंतुवगेहू ॥ बहुप्रकारकहिशुकसमुझावा । तदपिसि याउरनेकनभावा ॥ जबसियहोउगर्भसंयोगा । रामतुमहिंतबपरै बियोगा ॥ असदैशापदोऊमरिगयऊ । रजकस्वआइअवधपुरभ- यऊ ॥ तबलक्ष्मणहिंकहारघुबीरा । उतरुदिहेअघलहौंगँभीरा॥ लैजानकिहिबिपिनतजिआवो । जगअपकीरतिजायमिटावो ॥ सुनिलक्ष्मण उरदुःखअपारा । सीतहिस्यन्दनकरिअसवारा ॥ त बसीतानिजभागबखानी । बसनआभरणालैरुचिमानी ॥ गंगनि कटमुनिआश्रमतीरा । बब्बुलादिजहँबनगम्भीरा ॥ जायजानकि हिलषणउतारा । कहेबचनउरशोकअपारा ६७ ॥ दोहा ॥ मानि लोकअपवादभय तुम्हैंतजारघुनाथ ॥ मोरदोषकछुमातुनहिं कहि असनायोमाथ ६८ ॥ भुजंगप्रयात ॥ गिरीमूर्छिसीतातबैभूमिमाहीं । कियोबाससोलक्ष्मणोबायुछाहीं ॥ जगीजानकीईशसोंऐसमांगै । सदारामपादाब्जमोचित्तलागै ॥ लसैदेहमेरेथपीनाथथाती । डरौं नर्ककोनासकौंसोनिपाती ॥ कहालक्ष्मणौंमातुहीधीरलैये । यहै बालमीकाश्रमंतत्रजैये ॥ परिक्रम्यदैलक्ष्मणौंघूमिआये । गिरी

मूर्छिसीताहृदयशोकछाये ॥ नभैमेघमालाकियेछाइछाहीं । करैं सिंहसर्पादिरक्षासुताहीं ६६ ॥ दोहा ॥ तेहिअवसरबटुबिपुलमिलि आयेसमिधनहेत ॥ जायसुनायोमुनिवरैसीतैदेखिअचत७०॥समाचारसुनिबटुनमुखबालमीकितहँजाय ॥ देखात्रिभुवनश्रियमनौगिरीबिपिनमहिआय ७१॥ नराच ॥ बिलोकिबालमीकिहीतपोनिधानजानकी । दुखार्तरोवतेसभक्तिभावसोप्रणामकी ॥ कहामुनीशहूपतिंसमेतदीर्घजीजिये ।पुनःतनयद्वऊनिहारिभूरिसुःखलीजिये ७२ प्रतोषिजानकीऋषैचललवाइआश्रमें । बखानिपुत्रिपालतेछड़ाइकैमहाभ्रमें ॥ समूहतापसीसियेसप्रीतिसाथसेवती।प्रपूजतींसुरांगणायथासुबिष्णुदेवती ७३ जपैहृदयसुरामनामप्रीतिभक्तिसानितै । ऋषीशपादअर्चतीकछूकबासरैबित ॥ प्रसूतिपुत्रद्वैतबैमनोहरंसुभावही । सियासमेतरामचंद्रक्रांतिकोजनावही ७४ किये ऋषीशजातकर्मवेदमंत्रगाइकै । कुशंलवंबखानिनामभूरिहर्षपाइकै ॥ समयसुपायदैजनेउवेदकोपढ़ायऊ । अपूर्वशस्त्रअस्त्रमंत्रयुक्तसोंबतायऊ ७५ अभेद्यकौंचनैंदियोअक्षयइषुंसतर्कसी । नराच भांतिभांतिचापपुष्टशब्दकर्कसी । अकुंठखड्गबर्मधर्मयुक्तसोंधनुर्द्धरौ । अशोकजानकीतनयबिलोकिद्वौमनोहरौ ७६ ॥ प्रज्झटिया ॥ यहिभांतिशेषमुनीशसोसीताबियोगसुनाइ । पुनिशत्रुहनलवसमरअतिबर्णनलगेमनलाइ ॥ भुजदंडखंडितबिपुलभटगेसमरभूमिपराइ । बिह्वलबचनबिस्मयसहितनिजप्रभुहिकहासुनाइ ॥ यकबाललघुबयललितछबिश्रीरामकेअनुहारि । हयबांधिधनुशरसाधिसैनपसुभटसकलसँहारि ॥ सुनिबालबिक्रमशत्रुहनरिसकीन्हउरगंभीरादलिअधरदशननअरुणदृगलखिकालजितरणधीर॥ सेनेशलैचतुरंगदलगजबाजिस्यंदनसाजि । आयोजहांलवसुभटमणिरहेमहाआजिबिराजि ॥ लखिरामसदृशकालजितकहियोदयाउरधारि । हेबालहठतजिछांडुहयअतिबिकटकटकनिहारि ॥

हँसिकहालवतुमजाइरामहिंकहौहयबंधान । तुमसेकरोरिनसुभट नेमैंकालकीअनुमान ॥ असभाषिधनुटंकोरिलवउरसुमिरिमुनिवर पाइ । पुनिजानकीचरणारविंदनबंदिसयुगसुभाइ ७७ ॥ भुजंगप्र यात ॥ सुनाबैनज्योंकालजितक्रोधधारा । महातीक्ष्णबाणावलीकै प्रहारा ॥ सबैबाणसोजानकीसूनुकाटा । सुबाजीरथौताहिकोभूमि पाटा ॥ तबैकालजित्बारनैह्वैसवारा । पुनःसप्तनाराचकैक्रोधमा-रा ॥ तबैजानकीपुत्रकैकोपघोरा । निजैबाणसेआवतैबाणतोरा ॥ पुनःबारनैमारिपृथ्वीगिरावा । गदापाणिसेनाधिपौकोपिधावा ॥ लवोताहिदेखाकियोरोषआयो । हृदयमारिबाणैमहीमेंगिरायो ७८ दोहा ॥ कालजीतबधनिरखतैसकलसेनइकबार ॥ अस्त्रशस्त्रबहुभांति सबलागेकरनप्रहार ७९ ॥ चौपाई ॥ सबकेअस्त्रशस्त्रलवजारा । कोटिननिजनाराचप्रहारा ॥ क्षणमहँकटककीन्हसबभंगा । भिन्न छिन्नकरिबीरनअंगा ॥ बहीरुधिरसरिमहाभयावनि । मज्जामयल खिपरैअपावनि ॥ कछुकभागिगेजहँरिपुहंता । कहैंनाथबालकबल वंता ॥ कालजीतकहँसैनसमेता । क्षणमहँमारिनिपातिसिखेता ॥ सुनिरिपुहनमनबिस्मयआई । कटकसहिततेहिघेरेउजाई ॥ सात बर्त्तिकरिबीरनघेरा । चहुंदिशिबाणवृष्टिबहुतेरा ॥ मध्यएकलवसु भटबिराजैं । जिमिकरिगणमहँकेशरिराजैं ॥ करैंप्रहारबीरसबआ शा । लवनिजशरनअस्त्रसबनाशा ॥ तृणसमूहजिमिपावकजारा । तिमिलवसकलकटकसंहारा ८० ॥ दोहा ॥ तबपुष्कलदुर्मदसुभट लवहिप्रचाराआय ॥ लेउसुभगरथहमैंतुमचढ़ौताहिसुखपाय ८१ चौपाई ॥ तेहिचढ़िकरौंसमरमोहिंभारी । पैदरपायँपिरायतुम्हारी ॥ तबलवकहसुनुराजकुमारा । पतिग्रहीमोहिंबिप्रबिचारा ॥ हमक्ष त्रीपैदररणठानैं । तुमसेकोटिभटननहिंमानैं ॥ सुनिपुष्कलनिज चापचढ़ावा । देखतहीलवक्रोधबढ़ावा ॥ करतेचापकाटिमहिडारा ॥ पुष्कलदूसरधनुषसुधारा ॥ पुनिलवचापसहितरथखण्डा । तब

पुष्कलपैदररणमगडा ॥ करैंपररपरयुद्धअपारा । लवपुष्कलदोउ समरजुझारा ॥ उभयधनुर्द्धरबीरप्रचण्डा । करैंयुगुलअरिअस्त्रन खण्डा ॥ देहनभेदिबाणवहिपारा । गिरैंचलैंतबरुधिरपनारा ॥ तबबिकरालबाणलवसाधा । बलकरिभरतसुवनउरबाधा ८२ दोहा ॥ मुर्च्छिगिरेपुष्कलसुभटदेखिपवनसुतधाइ ॥ अंकलाइशत्रु हनपहँतुरतैगयेलवाइ ८३ ॥ चौपाई ॥ लखिरिपुहनउरशोकबढ़ा यो ॥ लवबधहितहनुमतहिपठायो ॥कोपिपवनसुतबिटपउपारा। कुशअनुजहिलखिकीन्हप्रहारा ॥ अतिसत्वरलवचापचढ़ाई । श रनखंडितरुदीन्हगिराई ॥ अपरवृक्षबहुहनुमतमारे । शरनकाटि लवअवनिपवारे ॥ तबबिशालगिरिएकउपारा । लवशिरपरहठि कीन्हप्रहारा ॥ सियासूनुसोतिलतिलकाटा । शरनमारिमारगम हिपाटा ॥ तबहनुमानकोपअतिकीन्हा । लवहिलपटिपूंछसोंली न्हा ॥पूंछमध्यलवबिकलकदम्बा । सुमिरेउहृदयजानकीअम्बा ॥ तबलवपबिसममुष्टिप्रहारा । छांड़ाकपिलहिबिथाअपारा॥बहुरि करालबाणलवमारा । मुर्छिगिरेमहिपवनकुमारा ८४ ॥ दोहा ॥ तबरिपुहननिजसैनलखिमुर्छितनिपटब्यहाल ॥ मणिमयरथआ रूढ़हवैलवहिलखातेहिकाल८५ ॥ प्रज्वलिया ॥ यकबारप्रथमैशत्रु हनलवणासुरैरणमारि । मुनिबाल्मीकिनिकेतनिकटहिबसेनिशा निहारि ॥ बहुभांतिआदरकीन्हऋषिफलकन्दमूलखवाय । तेहि समयसीतासुवनयुगुलप्रसूतकथासुनाय ८६ ॥ चौपाई ॥ नीलक मलदलद्युतिअभिरामा । मानहुंअपररूपधरिरामा ॥ करवरबाण शरासनसोहैं । रणमंडलबिचरतमनमोहैं ॥ सियासूनुजानामन माहीं । इनहिंजीतिमोहिंशोभानाहीं ॥ पूछाकोतुमबालकअहऊ। निजपितुमातुनाममोहिंकहऊ ॥ तिनसमभाग्यवाननहिंकोई । तुमअससुवनलहाजिनसोई ॥ रामराजराजेन्द्रखरारी । जगबि ख्यातजासुयशभारी ॥तासुअश्वबाँध्योअनजाना। छांड़ोत्यहिहम

क्षमबअयोना ॥ चलौमिलौतुमहूंरघुराई । देहैंबिपुलराज्यमनभा
ई ॥ कहलवकरौहमहिंसंग्रामा । तुम्हैंकहायशकुलपितुनामा ॥
रामबंधुतुमअतिबलबीरा । छीनौहयकरिरणगंभीरा८७ ॥ चामर ॥
जानकीकुमारचापबाणतीव्रसाजिकै । शत्रुहैंप्रहारिआजिमध्यबी
रगाजिकै ॥ कोपिभूपहूशरासनैशरैकरालकै । ताकिकैहनाहियेप्र
चारिसीयबालकै ८८ ॥ नराच ॥ लवोबिलोकितीव्रबाणआवतैस्व
काटेऊ । अपारबाणअन्यबर्षिब्योमभूमिपाटेऊ ॥ नराचपिंजरैप्र
बेशिबूतहैनबातकै । सहस्त्रबाणसाधिशत्रुअङ्गसर्बघातकै ८९ ल
वोसमस्तआपनेनराचभग्नजानिकै । महीपचापखण्डकैनिशीत
बाणतानिकै ॥ सशीघ्रअन्यकार्मुकैरिपुंप्रभंजनौलियो । सियातन
यरथौसमेतनाशताहिकोकियो ९० ॥ दोहा ॥ कैऔरथचढ़िशत्रुह
नहाथशरासनलीन्ह ॥ अतिलाघवलवशरनसोंभंगतुरततेकीन्ह
९१ ॥ चौपाई ॥ तबलवचारिनराचचलायो । नृपतनकवचहुमुकुट
गिरायो ॥ महाघोररणबरणिनजाई।जोलखिदेवनबिस्मयपाई॥
अर्द्धचंद्रशरहतिलवबीरा । मूर्छिगिरेरिपुहनरणधीरा ॥ देखिसु
रथधायोततकाला । अपरबीरमणिबिमलभुवाला ॥ सुमदसुबाहु
आदिबलवाना । कियोयुद्धनहिंजाइबखाना ॥ तिनहिंसबहिलव
समरसँहारा । परेअवनिसुरथादिभुवारा ॥ तेहिअवसररिपुहनर
णजागे। लवसोंआइबचनपुनिबागे ॥धन्यधन्यतुमसमभटनाहीं।
जिनमोहिंमुर्छितकरिरणमाहीं ॥ अबसचैतहवैकरधनुलेहू । सहो
मोरशरतीक्षणएहू ॥ असकहिशरलवणासुरघाती । कठिनहना
लवकीतकिछाती ९२ ॥ दोहा ॥ कुशहिसुमिरिशरलागतहिमुरक्षित
भयोबनाइ ॥ रथपरधरिशत्रुहननृपगमनेलवहिंलवाइ९३ चौपाई॥
बहुरिछोराइलीन्हमखबाजी। चलेशत्रुहननिजदलसाजी॥यहांबि
प्रबालकगृहआयो । सीतासोंरणकथासुनायो ॥ एकभूपसँगदलअ
तिभारी । आगेमखहयअतिसुखकारी ॥ सोमखअश्वबांधिलवली

न्हा । हमसबमिलितबबरजनकीन्हा ॥ नहिंमान्योबहुभांतिसिखा यो । तबलगिभूपकटकचलिआयो ॥ भयोयुद्धहयहेतअपारा । लव सबभूपकटकसंहारा ॥ मुरछागतभूपतिजबजागा । लवसोंयुद्धकर नपुनिलागा ॥ लवहिमारिरथधरिलैगयऊ । सुनिसीतामनअति दुखभयऊ ॥ करैबिलापलेतलवनामा । कुशहिसुमिरिसीतापरि नामा ॥ कुशउज्जैनगयोतेहिबारा । महाकालपूजाअनुसारा ६४ ॥ दोहा ॥ पाइरुचिरबरआइगृह दीखजानकीमात । पुत्रशोकसन्तप्त अति परीअवनिअकुलात ६५ ॥ रूपमाला ॥ केहिहेतुजननीशोक बशकिनकहौमोहिंसमुझाय । जेहिभांतितेसुखपाइहौकरिसकौंतौ नउपाइ ॥ कुशबैनसुनिसियनैनखोलेलवकथासबगाइ । सुनतै अरुणदृगभुजफरकिरिसबीरताउरआइ ॥हेमातुयहिक्षणलाइहौं मैंलवहिशत्रुनमारि।नरबापुरेकीकाकथाबधिसकौंयमहिंप्रचारि ॥ असभाषिसजिशरत्राणकवचअभेदकटिकरबाल । तूणीरअक्षयती रचापहिगहिगयेजनुकाल ६६ ॥नराच ॥ पदारबिंदमातुकेप्रणम्य लैअशीशही । तुरंतहीबिलोकिजाइशत्रुहामहीशही ॥ प्रहारिबा णवृष्टिसैन्यव्याकुलीकियोमहा ।घुमाइस्यंदनौनृपौकुशंनिहारिकै कहा ६७ ॥ चामर ॥ कौनहौमहाबलीबिराजबिप्रवृंदमें ।अस्त्रशस्त्र वित्अपारदक्षद्वंदयुद्धमें ॥ मातुतातकोतुम्हारनामआपनोकहौ । अश्वबांधियोकहाकहापदार्थकोचहौ ६८ मैथिलेशकीसुतासिया पतिव्रतामहा । तासुपुत्रद्वैकुशंलवंस्वनामहैंकहा ॥ बांचिपत्रछत्र धर्मजानिबांधिराखेऊ । लेनहेतुजयतुम्हैंसुवीरयुद्धकांधेऊ ६६ ॥ चौपाई ॥ तबशत्रुहनजानिमनमाहीं । येसीतासुतसंशयनाहीं ॥ अ तिबिस्मयमनलहिरिपुहंता । सद्यशरासनकरिगुणवंता ॥ निशित बिपुलशरकीन्हप्रहारा । कुशनिजशरनभंजिमहिडारा ॥ कुशशत्रु हनसमरअतिघोरा । छायेनभमहिशरचहुंओरा ॥बायुअस्त्रकुशनृप हिचलावा । रणशरहतिनृपकटकबचावा ॥ बज्रबाणकुशभूपहि

मारा । निजशरतेनृपताहिनेवारा ॥ पुनिकुशनारायणशरमारा । रामनामरिपुहनहिंउबारा ॥ यहिबिधिभयोमहारणघोरा । कुश शत्रुहनदोउबरजोरा ॥ तबसियचरणध्यानकुशकीन्हा । अति करालशायककरलीन्हा ॥ साधिचापकीन्होंउरघाता। लागतरिपु हनभयेनिपाता १०० ॥ प्रज्वलिया ॥ रिपुहनमुरछितलखिसुरथ बीर। आयोसकोपकुशसुभटतीर ॥ देखतसीतासुतबाणलीन्ह । भूपतितुरंतरथहीनकीन्ह ॥ बहुअस्त्रशस्त्रराजैचलाइ । कुशशर णमारिदीन्हेगिराइ ॥ भयोरोमहर्षअतितुमुलयुद्ध। जानकीतनय सुरथहिप्रक्रुद्ध ॥ कुशकालानलसमबाणमारि । भूपहिमुर्छित महिदीन्हडारि ॥ लखिसुरथसमनमारुतकुमार। धायोतरुलैअ तिबलअगार ॥ देखतसत्वरकुशशरसँधानि । करतेगिराइतरुभू मिभानि ॥ संहारअस्त्रपुनिकुशप्रहार । गिरेतुरतमुर्छिमारुतकुमा र ॥ अरुअपरसैन्यसबशरनमारि। मुर्छितकरिसुभटनभूमिपारि ॥ लखिमहतकरमकपिपतिरिसाई। कुशहृदयहनालांगूलआइ ॥ तब लवअग्रजउरक्रोधपाइ। बसुबाणबेधिकपिपतिहिआइ॥ शरपीड़ित कपिपतितरुउखारि। कुशपरप्रहारिउरकोपधारि॥पुनिबरुणबाण कुशचापसाधि।सुग्रीवैलेरणमध्यबांधि॥यहिभांतिशत्रुबलसकलतो रि ।तबजाइबन्धुबंधनहिंछोरि१॥ दोहा ॥ मिलेपरस्परबंधूद्वौहर्षन हृदयसमाय।निरखतइतउतसमरमहिबिजयनतेजयपाइ२॥क्ष्म्य॥ तेहिऔसरद्वौबीरजाइरणअवनिनिहारी । सुरथक्रीटमणिरुचिर ताहिलवलीन्हउतारी॥ रिपुहनअंगदछोरिपुष्कलैमुकुटहिलीन्हा। अस्त्रविशेषउठाइआपनेतरकसकीन्हा॥ सुग्रीवप्रभंजनसुवनकीपछ पकरिगवनतभयो।अतिभक्तिकुशलकुशलवसहितजननीकेचरणन नयो३निरखिजानकीउभयसुवनशिरसूंघिगोदधरि॥ परशिपाणि मृदुगातदुहुनसत्वरअव्रणकरि। बहुरिचीन्हिहनुमानसहितबंधन कपिराजहि ॥अधमुखनैननीरगड़तजनुलाजसमाजहि । सुतमुंच

शीघ्रसुग्रीवयेसर्बकपिनकेकंतहैं ॥ ममहेतलंकगढ़दहाइनमहाबीर हनुमंतहैं ४ ॥ दोहा ॥ केहिहितइन्हैंप्रहारिकैधरिलायोममपास । कीन्होंकेहितुमभूपतिहिसैनसहितरणनास ५॥ रूपमाला॥मखबाजि शिरसजिपत्रलिखिनिजवीरताश्रीराम । कोउशूरजोयहिबांधितेहि रिपुहनहनैसंग्राम॥ सोमैंनिरखिमुनिकुटीतटतरुमूलबांध्योंआइ। तेहिहेतरामानुजकटकसहकीन्हरणअतिआइ ॥ कुशशरनसोंसबम हिपरेकपिलाइकौतुकहेत । लवबचनसुनिलाघवसियामहिपरीमु रछिअचेत ॥ हातातकीन्हकुकर्मतुमनिजकुलकटकसंहारि । कोहि भांतिनिरनैतेबचौकाकिनसोहागनिवारि ॥ सुनिसियबचनकुशल वोभेअतिदीनबिह्वलगात। रघुवंशमेंअवतंसमोहिंकवहुंनबतायो मात ॥ तुमपढ़ेरामायणसकलमैंकहौंकिमिसमुझाइ । रघुबीरसुत बिनऔरकोशत्रुहनतेजयपाइ ॥ असभाषिसीतासुवनलैसुग्रीवमा रुतनंद । रणभूमिजाइविलोकियोपरेवृंदसुभटनिकंद ॥ तबसुमि रिजानकिजक्तपतिश्रीरामपदमनलाइ । निष्कपटतौतुरतैजियैय हसैनसबसुखपाइ ६ ॥ दोहा ॥ सीताजूकेकहतहीसैन्यजिईततका ल । अस्त्रसकलभूषणमुकुटमखहयदैतहिकाल ७ ॥ प्रद लिया ॥ लखिशूरताअतिशिशुनकीशत्रुहनविस्मयआनि । सबवीरमणिसु रथादिभूपनग्लानिमानिबखानि॥ पुनिसाजिदलचतुरंगमणिमय रथनह्वैअसवारामखअश्वसहकरियतनसुरसरिउतरिआयोपार॥ यहिभांतिसैनसमेतनिजपुरनिरखिअवधअनूप। कलधौतमणिमय महलसबअमरावतीअनुरूप ॥ यहबातसुनिरघुनाथपुष्कलमेधबा जिसमेत। संयुक्तदलशत्रुहनआयेअवधनगरउपेत८ ॥ हरिगीतिका॥ तबहरषिरामसुजानलक्ष्मणबोलिकहतुमजाइये । सन्मानकरिनृ पनीतिसोंममनिकटअनुजहिलाइये ॥ तेजाइसाजिसमाजबंधुहि भेंटिअतिसुखपायऊ । अरुअपरभूपनसाथलैरघुवंशमणिपहँआय ऊ ॥ लखिनृपनआवृतअनुजआवतरामउठिमिलिबेचहा । तबल

गिसुमित्रानंदसत्वरस्वामिपदपंकजगहा ॥ भुजभरिउठाइकृपानि धानसनेहसोंउरलाइकै । करकमलपरशिशरीरआवृणकियाअति सुखपाइकै ॥ यहिभांतिपुष्कलहूमिलेहनुमंतपुनिकपिनायकं । अंगदसमेतबिनीतअतिसन्मानकरिरघुनायकं ॥ अरुअपरलक्ष्मीनिधिसरिसभूपालसबपायँनपरे । नृपबीरमणिबिमलादिसुरथसुबाहुसुमदहिउरभरे ६ ॥ कुंडलिया ॥ प्रतापाग्नरिपुवारनौ सत्यवानसे बीर ॥ हरिपदपावनपरशिकै मानलहागम्भीर ॥ मानलहागंभीरसुमतिमंत्रीमिलिराजहि । पूंछतेसबकहाअजानतभूपसमाजहि॥ पूछतेसबकहाधराहयजिनकरिदापा । लीन्हशत्रुहनजीतितिम्हैंत वचरणप्रतापा १० ॥ दोहा ॥ शिवसेवकनृपबीरमणि तवपदबारिजभृङ्ग ॥ सुरथचरितआयोनिरखि जानौंसकलप्रसङ्ग ११ ॥ चौपाई ॥ अपरचरितअबसुनौमहीपा । बालमीकिमुनिकुटीसमीपा॥ तहँशिशुयकतवबपुअनुहारी । बयदशबर्षबाणधनुधारी ॥ पत्रबांचिहयतरुतेहिबांधा । साजिशरासनहठिरणकांधा ॥ पुष्कलादिसबकटकसँहारा । रहानतेहिसँगसमरजुझारा ॥ मूर्छागतजागेरिपुहंता । महाकष्टतेहिमुर्छितुरंता ॥ रथधरिताहिलीन्हमखबाजी । चलेशत्रुहंतादलसाजी ॥ तबदूसरबालकयकआवा । सर्ब सैनभटअवनिगिरावा ॥ भूषणहयकपीशहनुमंतै । बांधिभवननिजगयेतुरंतै ॥ पुनिकरिकृपाकपिनद्यौछोरा । भूषणसहितदीन्हमखघोरा ॥ ज्याइकटकपुनिगेनिजधामा । असकौतुकतहँभाश्रीरामा १२ ॥ कुंडलिया ॥ सुमतिबचनप्रभुसुनतही पुत्रआपनेजानि ॥ बाल्मीकिसोंपूछितब कोशिशुकहौबखानि ॥ कोशिशुकहौबखानि जौनममतुल्यस्वरूपा । बिद्याबलसमुदायधनुर्द्धरपरमअनूपा ॥ बिद्याबलसमुदायशत्रुहनहनुमतसेअति । सैनसहितजिनमारितिन्हैमोहिंकहौउग्रमति १३ ॥ तोमर ॥ सुनुरामबुद्धिनिधान । तुमसोंनत्रैपुरआन ॥ बरणौंयथाममबुद्ध । तुमत्यागिसीतहिशुद्ध ॥

बनरोवतीकुररीव । दुखभारचित्तअतीव ॥ सुनिआर्तबैनबिशाला। गृहलैगयोंततकाल ॥ अवधेशरानिहिंजानि । प्रतिपालिपुत्रिहि मानि ॥ तिनपुत्रजायअनूप । जिनसोंनहैसुररूप १४ ॥ दोहा ॥ जातकर्ममेंकीन्हसब यथाबंशव्योहार ॥ प्रौढ़भयेबिद्यासिखय सांगोपांगअपार १५ ॥ चौपाई ॥ वेदव्याकरणआयुबिचारा । सर्ब शास्त्र अनुबिद्यासारा ॥ जालंधरिबिद्यासांगीता । गानकुशलद्वौ बंधुपुनीता ॥ ज्ञानभविष्ययोगगतिजानैं । रामायणतवसुयशबखानैं ॥ स्वरगंधारखर्जनध्यमगति । पणवमृदंगबजावबीणअति॥ तिन्हैदीन्हसबशस्त्रबिशेषा । अरिदलदलिसकैंक्षणहिंअशेषा ॥ बिद्याबलप्रतापअधिकारे । निरखिजिन्हैंदिशिपालसुखारे ॥ अतिसंतोषजितेंद्रियभरी । सबगुणनिधिजिनतनरहेपूरी ॥ मातुचरणसेवकद्वौभाई । जिनतेसिद्धिनहूंसिधिपाई ॥ तुमभगवानभगवतीसीता । जक्तजननिसबभांतिपुनीता ॥ औरकहांलगकरौंबखाना । तवदलजिनज्यायोजगजाना १६ ॥ दोहा ॥ बीरप्रसूताजानकी पतिब्रताशुचिधाम ॥ तेहिमहिमादेवनअगम त्यागयोगनहिं राम १७ ॥ चौपाई ॥ करौरामसुतअंगीकारा । बिद्याबलगुणशील अगारा ॥ जिनसमलोकपालकोउनाहीं । औरभूपकेहिलेखेमाहीं॥ तुमसमानसबभांतिसुहाये । कोटिकामछबिजिनहिंलजाये ॥ मानसहितबोलियसुतदोई । पैबिनमातुनऐहैंसोई ॥ तातेसीतासहितकृपाला । आनिभवनयशलेउबिशाला ॥ अनृतबचनकहौंनहिं गाई । सीतासदाशुद्धरघुराई ॥ सुनिमुनिगिरागरुवजियजाना । लक्ष्मणसोंकहकृपानिधाना ॥ स्यंदनलैअबतुमचलिजैये । सुतन समेतसियहिलैऐये ॥ गयेलषणप्रभुआयसुपाई । बालमीकिआश्रमहरषाई ॥ रथतेउतरिअवनिपगदीन्हा । सीतहिजायदण्डवत कीन्हा १८ ॥ रूपमाला ॥ लखिसियालषणहिंकरकमलशिरपरशि तुरतउठाइ । आशीषदैपूंछीकुशलसहअनुजश्रीरघुराइ ॥ ममसुर

तिकबहूंकरतकोऊकौशलादिकमात । तुमआइयोइतकौनहितमो-
हिंकहिसुनावोबात ॥ कुशलातसबतुमबिनारघुपतिरहतनिशिदि
नदीन । अतिराजसुःखसमेततबहूंआपुमुनिव्रतलीन ॥ मोहिंपठै
तुमहिंबोलाइबेचलिकरोनिजपुरराज । सुतसहितश्रीरघुवंशमणि
कहँहोयसुःखसमाज १६ ॥ चौपाई ॥ भरतशत्रुहनकह्योप्रणामा ।
दीन्हअशीषगुरूगुरुबामा ॥ कौशल्यादिकमातुघनेरी । कहाअशी
षतुम्हैबहुतेरी ॥ रथचढ़िभूषणबसनबनाई । कुशलवगजनचढ़ैंहर
षाई ॥ कुण्डलक्रीटछत्रशिरराजैं । चमरढुरैंभटचहुंदिशिभ्राजैं ॥
यहिबिधिचलिरघुराजहिभेंटौ । लहौसुयशदुखमनकरमेटौ ॥ सु
निलक्ष्मणकेबचनबिनीता । नयननीरभरिबोलीसीता ॥ मैंनहिं
नेकसुयशकेलायक । दोषसमुझिपरिहरिरघुनायक ॥ तबतेपाणि
गहनकीमूरति । सदारहौंनिजहृदयबिसूरति ॥ बैयशनिधिमोकहँ
गृहलैहैं । बहुरिजक्तमहँसोकहपैहैं ॥ तातेतनयआपनेलेहीं । मो
हिंबिपिनतपसाधनदेहीं २० ॥ दोहा ॥ शूरशिरोमणिधनुर्द्धरबि
द्याबलआगार ॥ लालतिरहियोइन्हैंअति अँकुरैबंशतुम्हार २१ ॥
चौपाई ॥ असकहिसुतनसिखायोसीता । भजौजाइनिजपतिहिपुनी
ता ॥ सियआयसुअशीषबरपायो।लक्ष्मणसँगदीउसुवनसिधायो॥
प्रथमहिंअवधआइमुनिपाई । परेलषणसहकुशद्वौभाई ॥ बालमी
किआशीषसुनाई । गयेलवाइजहांरघुराई ॥ लक्ष्मणरामचरण
शिरनावा । सीताकरसंदेशसुनावा ॥ सुनतहिमूर्छ्छिगिरेरघुराई ।
उठेअनुजजबकीन्हउपाई ॥ पुनिलक्ष्मणहिंकहारघुराई । लावहु
सीतहिकरिचतुराई ॥ कहियेजाइसँदेशहमारा । निजइच्छाउन
बनपगुधारा ॥ पूजनमुनिमुनिबधूसोहाई । गईबिपिनमणिबसन
भराई ॥ पूजिमनोरथनिजगृहआवो । पतिआयसुकिमिप्रियामि
टावो २२ ॥ दोहा ॥ यागयोगजपदानव्रत तीरथादिफलजौन ॥
पतिसेवात्रियलहैसो तोषैसुरशिवतौन २३ ॥ चौपाई ॥ कहियोजा

इसँदेशहमारा । ममतोषनभलहोइतुम्हारा ॥ सुनिलक्ष्मणप्रभुप दशिरनायो । चढ़िरथजनकसुतापहँधायो ॥ बालमीकिशुभअवसर जानी । कुशलवसोंबोलेमृदुबानी ॥ तातकरोरामायणगाना । स्वरसंयुक्तबीणगतिनाना ॥ सुनिआयसुदोउबंधुसुहाये । बीणब जाइमधुरस्वरगाये ॥ सुनतगानमोहेनरनारी । रामादिकतनदशा बिसारी ॥ दिविदेवताबिमाननछाये । किन्नरादिमुर्छितमहिआये॥ रबिशशिसहितपवनगतिहारी । भयेअचेतअपरतनधारी ॥ लखि द्वौसुवनरामसुखपावा । देनस्वर्णद्वैकोटिमँगावा ॥ तबकुशलव मापमनमाहीं । बिहँसिबचनबोलेमुनिपाहीं २४ ॥ तोमर ॥ यह भूपहोतअयान । मोहिंदीन्हचाहतदान ॥ असबिप्रनैअधिकार । लहैक्षत्रिपापअपार ॥ ममदीन्हभोगतराज । तबहूंनलागतलाज॥ सुनिबैनपरमकठोर । ऋषिबर्जिसीयकिशोर ॥ तुम्हरेइपितायइ राम । जनिबातभाषहुबाम ॥ सुनिबंधुद्वौसुखपाइ । परशापिता पदधाइ २५ ॥ दोहा ॥ रघुनंदननिजसुतनतब हर्षिहृदयभरिलीन्ह ॥ मानौसीतापतिव्रत प्रगटउपस्थितचीन्ह २६ ॥ चामर ॥ जा नकीबिलोकिलक्ष्मणौपिपादबंदिकै । रामचन्द्रकोसँदेशहूकहाअ-नंदिकै ॥ बेगिमातुयानपैसवारहूवैअबैचलो । भूपकोतुम्हैबिनान लागतोकछूभलो २७ सीतहूकहाबहोरिकौनभांतिजाइये । त्यागि मोहिंकाननौपिनाथकीर्तिगाइये ॥ लक्ष्मणौकहातुम्हैंसुधर्मरीति जानती । नाहदोषकोपतिव्रतात्रियानमानती २८ ॥ चौपाई ॥ ल-षणबचनसुनिसियसकुचानी । अवधआइबेमतिउरआनी ॥ बंदि तापसिनमुनिपदजाई । बिदामांगिअतिप्रेमबढ़ाई ॥ भूषणसजि रथचढ़िहरषाई । सुमिरतरामचरणसुखदाई ॥ सरयूसरिसमीप मखशाला । मुनिनसहितआसीनकृपाला ॥ रथतेउतरिलक्षमण साथा । हरिपदकमलननायोमाथा ॥ हर्षिबचनबोलेरघुराई । स फलयज्ञममजोसियआई ॥ बालमीकिपदबंद्योसीता । अपरमुनिन

शिरनाइबिनीता ॥ मिलीसकलसासुनबैदेही। परशतचरणभाव अतिजेही॥ देतअशीषमुदितसबसासू। पतिपुत्रनसहरहौहुलासू॥ भरतशत्रुहनसियपदबन्दे । लहिअशीषउरभयेअनन्दे २६ ॥ दोहा ॥ मुनिअगस्त्यमनमुदिततब सुबरणपुतरीटारि ॥ प्रभुसमीप शोभितकियो सीतहिबामबिचारि ३० ॥ नराच ॥ बिदेहजैसपुत्र रामचन्द्रतीस्देखिकै। अनन्दमातुभ्रातबिप्रवृन्दभेबिशेखिकै॥ त हांगुरूसुमन्तसोंकृपालबैनयोंकहा । बताइयेहमैंअबैजोहोनयज्ञ मेंरहा ३१ ॥ हरिगीतिका ॥ सुनिरामबचनबशिष्ठमुनिपुनिकहाराम कृपानिधे। अबबिप्रनैसंतोषियेसन्मानदाननसबबिध ॥ तबभूप परमसुजानसुबरणरत्नबिपुलमँगाइकै।प्रथमैगुरूपदपूजिबिधिवत भक्तिभूरिबढ़ाइकै॥ पुनिकुम्भजैपत्नीसहितव्यासादिच्यमनादिक सबै। ऋत्वजनदीन्हालक्षलक्षसुबर्णएकनप्रतितबै॥ भूषणबसन गोग्रामगजअनगनकहांलौंकोकहै।सबदीनधनपतिसमकियेलखि देवबिस्मयमनलहै ३२ ॥ छप्पै ॥ तबअगस्त्यमनहर्षिदीन्हआय सुरघुबीरै। चौंसठिनृपसहरानिलावसरयूबरनीरै ॥ सुनतरामसि यभरतलषणपुष्कलरिपुहंता। सुरथबीरमणिसुभुजसुमदसेनृपब लवंता॥ प्रतापाग्निउग्रासुसेनीलरत्नकपिपतिबिमल।सहबामस्व र्णघटलैचलेलक्ष्मीनिधिसेलेनजल ३३ ॥ चौपाई ॥ पढ़ैंमंत्रबशिष्ठ अभिरामा। सरयूजलनृपभरैंसबामा ॥ मखबाजिहिअन्हवावहिं आई। रानिनसहितभूपसमुदाई ॥ मंत्रितकरैअगस्त्यमुनीशा। परशेनिजकरहयकचशीशा॥ तेरेतनतिष्टितसबदेवा। ह्वैप्रसन्न देखिययहसेवा ॥ बाजीसहमोहिंकरौपुनीता। कहैंबचनअसरघु बरसीता ॥ यहसुनिसकलभूपमुनिमोहैं। ऐसेबचनप्रभुहिकिमि सोहैं ॥ जासुनामपावकअनुहारै। कोटिजन्मअघसुमिरतजारै ॥ मंत्रितकुम्भजकीन्हकृपाना। लीन्हसोकरबररामसुजाना ॥ जब प्रभुसोंहयशीशछुवावा। पशुतेदिव्यरूपतेहिपावा ॥ देखिसबहि

विस्मयभैभारी । पूछातेहिसोंतबहिं खरारी ३४ ॥ दोहा ॥ कोतुम हयतनतेरहौ अबपायोसुररूप ॥ मोहिंसुनावोचरितसब कौतुक परमअनूप ३५ ॥ चौपाई ॥ तुमसव्वज्ञनाथसबजानौं । पूछातबतुम महूंबखानौं ॥ मैंब्राह्मणसरयूअस्नाना । करिसुरपितरनदैजल दाना ॥ तहांबिपुलनरभूपतिआये । तिनहिंदेखिमैंदंभबढ़ाये ॥ चित्रितबसनचहूंदिशितानी । अग्निहोत्रमखतेहिबिचठानी ॥ दुर्वाशाऋषितहँचलिआये । देखामोहिंबकध्यानलगाये ॥ मैंमुनिकरस्वागतनहिंकीन्हा । दंभबिचारिशापमोहिंदीन्हा ॥ सरयूतटतैं दंभबढ़ाई । होसिजाइपरबशपशुजाई ॥ सुनतशापपरश्यौंमुनिचरणा । करौअनुग्रहतवमैंशरणा ॥ तबमुनिकहारामममखघोरा । होसिजाइमिटिहैदुखतोरा ॥ सोसबभयोनाथमनभावा । तवकरतेदुर्लभगतिपावा ३६ ॥ दोहा ॥ असकहिआयसुमांगिपरिपायँप्रदक्षिणदीन्ह ॥ चढ़िबिमानधरिबिष्णुबपुबासबिष्णुपुरकीन्ह ३७ चौपाई ॥ यहचरित्रलखिसुनिसबकाना । रामहिंमुनिनब्रह्मकरिमाना ॥ बिस्मयसहितपरस्परगाये । पावाहरिपदकपटबढ़ाये ॥ जोसप्रेमरामहिंमनलावै । सोसायोज्यमुक्तिफलपावै ॥ तबगुरुसनपूछारघुराई । यज्ञशेषसबदेउबताई ॥ जेहिबिधितृप्तदेवसमुदाई । होइँतौनमैंकरौंउपाई ॥ सुनिप्रभुबचनगुरूसुखपावा । शेषयज्ञाबिधिवतकरवावा ॥ करिआवाहनदेवबुलाये । ब्रह्माहरिशिवआदिकआये ॥ पत्निनसहकुटुम्बसँगलीन्हे । रामतिनहिंबरआसनदीन्हे ॥ बिधिवतपूजिदीन्हमखभागा । खातहव्यसुरअतिअनुरागा ॥ यज्ञभागसबदेवनपायो । अतिप्रसन्ननिजपुरनसिधायो ३८ ॥ रूपमाल ॥ पुनिबिप्रवृन्दबोलाइरघुबरछरसअसनजेंवाइ । दियोदक्षिणा कुमादिरतनअशीषअभिमतपाइ ॥ तबकीन्हपूर्णाहुतिमुनीशन कहँ मनहर्षाइ । बरषैंसुवासिनिसुमनबरसियरामपरसमुदाइ ॥ अरुअपरहरदीकुंकुमादिसुगंधमंडितरंग । छिरकतचलेसरयूनिव टलै

भूपकोटिनसंग ॥ नाचतमुदितमनअप्सरागन्धर्वकिन्नरगान । बा
जतमृदंगादिकनगतिसहनाइशंखनिशान ॥ यहिभांतिसीताराम
मुनिगणभूपगणसबसाथ । रानिनसहितयज्ञांतमज्जतपुण्यसरयू
पाथ ॥ छिरकैंपरस्परबिमलजलक्रीड़तअनेकप्रकार । शोभासमा
जप्रमोदअनुपमकहैकौनअपार ॥ यहिभांतिसहितबिदेहजाप्रभु
तीनहयमखकीन्ह । दैदानकोटिनजक्तमेंयशदेवदुर्लभलीन्ह ॥ यह
शेषबात्सायनमुनीशहिबरणिकथाअनूप । जोसुनैगावैप्रेमसोंनहिं
परैसोभवकूप ३६ ॥ चौपाई ॥ अश्वमेधप्रभुसुनैजोगावै । सोनरभु
क्तिमुक्तिवरपावै ॥ गोद्विजअघकूटैततकाला । अपरपापसबकटैंक
राला ॥ सुनैअपुत्रीपुत्रनपावै । जोकुलदीपककीर्त्तिबढ़ावै ॥ अध
नीधनपावैसमुदाई । रोगिनरोगशोकमिटिजाई ॥ बँधुवाबंधमुंचि
सुखपावै । जोयहरामअश्वमखगावै ॥ जन्ममरणसंसृतदुखभारी ॥
छूटिमोक्षगतिलहैसुखारी ॥ सियारामयशजेहिप्रियलागी । सुर
दुर्लभपदतौनबिभागी ॥ सुबरणप्रतिमाकरिसियरामा । बसनआ
भरणरचिअभिरामा ॥ दम्पतिद्विजहिप्रीतिसोंदेई । तीनिउँलोक
दानफललेई ॥ रामनामजोनरअनुरागै । त्यहिसमधन्यबिरंचिन
लागै ४० ॥ दोहा ॥ इश्वरीरघुबरनामजोसुमिरैकरिबिश्वास ॥
सत्यसत्यभवतरैसोबिनतपमखअनयास ४१ यज्ञांतेजनकात्मजा
धरतीगईसमाइ ॥ पुत्रनदीन्हाराजसुखभोगतजारघुराइ ४२ ॥
चौपाई ॥गिरिजैसकलकथाहरगाई । कीन्हजोअपरचरितरघुराई ॥
आत्मनिरूपतबैठयकांते । ध्याननिरतनिशिदिनमनशांते ॥ एकस
मयकौशल्यारानी । रामहिंपरब्रह्मपहिंचानी ॥ आइभक्तियुतब
चनसुनावा । परमातमातुमहिंश्रुतिगावा ॥ नहिंतवआदिमध्यअव
साना । शिवब्रह्मादिजनकजगजाना ॥ सोममपुण्यप्रभावअपारा ।
जठरजासुहरिधरिअवतारा ॥ अबउपदेशमोहिंसोदीजै । भवबंध
नछूटैसोकीजै ॥ सुनिकृपालकौशल्याबानी । जननीजानिदयाउ

रआनी ॥ मातासोनपरैभवकूपा । कर्मभक्तिजोज्ञाननिरूपा ॥ स बतेभक्तिमोहिंअतिप्यारी । चारिप्रकारभक्तअधिकारी ॥ तामस राजससात्विकनीके । भेदबखानिकहौंसबहीके ४३ ॥ दोहा ॥ तामसभक्तचहैसदानिजशत्रुनकोनाश । यशधनपुत्रकलत्रसुखराजस भोगबिलास ४४ ॥ चौपाई ॥ सात्विकजगसबहरिमयजानै । भेद बुद्धिकछुमनहिंनआनै ॥ भजैमोहिंसबकामबिहाई । मनक्रमबचन सप्रीतिदृढ़ाई ॥ षटबिकारतेसदाबिरागी । संततममचरणनअनु रागी ॥ जेवेदांतबचनअधिकारी । सतसंगतिममकथाप्रियारी ॥ तिनहिंदेउँकैवल्यअनूपा । निजसालोक्यसमीपसरूपा ॥ म ससेवातजिसोपिनचाहैं । तेमोहिंभक्तपियारसदाहैं ॥ ममसुमि रनदर्शनबंदनबर । पूजास्तुतिकरैप्रेमपर ॥ कर्मज्ञानतेसुनुमहता री । सबतेभक्तिसुलभअधिकारी ॥ करैंयज्ञआदिकजेकरमै । ल हैंस्वर्गसुखतेनरपरमै ॥ आत्मबिचारसोज्ञानकहावै । जोनिबहै तौपरम्पदपावै४५ ॥ दोहा ॥ ज्योंसुगन्धबहवायुबशगहैघ्राणसब लोग॥ मोहिंमिलैकरिकर्मत्योंज्ञानभक्तिसंयोग ४६ ॥ चौपाई ॥ मोरअंशसबजीवनजानै । जीवआत्मामोहिंपहिंचानै ॥ तातेभेद नकाहुहिआनै । समताकरैईशमयजानै ॥ यहिप्रकारममभक्त सुभाऊ । भजैमोंहिंसंततचितचाऊ ॥ तुममोहिंमातुपुत्रकरिजा ना । सेयोसदायथानिजप्राना ॥ योगभक्तियहदृढ़उरतोरे । पैहौ मोक्षअनुग्रहमोरे ॥ सुनिअसबचनपरमसुखपावा । कौशल्याह रिपदमनलावा॥रामहिंसुमिरितजीनिजदेहा । लहापरमपदसहि तसनेहा॥भक्तियोगहरिमुखहिपवित्रा । सुनाअपरकेकयीसुमित्रा॥ गाइबिमलयशधरिउररामहिं । तनतजिमिलींपतिहिसुरधामहिं॥ रामराज्यनररामहिंध्यावै । तनतजिसकलपरंपदपावै ४७ ॥ दोहा ॥ यहिप्रकारहरियशबिमल गाइतरैंनरनारि । अपरचरित्र पवित्रअति सुनुगिरिराजकुमारि ४८ ॥ चौपाई ॥ बिधिआयसु

ऋषिवरवपुधारे । आयोअवधकालप्रभुद्वारे ॥ लक्ष्मणसोंकहिगि रासोहाई । मोहिंश्रीरामहिं देउमिलाई ॥ लषणजाइप्रभुपदशिर नावा । ऋषिवरकरआगमनसुनावा ॥ तबअनुजहिकहकृपानिधा ना । लाइयऋषिहिसहितसन्माना ॥ मुनिहिंलषणगृहगयोलवा ई । महातेजतनबरणिनजाई ॥ रामहिंलखिजयबचनउचारा । पूजिमुनिहिंरघुबरबैठारा ॥ अतिआदरकरिकृपानिकेतू । कहौ ऋषैआयोकेहिहेतू ॥ पूजौंसबअभिलाषतुम्हारा । सुनिऋषीशपु निबचनउचारा ॥ जोमैंतुमहिंकहौंरघुराऊ । औरनसुनैकहोंजनि काऊ ॥ जाकेश्रवणपरैयहबाता । करौंताहिनिजकरतुमघाता ॥ ४६ ॥ दोहा ॥ सुनियहअनुजहिकहाप्रभु तुमतिष्ठौगृहद्वार । जो ऐहैंतेहिमारिहौंहैप्रणसत्यहमार ५० ॥ चौपाई ॥ सुनिलक्ष्मणआ येउठिद्वारा । मुनिहिंरामपुनिबचनउचारा ॥ जोरुचिराखिमोहिं पहँआये । कहौतौनमैंकरौंसुभाये ॥ अससुनिमुनिबहुबिनयबखा नी । अखिलेश्वरहिकहाबरबानी ॥ प्रथमपुत्रमतोरकृपाला । मा यासंभवजगहरकाला ॥ तुमकल्पांतजलाणवऐना । मायासँगकी न्हसुखसैना ॥ पुनिजगहितइच्छाउरलावा । नाभिकमलब्रह्महि उपजावा ॥ पुनिमधुकैटभकोउपजावा । तेदूनौंबिधिकोचहैंखावा॥ तबबिरंचिहरिशरणपुकारा । तुमदूनौअसुरनतबमारा ॥ तिनम ज्जामेदिनीअपारा । रचासकलयहसहितपहारा ॥ तबबिधितव अनुशासनपाई । सकलसृष्टियहरचीसोहाई ५१ ॥ दोहा ॥ तुम पालासुरसंतनर धरिमत्स्यादिशरीर । दुष्टअसुरसंहारिरण हरा सकलभवपीर ५२ ॥ रूपमाला ॥ अवरावणादिसँहारिमहिहितध रामनुजशरीर । नरआयुआयुतबरषकीदशशतअधिकरघुबीर ॥ प्रभुजोमनोरथपूरतौसुरलोककरियशनाथ । असकहिपठायोबिधि हमैंनिजरुचिकरौरघुनाथ ॥ सुनिकालबैनबिचारिहरिमुसुकाइक हियहबात । बिधिकीमनोरथइष्टतरमोहिंऔरकछुनसोहात ॥ त्रै

लोकरक्षकहेतुमैंनरभूपरूपहिलीन्ह । सुरथापिअबनिजलोकको चलिबेमनोरथकीन्ह ॥ यहिभांतिअंतकरामसोंसंबादपरमउदार । तेहिसमयदुर्बाशाऋषेश्वरआइपहुंचेद्वार ॥ कहिलषणसोंदरशाइ येमोहिंरामकाजबिशेष । सौमित्रकहकरिसकौंमैंतबहेतनाथअशेष ॥ यहिसमयश्रीरघुबंशमणिकछुराजकाजहिलीन्ह । सुनतैतुम्हैंइतआइहैंतुमनाथपरमप्रबीन॥ सौमित्रबचननअकनिभनिकरि हृदयक्रोधअपार । यहिक्षणनमिलिहैंरामतौरघुबंशकरिहौंक्षार ॥ मुनिरुषनिरखिलक्षमणआतुरपुष्टकरियहबात । अबजाइसबकुल रक्षियेनिजप्राणकरियेघात ॥ तबजाइअत्रिजकीकथाश्रीरामसों कहिगाइ । सुनिशीघ्रकालहिबिदाकैऋषिकोमिलेरघुराइ ५३ ॥ दोहा ॥ चरणपरशिसनमानयुत कहकरजोरिबहोरि । आयसुदीजैनाथअब करिहौंमैंरुचितोरि ५४ ॥ प्रज्वलिया ॥ मुनिमुदितकहासु निरामबैन । गतसहसबरषकियअसनमैन ॥ सोदीजैजोकछुसिद्ध होइ । भोजनकराइरघुवीरसोइ ५५ ॥ चोपाई ॥ भोजनकरिमुनि गेनिजधामा । निजप्रणहेतदुखीअतिरामा ॥ अधमुखचितवतनैननआंसू । बारबारलैऊरधश्वासू ॥ रघुपतिदशालषणअसदेखा । ममसनेहदुखलहाबिशेखा॥ कहानाथउरशोकनमानौं । निजप्रण राखहुमोहिंअबमानौं ॥ जोसनेहनहिं तोरहुमोरा । तौमोहिंनरक होइअतिघोरा ॥ तबरघुपतिगुरुमंत्रिबोलावा । निजप्रणकरसब चरितसुनावा ॥ दीजैस्वईउचितउपदेशा । कहाबशिष्ठसुनहुअबधेशा ॥ बधअरुत्यागद्वऊसमताई । तजौआशुअनुजहिरघुराई ॥ सत्यप्रतिज्ञातबभगवाना । तौहैसबजगकरकल्याना ॥ यहसुनि अनुजहिकहाखरारी । जाउजहांरुचिहोइतुम्हारी ५६ ॥ दोहा ॥ असकहिरघुपतिशोचबश गिरेअवनिमुरझाइ । चरणबंदिलक्षमणउठि गयोतुरतरुखपाइ ५७ ॥ चोपाई ॥ पहुंचेजाइसारयूतीरा । कीन्हआचमनभजिरघुबीरा ॥ नवोद्वाररोंकातेहिकाला । खैंचि

प्राणराखानिजभाला ॥ ब्रह्मबासुदेवहिधरिध्याना । शीर्षमार्ग निकासिनिजप्राना ॥ भैअलक्ष्यसोप्राकृतदेहा । सुमनवृष्टिसुर करैंसनेहा ॥ शक्रलवाइगयेनिजधामा । पूजाबिविधिभांतिअभिरामा ॥ सिद्धलोकगतयोगिनध्यावा । ब्रह्मादिकमिलिअतिसुख पावा ॥ तबनिजशेषरूपदरशायो । हरिचतुरांशजोवेदनगायो ॥ जबतेअनुजहितजिरघुबीरा । भयेशोकबशशिथिलशरीरा ॥ गुरु मंत्रिनबोलाइअसभाषा । अवधराजभरतहिअभिलाषा ॥ मैंलक्ष्मणसमीपअबजैहौं । आनउपाउनमनसुखपैहौं ५८ ॥ प्रज्वलिया॥ सुनिरामबचनभरतादिदीन । महिगिरेयथाद्रुममूलछीन ॥ कह अनुजशपथकरिसुनहुराम । तुमबिननरुचैमोहिंराजबाम ॥ कुशलवहिकरौकोशलभुवाल । मोहिंलेउआपनेसँगकृपाल ॥ सुनि कुशहिकियोकोशलनरेश । लवकोदीन्होउत्तरसुदेश ॥ तबभरत दूतसत्वरपठाइ । शत्रुहैजाइलावोलवाइ ॥ प्रभुचहतकीन्हसुर लोकगौन । सुनिबचनमोरआइयेभौन ५९ ॥ चौपाई ॥ यहसुनि प्रजासकलअकुलाने । रामनरेशसबहिसनमाने ॥ करियेकहाक हौंकिनभाई । सबमिलिकहासुनियरघुराई ॥ तवसनेहबशसब रघुनाथा । चाहियरहनतुम्हारेसाथा ॥ तपबनग्रामअपरसुरधा मा । जाउजहांसँगलेइयरामा ॥ असदृढ़मतकरिप्रजासुखारी । सकलकुटुम्बबन्धुसुतनारी ॥ गयेदूतरिपुहनकेतीरा । अवधचरित्र बरणिमतिधीरा ॥ कालआगमनपुनिदुर्बाशा । लक्ष्मणकरसबच रितप्रकाशा ॥ कुशलवयथाराज्यबैठारे । आपुचहतसुरलोकसिधारे ॥ सुनिशत्रुहनशोकअतिपावा । दुहुंपुत्रनकहँतुरतबोलावा ॥ मथुराअधिपतिकीन्हसुबाहू । यूपकेतुबिदशानरनाहू ६० ॥ दोहा ॥ सैनसुहृदसंपतिबिपुल सुतनसत्रुहनदीन्ह । बहुप्रकार नृपनीतिकहि गौनरामपहँकीन्ह ६१ ॥ चौपाई ॥ आपुअवधआतु रउठिधाये । रामदरशलालसाबढ़ाये ॥ देखाआइतेजकीराशी ।

शांतश्यामकुविपरमप्रकाशी ॥ युगुलदुकूलअनूपसुहाये। ऋषि आवृतब्रतमुनिनलजाये ॥ कीन्हप्रणामशत्रुहनधाई । पाणि जोरिबहुबिनयसुनाई ॥ प्रभुसुरलोकगमनसुनिपायों । सुतन राजदैमइतआयों ॥ मैंप्रभुतवचरणनअनुगामी । लेइयसंगन त्यागियस्वामी ॥ रघुपतिअनुजबुद्धिदृढ़जाना । होउतयारहो तमध्याना ॥ तेहिक्षणभालुकीशसबआये । कामरूपतनधरेसुहा ये ॥ अपरबिभीषणादिनिशिचारी । आयेकामरूपतनधारी ॥ सबराक्षसनकपिनअरुऋच्छा । रामसंगचलिबेकीइच्छा ६२ ॥ कुंडलिया ॥ करिप्रणामसुग्रीवकहि दैअंगदकोराज । मैंआयोंजनि त्यागियेलेउसंगमहराज ॥ लेउसंगमहराजसुनानिःकुलजनबैना। करौभोगसबआइ परमउत्तममममऐना ॥ करौभोगतुमपरमबिभी-षणएककल्पभरि । अन्तमोक्षगतिलहौरहौमेरोआयसुकरि ६३॥ चोपाई ॥ तुमहनुमानज्ञानगुणऐना । चिरंजीविममम्रृषानबैना ॥ द्वापरांततकतुमऋच्छेशा । रहौधरणिनहिंलहौकलेशा ॥ तुम्हैयुद्ध करिहौंकछुहेतू । कहेउबचनअसकृपानिकेतू ॥ अपरऋच्छराक्षस कपिधीरा । चलौसंगममकहरघुबीरा ॥ बहुरिबशिष्ठहिकहिरघुरा जा । चलैअग्रममयज्ञसमाजा ॥ तबबशिष्ठअनुशासनमानी । य-ज्ञादिकप्रथमैप्रस्थानी ॥ क्षौमबसनपवित्रकुशहाथा । महाप्रयान कीन्हरघुनाथा ॥ पद्मबिशालनयनसियबामा । दहिनेअरुणकंज करश्यामा ॥ शास्त्रशस्त्रधनुबाणसमेता । तनधरिचलिरघुबीरउपे ता ॥ मुनिगणसहितवेदधरिदेहा । चलेरामसँगसहितसनेहा ६४ दोहा ॥ प्रणवव्याहृतिनसहिततन धरिगवनीश्रुतिमात ॥ कुटुंब सहितअनुचरचले मोदनकछुकहिजात ६५ ॥ चोपाई ॥ भरतशत्रु हनसंगसुबामा । चलेअनुचरणसहप्रभुधामा ॥ चारिउबरणग्राम नरनारी । चलेरामपथसकलसुखारी ॥ पशुखगकृमिजेत्रिजगश-रीरा । जड़चेतनजीवनरघुबीरा ॥ सुमिरिसबहिंपावातिनप्रानिहुं

जोगतिअगममहामुनिज्ञानिहुं ॥ गयेरामसरयूसरितीरा। कीन्ह आचमनपावननीरा ॥ तहँब्रह्मादिदेवसबआये। सिद्धपितरऋषि नभतलछाये ॥ चढ़ेबिमाननपरमप्रकाशा। ज्योतिर्मयहोइरहा अकाशा ॥ बरषैंसुमनसकलसुरमाला। गावैंकिन्नरगीतरसाला ॥ बहैसुहावनित्रिबिधिबयारी। सुरनरसबजीवनसुखकारी ॥ तेहि अवसरबिधिमनअनुरागे। सियरघुनाथहिबिनवनलागे ६६ ॥ हरिगीतिका ॥ करजोरिरामहिंबिनयबिधितुमब्रह्मपरअखिलेश्वरं। जयबिष्णुपरमानन्दपूरणबिश्वमयसीताबरं ॥ हेभक्तबत्सलदीन बंधुकृपालमारक्षाकरौ। कोटिननमस्तेनाथअबइश्वरीप्रणतभवभ यहरौ ॥ तुमबंधुबर्गसमेतबैष्णवएकआदिजगत्पते। देवाधिदेव प्रसीदमेममबचनपरिपालनकृते ॥ सुनिप्रार्थनाचतुरास्यकीलखि देवगणनभतलभरे। कछुभेदकोउनजानप्रभुभुजचारिआयुधयुत करे ॥ भेशेषलक्ष्मणतल्पबरदरभरतह्वैदरशावते ॥ शत्रुहनचक्र रमास्यारामोपिबिष्णुसोहावते ॥ सहअनुजपूरुबदेहधरिलाव णयपरमप्रकाशते। इन्द्रादिसुरसबसिद्धऋषिप्रणमामिरमानिवा सते ६७ ॥ दोहा ॥ तबहरिकहाबिरंचिसों येसगरेममदास ॥ आ वतहैंबैकुंठको दीजैसुखदनिवास ६८ ॥ हरिगीतिका ॥ सुनिबचन बिधिकरजोरिकहहरिचरणपरशिरनाइकै।तवदाससबसंतानबन सुखकरैंअक्षयजाइकै ॥ तवनामजानअजानहूकहितजतजेनरदेह को। पावतपरमपदबिनश्रमहिंकोकहैसहजसनेहको ॥ कपिऋ- क्षराक्षसहर्षसकलनहाइसरयूनीरही। जोरहापूरुबअंशसुरतेहि मिलात्यागिशरीरही॥ सुग्रीवआदितमेंमिलेअरुअपरपूरुबरूपही। नरन्हाइतनतजिचढ़िबिमाननहोतहरिअनुरूपही ॥ यहिभांतिप शुखगत्रिजगयोनिजड़ादिजीवनगतिलहा। श्रीरामचन्द्रकृपात्र भाउनजातशेषहुसोंकहा ॥ बरणयोशिवाप्रतिशंभुसकलचरित्रपा वनरामको। जोसुनैगावैपाइहैसोपरमपदअभिरामको ॥ कोकहै

कोटिनजन्मजेहिकेपापचयसंचयरहै।तेअघनसुनतैप्रेमसोंश्रीराम यशपावकदहै ॥ जेहिहेतुरामायणसुनैसोहेतुनिश्चयपाइहै। सुत दारभूभण्डारलक्ष्मीसुखसकलसरसाइहै ६६ यहकथाश्रीरघु नाथकीऋषिबालमीकिजोगायऊ । व्यासादिमुनिबहुभांतिकहि शिवशिवासोंसमुझायऊ ॥ तेहिबरणिभाषाछंदनैकश्यपकुलोद्भव द्विजबरे। इश्वरीत्रिपाठीबसतसारावतीसरितटसुखभरे ७० ल क्षमणपुरतेपंचयोजनपीरनगरनिवासहै । बरणिरामायणकलुषह रनामरामबिलासहै ॥ रसचन्दनवशशिअब्दमधुशुदिरामनौमीमा निकै। हरिप्रेरणातेप्रकटकीन्हीजक्तनिजहितजानिकै ७१॥ दोहा॥ धर्म्मधुरंधरवैश्यबरमुंशीनवलकिशोर । रामायणप्रतिमाविपुल छापि दीन्हिचहुंवोर ॥ रामायणभाषाबरणिइश्वरीमतिअनुरूप। रीझिदेउमोहिंरामसियनिजपदभक्तिअनूप ७२ ॥

इतिश्रीमद्रामायणेरामबिलासेउमामहेश्वरसंवादेई-
श्वरीद्विजभाषाकृतेउत्तरचरित्रोन्तरगतरामा-
श्वमेधयज्ञसंयुक्तकथासमाप्तम् ॥

इति ॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
ब्रजबिलास	रामकलेवा	सहस्ररजनीचरित्र
बहारवृन्दाबन	अनेकार्थ	अर्थात् भाषा अलिफ़लैला
शङ्करदिग्विजय	शनिश्चरकीकथा	बड़ौदाक्रमीशन
नानार्थ संग्रहावली	पटवारियोंकी पुस्तकका	रामबिलासरामायणअर्थात्
विजय मुक्तावली	प्रथमभाग	बाल्मीकीरामायणकाउल्था
चित्रचन्द्रिका	तथा तृतीयभाग	फ़िसानाअजायबनागरी
कविकुलकल्पतरु	तथा चतुर्थभाग	अर्थात् अपूर्व्वकथा
आनन्दामृतबर्षिणी	दोहावली रत्नावली	**सरिश्तहतालीम की पुस्तकें**
स्त्रीदर्पण	कथा श्रीगङ्गाजी	अक्षरदीपिका
कायस्थकुलभास्कर	हनुमानबाहुक	विद्यांकुर
समरबहारवृन्दाबन	भरथरीनीत	बालबोध
रागप्रकाश	जनकपच्चीसी	भाषाचन्द्रोदय
इन्द्रजाल	धर्म्मसिंहकावृतान्त	इङ्गलिस्तानका इतिहास
लावनी व शेर बनारसी	ज्ञानमाला	गणितलता २ भाग
सिंहासन बत्तीसी	गङ्गालहरी	तथा ३ भाग
बेतालपच्चीसी	ब्रह्मसार	गणितप्रकाश १ भाग
पद्मावतीखंड	प्रबोधचन्द्रोदय नाटक	तथा २ भाग
बनयात्रा	महाभारतभाषा	तथा ३ भाग
शुकबहत्तरी	गीतगोबिंद	तथा ४ भाग
बकावलीसुमन	कृष्णसागर	चित्रचन्द्रिका २ भाग
छन्दोर्णवपिङ्गल	कायस्थबर्णन	रेखागणित १ भाग
लीलावतीभाषा	भगवद् गीता भाषा टीका	तथा २ भाग
विक्रमबिलास	सहित	बीजगणित १ भाग
अवधयात्रा	कल्पसूत्र	तथा २ भाग
रसराज	जगद्विनोद	भूगोलदर्पण
बालाबोध	हिंदूधर्म्मशास्त्र	सूरजपुरकी कहानी
शृङ्गारप्रकाश	विनयपत्रिकासटीक	विद्याचक्र
सभाबिलास	जातकचन्द्रिका	भूगोलतत्व
युगुलविलास	परमार्थसार	पदार्थविद्यासार
यमुनालहरी	षट्पंचाशिका	बर्णप्रकाशिका प्रथमभाग
गोपीचन्द्रभरथरी	देवीभागवत्भाषा	

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
द्वितीय भाग	ऐक्ट २५ सन् १८ ६१ ज़ाबि-	स्कन्दपु०का सेतुबन्धखण्ड
तथा पचटीपिका	ते फ़ौजदारी	मनोहर कहानी
भारतखंडिका	मजमूआऐक्ट लगान अवध	भ्रमजालक नाटक
त्तेचप्रकाश	जिसकेसाथ नीचेलिखेहुये	सीताबनबास
पचहितैषिणी	ऐक्टसंयुक्त हैं	किस्सामर्द औरत
रामायण सातोकांड	ऐक्ट १६ सन् १८६३ ई०	नवीनसंग्रह
बालकांड	ऐक्ट १४ सन् १८६५ ई०	रसचंद्रोदयरसवृष्टि
अयोध्याकांड	ऐक्ट १६ सन् १८६५ ई०	सुदामाचरित्र
आरण्यकांड	ऐक्टनम्बर २६ सन् १८६६ई०	ज्ञानतरंग
किष्किन्धाकांड	ऐक्टनम्बर१६सन्१८६८ ई०	सप्तशतिका
सुन्दरकांड	ऐक्ट २० सन् १८६६ ई०	बिजयचंद्रिका
लङ्काकांड	ऐक्ट २४ सन् १८७० ई०	रामायणबालमीकी
उत्तरकांड	ऐक्ट १० सन् १८५६ ई०	भुवनेश भूषण
भाषातत्वदीपिका	ऐक्ट ५ सन् १८६१ ई०	महाभारतभाषा सबलसिंह
बालाभूषण	ऐक्ट १० सन् १८६२ ई०	चौहान कृत
हिदायतनामामुदरिसान्	ऐक्ट १८ सन् १८६६ ई०	सुन्दरबिलास
हल्काबन्दी	ऐक्ट २६ सन् १८६७ ई०	गीतरसिका
अवधकाभूगोल	क़वायदरेलवे और उसके	कवित्तावलीरामायण सटीक
अक्षरावली	साथ क़ानूनभी है	इलाजुलगुरबा भाषा
शिक्षावली	ऐक्ट१८सन्१८७३ ई० अर्थात्	रसायनप्रकाश
भोजप्रबन्धसार	क़ानून लगान मुमालिक	रामचंद्रिका सटीक
राजनीति	मग़रबी व शिमाली	रीडर नम्बर १
स्त्रियोंकीहितोपचिका	ऐक्ट१६ सन् १८७३ई०क़ानून	रीडर नम्बर २
काव्यसंग्रह	मालगुजारी मुमालिकमग़	सीक्रेल
धात्वर्णव	रबी व शिमाली	कालिंजर माहात्म्य
पशुचिकित्सा	ऐक्ट ११ सन् १८७४ ई०	सुधामन्दाकिनी
क़ानूनकी पुस्तकें	ऐक्ट १० सन् १८७२ ई०	रामबिनय शतक
हिदायतनामामालगुज़ारी	विष्णुपुराण	नारीबोध
हिदायतनामाबन्दोबस्त	लिंगपुराण	प्रताप बिनोद
ताज़ीरातहिन्द अर्थात्	भविष्योत्तरपुराण	सतीबिलास
ऐक्ट ४५ सन् ६०	वाराह पुराण	किस्सासौदागर बच्चा





